दिसंबर - 2020

राजव्यवस्था और शासन

उभयलिंगियों को वर्गीकृत करने के लिए कदम

खबर में क्यों है?

- **दिल्ली उच्च न्यायालय** ने हाल में **राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB)** ने इस बात की व्याख्या करने के लिए कि उसने अपने **वार्षिक प्रकाशन कारागार सांख्यिकीय भारत** में तीसरे अलग लिंग के लिए **उभयलिंगियों को वर्गीकृत करने और मान्यता देने** के लिए **क्या कदम उठाए** हैं।

उभयलिंगियों की मान्यता

- 2013 में, **सरकार ने उभयलिंगियों की समस्याओं का अध्ययन** करने और **हल सुझाने** के लिए एक **विशेषज्ञ समिति का गठन** किया था।
- 2014 में, **राष्ट्रीय कानून सेवा प्राधिकरण बनाम भारतीय संघ** के मामले में **भारत के सर्वोच्च न्यायालय** ने **उभयलिंगी लोगों** को '**तीसरा लिंग**' घोषित किया गया।
- इसने यह पुष्टि भी की कि **भारत के संविधान** के तहत दिये गए **मूलभूत अधिकार उभयलिंगी लोगों पर भी बराबर से लागू** होंगे, और उन्हें **पुरुष, महिला अथवा तीसरे लिंग के रूप में स्व-पहचान के अधिकार को प्रदान** कर दिया।
- 2016 में, **सरकार ने लोकसभा में अपना विधेयक पेश** किया, और इसे **स्थाई समिति** को दे दिया गया।
- लेकिन, **16वीं लोकसभा (2014-19) के भंग** होने के साथ ही यह **विधेयक समाप्त** हो गया।
- 2019 में, **संसद ने उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) विधेयक, 2019 पारित** किया।
- **2020 में**, सरकार ने **राष्ट्रीय उभयलिंगी व्यक्ति परिषद की स्थापना** की।

उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) कानून, 2019

- **उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) कानून, 2019 भारतीय संसद का एक कानून** है जिसका उद्देश्य **उभयलिंग व्यक्तियों को उनके कल्याण और अन्य संबंधित मामलों में अधिकारों का संरक्षण** उपलब्ध कराना है।

<u>उभयलिंगी व्यक्ति की परिभाषा</u>

- यह **कानून किसी उभयलिंगी व्यक्ति** को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करते हैं **जिसका लिंग जन्म के वक्त नियत लिंग से नहीं मिलता** है।
- इसमें शामिल हैं **उभयपुरुष और उभयमहिला, अंतरलिंग अंतरों के साथ व्यक्ति, लिंगी विलक्षणता वाले व्यक्ति, और किन्नर और हिजड़ा जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान के साथ वाले व्यक्ति**।

<u>पहचान का प्रमाणपत्र</u>

- **कानून कहता** है कि एक **उभयलिंगी व्यक्ति** को **स्वयं मानी हुई लिंग पहचान का अधिकार** होगा।

- **पहचान का प्रमाणपत्र जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय** से हासिल किया जा सकता है और **यदि लिंग परिवर्तन होता है** तो **संशोधित प्रमाण** को प्रस्तुत करना होगा।
- कानून में **प्रावधान है जो माता-पिता और सगे परिवारिक सदस्यों के साथ आवास का अधिकार** उपलब्ध कराता है।

<u>भेदभाव के खिलाफ निषेध</u>

- यह **कानून शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा** इत्यादि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में **उभयलिंगी व्यक्तियों के खिलाफ भेदभाव का निषेध** करता है।

<u>दंड</u>

- यह **कहता है कि उभयलिंगी व्यक्तियों के खिलाफ अपराध** करने पर **अर्थदंड के अतिरिक्त छह महीने से दो वर्षों के बीच का कारावास होगा।**

नोटः

- यह कानून **उभयलिंगी व्यक्तयों के लिए राष्ट्रीय परिषद** की स्थापना करना चाहता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- द हिंदू

<u>शहद मिशन</u>

खबर में क्यों है?

- हाल में, **प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत** के आह्वान पर जवाब देते हुए **KVIC** ने **उत्तर प्रदेश और बिहार के हजारों प्रवासी मजदूरों** को अपने **शहद मिशन जैसी फ्लैगशिप योजना** में शामिल कर लिया।

शहद मिशन के बारे में

- शहद **मिशन को 2017** में **KVIC** ने शुरू किया था जो **2016 में '**मीठी क्रांति**'** के लिए प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुसार था।
- इस **मिशन का लक्ष्य आदिवासियों, किसानों, बेरोजगार युवकों**, और **महिलाओं** के लिए रोजगार का सृजन करना है जिसके लिए उन्हें **मधुमक्खी पालन से जोड़ा जाता है जिससे भारत के शहद उत्पादन** में भी वृद्धि हो रही है।
- इसका एक अन्य **लक्ष्य मधुमक्खी का पालन** है जिससे **फसल उत्पादकता और परागीकरण** सेवाओं को बढ़ाया जा सके जोकि **मधुमक्खी पालकों और किसानों** के लिए एक रास्ता है।

इस मिशन के अंतर्गत KVIC **मधुमक्खी पालकों को उपलब्ध कराता है;**

- मधुमक्खी कालोनी के परीक्षण के लिए व्यवहारिक प्रशिक्षण,
- मधुमक्खी पालन के उपकरणों से परिचय,
- मधुमक्खी के दुश्मनों और रोगों की पहचान और प्रबंधन,
- शहद को निकालना और मोम का शुद्धीकरण,
- सभी मौसमों में मधुमक्खी कालोनी का प्रबंधन।

संबंधित सूचना

खादी और ग्राम उद्योग आयोग (KVIC) के बारे में

- यह एक **वैधानिक निकाय** है जिसकी स्थापना **खादी और ग्राम उद्योग आयोग कानून, 1956** के तहत की गई थी।
- **KVIC की जिम्मेदारी नियोजन, प्रोत्साहन, संगठन** और जहां जरूरी हो **ग्रामीण विकास में अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय में ग्रामीण क्षेत्रों में खादी और अन्य ग्राम उद्योगों के विकास के लिए कार्यक्रमों का क्रियान्वयन** करना है।
- यह **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय** के अंतर्गत कार्य करती है।
- यह राष्ट्रीय स्तर पर **प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP)** के लिए मुख्य क्रियान्वयन एजेंसी है।
- **PMEGP** एक बड़ा **ऋण से जुड़ा सब्सिडी कार्यक्रम** है जिसे **2008-09 से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय** द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। यह 2019-20 तक जारी रहेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- द हिंदू

भारत में MSP की गणना

खबर में क्यों है?

- हाल में, विरोध कर रहे किसानों की प्रमुख मांग है कि सरकार लिखित में न्यूनतम समर्थन मूल्य **(MSP)** प्रणाली की गारंटी दे, जो उन्हें उनकी फसलों के लिए निश्चित मूल्य को उत्पादन की लागत के 1.5 गुना सुनिश्चित करता है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) के बारे में

- यह एक प्रकार का भारत सरकार का बाजार हस्तक्षेप का रूप है जिससे खेती के मूल्यों में किसी ज्यादा गिरावट के विरुद्ध कृषि उत्पादकों को आश्वस्त किया जा सके।
- भारत सरकार कृषीय लागतों और मूल्यों के आयोग **(CACP)** की संस्तुति के आधार पर कुछ विशेष फसलों के लिए बोने के मौसम की शुरुआत में न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा करती है।
- **MSP** भारत सरकार का निश्चित मूल्य है जिससे उत्पादक को संरक्षित किया जाता है- किसान- जिससे जबर्दस्त उत्पादन वर्षों के दौरान ज्यादा मूल्य गिरने के विरुद्ध उसे संरक्षित किया जा सके।

केंद्रीय बजट 2018 के पूर्व कैसे इस MSP **को निर्धारित किया जाता था?**

- कृषि मंत्रालय में कृषीय लागत और मूल्य आयोग **(CACP)** 23 फसलों के लिए **MSP** की संस्तुति करता था।
- इसमें शामिल थे खरीफ/मानसून बाद के मौसम में उगाये जाने वाली फसलें और रबी/जाड़े में उगाई जाने वाली छह फसलें (गेहूँ, जौ, चना, मसूर, सरसों और कुसुम्ब), यह गन्ना, जूट और कोपरा के अतिरिक्त हैं।
- **CACP** किसी वस्तु के लिए **MSP** की संस्तुति करते समय कई कारकों को अपने संज्ञान में लेती थी, जिसमें खेती की लागत भी शामिल है।

ये कारक हैं:

- वस्तु के लिए आपूर्ति और मांग की स्थिति।
- बाजार मूल्य प्रवृत्ति (घरेलू और वैश्विक) और अन्य फसलों के साथ समानता और
- उपभोक्ताओं के लिए परिणाम (मुद्रास्फीति), पर्यावरण (मृदा और जल प्रयोग) और कृषि और गैर कृषि क्षेत्रों के बीच में व्यापार की शर्तें।

2018 के बजट के साथ क्या परिवर्तित हो गया?

- **2018-19** के बजट ने घोषणा की कि अब से **MSP** पूर्व निर्धारित सिद्धांत के रूप में फसलों के लिए उत्पादन लागतों के 1.5 गुना निर्धारित किया जाएगा।
- अब कृषीय लागत एवं मूल्य आयोग का कार्य यह था कि मौसम के लिए उत्पादन लागतों का आकलन करे और 1.5 गुना सूत्र लगाकर **MSP** की अनुशंसा करे।

कैसे इस उत्पादन लागत का निर्धारण होता था?

- CACP अपने आप में कोई क्षेत्र आधारित लागत आकलन नहीं करता है।
- यह राज्यवार, फसल विशेष उत्पादन लागत आकलनों को जिसे कृषि मंत्रालय में आर्थिक एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय द्वारा उपलब्ध कराया जाता है, का प्रयोग करके अनुमान देता है।
- बाद वाला, लेकिन, सामान्य रूप से तीन वर्ष के अंतराल के बाद उपलब्ध होता है।

CACP प्रत्येक फसल का, राज्य और अखिल भारतीय औसत स्तरों पर तीन प्रकार की उत्पादन लागत का अनुमान देता है।

1. **A2:** इसमें शामिल हैं किसान द्वारा प्रत्यक्ष तौर पर वहन की गई बाहर का भुगतान की गई लागत- नकद और वस्तु के रूप में- बीज, खादों, कीटनाशकों, श्रमिकों, पट्टे वाली जमीन, ईंधन, सिंचाई इत्यादि।
2. **A2+FL:** इसमें शामिल हैं **A2** प्लस बिना दिया हुआ पारिवारिक श्रम की अध्यारोपित मूल्य।
3. **C2:** यह ज्यादा समग्र लागत है जिसमें किराया और स्वामित्व वाली भूमि पर पूर्व निश्चित ऋण। यह **A2+FL** के अतिरिक्त है।

वह लागत जिस पर 1.5 गुना वाला सूत्र परिगणित करना था

- 1.5 गुना सूत्र की संस्तुति शुरुआत में राष्ट्रीय किसान आयोग ने की थी जिसके अध्यक्ष एम एस स्वामीनाथन थे जोकि **C2** लागतों पर लगनी चाहिए थी।
- **MSPs** के निर्धारण में उत्पादन की लागत सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है।
- **CACP केवल प्रतिफल की लागत A2+FL को संज्ञान में लेता है।**
- लेकिन, **C2** लागतों का प्रयोग **CACP** द्वारा मूल रूप से बेंचमार्क संदर्भ लागतों के लिए किया जाता है (अवसर लागत)। यह देखता है कि यदि उनके द्वारा अनुशंसित **MSPs** कुछ केंद्रीय उत्पादक राज्यों में इन लागतों को कम से कम व्याप्त करते हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

दोषी कानून बनाने वालों को चुनाव लड़ने से पूरी जिंदगी के लिए नहीं रोका जा सकता हैः भारत सरकार

खबर में क्यों है?

- **केंद्रीय सरकार** ने हाल में **सर्वोच्च न्यायालय** से कहा है कि उसने **दोषी विधायकों व संसद सदस्यों को चुनाव लड़ने**, **किसी राजनीतिक दल को बनाने अथवा पदाधिकारी बनने से पूरी जिंदगी के लिए रोकने के विचार** को खारिज कर दिया है।
- **केंद्रीय कानून व न्याय मंत्री** ने कहा लोगों के **चुने हुए जनप्रतिनिधि की तुलना किसी सार्वजनिक सेवक** से नहीं कर सकते हैं जिनपर दोषी सिद्ध होने पर जिंदगी भर की रोक लग जाती है।

संबंधित सूचना

लोक प्रतिनिधित्व कानून, 1951

- **संविधान के भाग 15 के अनुच्छेद 324 से 329** हमारे देश की चुनावी प्रणाली से संबंधित हैं।
- **संविधान, संसद को संसद और राज्य विधायिकाओं के चुनावों** से संबंधित **सभी मामलों में** प्रावधान बनाने की अनुमति देता है।

- इस शक्ति के प्रयोग में, संसद ने कानून बनाये हैं जैसे **जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 (RPA Act 1950), जनप्रतिनिधित्व कानून 1951** (**RPA Act 1951)** और **1952 का परिसीमन आयोग कानून।**

सांसदों और विधायकों की अयोग्यता

- **1951 का जनप्रतिनिधित्व कानून संसद सदस्यों (MPs)** और **राज्य विधानसभाओं के सदस्यों** (**MLAs) को अयोग्य** घोषित करने के लिए विशेष नियमों की बात करता है।
- इस कानून का **अनुच्छेद 8(3)** कहता है कि यदि **एक संसद सदस्य अथवा राज्य विधायिका का सदस्य** किसी अन्य **अपराध के लिए दोषी सिद्ध हो जाता है और दो वर्ष अथवा ज्यादा के लिए जेल जाता** है, तो वह जेल से छोड़े जाने के **छह वर्षों तक सदस्य बनने के अयोग्य** रहेगा।
- **दोषी सिद्ध होने के बाद यद्यपि कोई व्यक्ति जमानत** पर भी हो और उसकी अपील सुनवाई के लिए पड़ी हो, तो भी वह **चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य** होगा।
- **अनुच्छेद 8(4) दोषी सिद्ध MPs, MLAs** और **MLCs** को अपने पद पर बने रहने की छूट देता है, लेकिन **इसके लिए शर्त यह है कि ट्रायल अदालत द्वारा फैसला देने की तिथि के तीन महीने के भीतर उन्होंने ऊंची अदालत में अपने दोषी होने अथवा सजा के खिलाफ अपील** की हो।
- **जुलाई 2013 में सर्वोच्च न्यायालय** ने **RPA**, **1951 के अनुच्छेद 8(4)** को गिरा दिया था और इसे **उल्लंघन** घोषित कर दिया और कहा कि सभी **अयोग्यताएं दोषी होने की तिथि के साथ शुरू** होती हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- द हिंदू

वंचित इकाई समूह और वर्गों की आर्थिक सहायता (VISVAS) योजना

खबर में क्यों है?

- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त और विकास निगम **(NSFDC)** और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास निगम **(NBCFDC)** जोकि सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के अंतर्गत है, ने भारतीय सेंट्रल बैंक के साथ **वंचित इकाई समूह और वर्गों की आर्थिक सहायता** (**VISVAS) योजना** के क्रियान्वयन के लिए समझौते का ज्ञापन किया है।

- यह आर्थिक रूप से वंचित अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति स्व-सहायता समूह एवं व्यक्तियों के वित्तीय सशक्तिकरण के लिए सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय, भारत सरकार की एक ऋण वित्तीय सहायता योजना है।

- यह योजना अन्य पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जाति स्व-सहायता समूहों के रू. 4 लाख तक की उधारियों अथवा ऋणों और अन्य पिछड़ा वर्ग/ अनुसूचित जाति के व्यक्तियों की रु. 2 लाख तक के ऋणों या उधारियों को लाभ देगी। इसमें उधार लेने वाले स्व-सहायता समूहों/लाभकर्ताओं के मानक खाते में सीधे 5% के तुरंत ऋण वित्तीय सहायता लाभ दिया जाएगा।
- यह योजना अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति के सदस्यों तक पहुँच के प्रसार में काफी मदद देगा और महामारी के इस दौर में ब्याज के भार को कम करेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

शहरी जीवन गुणवत्ता सूचकांक

खबर में क्यों है?

- हाल में, **IIT बांबे अनुसंधानकर्ताओं** ने **शहरी जीवन गुणवत्ता सूचकांक** को जारी किया है।

शहरी जीवन गुणवत्ता सूचकांक के बारे में

- इस **सूचकांक** ने **भारत** में विभिन्न शहरों में **जीवन की गुणवत्ता की तुलना** की और उन्हें **जल, बिजली, साक्षरता दर,** रोजगार दर जैसी चीजों की विभिन्न श्रेणियों के आधार पर रैंकिंग दी।
- पहली बार, **सूचकांक ने लैंगिक बराबरी को शामिल** किया है।

IIT-B RANKING OF INDIAN CITIES

Index	Highest ranked	Lowest ranked
Basic amenities	Pune	Patna
Economic development	Mumbai	Patna
Safety and security	Kolkata	Patna
Transportation access	Delhi	Indore
Environmental impact	Mumbai	Lucknow
Infrastructure development	Kolkata	Patna
Gender role	Chennai	Patna

TOI FOR MORE INFOGRAPHICS DOWNLOAD TIMES OF INDIA APP

खास बातें

- मुंबई 14 की सूची में सबसे ऊपर है, जिसके बाद दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई का स्थान है।

लैंगिक समानता

- लैंगिक समानता में, **चेन्नई सबसे ज्यादा महिला हितैषी शहर** और **पटना सबसे कम** है।

महिलाओं के खिलाफ अपराध

- **जयपुर** में **महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराध की दर** है, और **चेन्नई** ने **महिलाओं के खिलाफ सबसे कम अपराध रिकॉर्ड** किये हैं।

साक्षरता

- **पुरुषों और महिलाओं** के मध्य **साक्षरता दर में अंतराल** सबसे ज्यादा **जयपुर** (13.2%) और **सबसे कम कोलकाता** (5.4%) में है।
- **सबसे ज्यादा साक्षरता दर पूणे** (91%) और **सबसे कम साक्षरता हैदराबाद (83%)** में है।

बेरोजगारी

- **पटना** में महिलाओं के लिए **बेरोजगारी स्तर** अन्य शहरों की तुलना में **सबसे ज्यादा** है; यहां **346 का अंतराल** है, जोकि **शहरी औसत स्कोर 73** का चार गुना है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत-TOI

ऑपरेशन निघा

खबर में क्यों है?

- हाल में, **विशेष प्रवर्तन ब्यूरो (SEB)** के अधिकारियों और **आंध्र प्रदेश पुलिस** ने '**ऑपरेशन निघा**' के अंतर्गत छापे मारे।

ऑपरेशन निघा के बारे में

- यह **बालू, शराब और गांजा तस्करी** और अरक निर्माण रोकने के लिए ऑपरेशन है। इसके अतिरिक्त इसके अंतर्गत **सीमाओं पर वाहनों की जांच** की जाती है।
- **गुटखा, गांजा और जुआ जैसी दुष्प्रवृत्तियां SEB** की सीमा में सरकार द्वारा दी गई है जिसके लिए यह **पहला राज्यव्यापी ऑपरेशन** है।
- **ऑपरेशन निघा** के अंतर्गत, **पुलिस ने गांवों, सदाबहार वनों, द्विपीय गांवों** और कुछ रहने के स्थलों में **छापे मारे**।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- द हिंदू

KLI परियोजना

खबर में क्यों है?

- केंद्रीय कैबिनेट ने हाल में मेनलैंड (कोची) और लक्षद्वीप द्वीपसमूह (**KLI** परियोजना) के बीच पनडुब्बी ऑप्टिकल फाइबर केबिल कनेक्टीविटी के प्रावधानों के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी।

KLI परियोजना के बारे में

- यह परियोजना **कोची और लक्षद्वीप के 11 द्वीपों** के बीच एक समर्पित पनडुब्बी **ऑप्टिकल फाइबर केबिल (OFC)** के द्वारा सीधे संचार लिंक के प्रावधान की परिकल्पना करती है। ये 11 द्वीप हैं- कावारत्ती, कालपेनी, अगाती, अमिनि, अन्ध्रोत, मिनिकॉय, बंगाराम, बितरा, चेटलाट, किल्तन और कादमत।

वित्तीय परिणाम

- क्रियान्वयन की अनुमानित लागत लगभग रु. 1072 करोड़ है, जिसमें पांच वर्षों के लिए प्रचालन की लागत भी शामिल है।
- इस परियोजना का वित्तीयन यूनीवर्सल सर्विस अब्लिगेशन फंड के द्वारा किया जाएगा।

प्रभाव

- रोजगार सृजन में दूरसंचार की कनेक्टीविटी काफी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।
- यह लंबा बैंडविड्थ उपलब्ध कराके लक्षद्वीप द्वीपसमूह में दूरसंचार सुविधा में काफी सुधार करेगी।
- पनडुब्बी कनेक्टीविटी परियोजना नागरिकों के दरवाजे पर ई-शासन सेवाओं की डिलीवरी में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। साथ ही इससे मत्स्यन के संभावित विकास, नारियल आधारित उद्योगों और उच्च मूल्य के पर्यटन, टेली-शिक्षा के संदर्भ में शैक्षिक विकास और टेलीचिकित्सा सुविधाओं के संदर्भ में स्वास्थ्य देखभाल में भी लाभ होगा।
- यह कई व्यवसायों की स्थापना में मदद करेगी, ई-वाणिज्य गतिविधियों को मजबूत करेगी और ज्ञान की साझेदारी के लिए शैक्षिक संस्थानों को पर्याप्त समर्थन उपलब्ध कराएगी।
- लक्षद्वीप द्वीपसमूह के लॉजिस्टिक सेवा का केंद्र बनने की संभावना है।

लक्ष्य

- इस परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य मई 2023 तक रखा गया है।

क्रियान्वयन रणनीति

- भारत संचार निगम लि. **(BSNL)** को परियोजना पूरा करने वाली एजेंसी नामांकित किया गया है टेलीकम्युनिकेशन कंसल्टेंट्स इंडिया लि.**(TCIL)** को परियोजना का तकनीकी सलाहकार बनाया गया है जो यूनीवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड, दूरसंचार विभाग को सहायता प्रदान करेगी।
- परियोजना के अंतर्गत संपत्ति का स्वामित्व **USOF**, वित्तीयन एंजेसी, दूरसंचार विभाग के अंतर्गत होगा।

संबंधित सूचना

यूनीवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड स्कीम के बारे में

- इसका सृजन 2002 में दूरसंचार विभाग के अंतर्गत किया गया था।
- यह न समाप्त होने वाला कोष है अर्थात लक्षित वित्त वर्ष के दौरान न खर्च की गई राशि समाप्त नहीं होती है और अगले वर्ष के खर्च में जोड़ दी जाती है।

- इस कोष की जमाओं को संसदीय स्वीकृति की जरूरत होती है और भारतीय टेलीग्राफ (संशोधन) कानून, 2003 के अंतर्गत इसका एक वैधानिक समर्थन है।
- भारतीय टेलीग्राफ कानून 1885 के अनुसार (2003, 2006 में संशोधित), इस कोष का यूनीवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन को पूरा करने के लिए ही किया जाएगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- द हिंदू

भारत कार्यस्थल समानता सूचकांक

खबर में क्यों है?

- **भारत के पहले कार्यस्थल समानता सूचकांक LGBT+** समुदाय के लिए हाल में शुरू किया गया है।

भारत कार्यस्थल समानता सूचकांक के बारे में

- यह नियोक्ताओं के लिए देश का **पहला समग्र बेंचमार्किंग उपकरण** है जिससे वे कार्यस्थलों में **LGBT+ के समावेश में प्रगति का मापन** करेंगे।
- इसकी **शुरुआत गैरलाभकारी संगठन केशव सूरी फाउंडेशन** द्वारा की गई है, जिसके साझीदार **प्राइड सर्किल, स्टोनवाल यूनाईटेड किंगडम और FICCI** हैं।

मानदंड

- सूचकांक **नौ क्षेत्रों** का मापन करता है: नीतियां और लाभ, कर्मचारी का जीवनचक्र, कर्मचारी नेटवर्क समूह, सहयोगी और रोल मॉडल, वरिष्ठ नेतृत्व, निगरानी, खरीद, समुदाय, कार्य और अतिरिक्त कार्य।

विजेता

- **इक्कीस फर्मों** ने **स्वर्ण श्रेणी** के अंतर्गत जीत हासिल की, जबकि 18 को रजत और 13 को कांस्य श्रेणी प्राप्त हुई।

संबंधित सूचना

- भारत कार्यस्थल समानता सूचकांक **अनुच्छेद 377** पर **सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक** निर्णय के दो वर्षों के बाद आया है।

अनुच्छेद 377 निर्णय

- भारतीय दंड संहिता का अनुच्छेद 377, जो **ब्रिटिश भारत का एक अवशेष** है, कहता है " **जो भी प्रकृति के विपरीत किसी पुरुष, महिला अथवा जानवर के साथ स्वैच्छिक रूप से गुदा मैथुन करेगा, उसे दंडित किया जाएगा।"**
- इसमें शामिल है समान लिंग के वयस्कों के मध्य निजी सहमति से स्थापित यौन संबंध।
- **सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय (2018)** के बाद, **अनुच्छेद 377 के प्रावधानों** में वयस्कों के साथ **गुदा मैथुन के गैर सहमति वाले मामले**, **नाबालिगों** के साथ गुदा मैथुन के सभी कार्य और **पाशविकता के सभी कार्य** अभी भी लागू हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय कहता है कि **'लैंगिक उन्मुखता और लैंगिक पहचान के मामलों के संबंध में अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुप्रयोग पर योग्यकर्ता के सिद्धांत'** भारत कानून के हिस्से के रूप में लगाये जाने चाहिए।

योग्यकर्ता सिद्धांतों के बारे में

- यह **मानवाधिकारों** के हिस्से के रूप में **लैंगिक उन्मुखता और लैंगिक पहचान की स्वतंत्रता** को मान्यता देता है।
- इनका रेखांकन **योग्यकर्ता, इंडोनेशिया में 2006** में किया गया था, जिसे **अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार विशेषज्ञों** के जाने-माने समूह ने जारी किया था।

इस मामले से संबंधित ऐतिहासिक निर्णय

<u>नाज फाउंडेशन बनाम दिल्ली की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार (2009)</u>

- इस निर्णय में **दिल्ली उच्च न्यायालय** ने अनुच्छेद 377 को समाप्त कर दिया था, जिससे **वयस्कों के मध्य सहमति से समलैंगिक गतिविधियां कानूनी** हो गईं।

<u>सुरेश कुमार कौशल बनाम नाज फाउंडेशन (2013)</u>

- सर्वोच्च न्यायालय ने **दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व के निर्णय** को बदल करके (2009) जिसने समलैंगिक कार्यों को गैर-अपराध घोषित कर दिया था, एक बार फिर से समलैंगिकता को अपराध घोषित कर दिया।
- इस बारे में सर्वोच्च न्यायालय का तर्क था कि 150 वर्षों में, 200 से भी कम लोगों पर अनुच्छेद 377 के तहत मुकदमे किये गये हैं।
- इसलिए कानून की संवैधानिकता का निर्णय करने के लिए **लैंगिक अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न** का तर्क का प्रयोग नहीं किया जा सकता है।
- इसके अतिरिक्त, सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि **भारतीय दंड संहिता के अनुच्छेद 377 का समाप्त करने की वांछनीयता** में विधायिका को हस्तक्षेप करने का अधिकार है।

<u>नवतेज सिंह जौहर बनाम भारतीय संघ (2018)</u>

- भारतीय **सर्वोच्च न्यायालय ने 2018** में **सुरेश कुमार कौशल के मामले (2013)** में ली गई स्थिति को खारिज कर दिया कि **LGBTQ समुदाय** एक अल्प अल्पसंख्यक है और इसलिए **समलैंगिक यौन संबंधों को गैर-अपराध** घोषित करने की जरूरत नहीं है।

- इसका अर्थ है उसने वयस्कों के मध्य **सभी प्रकार के सहमति वाले यौन संबंधों को गैर अपराध** घोषित कर दिया जिसमें समलैंगिक यौन संबंध भी शामिल हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- बिजीनेस स्टैंडर्ड

दृष्टि 2035: भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी

खबर में क्यों है?

- **नीति आयोग** ने हाल में एक **श्वेत पत्र, दृष्टि 2035: भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी** जारी किया है।

पृष्ठभूमि

- कोविड-19 महामारी ने हमें एक अवसर प्रदान किया है कि हम **उभरती हुए रोगों पर पुनः ध्यान** दे सकें, जिसका कारण **मानव-जानवर-पर्यावरण के बीच होने वाली अन्योन्य प्रक्रिया** है।
- इस **हस्तक्षेप की आरंभिक पहचान संप्रेषण की कड़ी को तोड़ने** और लचीली निगरानी प्रणाली को बनाने के लिए आवश्यक है।
- यह **दृष्टि पत्र** इसी दिशा में एक कदम है; यह **दृष्टि को व्यक्त करता है और निर्माण ब्लाकों** को उजागर करता है।

दृष्टि 2035 के बारे मेः भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी

- यह पत्र **हेल्थ वर्टिकल, नीति आयोग** और **कनाडा की मनीटोबा विश्वविद्यालय के वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान का संयुक्त प्रयास** है। इसमें तकनीकी विशेषज्ञों ने भी अपना योगदान दिया है जो **भारत सरकार, राज्यों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों** का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- इस दृष्टि को **2035 तक हासिल** करना है जिसके लिए **आयुष्मान भारत** में **तीन टियर वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली का एकीकरण** किया जाएगा।
- इस **दृष्टि के निर्माण ब्लॉक्स केंद्र और राज्यों** के बीच में **शासन की संघीय प्रणाली** है। यह **नया आंकड़े साझेदारी का तंत्र** अपने में **नये विश्लेषणों, स्वास्थ्य सूचनाओं और आंकड़ा विज्ञान** को समाहित करती है, जिसमें **'कार्यवाही के लिए सूचना'** के प्रसार के नवोन्मेषी तरीके भी शामिल हैं।

दृष्टि 2035 के उद्देश्यः भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी

- **भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली** को अधिक **उत्तरदायी और निश्चियात्मक बनाना जिससे सभी स्तरों पर कार्यवाही** की तैयारी को उन्नत किया जा सके।
- **नागरिक हितैषी सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली व्यक्तिगत निजता और गोपनीयता** सुनिश्चित करेगी, जिसे **ग्राहक फीडबैक तंत्र** के साथ सक्षम बनाया जाएगा।
- **रोगों की बेहतर पहचान, बचाव और नियंत्रण** के लिए **केंद्र और राज्यों** के बीच में **उन्नत आंकड़ा साझेदारी उपकरण।**
- **भारत** का लक्ष्य घटनाओं के प्रबंधन में **क्षेत्रीय और वैश्विक नेतृत्व प्रदान** करना है जो अंतरराष्ट्रीय चिंता की एक **सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल का निर्माण** करती है।

महत्व

- 2035 तक **भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी पर यह दृष्टिपत्र** अवसरों पर निर्माण करता है जिसमें **आयुष्मान भारत योजना** शामिल है।
- यह **एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम** के **एकीकृत स्वास्थ्य सूचना प्लेटफॉर्म** जैसी पहलों पर निर्माण करता है।
- यह **राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017** और **राष्ट्रीय डिजीटल स्वास्थ्य ब्लूप्रिंट** में उजागर किये गए नागरिक केंद्रियता के साथ संरेखित करता है।
- यह मोबाइल और डिजीटल प्लेटफॉर्मों के प्रयोग को प्रोत्साहित करता है। साथ ही यह देखभाल के बिंदु वाले उपकरणों और नैदानिकों को आंकड़े ग्रहण करने और उनके विश्लेषण के मिश्रण को भी प्रोत्साहित करता है।
- यह निगरानी में निजी क्षेत्र की भागीदारी को उन्नत करने वाले **क्लीनिकल संस्थान कानून** जैसी पहलों के फायदों के महत्व को रेखांकित करता है।
- यह सर्वोच्च संस्थानों के जोड़ने वाले और समन्वित प्रयासों के महत्व को भी इंगित करता है जिसमें राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और अन्य शामिल हैं।

भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी में अंतराल क्षेत्रों को संबोधित करना

- भारत एक **कुशल और मजबूत स्वास्थ्य कार्यबल तैयार** कर सकता है जो **निगरानी गतिविधियों** के लिए समर्पित हो।
- **गैर-संक्रामक रोग**, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य, **पेशेगत और पर्यावरणीय स्वास्थ्य** और चोटें भी **सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी में एकीकृत** की जा सकती हैं।
- **स्वास्थ्य सूचना प्रणालियों** से रोगों के आंकड़े **महत्वपूर्ण सांख्यिकीय पंजीकरण** से **मृत्यु आंकड़ों** के साथ मिलाये जा सकते हैं।
- **एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण** में **पादप, पशु और पर्यावरणीय निगरानी का मिश्रण** जिसमें **रोगाणुरोधी प्रतिरोध के लिए निगरानी** और **महामारियों के लिए भविष्यवाणी की क्षमता** भी शामिल है, इस दृष्टि पत्र में एक तत्व के रूप में सुझाव दिया गया है।
- भारत के **त्रिस्तरीय स्वास्थ्य प्रणाली** के साथ **सार्वजनिक स्वास्थ्य निगरानी** का एकीकरण किया जा सकता है।

- **नई नैदानिक तकनीकों** जिसमें **आणविक निदान, जीनोटाइपिंग और फेनटाइपिंग** शामिल हैं, के साथ **प्रयोगशाला क्षमता** को मजबूत किया जा सकता है।
- **त्रिस्तरीय स्वास्थ्य प्रणाली के आर-पार संपर्क** पैदा करने के लिए, परामर्श नेटवर्क का **निदान और देखभाल** के लिए विस्तार किया जा सकता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- द हिंदू

‘महाशरद’ प्लेटफॉर्म

खबर में क्यों है?

- **महाराष्ट्र सरकार का सामाजिक न्याय विभाग ‘महाशरद डिजीटल प्लेटफॉर्म’** शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

महाशरद डिजीटल प्लेटफॉर्म के बारे में

- “**स्वास्थ्य और पुनर्वास सहायता के लिए महाराष्ट्र प्रणाली” अथवा महाशरद प्लेटफार्म को शारीरिक अक्षमताओं के साथ वाले व्यक्तियों के लिए विभिन्न उपकरणों को उपलब्ध कराने के लिए निर्मित किया गया** है। यह मुफ्त में सेवा उपलब्ध कराएगा जिसके लिए **दिव्यांगता के साथ वाले व्यक्तियों के लिए कमिश्नरी कार्य** करेगा।
- **महाशरद प्लेटफार्म** ऐसे **दानकर्ताओं को दिव्यांगों से मिलने में मदद** देगा।
- यह जरूरतमंद **शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्ति** और **निजी कंपनियों**, वेंडरों और लोग जो ऐसे **उपकरणों को दान करते** हैं, के बीच **सेतु का कार्य** करेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- AIR

शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत

खबर में क्यों है?

- हाल में, **महाराष्ट्र राज्य विधायिका के दोनों सदनों का निर्णय** कि रिपब्लिक टीवी संपादक और एंकर अर्नब गोस्वामी के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव के हनन में **उच्च न्यायालय अथवा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भेजी गई किसी भी नोटिस** का जवाब न दिया जाए ने **न्यायपालिका और विधायिका** के बीच में शक्तियों के पृथक्करण पर चर्चा को एक नया मोड़ दे दिया है।

शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत क्या है?

- शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत **भारतीय संविधान के मूल स्वरूप** का हिस्सा है।
- इसका अर्थ है कि **लोकतंत्र के तीन स्तम्भ** नामतः **कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका, अलग-अलग कार्य करते** हैं और **अलग संस्थाओं के रूप में कार्यरत** हैं।
- इस **सिद्धांत की एक खास बात राज्य का एक अंग किसी दूसरे अंग के कार्य में हस्तक्षेप** न करे अथवा **किसी अन्य अंग का कार्य न करे**।

इस प्रस्ताव को पारित करते समय राज्य विधानसभा ने कौन से कानूनी प्रावधानों का प्रयोग किया?

- प्रस्ताव ने **संविधान के दो अनुच्छेदों** को अपने **तर्क का आधार बनाया।**

वे हैं अनुच्छेद

- संविधान का **अनुच्छेद 194**, जोकि विधायिका के सदनों की शक्तियों और विशेषाधिकारों को देता है।
- **अनुच्छेद 194** कहता है कि प्रत्येक राज्य की विधायिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होगी और राज्य की विधायिका का कोई भी सदस्य किसी चीज को कहने के संबंध में अथवा विधायिका में कोई मत देने अथवा समिति के लिए किसी भी न्यायालय में कार्यवाही के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा। साथ ही कोई भी व्यक्ति किसी प्रकाशन अथवा ऐसे किसी विधायिका के सदन के प्राधिकरण के अंतर्गत किसी रिपोर्ट, मत अथवा कार्यवाही के लिए न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।
- **अनुच्छेद 212** कहता है कि किसी राज्य की विधायिका में किसी कार्यवाही की वैधता को प्रक्रिया की किसी तथाकथित अनियमितता के आधार पर सवालिया निशान नहीं लगाया जा सकता और राज्य की विधायिका के किसी अधिकारी अथवा सदस्य को जिसपर विधायिका में प्रक्रिया के विनियमन अथवा कार्यवाही के संचालन अथवा आदेश बनाए रखने का दायित्व की शक्ति सौंपी गई है, इन शक्तियों का इस्तेमाल करने के संबंध में किसी न्यायालय के न्यायाधिकार के आधीन नहीं होगा।

शक्तियों के पृथक्करण को सुनिश्चित करने वाले संवैधानिक प्रावधान

- **अनुच्छेद 50:** राज्य न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करने के लिए कदम उठाएगी।
- **अनुच्छेद 121 और 211:** सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों का न्यायिक आचरण पर संसद अथवा राज्य विधायिका में चर्चा नहीं की जा सकती है।
- **अनुच्छेद 361:** राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल अपने कार्यालय की शक्तियों और कर्तव्यों को करने के लिए किसी न्यायालय के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

स्वास्थ्य एवं टेलीचिकित्सा के लिए सामाजिक प्रयास (SEHAT) योजना

खबर में क्यों है?

- प्रधानमंत्री 26 दिसंबर को जम्मू एवं कश्मीर में स्वास्थ्य एवं टेलीचिकित्सा के लिए सामाजिक प्रयास (SEHAT) योजना की शुरुआत करेंगे।

- इससे जम्मू एवं कश्मीर देश में सार्वभौमिक स्वास्थ्य आच्छादन हासिल करने वाले वालों के मध्य में प्रथम हो जाएगा।

स्वास्थ्य एवं टेलीचिकित्सा के लिए सामाजिक प्रयास योजना के बारे में

- यह योजना डिजीटल इंडिया दृष्टि के अनुसार शुरू की गई है। यह पहल भारत में टेलीचिकित्सा मिशन को बढ़ावा देगा जोकि दूर स्थानों पर क्लीनिकल स्वास्थ्य देखभाल उपलब्ध कराने के लिए दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकियों के प्रयोग पर केंद्रित है।

योजना के खास बातें और लाभ

- यह सरकार की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के लिए एक पहल है जिससे ग्रामीण नागरिकों को डिजीटल तकनीकों के हस्तक्षेप के द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सूचना, ज्ञान, कौशल और अन्य सेवाओं तक पहुँच के द्वारा सशक्त किया जा सके।
- यह स्वास्थ्य एवं टेलीचिकित्सा के लिए सामाजिक प्रयास (SEHAT) अपोलो अस्पतालों के साथ एक उद्यम है जिसके पूरे देश में फैले 60.000 सामान सेवा केंद्रों (CSCs) को जोड़ने की आशा है। ये सामान नेटवर्क से जोड़े जाएंगे और भौगोलिक स्थान अथवा कनेक्टीविटी को नजरअंदाज करने हुए लाखों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल पहुँच उपलब्ध करायेगा।
- भारत सरकार ने इसे अपोलो अस्पतालों के साथ सहयोग में शुरू किया है।
- इसके लाभकर्ताओं को प्रति परिवार प्रति वर्ष रु. 5 लाख का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाएगा और इसमें परिवार के आकार, आयु अथवा लिंग की कोई रोक नहीं है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

मिशन पूर्वोदय

खबर में क्यों है?

- हाल में, केंद्रीय इस्पात मंत्री ने पूर्वी भारत में विकास के संचालन के लिए मिशन पूर्वोदय में सेल इस्पात संयंत्रों की भूमिका पर जोर दिया।

मिशन पूर्वोदय के बारे में

- यह मिशन जिसका लक्ष्य एक एकीकृत इस्पात केंद्र के द्वारा पूर्वी भारत का तीव्र विकास करना है, इसे जनवरी 2020 में प्रधान द्वारा शुरू किया गया।

- यह मिशन ग्रीनफील्ड इस्पात संयंत्रों की स्थापना के द्वारा क्षमता उन्नयन में मदद करेगा, इसके लिए यह एकीकृत इस्पात संयंत्रों के पास इस्पात क्लस्टरों का विकास और साथ में मांग केंद्रों का भी विकास करेगा।

विशेष जोर वाले राज्य

- मिशन का मुख्य जोर भारत के पूर्वी राज्यों पर होगा (ओडीशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल) साथ ही आंध्र प्रदेश का उत्तरी भाग। इन क्षेत्रों में सामूहिक रूप से देश का 80% लौह अयस्क है, 100% पकाने वाला कोयला और साथ ही क्रोमाइट, बॉक्साइट और डोलोमाइट भंडारों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- जापान साझीदार देश है जो भारत को गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों ही संदर्भों में भारत इस्पात पारितंत्र को बड़ा बनाने में दिशा निर्देश प्रदान करेगा।

मिशन पूर्वोदय का महत्व

- यह मिशन सरकार द्वारा 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की ओर भारत की दौड़ को संचालित करेगा।
- यह मिशन संचालन तंत्र और उपयोगिता अवसंरचना को हस्तांतरित करने में मदद देगा जो पूर्वी भारत में सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को परिवर्तित करेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- TOI

उत्तर-पूर्व क्षेत्र ऊर्जा प्रणाली सुधार परियोजना (NERPSIP) योजना

खबर में क्यों है?

- आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल में अंतः राज्य संप्रेषण एवं वितरण प्रणालियों की मजबूती के लिए छह राज्यों के लिए उत्तर पूर्व क्षेत्र ऊर्जा प्रणाली सुधार परियोजना के संशोधित लागत अनुमान को स्वीकृति दे दी।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र ऊर्जा प्रणाली सुधार परियोजना (NERPSIP) के बारे में

- आरंभिक तौर पर योजना को **दिसंबर 2014 में ऊर्जा मंत्रालय** के **केंद्रीय क्षेत्र योजना योजना** के रूप में स्वीकृति दे दी गई थी।

वित्तीयन

- इसका वित्तीयन विश्व बैंक कोष और भारत सरकार की सहायता से किया जा रहा है। इसके लिए ऊर्जा मंत्रालय का **50:50** का समर्थन है (विश्व बैंकः भारत सरकार)। इसका अपवाद केवल क्षमता निर्माण घटक है, जिसे पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्तीयन किया जाएगा।

उद्देश्य

- परियोजना का मुख्य उद्देश्य उत्तर-पूर्व क्षेत्र के संपूर्ण आर्थिक विकास और उत्तर पूर्व क्षेत्र में अंतः राज्य संप्रेषण और वितरण अवसंरचना को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता है।

कार्यान्वयन

- इस परियोजना का कार्यान्वयन पावरग्रिड के द्वारा किया जा रहा है, जोकि ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

लाभ प्राप्त करने वाले राज्य

- असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा और इसे दिसंबर 2021 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

मेघालय और छठवीं अनुसूची क्षेत्र

खबर में क्यों है?

- हाल में, खासी छात्र संघ **(KSU)** के सदस्यों ने मेघालय में सभी बंगालियों को बांग्लादेशी घोषित कर दिया।
- राजधानी शिलांग के छोटे क्षेत्र को छोड़कर पूरा मेगालय राज्य भारतीय संविधान की छठवीं अनुसूची से प्रशासित होता है।

छठवीं अनुसूची के बारे में

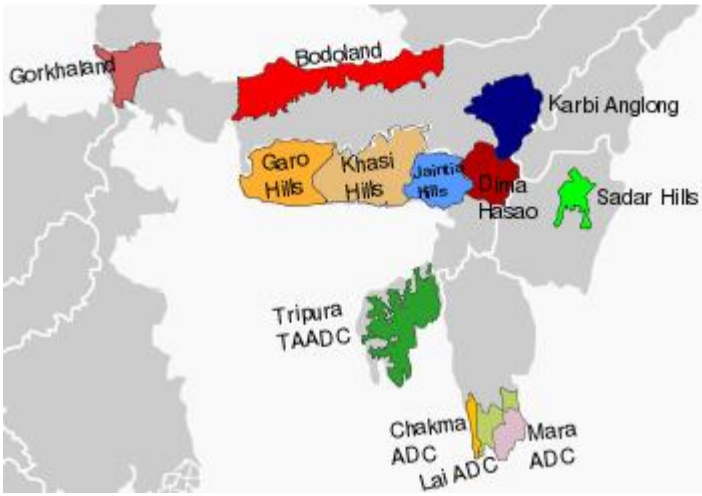

- भारतीय संविधान में छठवीं अनुसूची को डालने का उद्देश्य बहुसंख्यकों के वर्चस्व वाले किसी बड़े राज्य के अंदर रह रहे अल्पसंख्यक आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण करना था।

छठवीं अनुसूची क्षेत्रों के संवैधानिक प्रावधान

- इसका उल्लेख भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244 के अंतर्गत किया गया है।
- छठवीं अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के आदिवासी क्षेत्रों पर लागू होती है।
- इसे संविधान सभा ने 1949 में पारित किया था; यह स्वायत्त जिला परिषदों **(ADC)** के निर्माण के द्वारा आदिवासी जनसंख्याओं के अधिकारों को संरक्षित करने का प्रयास करती है।

राज्यपाल की भूमिका

- छठवीं अनुसूची के अंतर्गत राज्यों के राज्यपालों को आदिवासी क्षेत्रों की सीमाओं को पुनर्संगठित करने का अधिकार है।
- राज्यपाल किसी भी स्थल को शामिल कर सकता है या फिर हटा सकता है, सीमाओं को बढ़ा सकता है या फिर घटा सकता है और दो य ज्यादा स्वायत्त जिलों को एक में विलय कर सकता है।

छठवीं अनुसूची के परिणाम

- यह इन क्षेत्रों के प्रशासन में स्वायत्तता प्रदान करती है जिसके लिए स्वायत्त जिला परिषदों **(ADCs)** और क्षेत्रीय परिषदों का गठन किया जाता है। ये परिषदें अपने न्यायाधिकार के अंतर्गत वाले क्षेत्रों के बारे में कानून बनाने के लिए स्वतंत्र हैं।
- कुल मिलाकर उत्तर-पूर्व में दस क्षेत्र स्वायत्त जिलों के रूप में पंजीकृत हैं अर्थात असम, मेघालय और मिजोरम में तीन और त्रिपुरा में एक।
- इसके अंतर्गत भूमि, वन, खेती, विरासत, आदिवासियों की स्वदेशी प्रथाएं और परंपराएं इत्यादि हैं। साथ ही ये भूमि राजस्व और कई अन्य कर भी संग्रह कर सकते हैं।
- **ADCs** छोटे राज्य की तरह से होते हैं जिनके पास शासन के तीन अंगों अर्थात विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के संदर्भ में विशेष अधिकार और जिम्मेदारियां होती हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपक्ष II- शासन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

वर्षांत समीक्षाः पशुपालन एवं डेयरी विभाग

खबर में क्यों है?

- **मत्स्यन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय** ने हाल में **पशुपालन एवं डेयरी विभाग के वर्षांत समीक्षा 2020 को जारी** किया।

मुख्य बातें

पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (AHIDF)

- **प्रधानमंत्री** ने **आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रोत्साहन पैकेज** के अंतर्गत **रु. 15000 करोड़ का पशुपालन अवसंरचना विकास कोष स्थापित** करने की घोषणा की।

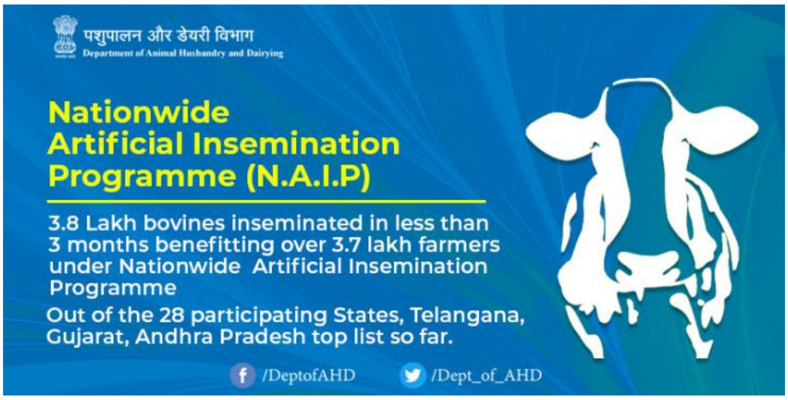

- इसे **व्यक्तिगत उद्यमियों, निजी कंपनियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, किसान उत्पादक संगठन** (FPOs) और **अनुच्छेद 8 की कंपनियों** द्वारा **निवेश को बढ़ावा** देने की स्वीकृति दी गई है जिसके निम्नलिखित की स्थापना की जा सकेः
    - डेयरी प्रसंस्करण एवं मूल्य वर्धन अवसंरचना
    - मांस प्रसंस्करण एवं मूल्य वर्धन अवसंरचना
    - पशु चारा संयंत्र
    - सभी पात्र संस्थानों को 3% की दर पर ब्याज सहायता प्रदान की जाएगी।

राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP)

- **सरकार ने राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम सितंबर 2019 में 600 जिलों** के लिए प्रति **जिला 20,000 गायों** के लिए शुरू किया था।
- यह इस तरह का **सबसे सघन कार्यक्रम** है जिसमें **प्रजाति सुधार को करने के लिए 100% केंद्रीय सहायता प्रदान** की जाएगी।
- **"राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम" चरण I** के अंतर्गत, 76 लाख गायों को आच्छादित किया गया है, **90 लाख कृत्रिम गर्भाधान किये** गये हैं और **32 लाख से ज्यादा किसानों** को लाभ हुआ है।
- **NAIP चरण II** की **शुरुआत 1 अगस्त, 2020 को 604 जिलों में की गई** थी (प्रति जिला 50,000 जानवर)।

डेयरी क्षेत्र के लिए कार्यशील पूंजी ऋणों पर ब्याज की छूट

- **पशुपालन और डेयरी विभाग** ने एक नये घटक **"डेयरी क्षेत्र के लिए कार्यशील पूंजी ऋणों पर ब्याज की छूट"** को लागू किया है।
- यह इस योजना के अंतर्गत **एक घटक है "डेयरी गतिविधियों में लगे हुए डेयरी सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों को समर्थन"** (SDC&FPO)।
- **बदली हुई योजना** घटक **"डेयरी क्षेत्र के लिए कार्यशील पूंजी ऋणों पर ब्याज की छूट" के लिए 2020-21 में रु. 100 करोड़ के बजटीय प्रावधान की संकल्पना** करता है।

पशुपालन एवं डेयरी किसानों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)

- यह एक **विशेष कार्यक्रम** है जो **PM-KISAN लाभकर्ताओं को रियायती ऋण उपलब्ध कराता** है।
- **पशुपालन एवं डेयरी किसानों** को **इस कार्यक्रम में शामिल** किया गया है।

- यह कार्यक्रम **रियायती ऋण दर पर संस्थागत ऋण** तक पहुँच पाने में किसानों को सक्षम बनाएगा। इसके अंतर्गत **2.5 करोड़ किसानों** को शामिल किया जाएगा और ये **किसान लगभग 2 लाख करोड़ के ऋण प्रवाह से लाभान्वित** होंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ॥- **शासन**

स्रोत- PIB

सरकार द्वारा संचालित चार फिल्म एवं मीडिया इकाईयों का विलय

खबर में क्यों है?

- **केंद्रीय कैबिनेट** ने हाल में **सरकार द्वारा संचालित चार** फिल्म एवं मीडिया इकाईयों **के विलय को स्वीकृति** दे दी है।
- **ये इकाईयां हैं फिल्म्स डिवीजन, फिल्म समारोह निदेशालय, भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय** और **स्वायत्त निकाय बाल फिल्म समिति** जोकि **राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (NFDC)** के साथ है।

विलय का महत्व

- एक निगम के अंतर्गत **फिल्म मीडिया इकाईयों का विलय गतिविधियों और संसाधनों के संमिलन** की ओर ले जाएगा और साथ ही **बेहतर समन्वय** भी कराएगा। इससे **प्रत्येक मीडिया इकाई के अनुदेश को हासिल करने में संमिलन और सामर्थ्य सुनिश्चित** होगा।
- इससे **गतिविधियों के डुप्लीकेशन में भी कमी** आएगी और इससे **पैसे की सीधे बचत** होगी।

संबंधित सूचना

भारतीय राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय

- इसकी **स्थापना 1964** में की गई थी जिसका **प्राथमिक उद्देश्य भारतीय सिनेमा विरासत को हासिल करना और संरक्षण** करना था।

फिल्म्स डिवीजन

- इसकी **स्थापना 1948** में की गई थी।
- यह **चारों इकाईयों में सबसे पुरानी** है जिसका स्थापना **प्राथमिक रूप से डाक्यूमेंट्री और न्यूज मैगजीन** को बनाने के लिए किया गया था। ये सरकारी कार्यक्रमों के लिए प्रचार का काम करती थी और **भारतीय इतिहास का सिनेमेटिक रिकार्ड** रखती थी।

फिल्म समारोह निदेशालय

- इसकी **स्थापना 1973** में **भारतीय फिल्मों और सांस्कृतिक विनिमय को प्रोत्साहित** करने के लिए की गई थी।

बाल फिल्म समिति

- यह एक **स्वायत्त निकाय है जिसकी स्थापना 1955** में की गई थी। इसकी स्थापना का **उद्देश्य फिल्मों के माध्यम के द्वारा बच्चों और युवाओं को मूल्य आधारित मनोरंजन** उपलब्ध कराना था।

भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (NFDC)

- इसकी स्थापना **1975 में उच्च गुणवत्ता वाले भारतीय सिनेमा को प्रोत्साहित** करने के लिए की गई थी।
- यह भारत सरकार के **सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय** के अंतर्गत कार्य करता है।
- **NFDC** का **प्राथमिक लक्ष्य भारतीय फिल्म उद्योग के एकीकृति और सक्षम विकास को नियोजित, प्रोत्साहित और संगठित करना है एवं सिनेमा में उत्कृष्टता** को बढ़ाना है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

ई-सम्पदा मोबाइल एप

खबर में क्यों है?

- **शहरी मामले** के **मंत्रालय** ने एक **नया वेब पोर्टल** और **मोबाइल एप, ई-सम्पदा** की शुरुआत की है।

ई-सम्पदा मोबाइल एप के बारे में

- यह इन **सभी सेवाओं के लिए एकल खिड़की** उपलब्ध कराएगी जिसमें **एक लाख सरकारी आवासीय आवास, 28 शहरों में सरकारी संगठनों को कार्यालय स्थान का आवंटन** और **सामाजिक समारोहों के लिए 5 अशोक रोड** जैसे स्थल शामिल हैं।
- यह **पोर्टल** पूरे भारत में **ऑनलाइन सुविधा उपलब्ध** कराती है जिससे **शिकायतें दर्ज** कराई जा सकती हैं, **दस्तावेज सौंपे** जा सकते हैं और कोई भी **वर्चुअल सुनवाई के लिए हाजिर** हो सकता है।

- यह **प्रशासनिक लागत को घटाएगा** है और **इस्टेट निदेशालय की मुलाकातों** को घटाकर **समय और संसाधनों की बचत** करेगा।
- **ई-सम्पदा मोबाइल एप** और **चैटबॉट सुविधा** को **बेहतर प्रयोगकर्ता अनुभव** के लिए उपलब्ध कराया गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

किसान फसल राहत योजना

खबर में क्यों है?

- **झारखंड सरकार किसान फसल राहत योजना** से **किसानों के लिए प्रधानमंत्री बीमा योजना** को विस्थापित करने वाली है।

किसान फसल राहत योजना के बारे में

- यह एक **क्षतिपूर्ति योजना** है जिसका उद्देश्य **प्राकृतिक आपदा की वजह से फसल नुकसान** होने के मामले में **झारखंड के किसान को सुरक्षा कवर** प्रदान करना है।
- यह एक **बीमा योजना नहीं** है जहां **प्रीमियम का भुगतान किया** जाता है।
- **जंगली जानवरों के आक्रमण** की वजह से और **बचाव योग्य खतरों** जैसे **किसानों के द्वारा गैर वैज्ञानिक खेती की वजह** से होने वाले नुकसानों का **योजना के अंतर्गत विचार नहीं किया जाएगा।**

कवरेज

- यह दोनों ही **भूमि स्वामित्व वाले और भूमिहीन किसानों** को कवर करेगा।

क्रियान्वयन एजेंसी

- **कृषि, पशुपालन और सहकारी विभाग** इस **योजना की क्रियान्वयन एजेंसी** होगी।

फसल नुकसान का आकलन

- **फसल नुकसान** का आकलन **प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण प्रक्रिया** के द्वारा किया जाएगा, जो **सैंपल पर्यवेक्षण का संयुक्त रूप** है।
- **फसल पकने के नुकसान के मामले** में, देख करके **आकलन किया जाएगा।**

- **किसानों से प्राप्त फसल नुकसान की प्रारंभिक रिपोर्टिंग** में **ग्राम सभा की भूमिका** काफी महत्वपूर्ण है।
- **बाढ़, तूफान, ज्वालामुखी फटने, भूकंप, सुनामी** और **अन्य भूगर्भीय प्रक्रियाओं** को योजना के अंतर्गत **प्राकृतिक आपदाओं की श्रेणी** में रखा जाएगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

विधानसभा सत्र बुलाने में राज्यपाल की शक्तियां

खबर में क्यों है?

- हाल में, **केरल के मुख्यमंत्री** और **राज्यपाल के बीच में रस्साकसी** में **राज्यपाल** ने **तीन नए केंद्रीय कृषि कानूनों** पर चर्चा के लिए **विधानसभा की विशेष बैठक बुलाने के निवेदन को अस्वीकार** कर दिया।

विधानसभा के सत्र को बुलाने का संवैधानिक प्रावधान

- **अनुच्छेद 174** कहता है कि **राज्यपाल समय समय पर राज्य के सदन को अथवा विधायिका के प्रत्येक सदन** को ऐसे समय और **जगह पर** आहूत करेगा **जिसे वह ठीक समझता** है।
- **अनुच्छेद 174 के अंतर्गत प्रावधान राज्यपाल** पर यह जिम्मेदारी डालते हैं कि वह **सुनिश्चित** करे कि सदन कम से कम **प्रत्येक छह महीने** में **एक बार बुलाया** जाए।
- **अनुच्छेद 163** कहता है कि **यह राज्यपाल की इच्छा है कि वह सदन की बैठक बुलाये**।
- **अनुच्छेद 174** के अंतर्गत **राज्यपाल द्वारा सदन को बुलाने** का अर्थ है कि **सदन को बुलाना राज्यपाल की अपनी इच्छा नहीं** है बल्कि **कैबिनेट की सहायता** और सुझाव पर आधारित है।
- **अनुच्छेद 174 के अंतर्गत** राज्यपाल के **सदनों को बुलाने**, **अवसान करने** और **भंग करने का अधिकार** का प्रयोग मुख्यमंत्री और उसके **मंत्रिमंडल की सहायता और सुझाव** से किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री की इच्छा के खिलाफ कार्य करने की राज्यपाल की शक्ति

- **कुछ मामलों में यह देखा गया** है कि **राज्यपाल बिना मुख्यमंत्री के सहमति** के जोकि कैबिनेट का मुखिया **सदन को आहूत** कर सकता है।
- जब ऐसा दिखाई देता है कि **मुख्यमंत्री** ने **बहुमत खो दिया** है और सदन के सदस्य **मुख्यमंत्री** के खिलाफ **अविश्वास प्रस्ताव** ला रहे हैं, तो राज्यपाल सदन को आहूत करने का **फैसला स्वयं ले सकता है।**
- **राज्यपाल के कार्य** जोकि उसके **विवेकाधीन शक्तियों** के साथ प्रयोग किये जाते हैं, को न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है।

संबंधित सूचना

राज्यपाल की भूमिका पर सरकारिया आयोग (1983)

- **सरकारिया आयोग** की **स्थापना 1983 में भारत की केंद्र सरकार** द्वारा की गई थी।
- सरकारिया आयोग का चार्टर **विभिन्न पोर्टफोलिया पर केंद्र-राज्य संबंधों की जांच करना** था एवं **भारतीय संविधान के ढांचे के अंतर्गत इसमें परिवर्तन सुझाने** थे।

- आयोग की संस्तुति के अनुसार, जब **तक मंत्रिमंडल को विधानसभा का विश्वास हासिल** है, उसकी **इन मामलों में सलाह** जब तक वह **पूरी तरह से गैर संवैधानिक न** हो, **राज्यपाल पर बाध्यकारी मानी जानी चाहिए।**
- यह ऐसे है जब इन **संस्तुति पर कार्यवाही होती** है, और इससे **संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन होता है**, अथवा मंत्रिमंडल **जब विधानसभा में विश्वास खो देता** है तब यह प्रश्न उठता है कि क्या **राज्यपाल अपनी विवेकाधीन शक्ति** का **प्रयोग कर सकता** है।

उच्चतम न्यायालय का दृष्टिकोण

- इस मामले में **उच्चतम न्यायालय** के कई निर्णयों ने यह स्थिति स्पष्ट कर दी कि **राज्यपाल कैबिनेट के निवेदन को ठुकरा नहीं सकता** है **जिसे सदन में बहुमत हासिल** है जबतक कि यह **पूरी तरह से गैर संवैधानिक न** हो।
- **2016 की संविधान खंडपीठ की ऐतिहासिक निर्णय** में जिसमें **उच्चतम न्यायालय ने अरुणाचल प्रदेश में संवैधानिक संकट को देखा था** जब **सरकार ने वहां राष्ट्रपति शासन लागू** कर दिया था।
- न्यायालय ने कहा था कि सदन को **आहूत करने का अधिकार राज्यपाल का एक कार्य** है **ना कि शक्ति है** जो उसके पास है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

जल गुणवत्ता परीक्षण नवाचार चुनौती

खबर में क्यों है?

- **राष्ट्रीय जल जीवन मिशन** ने **पीने योग्य पानी के परीक्षण के उपकरणों को विकसित** करने के लिए **उद्योग एवं आंतरिक व्यापार प्रोत्साहन विभाग** के साथ साझेदारी में **नवाचार चुनौती** की शुरुआत की है।

जल गुणवत्ता परीक्षण नवाचार चुनौती के बारे में

- **जल जीवन मिशन** के अंतर्गत जल गुणवत्ता परीक्षण एक **प्राथमिकता का क्षेत्र** है। जोकि **केंद्रीय सरकार का एक फ्लैगशिप कार्यक्रम** है।

- **नवाचार चुनौती** का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि **जल स्रोतों का कई स्थानों**, कई स्तरों पर परीक्षण किया जा रहा है, इस तरह से **नीति निर्माताओं को कार्यक्रम डिजाइन** करने में सहायता मिलेगी जोकि **जल प्रदूषण मामलों को सुलझाते** हैं।

जल जीवन मिशन के बारे में

- जल जीवन मिशन का **निर्माण पुनर्संचरित** और चल रहे **राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (NRDWP)** के शामिल करने के बाद किया गया। यह **कार्यकारी परिवार नल कनेक्शन (FHTC) प्रत्येक ग्रामीण परिवार को उपलब्ध** कराएगा अर्थात **2024 तक हर घर नल से जल (HGNSJ)।**

उद्देश्य

- यह सभी **ग्रामीण और शहरी परिवारों को 2024 तक पाइप वाले जल की आपूर्ति (हर घर जल) उपलब्ध कराएगा।**
- इसकी **संकल्पना 2024 तक कार्यकारी परिवार नल कनेक्शन (FHTC)** के द्वारा प्रत्येक ग्रामीण परिवार को **प्रति दिन जल की 55 लीटर मात्रा आपूर्ति** करने की है।
- **जल जीवन मिशन** को **बजट 2020 में रु. 3.6 लाख करोड़ आवंटित** किया गया था।

विशेष जोर वाले क्षेत्र

- यह मिशन स्थानीय स्तर पर **जल के एकीकृत मांग और आपूर्ति पक्ष प्रबंधन** पर जोर देता है।
- **स्रोत सततता के लिए स्थानीय अवसंरचना** का सृजन **वर्षाजल संचयन, भूमिगत पुनर्संचयन और पुनर्उपयोग के लिए परिवार अपशिष्ट जल प्रबंधन** जैसे जरूरी तत्वों के उपाय को करेगा। यह **अन्य सरकारी कार्यक्रमों/योजनाओं** के साथ संमिलन में किया जाएगा।
- **जल जीवन मिशन** विभिन्न **जल संरक्षण प्रयासों** जैसे **बिंदु पुनर्संचयन, छोटे सिंचाई टैंकों से सिल्ट हटाना और कृषि के लिए गंदे जल और स्रोत सततता** पर आधारित है।
- मिशन जल पर **सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित** है और इसमें शामिल हैं **सघन सूचना, मिशन के मुख्य घटक के रूप में शिक्षा और संचार।**
- **भारतीय संविधान के 73वें संशोधन** ने **पेयजल के विषय** को **11वीं अनुसूची में डाल** दिया है।

वित्तीयन का तरीका

- निम्न के बीच में कोष साझेदारी का तरीका है
  - केंद्र और राज्य **90:10**
  - हिमालय के और उत्तर-पूर्व के राज्यों के लिए, **50:50**
  - अन्य राज्यों के लिए, **केंद्र शासित क्षेत्रों के लिए 100%**
- जल जीवन मिशन अन्य **केंद्रीय और राज्य सरकार की योजनाओं के साथ सम्मिलित हो जाएगा जिससे पूरे देश में सतत जल आपूर्ति प्रबंधन** को हासिल किया जा सके।

संस्थागत व्यवस्थाः

- केंद्रीय स्तर पर राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (NJJM)
- राज्य स्तर पर राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन (SWSM)
- जिला स्तर पर जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (DWSM)
- गांव स्तर पर ग्राम जल स्वच्छता समिति (VWSC)

ग्राम्य कार्य योजना (VAP)

- **प्रत्येक गांव एक ग्राम कार्य योजना** (VAP) **तैयार करेगा जिसके तीन घटक होंगेः**
    - जल स्रोत एवं उसका रखरखाव
    - जल आपूर्ति
    - गंदा जल (घरेलू गंदा जल) प्रबंधन।

मिशन का महत्व व जरूरतः

- **भारत** में **विश्व की 16% जनसंख्या** निवास करती है लेकिन **केवल 4% ताजाजल** ही है।
- **पीने योग्य जल** को उपलब्ध कराने के रास्ते में सबसे **बड़ी चुनौतियां घटते भूमिगत स्तर, अतिदोहन और जल गुणवत्ता ह्रास होना, मौसम परिवर्तन** इत्यादि हैं।
- यह देश में **जल संरक्षण एक तुरंत की जरूरत** है क्योंकि **भूमिगत जल स्तर तेजी** से गिर रहा है।
- **जल जीवन मिशन** स्थानीय स्तर पर **जल की एकीकृत मांग और आपूर्ति प्रबंधन** पर जोर देगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

आत्मनिर्भर भारत के लिए कार्य एजेंडा (AAAN) जारी किया गया

खबर में क्यों है?

- **केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीक, पृथ्वी विज्ञान एवं स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन** ने **नई दिल्ली में आत्मनिर्भर भारत के लिए कार्य एजेंडा** (**AAAN)** को जारी किया।
- इस **रिपोर्ट** को **तकनीक सूचना, भविष्यवाणी और आकलन परिषद (TIFAC)** ने तैयार किया है।

प्रमुख खास बातें

- **समग्र रिपोर्ट** AAAN '**मेक इन इंडियाः पोस्ट कोविड-19**' के लिए केंद्रित हस्तक्षेप पर **TIFAC** के **श्वेतपत्र की परिणामी निरंतरता** है, जिसे जुलाई 2020 में जारी किया गया था।
- **श्वेत पत्र ने पांच मुख्य क्षेत्रों को उजागर** किया जिनके नाम हैं, **स्वास्थ्य देखभाल, मशीनरी,** ICT, **कृषि, विनिर्माण, और इलेक्ट्रॉनिक्स** जो **कोविड बाद की भारत की आर्थिक वृद्धि** में काफी महत्वपूर्ण होंगे।

- वृद्धि के जोर का अनुमान **तकनीक प्रोत्साहन का प्रयोग** करके और यह **क्षेत्र विशिष्ट शक्तियों, बाजार के रुख और अवसरों को पकड़ती** है।

रिपोर्ट का उद्देश्य

- **रिपोर्ट का अंतिम परिणाम जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि** करना है और कैसे **हमारे प्रयास आत्मनिर्भर भारत में अपना योगदान** दे सकते हैं।
- **15 अगस्त 2022** तक **AAAN** रिपोर्ट में **प्रमुख सुझावों के क्रियान्वयन** के लिए एक रोडमैप तैयार किया जाएगा। इस वक्त **भारतीय आजादी के 75 वर्ष** हो जाएंगे।
- **कार्य रिपोर्ट** का लक्ष्य **वैज्ञानिक सामाजिक जिम्मेदारी की भावना** का निर्माण करना है और **भारत में तकनीक के भविष्य** के लिए **अनिवार्यता को निर्धारित** करना। यह **चुनौतियों, संभावनाओं** को और इनका क्या हल है, यह देखता है।

रिपोर्ट की पृष्ठभूमि

- **TIFAC** (तकनीक सूचना, भविष्यवाणी एवं आकलन परिषद) का **'मेक इन इंडियाः पोस्ट कोविड 10' के लिए केंद्रित हस्तक्षेप पर श्वेत पत्र** को जुलाई 2020 में जारी किया गया था।
- श्वेत पत्र ने पांच मुख्य क्षेत्रों को उजागर किया जिनके नाम हैं, **स्वास्थ्य देखभाल, मशीनरी,** ICT, **कृषि, विनिर्माण, और इलेक्ट्रॉनिक्स** जो कोविड बाद की भारत की आर्थिक वृद्धि में काफी महत्वपूर्ण होंगे।
- वृद्धि के जोर का अनुमान तकनीक प्रोत्साहन का प्रयोग करके और यह क्षेत्र विशिष्ट शक्तियों, बाजार के रुख और अवसरों को पकड़ती है।
- श्वेत पत्र के जारी करने के बाद, **TIFAC** ने एक **परामर्शदात्री दृष्टिकोण का पालन** किया और **बुद्धिशील कार्यशाला की श्रृंखलाओं का आयोजन किया जिसमें उद्योग, अकादमिक, अनुसंधान एवं विकास संस्थान और नीति निर्माताओं जैसे क्षेत्रों के प्रमुख लोगों को शामिल** किया गया।

AAAN के बारे में

- समग्र रिपोर्ट जिसका शीर्षक **"AAAN- आत्मनिर्भर भारत के लिए एक कार्य एजेंडा"** था, में **विस्तृत चर्चा और विशेष संस्तुतियों को प्रस्तुत** किया गया।
- यह **समग्र कार्य योजना (AAAN)** की **समयरेखा, विभिन्न पहचाने हुए क्षेत्रों में लघु/मध्यम एवं दीर्घावधि हस्तक्षेपों** के संदर्भ में संरचना की गई है।
- यह दस्तावेज विशेष रूप से **व्यापक नीति अनुशंसाओं को परिभाषित** करता है जोकि तकनीकी इनपुटों, भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनर्जीवन के लिए **स्थानीय से वैश्विक की ओर केंद्रित के संदर्भ** में है।
- इसने अन्य के अतिरिक्त **नवाचार और तकनीक विकास, तकनीक, अपनाना/प्रसरण, विनिर्माण और उत्पादकता को बढ़ावा देना, व्यापार एवं वैश्वीकरण, इंटरनेट नीति एवं डाटा प्रबंधन और शिक्षा एवं प्रशिक्षण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्रों** की पहचान की है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र II- (शासन)

स्रोत- PIB+AIR

डिजीटल इंडिया पुरस्कार 2020

खबर में क्यों है?

- **भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद** ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा **30 दिसंबर 2020** को **डिजीटल इंडिया पुरस्कार 2020** प्रदान किये।
- **डिजीटल इंडिया की दृष्टि** के अनुसार, यह **पहली बार है कि डिजीटल इंडिया पुरस्कारों की संपूर्ण प्रक्रिया नामांकन से लेकर स्क्रीनिंग तक और अंतिम पुरस्कार समारोह तक** ऑनलाइन तरीके से आयोजित की गई।

प्रमुख खास बातें

- **द्विवार्षिक डिजीटल इंडिया पुरस्कार** (DIA) का आयोजन **इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना तकनीक मंत्रालय (MeitY)** के अंतर्गत **राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC)** द्वारा किया गया।
- **पुरस्कार समारोह** का उद्देश्य **ई-शासन में नवाचार को और सरकारी सेवा वितरण तंत्र के डिजीटल हस्तांतरण को प्रोत्साहित** करना है।

डिजीटल इंडिया पुरस्कार के बारे में

- डिजीटल इंडिया पुरस्कारों **को भारतीय राष्ट्रीय पोर्टल के अंतर्गत संस्थागत किया गया** है जिसका उद्देश्य **डिजीटल शासन में प्रेरणादायी पहलों/प्रथाओं को सम्मान** देना है।
- **भारतीय राष्ट्रीय पोर्टल** (https://india.gov.in) एक **फ्लैगशिप परियोजना** है जिसका उद्देश्य **साइबरस्पेस में सरकारी सूचना और सेवाओं तक एकल विंडो पहुँच को सुगम** बनाना है।
- अब तक ये पुरस्कार **पांच बार पहले भी दिये जा चुके** हैं- 2009, 2012, 2014, 2016 और 2018।
- 2014 तक **प्रारंभिक रूप से पुरस्कारों को वेब रत्न पुरस्कार** कहा जाता था और 2016 के सत्र से इसका **नामकरण डिजीटल इंडिया पुरस्कार** किया गया।
- डिजीटल इंडिया पुरस्कार 2020 **छठवीं पुरस्कार समारोह** है और **निम्नलिखित छह श्रेणियों** के लिए घोषित किया गया है:
    a. महामारी में नवाचार

    इसे **असाधारण नवाचार डिजीटल हलों** के लिए जिससे **नागरिक आसानी से विभिन्न गतिविधियों को कर सकें,** को सुगम बनाने के लिए प्रदान किया जाएगा। ऐसा

महामारी के लिए होगा। यह **संचार, स्वास्थ्य, शिक्षा, यात्रा** इत्यादि अथवा सरकारी सेवाओं की निरंतरता को सुनिश्चित करने के लिए है। इसे किसी **सरकारी संस्था** को प्रदान किया जाएगा।

b. डिजीटल शासन में उत्कृष्टता

किसी **मंत्रालय अथवा भारत सरकार के विभाग** को सम्मानित करने के लिए जिसकी समग्र डिजीटल उपस्थिति है और जो अपने डिजीटल पहलों में उच्चस्तरीय **अंतर और अंतः विभाग एकीकरण** को प्रदर्शित करता है। एकीकरण और इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणीकरण और डिजीटल भुगतानों का भी आकलन होता है।

c. डिजीटल शासन में उत्कृष्टता

यह पुरस्कार भारत के **राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र** को स्वीकार करता है जो स्वास्थ्य, श्रम, वित्त, सामाजिक न्याय और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में समग्र डिजीटल उपस्थिति को स्थापित करने में उदाहरण वाली पहल को प्रदर्शित करते हैं। इन क्षेत्रों की वजह से सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करना आसान होता है।

d. डिजीटल शासन में उत्कृष्टता

जिला प्रशासन की उपलब्धियों को पुरस्कृत करना जिसने क्षेत्रीय भाषा में नागरिकों को समग्र सूचना उपलब्ध कराने के लिए उदाहरण वाले फोकस को प्रदर्शित किया है। प्रविष्टियों को कवरेज के स्पेक्ट्रम को जरूर प्रदर्शित करना चाहिए जिसमें पर्यटन, कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और उपयोगिताओं तक पहुंच शामिल हैं, के संदर्भ में जिले के महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं।

e. ओपेन डाटा चैम्पियन

ओपेन डाटा चैम्पियन का उद्देश्य नेशनल डाटा शेयरिंग एंड एक्सेसिबिलिटी पॉलिसी **(NDSAP)** के साथ अनुपालन में ओपेन गवर्नमेंट डाटा **(OGD)** प्लेटफार्म (https://data.gov.in) पर वेब सेवाओं /APIs के द्वारा डाटासेट्स/रिसोर्स को सक्रिय, समय पर और नियमित जारी करने के लिए **मंत्रालयों/विभागों/संगठनों/राज्यों** का योगदान स्वीकार करना।

f. उदाहरण देने वाले उत्पाद

यह पुरस्कार उन उत्पादों को सम्मान देता है जिसने **डिजीटल शासन** के क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी हो। इस उत्पाद ने प्रतिकृति, मापनीयता में उच्च श्रेणी का प्रदर्शन किया होना चाहिए और सरकारी विभागों/संस्थाओं द्वारा सफलतापूर्वक इसका क्रियान्वयन किया गया होना चाहिए। मूल्यांकन का प्राथमिक मानदंड डिजीटल सुरक्षा है।

नोटः ऊपर दी गई छह श्रेणियों के अतिरिक्त **ज्यूरी च्वाइस पुरस्कार** भी **राष्ट्रीय सार्वजनिक डिजीटल प्लेटफार्म** के **डिजाइन और क्रियान्वयन में उत्कृष्टता** को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाएगा।

विषय- मिलाजुला, स्रोत- PIB/AIR

डॉ. हर्ष वर्धन का GAVI बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकन

खबर में क्यों है?

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन को हाल में **GAVI** बोर्ड पर सदस्य के रूप में **टीके और टीकाकरण के लिए वैश्विक गठबंधन (GAVI)** द्वारा नामांकित किया गया है।

प्रमुख खास बातें

- डॉ. हर्ष वर्धन **GAVI** बोर्ड पर **दक्षिण पूर्व क्षेत्रीय कार्यालय (SEARO)/ पश्चिमी प्रशांत क्षेत्रीय कार्यालय (WPRO)** का प्रतिनिधित्व करेंगे।
- वर्तमान में इस पर म्यांमार के **श्रीमान म्यिनहत्वे** काबिज हैं।
- डॉ. हर्ष वर्धन भारत का प्रतिनिधित्व **1 जनवरी 2021 से 31 दिसंबर 2023** तक करेंगे।
- **GAVI गठबंधन बोर्ड के अध्यक्षः** डॉ. न्गोजी ओकोन्जो-वियेला वर्तमान में **GAVI** गठबंधन बोर्ड के अध्यक्ष हैं।

GAVI बोर्ड के बारे में

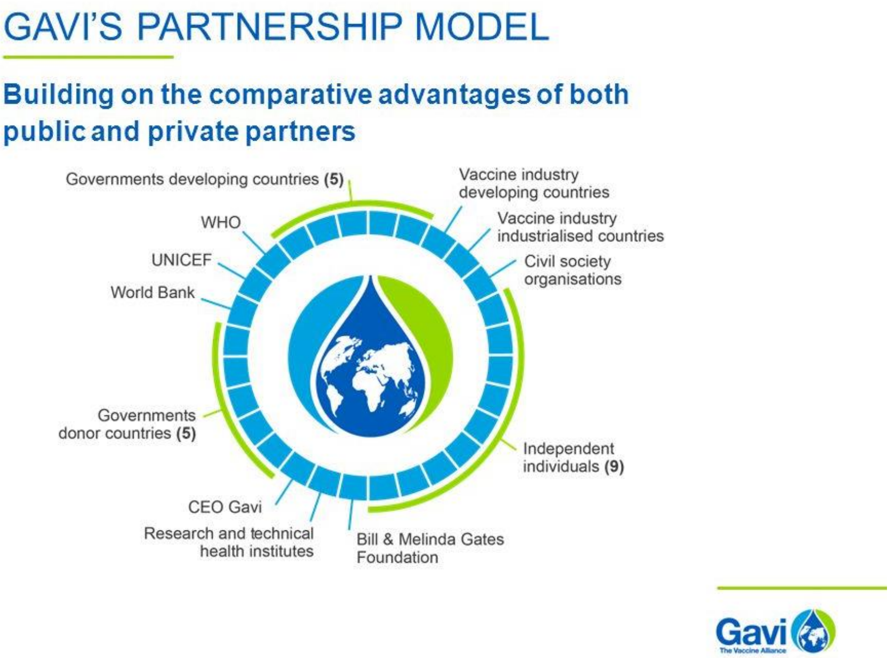

- सामान्य रूप से बोर्ड जून और नवंबर/दिसंबर में वर्ष में दो बार मिलता है और एक बार घूमने जाता है जोकि सामान्यतया मार्च अथवा अप्रैल में होता है। ये सभी बैठकों में सामान्य तौर पर सभी को शामिल होना होता है।
- **GAVI** बोर्ड रणनीतिक दिशा-निर्देश और नीति निर्माण के लिए जिम्मेदार है, यह टीका गठबंधन के प्रचालनों को देखता है और कार्यक्रम क्रियान्वयन की निगरानी करता है।
- इसकी सदस्यता साझीदार संगठनों और निजी क्षेत्र से विशेषज्ञों के द्वारा भरी जाती है, यह बोर्ड संतुलित रणनीतिक निर्णय, नवाचार और साझीदार सहयोग के लिए एक मंच उपलब्ध कराता है।
- टीका गठबंधन **GAVI,** जीवन बचाने, गरीबी घटाने और महामारियों के खतरे के विरुद्ध दुनिया को बचाने के लिए एक मिशन है।
- इसने दुनिया के सबसे गरीब देशों के 822 मिलियन बच्चों से ज्यादा के टीकाकरण में मदद दी है। इसने भविष्य में होने वाली संभावित 14 मिलियन मौतों को रोका जा सका है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III (स्वास्थ्य मामले)+ (मिलाजुला)

स्रोत- PIB

टीके कोरोना वायरस के नए रूपों के विरुद्ध कार्य करेंगेः सरकार

खबर में क्यों है?

- **भारत सरकार** ने आश्वासन दिया है कि **टीके कोरोना वायरस के नये रूपों के खिलाफ कारगर** होंगे और इसका कोई साक्ष्य नहीं है कि यूनाईटेड किंगडम और दक्षिण अफ्रीका में पाए जाने वाले नये रूपों के विरुद्ध वर्तमान टीके असफल हो जाएंगे।

प्रमुख खास बातें

- **प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के. विजय राघवन** ने सूचना दी है कि **कोरोना वायरस के रूपों** में परिवर्तन टीकों को अप्रभावी बनाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।
- उन्होंने **यह भी सूचना दी** कि अधिकांश टीके **स्पाइक प्रोटीन को लक्ष्य बनाते** हैं और सुरक्षात्मक प्रतिरक्षी की विस्तृत सीमा के उत्पादन के लिए हमारे **प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्प्रेरित** करते हैं।
- **नये रूप** में **17 महत्वपूर्ण परिवर्तनों** को देखा गया है और यह **संप्रेषण के फैलाव को बढ़ा** देता है।

- यूनाईटेड किंगडम का रूप **ज्यादा संप्रेषणीय** है, और यह **धनात्मकता दर** को बढ़ाता है। नया रूप **रोग की गंभीरता को नहीं** बढ़ाता है।

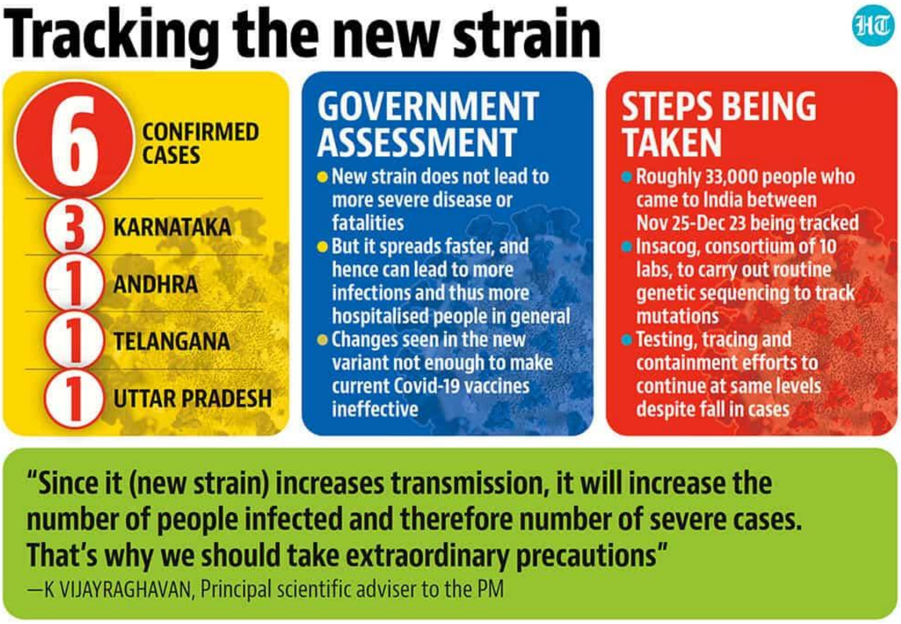

- **भारतीय SARS-CoV-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वालों**, अस्पताल में भर्ती होने वाले रोगियों के और पूरे देश में **सैंपल का परीक्षण और अनुक्रमण** कर रहा है।
- **कड़े अनुपालन उपायों** जैसे मास्क पहनने और सामाजिक दूरी बनाये रखने से निश्चित रूप से रोग को दूर करने में मदद मिलेगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II (स्वास्थ्य मामले)

स्रोत- AIR

अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे

SCO युवा वैज्ञानिक बैठक

खबर में क्यों है?

- हाल में, **शंघाई सहयोग संगठन (SCO) युवा वैज्ञानिक बैठक** की समाप्ति **विज्ञान एवं तकनीक, पृथ्वी विज्ञान के केंद्रीय मंत्री** और **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** द्वारा की गई।

SCO युवा वैज्ञानिक बैठक के बारे में

- यह 2020 में भारत में होने वाली **पहली SCO युवा वैज्ञानिक बैठक** है, इसका आयोजन **SCO युवा वैज्ञानिक मंच (SCO YSF)** के अविभाज्य हिस्से के रूप में हुआ।
- **SCO YSF** युवाओं को अपने **सदस्य देशों के युवाओं के साथ संपर्क, नेटवर्क और सहयोग** करने का एक **अनूठा अवसर** प्रदान करेगा जिससे उनके समकक्ष **विज्ञान एवं तकनीक के उभरते हुए क्षेत्रों में उचित चुनौतियों से निपट** सकें।

- इसका लक्ष्य युवा **मस्तिष्कों के गैरपारंपरिक और पार्श्व विचारों, विचारधारा और नवाचार क्षमता** की अन्तर्निहित क्षमता का प्रयोग करना है और उन्हें आज की दुनिया में उनके **वैज्ञानिक और तकनीकी उपस्थिति** का अहसास कराना है।

शामिल क्षेत्र हैं

- कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण
- सतत ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण
- जैवतकनीक और जैवइंजीनियरिंग
- अनुसंधान और नवाचार के द्वारा कोविड 19 और उभरती हुई महामारियों का सामना करना
- पर्यावरणीय संरक्षण और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन

संबंधित सूचना

शंघाई सहयोग संगठन के बारे में

- **यह यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संगठन** है जिसकी स्थापना **चीन, कजाखस्तान, किर्गिजिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के नेताओं** ने की थी।

वर्तमान सदस्य

- **शंघाई सहयोग संगठन में कुल आठ देश** शामिल हैं- **भारत, कजाखस्तान, चीन, किर्गिजिस्तान, पाकिस्तान, रूसी गणराज्य, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान**।

पर्यवेक्षक देश

- **एससीओ में चार पर्यवेक्षक देश** शामिल हैं जिनके नाम हैं **अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान और मंगोलिया।**

बातचीत साझीदार

- **एससीओ में कुल छह बातचीत साझीदार** हैं जिनके नाम हैं- **अजरबेजान, आर्मेनिया, कम्बोडिया, नेपाल, तुर्की और श्रीलंका।**
- **शंघाई सहयोग संगठन** की **आधिकारिक कार्यकारी भाषाएं चीनी और रूसी** हैं।
- **एससीओ सचिवालय बीजिंग** में हैं जोकि एससीओ की **मुख्य स्थाई कार्यकारी निकाय** है।

भारत और एससीओ

- **भारत** ने **शहरी आपदा संभालने** पर एससीओ की बैठक का आयोजन किया था।
- इसमें **राष्ट्रीय आपदा प्रतियुत्तर बल (एनडीआरएफ)** द्वारा **शहरी भूकंप खोज** और बचाव पर एक **संयुक्त नकली अभ्यास** शामिल था।
- **शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंत्रायलों के मुखियों और विज्ञान एवं तकनीक विभाग** की पांचवीं बैठक **रूस** में हुई थी।
- इस बैठक में, **सदस्य भारत के उस प्रस्ताव पर सहमत हो गए** कि **2020 में प्रधानमंत्रियों की बैठक** का आयोजन किया जाए।
- भारत 2020 में **युवा वैज्ञानिकों** और **नवाचारों के एससीओ मंच** की मेजबानी भी करेगा।

क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक संरचना के बारे में

- **क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक संरचना (आरएटीएस)** जिसका मुख्यालय **ताशकंद, उज्बेकिस्तान** में है, **एससीओ का स्थाई अंग** है जो **आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ के खिलाफ सदस्य देशों में सहयोग को प्रोत्साहित करने में मदद प्रदान करता है।**
- **एससीओ महासचिव** और **एससीओ आरएटीएस की कार्यकारी समिति** के **निदेशक** की **नियुक्ति तीन वर्षों के लिए देशों के मुखियों की परिषद द्वारा की जाती है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन

स्रोत- PIB

पाकिस्तान, चीन धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करते हैं: संयुक्त राज्य अमेरिका

खबर में क्यों है?

- हाल में **संयुक्त राज्य अमेरिका ने पाकिस्तान और चीन** को **8 अन्य देशों के साथ** नामित किया है जहां **धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन विशेष चिंता का विषय** है।
- **म्यांमार, इरीट्रिया, ईरान, नाइजीरिया, उत्तर कोरिया, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान** के साथ **पाकिस्तान और चीन** को ऐसी सूची में शामिल किया गया है जो लगे हुए हैं अथवा **धार्मिक स्वतंत्रता के सुव्यवस्थित, लगातार उल्लंघनों** को कर रहे हैं।

संबंधित सूचना

USCIRF वार्षिक रिपोर्ट-2020 के बारे में

- हाल में, **संयुक्त राज्य अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग** (USCIRF) ने धार्मिक स्वतंत्रता पर अपनी **2020 की रिपोर्ट में 'विशेष चिंता के देशों'** की सबसे **निचली रैंकिंग में नीचे डाल** दिया।
- **USCIRF** ने **भारत को चीन, उत्तर कोरिया, सऊदी अरब, और पाकिस्तान** के साथ डाल दिया है।
- भारत को **पिछले वर्ष की सूची में "टियर 2 देश" में श्रेणीबद्ध** किया गया था।
- यह **2004 के बाद पहली बार** है कि **भारत** को **विशेष चिंता की श्रेणी के देशों** में डाला गया है।
- **CPC का नामांकन USCIRF** द्वारा सबसे **ऊंचा टियर अनुशंसा** है जब **अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन** की बात आती है।

कारण

- **भारत** ने **2019 में अचानक नीचे छलांग लगाई** है, जिसमें **नागरिकता संशोधन कानून, नागरिकों के लिए प्रस्तावित रजिस्टर, धर्म परिवर्तन विरोधी कानून और जम्मू और कश्मीर** में स्थिति विशेष रूप से चिंता के विषय में शामिल हैं।
- **भारतीय सरकार** ने अपनी **संसदीय बहुमत** का प्रयोग **राष्ट्रीय स्तर की नीतियों** को बनाने में किया जिससे **अल्पसंख्यकों** विशेष रूप से मुस्लिमों की **धार्मिक स्वतंत्रता का हनन** हुआ।
- पूर्व में, **इस्लामिक सहयोग संगठन** (OIC) ने देश में बढ़ते हुए **इस्लामोफोबिया के लिए भारतीय सरकार** की आलोचना की थी।

संयुक्त राज्य अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (UNCIRF) के बारे में

- यह एक **स्वतंत्र, द्विपक्षीय संयुक्त राज्य अमेरिका का संघीय सरकारी आयोग** है जो विदेशों में **धार्मिक आजादी के सार्वभौमिक अधिकार को संरक्षित** करने के लिए समर्पित है।
- इसका **मुख्यालय वाशिंगटन डी. सी.** में है।

कार्य

- **यह संयुक्त राज्य कांग्रेस** की **परामर्शदात्री निकाय** के रूप में कार्य करता है।
- **UNCIRF धार्मिक आजादी उल्लंघनों के तथ्यों और परिस्थितियों की समीक्षा** करता है और **राष्ट्रपति, सेकेट्री ऑफ स्टेट और कांग्रेस की नीति अनुशंसाएं** बनाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध से संबंधित मामले

स्रोत- द हिंदू+ डान

जनसंख्या और विकास में साझीदार (PPD)

खबर में क्यों है?

- हाल में **केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** ने **जनसंख्या और विकास में साझीदार** द्वारा **अंतर-मंत्रीय सम्मेलन को संबोधित** किया।

जनसंख्या और विकास में साझीदार के बारे में

- यह एक **अंतरसरकारी गठबंधन** है जो **जनसंख्या और विकास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन** के दौरान हुआ था जो **1994 में कैरो (मिस्र)** में सम्पन्न हुआ था।

Partners in Population and Development (PPD)
An Inter-Governmental Organization
Promoting South-South Cooperation

लक्ष्य

- **प्रजनन स्वास्थ्य, जनसंख्या और विकास** के क्षेत्र में **विकासशील देशों** के मध्य **दक्षिण-दक्षिण सहयोग का विस्तार और मजबूत** करना।

सदस्य

- वर्तमान में, **26 विकासशील देश इसके सदस्य** हैं, जो **दुनिया की 59% जनसंख्या** का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **जनसंख्या और विकास में साझीदार** (PPD) का **सचिवालय ढाका, बांग्लादेश** में है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन

स्रोत- PIB

एशिया प्रशांत टीका पहुँच सुविधा (APVAX)

खबर में क्यों है?

- **एशियाई विकास बैंक** ने **अमेरिकी डॉलर 9 अरब की टीका पहल एशिया प्रशांत टीका पहुँच सुविधा (APVAX)** की शुरुआत की है। यह सुविधा इसके विकसित करने वाले सदस्यों को **तीव्र और समान समर्थन** प्रदान करेगी जब वे प्रभावी और सुरक्षित कोरोनावायरस रोग (**COVID-19**) टीकों को प्राप्त करके वितरण करेंगे।

एशिया प्रशांत टीका पहुँच सुविधा (APVAX) के बारे में

- इसका **लक्ष्य इसे विकसित करने वाले देशों को तीव्र और समान समर्थन प्रदान** करना है जब वे **प्रभावी और सुरक्षित कोरोनावायरस रोग टीकों को प्राप्त** करके वितरण करेंगे।

- **APVAX** हमारे **विकसित करने वाले देशों की मदद में महत्वपूर्ण भूमिका अदा** करेगा जिससे वे इन चुनौतियों का मुकाबला कर सकें, महामारी से पार पा सकें और आर्थिक स्थिति की बहाली पर केंद्रित हो सकें।
- यदि **APVAX के अंतर्गत एक देश को वित्त** प्राप्त करना है तो उसे निम्नलिखित मानंदड पर खरा उतरना होगाः
    a. इसे **COVAX के द्वारा प्राप्त** करना होगा।
    b. **विश्व स्वास्थ्य संगठन** पहले इसकी अनुमति दे।
    c. एक **कड़े विनियमन वाला प्राधिकरण** इसे प्राधिकृत करे।

संबंधित सूचना

COVAX के बारे में

- यह **विश्व स्वास्थ्य संगठन** द्वारा जारी किये गए **ACT एक्सीलरेटर के तीन स्तम्भों में से एक** है।
- **COVAX सुविधा WHO, GAVI गठबंधन** और **महामारी तैयारी नवाचार** (CEPI) **गठबंधन की एक संयुक्त पहल** है जिससे सभी देशों को स्वीकृत कोविड-19 टीकों को **विकसित, खरीद और समान वितरण** किया जा सके।

उद्देश्य

- इस **सुविधा का लक्ष्य** देशों, **अंतरराष्ट्रीय साझीदारों और टीका विनिर्माणकर्ताओं को एक प्लेटफार्म पर लाना** है जिससे जरूरी स्वीकृति पाने के बाद सुरक्षित और प्रभावी कोविड 19 की समान पहुँच को सभी देशों को सुनिश्चित किया जा सके।
- इसका एक अन्य **लक्ष्य 2021 के अंत तक टीकों की कम से कम 2 अरब खुराकों** को वितरित किया जा सके।

ACT एक्सीलरेटर के बारे में

- यह **सहयोग का एक ढांचा** है जिसका लक्ष्य कोविड-29 टीके के **उत्पादन, विकास और समान पहुँच को तीव्र** करना है।
- इसकी शुरुआत **WHO, फ्रांस और यूरोपीय संघ** ने की थी।
- यह तीन मुख्य स्तम्भों पर निर्मित किया गया है जो हैं- **चिकित्सा विज्ञान, टीके (COVAX)** और **नैदानिक।**

महामारी तैयारी नवाचार पर गठबंधन (CEPI) के बारे में

- यह सार्वजनिक, निजी, परोपकार और नागरिक समाज संगठनों के बीच में **वैश्विक साझेदारी** है जिसे 2017 में डावोस, विश्व आर्थिक मंच (WEF) में शुरू किया गया था।
- **इसका लक्ष्य** उभरती हुए संक्रामक रोगों के विरुद्ध **टीकों के विकास को तीव्र** करना है और महामारी के दौरान लोगों के लिए इन टीकों तक समान पहुँच को सक्षम बनाना है।
- CEPI उन **विज्ञान परियोजनाओं को भी समर्थन** देगी जो **जीववैज्ञानिक मानकों और परखों**, पशु मॉडलों, महामारी विज्ञान अध्ययनों और निदानों के विकास से संबंधित हैं और साथ ही जोखिम भरे संदर्भों में भविष्य के क्लीनिकल परीक्षणों में क्षमताओं का विकास भी करना है।

- इसका **मुख्यालय ओस्लो, नॉर्वे** में है।

वित्तीयन

- इसका वित्तीयन **वेलकम ट्रस्ट, बिल और मिलेंडा गेट्स फाउंडेशन, विश्व आर्थिक मंच (WEF), नॉर्वे की सरकार, जापान, भारत (जैवतकनीक विभाग) और जर्मनी** द्वारा किया जा रहा है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

सैन इसिड्रो आंदोलन

खबर में क्यों है?

- हाल में, क्यूबा में सैन इसिड्रो आंदोलन देखा गया है, जो कलाकारों और कार्यकर्ताओं द्वारा अभिव्यक्ति की ज्यादा स्वतंत्रता के लिए अभियान है। यह आंदोलन तेजी से रोशनी में आ रहा है।

सैन इंड्रियो आंदोलन के बारे में

- **मोवीमिंटो सैन इसिड्रो अथवा सैन इसिड्रो आंदोलन (MSI), 2018** में शुरू हुआ था **जब क्यूबा की सरकार** ने **न्यायिक निर्णय 349 लागू करने का प्रयास** किया, यह एक कानून है जिसने देश के **सांस्कृतिक मंत्रालय** को उन **सांस्कृतिक गतिविधि** पर रोक लगाने का अधिकार दे दिया होता जिसे वह स्वीकार नहीं करती है।

- **युगांतकारी 2015** के समझौता जो **क्यूबा और संयुक्त राज्य अमेरिका** के बीच में हुआ था, ने इस **आंदोलन को जरूरी आग प्रदान** की।

- इसके **प्रावधानों के अनुसार क्यूबा की सरकार** को अपने लोगों को **ज्यादा इंटरनेट आजादी प्रदान करनी** थी जिसके एवज में **वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय संबंधों में ज्यादा सुधार** हो सके।

क्यूबा के बारे में

- इसे आधिकारिक रूप से **क्यूबा गणराज्य** कहा जाता है। इस देश में क्यूबा द्वीप, साथ ही इसला दि ला जूवेंट्रुड और कई छोटे द्वीप शामिल हैं।
- क्यूबा **उत्तरी कैरेबियन में है जहां कैरेबियाई सागर, मैक्सिको की खाड़ी और अटलांटिक महासागर** मिलते हैं।
- **हवाना देश का सबसे बड़ा शहर** और **क्यूबा की राजधानी** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय मामले

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

संयुक्त राज्य अमेरिका ने S-400 खरीद के लिए तुर्की पर CAATSA प्रतिबंध लगाये

खबर में क्यों है?

- हाल में, **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने **नाटो के सहयोगी तुर्की** पर **रूसी S-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली की खरीद के लिए प्रतिबंध लगाये** हैं।

प्रतिबंध की खास बातें

- ये प्रतिबंध प्रतिबंध **कानून के द्वारा अमेरिका के शत्रुओं का मुकाबला** (**CAATSA**) के **अनुच्छेद 231 के तहत** लगाये गये हैं।
- ये प्रतिबंध **तुर्की की मुख्य रक्षा प्राप्ति एजेंसी 'द प्रेसीडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्रीज (SSB)'** पर लगाये गये हैं क्योंकि यह एजेंसी जानबूझकर **रोजोबोरोनएक्सपोर्ट (रूस की मुख्य हथियार निर्यात संस्था)** के साथ विशेष लेनदेन कर रही थी।

प्रतिबंध के परिणाम

- **SSB पर ये प्रतिबंध** विशेष रूप से **संयुक्त राज्य अमेरिका के निर्यात लाइसेंसों और किसी वस्तु अथवा तकनीक के प्राधिकृत करने पर रोक** लगाते हैं।
- इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका के वित्तीय संस्थानों से किसी **12 महीने में $10 मिलियन** से ज्यादा के **ऋणों और उधारियों पर प्रतिबंध** भी शामिल है।

- यह प्रतिबंध **निर्यातों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका निर्यात-आयात बैंक सहायता पर प्रतिबंध** आरोपित करते हैं। साथ ही इसका अनुदेश है कि **SSB को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठनों** से ऋणों को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा विरोध भी करते हैं।
- इन प्रतिबंधों में **पूर्णतया रोक वाले प्रतिबंध** और **SSB के अध्यक्ष इस्माइल दामिर** और अन्य अधिकारियों पर **वीज पर रोक** भी शामिल है।

संबंधित सूचना

प्रतिबंध कानून के द्वारा अमेरिका के शत्रुओं का मुकाबला कानून (CAATSA) के बारे में

- **रिपब्लिकन नियंत्रित संयुक्त राज्य अमेरिका कांग्रेस** द्वारा इसे **जुलाई 2017** में पारित किया गया।
- इस केंद्रीय उद्देश्य **दंडात्मक उपायों** से **ईरान, रूस और उत्तर कोरिया** का मुकाबला करना है।
- **प्राथमिक रूप से यह कानून रूसी तेल और गैस उद्योग**, **रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र**, और **वित्तीय संस्थानों** से संबंधित है। ऐसा **यूक्रेन में इसके सैन्य हस्तक्षेप** और **2016 में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में तथाकथित दखल** की पृष्ठभूमि में किया गया।
- यह कानून संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति को **अनुच्छेद 235** में दिये गये **12 अधिसूचित प्रतिबंधों में कम से कम पांच को लगाने का अधिकार** देता है। यह प्रतिबंध उस समय लगाये जाते हैं जब **रूसी रक्षा और खुफिया क्षेत्रों के साथ महत्वपूर्ण लेनदेन में कोई व्यक्ति लिप्त** हो।
- इस कानून के **अनुच्छेद 231 के हिस्से के रूप** में, **संयुक्त राज्य अमेरिका के स्टेट विभाग** ने 39 **रूसी संस्थाओं** को अधिसूचित किया है जिनसे संबंध रखने पर **तीसरे पक्ष पर भी प्रतिबंध लग सकते** हैं।

भारत और CAATSA

- **CAATSA भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका के संबंधों पर असर** करता है और संयुक्त राज्य अमेरिका की एक **विश्वसनीय साझेदार** के रूप में छवि खराब करता है।
- ऐसे समय में जब **अमेरिका भारत को** अपनी **भारत-प्रशांत रणनीति** में **महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में प्रदर्शित कर रहा** है, **संयुक्त राज्य अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति 2017** खुलकर इस बारे में **नई दिल्ली की खास भूमिका** का समर्थन करती है।
- **पिछले दशक में, भारत की संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हथियार समझौते लगभग शून्य से बढ़कर अमेरिकी डॉलर 15 अरब तक पहुँच गये**।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

पाकिस्तान ने यौन अपराधियों को रासायनिक बधिया करने की स्वीकृति दी

खबर में क्यों है?

- हाल में पाकिस्तान ने **व्यापक नए विधान** के हिस्से के रूप में **बलात्कारियों को रासायनिक बधिया करने की स्वीकृति** दे दी है। यह मोटरवे पर जा रही एक मां के सामूहिक बलात्कार के बाद उठी मांग के बाद किया गया है।

रासायनिक बधिया करने के बारे में

- यह **अपराधी के टेस्टोस्टेहोन स्तरों को कम** कर देता है और औषधियों की मदद से कामेच्छा को कम किया जाता है।
- पूरे इतिहास में, **रासायनिक बधिया करने का सांस्कृतिक, नैतिक और दंडात्मक महत्व** रहा है।

- बधिया करना **रोम में आंख के बदले आंख शैली** थी और **भारत में** ऐतिहासिक रूप से इसका बलात्कार और दुराचार की सजा के रूप में प्रयोग किया जाता रहा है। यह पर यह भी ध्यान रखने की बात है कि **बधिया करना धार्मिक संदर्भ में काफी सामान्य बात** है।
- समकालीन संदर्भ में यौन अपराधियों के लिए दंड के रूप में बधिया करने के प्रयोग के पीछे तर्क यह है कि कम टेस्टोस्टेरोन से कामेच्छा कम हो जाएगी और इस तरह से 'विकृत यौन गतिविधि' भी घट जाएगी।

अन्य देशों से उदाहरण

- **यूनाईटेड किंगडम, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, पोलैंड, इंडोनेशिया, नॉर्डिक** और **स्कैंडिनेवियाई देश** और **संयुक्त राज्य अमेरिका** में राज्य जैसे **फ्लोरिडा, कैलीफोर्निया** और **लुसियाना** ने विशेष यौन अपराध मामलों में दंड के रूप में रासायनिक बधिया करने को लागू किया है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका, राज्य कारागार अधिकारी अपराधियों की यौन इच्छा को कम करने के लिए प्रतिअवसाद औषधियां देते हैं।
- **2013 में, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय असेम्बली** ने अपने यौन अपराध संबंधित कानूनों को संशोधित किया था जिसमें **बारबार घृणित अपराध करने वालों को स्थानीय न्यायालय रासायनिक बधिया करने की सजा दे सकते हैं।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन + अंतरराष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू

संयुक्त राज्य अमेरिका पश्चिमी सहारा के ऊपर मोरोक्को की संप्रभुता को मान्यता दे रहा है

खबर में क्यों है?

- हाल में, **मोरोक्को चौथा अरब देश बन गया** जिसने **इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य बनाना** स्वीकार कर लिया। यह एक समझौते का हिस्सा है जिसमें सयुक्त राज्य अमेरिका विवादित पश्चिमी सहारा क्षेत्र में उसके दावे को मान्यता देने को तैयार हो गया।

पश्चिमी सहारा के बारे में

- यह **मोरोक्को, मौरिटानिया** और **अल्जीरिया** की सीमा पर स्थित **अफ्रीका के उत्तर-पश्चिम तट** पर एक **विवादित क्षेत्र** है।

भूगोल

- यह **उत्तर-पश्चिम अफ्रीका** में एक **विशाल, बंजर क्षेत्र** है जोकि भारतीय राज्य **उत्तर प्रदेश** से बड़ा है, लेकिन इसकी **आबादी छह लाख से भी कम** है।
- यह **खनिज पदार्थों के मामले में धनी** है और यहां **फास्फेट के विशाल भंडार हैं**, जोकि **सिंथेटिक खाद के निर्माण** में एक **प्रमुख घटक** है।
- यहां **लाभदायक मत्स्य संसाधन** भी हैं और ऐसा विश्वास किया जाता है कि **तट के पास तेल** भी है।
- **सेमारा (समार्रा) शहर** में **कस्बाह और मस्जिद पश्चिम सहारा** में **बड़े मुस्लिम स्मारकों** में से एक हैं।
- प्रमुख शहर **लायोन** है, जो एक **पुरानी औपनिवेशिक राजधानी** है।

पश्चिम सहारा विवाद क्या है?

- यह **क्षेत्र पहली बार 1884 में स्पेनी नियंत्रण** में आया और **1934 में यूरोपीय देश द्वारा** इसे प्रांत बना दिया गया जिसका नामकरण '**स्पेनी सहारा**' किया गया।
- इसे **1975 में मोरोक्को** ने हथिया लिया।
- तब से यह **मोरोक्को और इसके स्थानीय सहारवी** लोगों के मध्य लंबे चल रहे **क्षेत्रीय विवाद का विषय** बना हुआ है। सहारवी लोगों का नेतृत्व **पोलीसेरियो फ्रंट** के हाथों में है।
- **पोलीसेरियो फ्रंट द्वारा 1976** में घोषित किये गए **सहारा अरब लोकतांत्रिक गणराज्य (SADR)** को अब **कई सरकारों ने मान्यता** दे दी है और यह **अफ्रीकी संघ का पूर्ण सदस्य** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध

स्रोत- वाशिंगटन पोस्ट

विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (WADA)

खबर में क्यों है?

- हाल में, **भारत** ने **विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (WADA) को अमेरिकी डॉलर 1 मिलियन** देने का वादा किया है। यह **वैश्विक एजेंसी के वैज्ञानिक अनुसंधान बजट** के लिए होगा, जो **WADA** के **नवोन्मेषी एंटी डोपिंग परीक्षण** और **पहचान विधियों को विकसित** करने की अनुमति देगा।

विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी के बारे में

- इसकी **स्थापना 1999 में** एक **स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसी** के रूप में की गई थी जिसका **विश्व की सरकारों और खेलकूद आंदोलनों** द्वारा **बराबर से वित्तीयन** किया जाता है।
- **अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति** अपने फाउंडेशन की शुरुआत की है जिससे खेलकूद में **ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई को प्रोत्साहित, समन्वित और निगरानी** की जा सके।
- इसका **मुख्यालय मांट्रियल, कनाडा** में है। इसकी मुख्य गतिविधियों में **वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा, एंटी डोपिंग क्षमताओं का विकास, और विश्व एंटी डोपिंग आचार संहिता** की निगरानी शामिल हैं। आचार संहिता वह दस्तावेज है जो सभी देशों में सभी **खेलकूदों में एंटी डोपिंग नीतियों** को लागू करता है।

एजेंसी का केंद्रीय मूल्य

- **निष्ठा, जवाबदेही** और **सर्वोत्कृष्टता** एजेंसी के केंद्रीय मूल्य हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ।।- अंतरराष्ट्रीय संगठन

स्रोत- डीडी न्यूज

भारत-वियतनाम नेताओं की वर्चुअल शिखर सम्मेलन

खबर में क्यों है?

- हाल में, भारत के प्रधानमंत्री और वियतनाम के प्रधानमंत्री ने एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की।

शिखर सम्मेलन के दौरान की गई घोषणाएं

- भारत और वियतनाम ने **रक्षा, पेट्रोरसायन और नाभिकीय ऊर्जा** जैसे क्षेत्रों में सहयोग के लिए **सात समझौतों पर हस्ताक्षर** किये।

- दोनों देशों ने **वियतनाम सीमा रक्षक कमांड** के लिए **हाई स्पीड गार्ड बोट (HSGB) विनिर्माण परियोजना** के **सफलतापूर्वक क्रियान्वयन पर संतुष्टि व्यक्त** की।
- वे **वार्षिक प्रभाव परियोजनाओं (QIPs)** की संख्याओं को भी बढ़ा रहे हैं जोकि **वर्तमान के पांच से दस** हो जाएगी और यह **वित्तीय वर्ष 2021-2022** से आरंभ होगा।

संयुक्त दृष्टि दस्तावेज

- दोनों नेताओं ने एक **संयुक्त दृष्टि दस्तावेज** को जारी किया, साथ ही **2021-23 के दौरान द्विपक्षीय बातचीत के लिए कार्ययोजना** को भी जारी किया।
- यह **शांति, समृद्धता और लोगों के लिए संयुक्त दृष्टिपत्र** हमारे **संबंधों की गहराई** के बारे में **दुनिया को मजबूत संदेश** देगा।

सांस्कृतिक साझीदारी

- **प्रधानमंत्री ने** वियतनाम में **माई सन टेम्पल परिसर** के **मरम्मत और संरक्षण कार्य** के बारे में **विशेष संतुष्टि व्यक्त** की जिसे **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण** द्वारा किया जा रहा है।

समान वैश्विक चुनौतियों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करना

- दोनों नेता **महामारी के खिलाफ टीकों तक पहुँच को सुनिश्चित** करने के लिए **सक्रिय सहयोग बनाये रखने पर सहमत** हो गये।
- **नेताओं ने निर्णय लिया कि भारत और वियतनाम** बहुपक्षीय मंचों में पास से समन्वय करेंगे जिसमें **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद** भी शामिल है, जिसमें **वे 2021 में साथ में कार्य** करेंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

पूरी दुनिया में अधिक गंभीर महामारी फैल रही हैः WHO

खबर में क्यों है?

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन** के वरिष्ठ अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि **कोरोनावायरस जरूरी नहीं कि** बड़ा हो, एक अन्य की वास्तविक संभावना है, **पूरे दुनिया में अधिक गंभीर महामारी फैल रही** है।
- **संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी रोज वायरस के बारे में नई चीजें सीख** रही है, जिसमें **नये रूप की फैलने की क्षमता** शामिल है जो लोगों को बीमार कर रही है अथवा **उपलब्ध परीक्षणों, उपचारों, अथवा टीकों पर संभावित प्रभाव** हैं।

- वैज्ञानिक **यूनाईटेड किंगडम और दक्षिण अफ्रीका** में **महामारी विज्ञान और प्रयोगशाला अध्ययन** कर रहे हैं जोकि एजेंसी के अगले कदम को निर्देशित करेंगे।

- **डॉ. माइक रायन**, **विश्व स्वास्थ्य संगठन की आपातकालीन कार्यक्रम के मुखिया** ने सूचना दी है कि **अगली महामारी ज्यादा गंभीर हो सकती** है और **एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत** है, क्योंकि प्रत्येक दिन अपना ग्रह कमजोर होता जा रहा है क्योंकि **समाज ज्यादा जटिल हो रहा** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II (**स्वास्थ्य मामले**)

स्रोत- AIR

व्यापक संहार के हथियारों के प्रसार के वित्तीयन को रोकना

खबर में क्यों है?

- **तुर्की की संसद** ने एक **विधेयक पारित किया है जोकि नागरिक समाज समूहों की निगरानी को बढ़ाएगा।**
- इस कानून को "**व्यापक संहार के हथियारों के प्रसार के वित्तीयन को रोकना**" कहा जा रहा है।

व्यापक संहार के हथियारों के प्रसार के वित्तीयन को रोकना विधेयक के बारे में

- यह **विधेयक तुर्की पर 2019 की रिपोर्ट के बाद आया** है जिसे अंतरसरकारी निकाय **वित्तीय कार्य योजना बल (FATF)** द्वारा तैयार किया गया है जिसका उद्देश्य **काले धन को वैध बनाने और आंतक के वित्तीयन को रोकना** है।
- इस **विधेयक में 43 अनुच्छेद** हैं और **तुर्की के लॉ ऑफ एसोसिएशन** के सात कानूनों में परिवर्तन किया गया है और इसका उद्देश्य **तुर्की को पेरिस आधारित आंतक के वित्तीयन पर निगाह रखने वाली संस्था के द्वारा काली सूची में डाले जाने से बचाना** है।
- यह **विधेयक तुर्की सरकार को गैर सरकारी संगठनों (NGOs)** के न्यासियों की नियुक्ति का अधिकार प्रदान करता है, उनकी गतिविधियों को स्थगित करने, उनकी परिसंपत्तियों को जब्त करने और उनके वित्तीयन के स्रोतों की निगरानी का अधिकार प्रदान करता है।
- विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, **आलोचक और मानवाधिकार कार्यकर्ता** इस कदम को देश में **विरोधियों पर कार्रवाई** के रूप में देख रहे हैं, जहां **नागरिक समाज बहुत ज्यादा स्वतंत्र नहीं** है।

कानून के आलोचक

- इस **विधेयक के आलोचक इसके कुछ प्रावधानों को निरंकुश** बता रहे हैं और उनका विश्वास है कि यह **तुर्की संविधान** के अंतर्गत **प्रावधानों का उल्लंघन** करता है क्योंकि यह **सभा करने की स्वतंत्रता के अधिकार** में हस्तक्षेप करता है।
- वे **इस कदम को** देश में **विरोधियों पर कार्रवाई** के रूप में देख रहे हैं, जहां **नागरिक समाज बहुत ज्यादा स्वतंत्र नहीं** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

आर्थिक और सामजिक विकास

चारधाम परियोजना

खबर में क्यों है?

- हाल में, **पर्यावरणविदों ने आरोप लगाया** है कि **चारधाम परियोजना के हिस्से के रूप** में सड़क बनाने के लिए **सरकार द्वारा नियुक्त किये गए ठेकेदार पहाड़ी क्षेत्र** में अनुपालन किये जाने वाले उपयुक्त सड़क चौड़ाई पर **सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन** कर रही है।

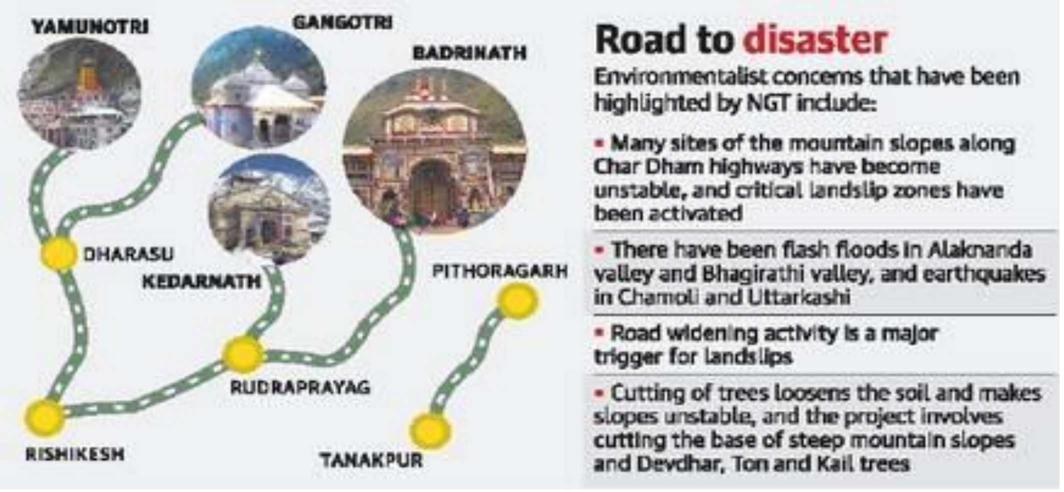

चारधाम परियोजना के बारे में

- इस परियोजना में **बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री** के पवित्र हिंदू तीर्थस्थलों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का 900 किमी. का विकास और चौड़ीकरण शामिल है।
- इस राजमार्ग को चारधाम राजमार्ग कहा जाएगा और **राजमार्ग निर्माण परियोजना** को **चारधाम महामार्ग विकास परियोजना** (चारधाम हाइवे डेवलपमेंट प्रोजेक्ट) कहा जाएगा।

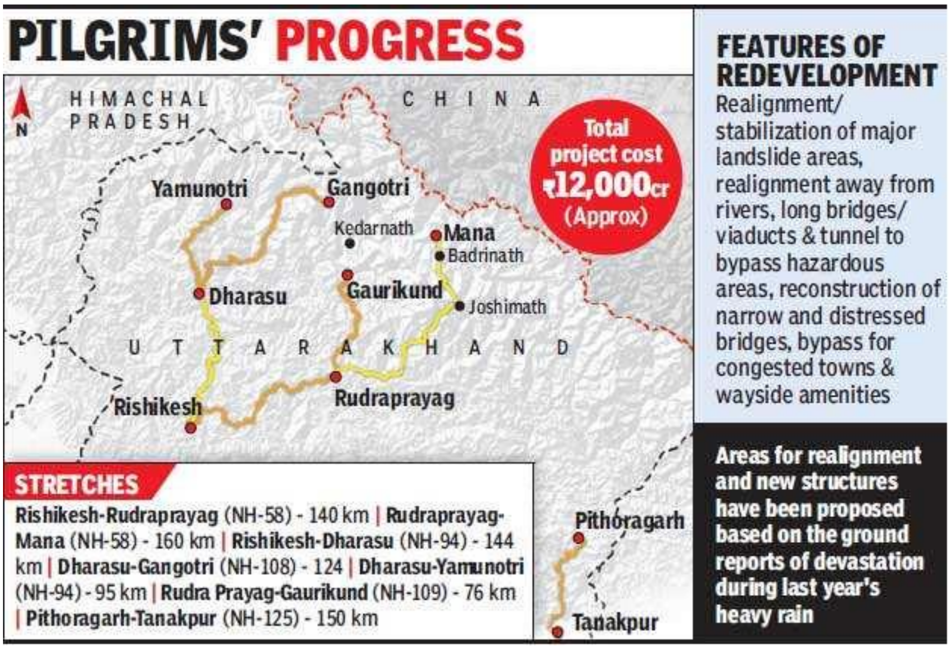

क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियां

- इसमें **उत्तराखंड राज्य सार्वजनिक कार्य विभाग** (**PWD**), **सीमा सड़क संगठन** और **राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड** (**NDIDCL**) शामिल हैं।

परियोजना का तरीका

- इस कार्यक्रम के तहत कार्य **इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (EPC) तरीके** से किया जा रहा है।
- **EPC तरीके** के अंतर्गत, **परियोजना की लागत** को पूरी तरह से **सरकार द्वारा वहन** किया जाएगा।
- लेकिन, **ठेकेदार** निर्माण के **4 वर्ष पूरे होने** तक के काल के लिए **परियोजना के रखरखाव और कार्य की गुणवत्ता को सुनिश्चित** करने साथ ही **दोषों को ठीक करने के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अवसंरचना

स्रोत- द हिंदू

परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (PMI)

खबर में क्यों है?

- हाल में, हालिया **परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स** (**PMI**) ने इंगित किया है कि नवंबर में देश के विनिर्माण क्षेत्र ने गति खो दी है।
- **भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि** ने गति खो दी है और **नवंबर में तीन महीने के सबसे निचले स्तर** पर पहुँच गई। ऐसा **फैक्ट्री ऑर्डरों, निर्यातों और खरीद के स्तरों में धीमी वृद्धि** की वजह से हुआ।

परचेजिंग मैनेजर्स इन्डेक्स (PMI) के बारे में

- इसे **1948 में संयुक्त राज्य अमेरिका आधारित आपूर्ति प्रबंधन संस्थान** द्वारा शुरू किया गया था।
- परचेजिंग मैनेजर्स इन्डेक्स (**PMI**) आंकड़ों को **पूरे विश्व की 40 से ज्यादा अर्थव्यवस्थाओं के लिए** HIS **मारकिट द्वारा संकलित** किया जाता है।
- **PMI अथवा परचेजिंग मैनेजर्स इन्डेक्स** (**PMI**) **व्यवसायिक गतिविध का संसूचक** है- **विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों** दोनों में ही।
- यह **सर्वेक्षण आधारित मापन** है जो **उत्तरदाताओं** से पूर्व के महीने से **कुछ प्रमुख व्यापारिक चरों** के बारे में उनकी **धारणा में परिवर्तन के बारे में पूछता** है।
- इसे **विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए अलग-अलग परिगणित** किया जाता है और फिर एक **संयुक्त संसूचक का निर्माण** किया जाता है।
- PMI **आंकड़े का समुच्चय एक हेडलाइन संख्या** देता है जोकि **अर्थव्यवस्था** के संपूर्ण स्वास्थ्य को इंगित करता है, और साथ ही **उप-संसूचक** भी होते हैं, जो अन्य प्रमुख **आर्थिक चालकों जैसे सकल घरेलू उत्पाद, मुद्रास्फीति, निर्यातों, क्षमता उपयोग, रोजगार और सूचियों** के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

संसूचक

- **परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स पांच बड़े संसूचकों** पर आधारित हैः नये आदेश, सूची स्तर, उत्पादन, आपूर्ति वितरण और रोजगार पर्यावरण।

महत्व

- यह **विनिर्माण क्षेत्र के आर्थिक स्वास्थ्य का सूचक** होता है।
- निवेशक **PMI सर्वेक्षणों का प्रयोग आर्थिक स्वास्थ्य** के अग्रणी संसूचकों के रूप में करते हैं, **बिक्री, रोजगार, सूची और मूल्यन पर अपनी अंतर्दृष्टि** को प्रदान करते हैं।
- परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स आर्थिक वृद्धि पर अपने विचार को बनाने के लिए तैयार **अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण संसूचक** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

IFSCA को अंतरराष्ट्रीय बीमा पर्यवेक्षक संघ की सदस्यता प्राप्त

खबर में क्यों है?

- हाल में, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (**IFSCA**) ने अंतरराष्ट्रीय बीमा पर्यवेक्षक संघ (**IFSCA**) की सदस्यता हासिल कर ली है।

सदस्यता के लाभ

- इस सदस्यता के साथ, **IFSCA** की **IAIS's** के वैश्विक नेटवर्क तक पहुँच हो जाएगी और वह अन्य अंतरराष्ट्रीय विनियामकों के साथ विचार और सूचना के विनिमय में सक्षम हो जाएगा।
- इससे **GIFT** सिटी में **IFSC** में एक जीवंत वैश्विक बीमा केंद्र के विकास में मदद मिलेगी।
- यह **IFSCA** को अन्य अंतरराष्ट्रीय केंद्रों के साथ एक वैश्विक बीमा व्यवसाय के संयुक्त विकास में सहायता करेगा।

अंतरराष्ट्रीय बीमा पर्यवेक्षक संघ (IAIS) के बारे में

- इसकी स्थापना 1994 में की गई थी।
- **IAIS** का मुख्यालय स्विट्जरलैंड में है।
- यह बीमा पर्यवेक्षकों और विनिमायकों का एक स्वैच्छिक सदस्यता संगठन है जिसके 200 से ज्यादा अधिकार क्षेत्र है, इसकी प्रीमियम कुल विश्व के बीमा प्रीमियम का 97**%** है।
- **IAIS** सदस्यों को अपने अनुभवों और बीमा पर्यवेक्षण और बीमा बाजारों की समझ के लिए एक मंच उपलब्ध कराता है।

IAIS के प्रमुख सदस्य हैं:

- यूनाईटेड किंगडम- वित्तीय आचार प्राधिकरण **(FCA),**
- संयुक्त राज्य अमेरिका- राष्ट्रीय बीमा आयुक्त संघ **(NIAC)**,
- भारत- भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण **(IRDAI)** इत्यादि।

- अपनी सामूहिक विशेषज्ञता की मान्यता में, **IAIS** को नियमित तौर पर जी20 नेताओं और अन्य अंतरराष्ट्रीय मानक बनाने वाले निकायों द्वारा बुलाया जाता है।

नोटः

- **IFSCA,** जिसकी स्थापना केंद्रीय सरकार ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों (**IFSC**) में सभी वित्तीय सेवाओं को विनियमित करने के लिए किया है। इसका मुख्यालय गांधीनगर (गुजरात) में है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

मातृभाषा में तकनीकी शिक्षा देने के लिए रोडमैप तैयार करने के लिए कार्यबल का गठन

खबर में क्यों है?

- हाल में शिक्षा मंत्रालय ने तकनीकी शिक्षा को देने के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए एक कार्यबल का गठन किया है जिसमें मातृभाषा में इंजीनियरिंग कोर्स भी शामिल हैं।

कार्यबल के बारे में

- कार्यबल का गठन उच्च शिक्षा के सचिव की अध्यक्षता में किया गया है।
- वे विभिन्न हितधारकों द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान में रखेंगे और एक महीने में अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे।
- भारतीय तकनीकी संस्थान (**IITs**) और राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान (**NITs**) अगले अकादमिक वर्ष से मातृभाषा में इंजीनियरिंग कोर्स देना शुरू कर देंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- शिक्षा

स्रोत- AIR

म्युनिसिपल बांड

खबर में क्यों है?

- हाल में, लखनऊ नगर निगम **(LMC)** ने अपने म्युनिसिपल बांड को जारी किया है जिसे बांबे स्टॉक एक्सचेंज **(BSE)** में अधिसूचित किया गया।
- **लखनऊ देश का नवां शहर बन गया है और उत्तर भारत का पहला शहर बन गया है जिसे अपना म्युनिसिपल बांड जारी किया है।**
- इन बांडों को आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और अमृत मिशन (अटल मिशन फॉर रिजुविनेश एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन) के अंतर्गत प्रोत्साहित किया जा रहा है।

म्युनिसिपल बांड क्या हैं?

- म्युनिसिपल बांड एक ऋण पत्र होते हैं जिसे राज्य, नगर निगम अथवा देश द्वारा जारी किया जाता है जिससे वे अपने पूंजी खर्च को वित्तीयन कर सके, इसमें राजमार्गों, सेतुओं अथवा विद्यालयों का निर्माण शामिल है।
- इन्हें ऋण के रूप में माना जा सकता है जिसे स्थानीय सरकार को निवेशक देते हैं।
- म्युनिसिपल बांडों को संघीय कर और अधिकांश राज्य और स्थानीय करों से छूट दी जाती है जिससे वे उच्च आय वर्ग वालों के मध्य विशेष रूप से आकर्षक बन जाते हैं।

म्युनिसिपल बांडों पर SEBI के दिशा-निर्देशन क्या हैं?

SEBI द्वारा अनुदेशित नये दिशा-निर्देश हैं-

- म्युनिसिपल निकाय को पूर्व वर्ष में वित्तीय संस्थानों से लिये गए ऋणों अथवा उधार पर पुनर्वापसी पर दिवालिया नहीं होना चाहिए।
- म्युनिसिपल बांडों के जारी होने के तीन पूर्व वर्षों में उसका निवल मूल्य धनात्मक होना चाहिए।
- ऐसी नगर निगम संस्था, इसकी समूह कंपनी अथवा निदेशकों और प्रोमोटरों का भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित इरादतन दिवालिया की सूची में उल्लेख नहीं होना चाहिए।

भारत में म्युनिसिपल बांडों के प्रकार

- भारत में प्राथमिक तौर पर म्युनिसिपल बांडों के दो प्रकार हैं, जिन्हें उनके प्रयोग के आधार पर श्रेणीबद्ध किया जाता है।

ये हैं-

- **सामान्य दायित्व बांड**
    - सामान्य दायित्व बांडों को किसी क्षेत्र की अवसंरचना को सुधारने जैसे सामान्य परियोजनाओं के लिए वित्त उगाहने के लिए जारी किया जाता है।
    - बांड की पुनर्वापसी ब्याज के साथ, को विभिन्न परियोजनाओं और करों से राजस्व उत्पन्न करके प्रसंस्कृत किया जाता है।

राजस्व बांड
- दूसरी ओर राजस्व बांड, विशेष परियोजनाओं के लिए धन एकत्रित करने के लिए जारी किये जाते हैं, जैसे कि किसी विशेष इमारत का निर्माण।
- इन बांडों की पुनर्वापसी (मूल एवं उपार्जित ब्याज) को घोषित परियोजनाओं से उत्पन्न राजस्वों के द्वारा भुगतान किया है।

म्युनिसिपल बांड के क्या फायदे हैं?

म्युनिसिपल बांडों में निवेश करने के कई लाभ है जिसमें शामिल हैं-

<u>पारदर्शिता</u>

- म्युनिसिपल बांड जो कि लोगों को जारी किये जाते हैं को जानी-मानी एजेंसियों के द्वारा रेट किया जाता है जैसे कि **CRISIL**, जोकि निवेश विकल्प की विश्वसनीयता के संबंध में निवेशकों की पारदर्शिता की अनुमति देता है।

<u>कर लाभ</u>

- भारत में, म्युनिसिपल बांड को करारोपण से मुक्त रखा गया है यदि निवेशक विशेष बनाए गये नियमों को मानते हैं तो। इस तरह के पालन के अतिरिक्त, इस तरह के निवेश उपकरण में उत्पन्न ब्याज दर को करारोपण नीति से छूट मिली हुई है।

<u>न्यूनतम जोखिम</u>

- म्युनिसिपल बांडों को नगर निगम प्राधिकरण द्वारा जारी किया जाता है, इन प्रतिभूतियों में कम से कम जोखिम होता है।

म्युनिसिपल बांडों की हानियां क्या हैं?

म्युनिसिपल बांडों की हानियां नीचे दी गई हैं-

<u>दीर्घ परिपक्वता अवधि</u>

- म्युनिसिपल बांड तीन वर्षों के लॉक इन अवधि के साथ जारी किये जाते हैं, जिससे निवेशकों की तरलता जरूरतों पर एक भार पड़ता है।

<u>निचली ब्याज दरें</u>

- यद्यपि कुछ मामलों में म्युनिसिपल बांडों की ब्याज दरें अन्य ऋण उपकरणों से ऊंची होती हैं, ये दरें काफी कम होती हैं जब इनकी तुलना इक्विटी शेयरों जैसे बाजार से जुड़े वित्तीय उपकरणों के प्रतिफल से की जाती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ।।।- अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

सरकार ने कहा अर्थव्यवस्था V-आकार बहाली के पथ पर दृढ़ता से बढ़ रही है

खबर में क्यों है?

- हाल में, **भारत की अर्थव्यवस्था पहली तिमाही की गिरावट** के बाद V-**आकार की बहाली के पथ** पर दृढ़ता से आगे बढ़ रही है। **तीसरी तिमाही में और भी सुधार की संभावना** है, यह **नवंबर महीने के संसूचकों** में कुछ गिरावट के बावजूद है।

अर्थव्यवस्था बहाली के आकार

- आर्थिक बहाली **कई रूप ले सकती** है, जिसको **अक्षरों के संकेतन का प्रयोग** करके निरुपित किया जा सकता है।
- **आर्थिक बहाली के विभिन्न आकारों** में हैं- Z **आकार की बहाली,** V **आकार की बहाली,** U **आकार की बहाली, बढ़े हुए** U **आकार की बहाली,** W **आकार की बहाली,** L **आकार की बहाली, स्वूश और उल्टा वर्ग** बहाली।
- अक्षर सामान्य तौर पर **वृद्धि दर के आरेख** को निरुपित करते हैं, जोकि अक्षर के आकार से मिलता जुलता है।
- **विभिन्न प्रकार की बहाली** के बीच में **मूलभूत अंतर आर्थिक गतिविधि के सामान्य** होने में लगने वाला समय है।

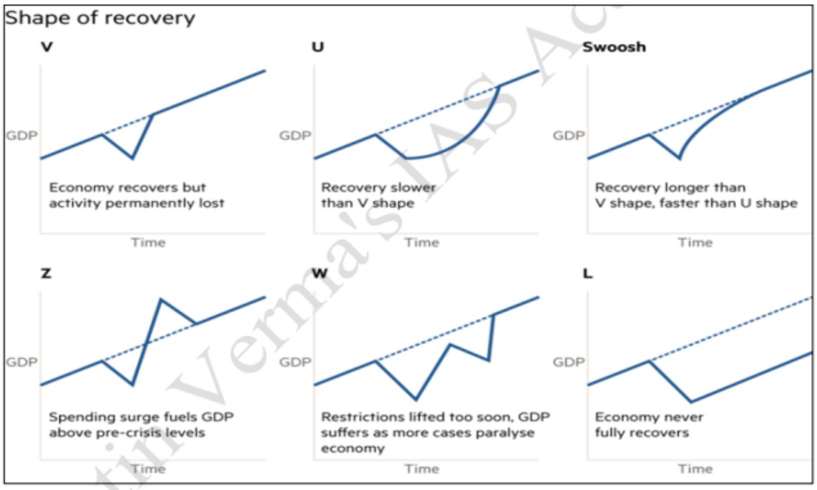

V- आकार बहाली

- V आकार बहाली में, **अर्थव्यवस्था जल्दी ही खोई हुई भूमि को प्राप्त** कर लेती है और **सामान्य वृद्धि पर वापस आ जाती** है।

U- आकार बहाली

- यह **नहाने के टब** से मिलता-जुलता है, जिसमें **अर्थव्यवस्था गिरने के बाद, संघर्ष करके थोड़े समय** के लिए निम्न वृद्धि दर पर रहती है, बाद में वह धीरे-धीरे सामान्य स्तरों पर जाती है।

W- आकार बहाली

- यह **काफी जोखिम भरी** होती है- **वृद्धि गिरकर उठती** है, लेकिन फिर से गिरकर एक बार फिर पुनर्वापसी करती है, जिससे वह **W-जैसा चार्ट** बनाती है।

- **W- आकार बहाली द्वारा निरुपित दोबार गिरावट** के बारे में अर्थशास्त्री भविष्यवाणी कर रहे हैं यदि कोविड दुबारा वापसी करता है और प्रारंभिक बहाली केवल एक धोखा है।

L आकार बहाली

- यह **सबसे ज्यादा खराब स्थिति** है, जिसमें वृद्धि दर गिरने के बाद, **निम्न स्तरों पर रहती** है और **लंबे समय तक पुनर्वापसी** नहीं करती है।

स्वूश आकार बहाली

- यह **नाइके के लोगो** की तरह से है- **जो V आकार और U आकार के बीच** का है। यहां, गिरने के बाद, वृद्धि तेजी से बहाल होने लगती है लेकिन तब, बाधाओं की वजह से धीमी हो जाती है, बाद में धीरे-धीरे पुनर्वापसी करती है।

J आकार बहाली

- इसमें **वृद्धि नीचे से तेजी से ऊपर जाती** है और यह **ट्रेंडलाइन से काफी ऊपर चली जाती है और वहां ठहर जाती** है।

उल्टा वर्गमूल आकार बहाली

- इस परिदृश्य में जहां **नीचे से थोड़ी पुनर्वापसी** हो सकती है, **वृद्धि दर धीमी** हो जाती है और **थोड़ी नीचे पहुँच जाती** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थव्यवस्था

स्रोत- द हिंदू

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स टेक्नोलॉजीस पार्क (ARTPARK)

खबर में क्यों है?

- हाल में **बंगलुरु** में स्थापित किया गया **कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं रोबोटिक्स टेक्नोलॉजीस पार्क (ARTPARK) AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और रोबोटिक्स में तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित** करेगा। यह **महत्वाकांक्षी मिशन मोड परियोजनाओं का क्रियान्वयन** करके सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करेगा।

AI और रोबोटिक्स टेक्नोलॉजीस पार्क के बारे में

- यह **अनूठा गैरलाभकारी फाउंडेशन** है जिसकी स्थापना **भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc)**, बंगलुरु ने की है। इसके लिए उसे सार्वजनिक-निजी मॉडल में **AI फाउंड्री** से समर्थन प्राप्त हुआ है।

वित्तीयन

- इसका **वित्तीयन विज्ञान एवं तकनीक विभाग** (**DST**), **भारत सरकार** द्वारा **अंतर-विषयी साइबर भौतिक प्रणाली पर राष्ट्रीय मिशन** (**NM-ICPS)** के अंतर्गत किया जाएगा।

लाभ

- **AI फाउंड्री ARTPARK के साथ सहयोग** में नायाब **ARTPARK वेंचर स्टूडियो** को चलाएगा जो कि **टेक्नोप्रेन्योरों को दिशा-निर्देश** देगा जो **नए स्टार्टअप्स को शुरू करने के लिए मिशन मोड परियोजनाओं के निर्गतों** को लेंगे।
- यह **डाटासेटू का विकास** करेगा जोकि **गोपनीयता और निजता-संरक्षण ढांचे** को सक्षम बनाएगा जिससे आंकड़ों को साझा किया जा सकेगा। यह **एनालिटिक्स को चलाएगा और आंकड़े साझा करने के पारितंत्र** को बढ़ावा देगा और एक **आंकड़ा बाजार** का सृजन करेगा, जिससे **AI** अनुप्रयोगों और हलों को प्रोत्साहन मिलेगा।

संबंधित सूचना

अंतरविषयी साइबर भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन (**NM-ICPS) के बारे में**

- अंतर विषयी साइबर भौतिक प्रणालियों पर राष्ट्रीय मिशन **(NM-ICPS)** की शुरुआत 2018 में हुई थी।

क्रियान्वयन करने वाली एजेंसी

- विज्ञान एवं तकनीक विभाग ने इसका पांच वर्षों तक क्रियान्वयन किया।

मिशन के क्रियान्वयन से विकसित होगा और निकलेगाः

1. साइबर भौतिक प्रणालियां (CPS) और संबंधित तकनीक देश के पहुँच के अंतर्गत होंगे,
2. भारत विशेष राष्ट्रीय/क्षेत्रीय मामलों को सुलझाने के लिए **CPS** तकनीकों को अपनाना**,**
3. CPS में अगली पीढ़ी के कुशल कार्यशक्ति का सृजन करना
4. अंतरदेशीय अनुसंधान का उत्प्रेरण,
5. CPS में उद्यमिता और स्टार्टअप पारितंत्र विकास को तीव्र करना,
6. **CPS** में उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देना, विज्ञान, तकनीक और इंजीनियरिंग विषयों में तकनीकी विकास और उच्च शिक्षा, और
7. भारत को अन्य तकनीकी देशों के बराबर बनाना और कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभों को प्राप्त करना।

क्रियान्वयन

- इस **मिशन का लक्ष्य 15 तकनीक नवाचार केंद्रों** (TIH), **6 अनुप्रयोग नवाचार केंद्रों (**AIH) **और 4 तकनीक अनुवाद अनुसंधान पार्कों (**TTRP) **की स्थापना** करना है।
- ये **केंद्र और TTRPs अकादमिक, उद्योग, केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों** से **हलों को विकसित** करने के लिए जुड़ेगी। ये कार्य विख्यात **अकादमिक, अनुसंधान एवं विकास** और अन्य संगठनों में होगा जो एक केंद्र और स्पोक मॉडल में पूरे देश में फैले हैं।

लाभ

- यह **मिशन** समाज के लाभ के लिए अपनी परियोजनाओं और योजनाओं के लिए **CPS** तकनीकों के प्रभावी प्रयोग के लिए **केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों और राज्य सरकारों और साथ ही उद्योग को फीड** देंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- PIB

टेक्नीकल टेक्सटाइल

खबर में क्यों है?

- **वस्त्र मंत्रालय** ने टेक्नीकल टेक्सटाइल के लिए एक समर्पित **निर्यात प्रोत्साहन परिषद (EPC)** के गठन के लिए प्रस्तावों को मांगा है।
- **कंपनी कानून अथवा समिति पंजीकरण कानून** के अंतर्गत **पंजीकृत निर्यातक संघ और व्यापार निकायों** से टेक्नीकल टेक्सटाइल के लिए समर्पित **EPC** के गठन के लिए प्रस्ताव सौंपने को कहा गया है।

टेक्नीकल टेक्सटाइल के बारे में

- **टेक्नीकल टेक्सटाइल वे टेक्सटाइल सामग्री और उत्पाद** होते हैं जिन्हें **टेक्नीकल प्रदर्शन** के लिए मूल रूप से विनिर्मित किया जाता है। उन्हें अपने **सौंदर्य की विशेषताओं** की बजाय कार्यकारी गुणों के लिए जाना जाता है।
- टेक्नीकल टेक्सटाइल उत्पादों को **12 मोटी श्रेणियों** में विभाजित किया जाता है (एग्रोटेक, बिल्डटेक, क्लोथटेक, जियोटेक, होमटेक, इंडूटेक, मोबीटेक, मेडीटेक, प्रोटेक, स्पोर्ट्सटेक, ओकटेक, पैकटेक) जोकि इनके अनुप्रयोग क्षेत्रों पर निर्भर करता है।

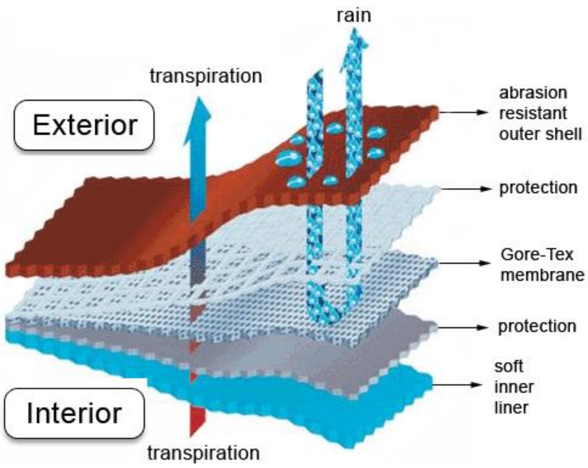

- **भारत के पास कुल 250 अरब अमेरिकी डॉलर** वाले दुनिया के **बाजार आकार का 6% हिस्सा** है।

- लेकिन, इस **क्षेत्र की वार्षिक औसत वृद्धि दर** 12% है, जबकि **दुनिया की औसत वृद्धि दर मात्र** 4% ही है।
- टेक्नीकल टेक्सटाइल **भविष्य के और बेहतर क्षेत्र के टेक्सटाइल** हैं, जिनका प्रयोग **विभिन्न अनुप्रयोगों** में किया जाता है जैसे **कृषि, सड़क, रेलवे पथों, स्पोर्ट्सवियर, स्वास्थ्य** इत्यादि में किया जाता है। साथ ही इसका प्रयोग बुलेटप्रूफ जैकेटों, अग्निप्रूफ जैकेटों, ऊंचाई वाले लड़ाई के सामान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में भी किया जाता है।

संबंधित सूचना

राष्ट्रीय टेक्नीकल टेक्सटाइल मिशन के बारे में

- **सरकार ने चार वर्षों की अवधि** के लिए (**2020-21** से **2023-24**) **राष्ट्रीय टेक्नीकल टेक्सटाइल मिशन के सृजन के प्रस्ताव** को स्वीकार कर लिया है।
- **मिशन का मुख्य जोर विभिन्न फ्लैगशिप मिशनों में टेक्नीकल टेक्सटाइल के प्रयोग को विकसित** करने का है जिसमें देश के कार्यक्रम और रणनीतिक क्षेत्र शामिल हैं।
- **मिशन** संपूर्ण भारत के आधार पर **पूरे टेक्नीकल टेक्सटाइल क्षेत्र के सर्वांगीण विकास** के लिए कार्य करेगा।

नोटः

- **टेक्नीकल टेक्सटाइल के लिए एक निर्यात प्रोत्साहन परिषद का गठन राष्ट्रीय तकनीकी टेक्सटाइल मिशन के घटकों** में से एक है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- PIB

मध्य प्रदेश एक लाख कुपोषित बच्चों का उपचार करेगा

खबर में क्यों है?

- **मध्य प्रदेश सरकार अत्यधिक तीव्र कुपोषण** (**SAM**) से गुजर रहे बच्चों के **संभावित बढ़ते मामलों से निपटने के लिए तैयारी** कर रहा है। इसके लिए वह एक रणनीति बना रहा है जिसके तहत **1 लाख ऐसे बच्चों पर ध्यान दिया** जाएगा जिससे **स्वास्थ्य अवसंरचना में कमियों** को पूरा करने के लिए समुदाय आधारित प्रयासों पर जोर दिया जाएगा।

संबंधित सूचना

कोविड-19 की वजह से अपक्षय

- **लैंसेट के एक लेख** के अनुसार जिसका प्रकाशन **27 जुलाई** को हुआ है "कोविड-19 से संबंधित हानियों की वजह से **पांच वर्ष से कम बच्चों के मध्य तीव्र अथवा मध्यम अपक्षय** के मामले में 14.3**%** की वृद्धि हो सकती है"।

भारत में कुपोषण की स्थिति

- **खाद्य और कृषि संगठन (FAO)** के एक आकलन के अनुसार **भारत में 194.4 मिलियन व्यक्ति** (कुल जनसंख्या का 14.5**%)** अल्पपोषित हैं।
- **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद** (**ICMR)** के अनुसार, 2017 में, भारत के प्रत्येक राज्य में **पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में मृत्यु** का सबसे खास जोखिम कारक **कुपोषण** था।
- **रोग अध्ययन वैश्विक भार 2017** के अनुसार, **भारत में कुपोषण मृत्यु और अपंगता** के प्रमुख कारणों में से एक है।

भारत और वैश्विक भुखमरी सूचकांक

- भारत में दुनिया के **पांच वर्ष से कम आयु के सबसे ज्यादा अपक्षयी बच्चे** हैं, जोकि तीव्र **अल्पपोषण को परिलक्षित** करती है।
- भारत **सूचकांक 2020 में कुल 107 देशों में से 94वें स्थान** पर है। यह अपने पड़ोसियों से नीचे है, जैसे कि **बांग्लादेश (75) और पाकिस्तान (88)।**
- **2019 में भारत का भुखमरी सूचकांक में 102वां स्थान** था।
- इस रिपोर्ट ने **भारत को अत्यधिक बुरी श्रेणी में 27.2 के स्कोर** के साथ रखा है।
- भारत में **बच्चों के मध्य बौनेपन** की **दर 37.4**% है।
- बच्चों के **मध्य अपक्षय की दर 17.3**% है।
- भारत की **अल्पपोषण दर 14**% और **बाल मृत्युदर 3.7**% है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य मामले

स्रोत- द हिंदू

CO-WIN मोबाइल एप

खबर में क्यों है?

- **केंद्र सरकार** ने हाल में **कोविड-19 वैक्सीन डिलीवरी** के लिए एक **नये डिजीटल प्लेटफॉर्म** जिसे **'CO-WIN'** कहा जाता है, शुरू किया है।

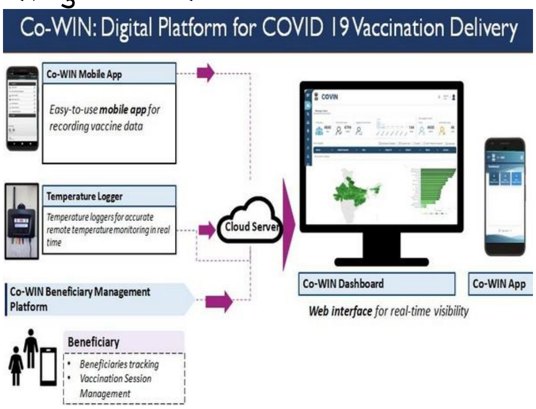

CO-WIN मोबाइल एप के बारे में

- इस **प्लेटफॉर्म का प्रयोग वैक्सीन के आंकड़ों को रिकॉर्ड** करने के लिए किया जाएगा और यह **स्वास्थ्यकर्मियों के डेटाबेस** को भी निर्मित करेगा।

- टीके की **डिलीवरी के लिए जरूरी** कोविड-19 से संबंधित आंकड़े **वर्तमान में CO-WIN प्लेटफार्म** पर **अपलोड किये जा** रहे हैं।
- एप में **एडमिनिस्ट्रेटर्स,** पंजीकरण, टीकाकरण, **लाभकर्ता के कबूलनामे** और रिपोर्टों के लिए **अलग माड्यूल** होगा।
- **CO-WIN** प्लेटफार्म का प्रयोग मुख्य सर्वरों को **भंडारण सुविधाओं के वास्तविक समय तापमान विवरणों** को भेजने में किया जाएगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य मामले

स्रोत- PIB

संयुक्त राष्ट्र निवेश प्रोत्साहन पुरस्कार

खबर में क्यों है?

- **व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन** (UNCTAD) ने **इन्वेस्ट इंडिया- भारतीय राष्ट्रीय निवेश प्रोत्साहन एजेंसी** की घोषणा की है- इसे 2020 का **संयुक्त राष्ट्र निवेश प्रोत्साहन पुरस्कार** प्रदान किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र निवेश प्रोत्साहन पुरस्कार के बारे में

- **संयुक्त राष्ट्र निवेश प्रोत्साहन पुरस्कार निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों** के लिए सबसे ज्यादा प्रतिष्ठित पुरस्कार है जिसे **व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD)** द्वारा प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार पूरे विश्व में **उत्कृष्ट उपलब्धियों** और **निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों (IPAs)** की **सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं** के लिए **मान्यता प्रदान करता है और उत्सव मनाता** है।
- इसका **मूल्यांकन UNCTAD के आकलन पर आधारित** है जो कार्य **180 निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों** द्वारा किया जाता है।

पूर्व के विजेता

- **जर्मनी, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर पुरस्कार के कुछ पूर्ववर्ती विजेता** हैं।

संबंधित सूचना

इन्वेस्ट इंडिया के बारे में

- इसकी **स्थापना 2009** में एक **गैरलाभकारी उद्यम के रूप में उद्योग एवं आंतरिक व्यापार प्रोत्साहन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** के अंतर्गत की गई थी।

- यह **भारत की राष्ट्रीय निवेश प्रोत्साहन और सुगमता एजेंसी** है और **भारत में निवेशकों** के लिए **संदर्भ के पहले बिंदु के रूप में कार्य** करती है।

व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के बारे में

- **संयुक्त राष्ट्र आमसभा ने 1964** में **UNCTAD** की **स्थापना** की थी, और यह **संयुक्त राष्ट्र आमसभा** और **संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद को रिपोर्ट** करती है।
- **UNCTAD का मुख्यालय जिनेवा** के **पेलेस डेस नेशंस** में स्थित है।
- **UNCTAD का प्राथमिक उद्देश्य व्यापार, सहायता, परिवहन, वित्त और तकनीक** सहित विकास के सभी पहलुओं से **संबंधित नीतियों को बनाना** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- PIB

कैबिनेट ने आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (ABRY) को स्वीकृति दी

खबर में क्यों है?

- केंद्रीय कैबिनेट ने हाल में आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना (**ABRY**) को स्वीकृति प्रदान कर दी जिससे औपचारिक क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा दिया जा सके और आत्मनिर्भर भारत पैकेज 3.0 के अंतर्गत कोविड से उबरने के चरण के दौरान नई रोजगार अवसरों के सृजन को प्रोत्साहित किया जा सके।
- पूरी योजना का काल 2020-2023 तक है।

योजना की खास बातें:

- भारत सरकार 1 अक्टूबर, 2020 पर अथवा उसके बाद के नए कर्मचारियों के सापेक्ष में दो वर्षों के लिए सब्सिडी देगी। यह सब्सिडी 30 जून, 2021 तक जारी रहेगी। भारत सरकार दोनों ही 12**%** कर्मचारियों का योगदान और 12**%** नियोक्ताओं के योगदान का भुगतान करेगी अर्थात **EPF** के लिए वेतनमान का 24**%**। यह नए कर्मचारियों के लिए होगा। यह उन संस्थानों के लिए है जहां दो वर्षों के लिए 1000 तक कर्मचारी हैं।
- भारत सरकार **EPF** योगदान में कर्मचारियों के योगदान का भुगतान करेगी अर्थात नए कर्मचारियों के सापेक्ष वेतनमान का 12**%**। यह दो वर्षों के लिए उन संस्थानों के लिए है जहां 1000 से ज्यादा कर्मचारी हैं।
- एक कर्मचारी जो रु. 15,000 से कम मासिक वेतनमान पा रहा है और जो 1 अक्टूबर, 2020 के पूर्व किसी ऐसे संस्थान में नहीं काम कर रहा था जो कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (**EPFO**) में पंजीकृत हो और जिसके पास सार्वभौमिक खाता संख्या अथवा **EPF** सदस्य खाता संख्या अक्टूबर 1, 2020 के पूर्व न हो, इस लाभ के लिए पात्र है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थव्यवस्था

स्रोत- PIB

स्कूल बस्ते पर नीति 2020

खबर में क्यों है?

- हाल में, स्कूल बस्ते पर नीति 2020 को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया। इसमें अनुशंसा की गई कि कक्षा 1 से लेकर 10 तक स्कूल बस्तों का कुल वजन छात्रों के वजन के 10% से अधिक नहीं होना चाहिए और कक्षा 1 तक कोई भी गृहकार्य नहीं दिया जाना चाहिए।

स्कूल के बस्ते पर नीति 2020 के बारे में

- 'स्कूल के बस्ते पर नीति 2020' यह भी अनुशंसा करती है कि विद्यालयों में नियमित रूप से बस्ते के वजन की निगरानी करनी चाहिए।

अनुशंसा

- 'स्कूल बस्ते पर नीति 2020' ने बस्तों के वजन पर 11 अनुशंसाएं की हैं जिसमें पर्याप्त अच्छी गुणवत्ता का मध्य दिन का खाना और पीने का जल सभी बच्चों को दिया जाए जिससे उन्हें लंच बॉक्स और पानी की बोतल लाने की आवश्यकता न पड़े।
- यह अनुशंसाएं विभिन्न सर्वेक्षणों और अध्ययनों पर आधारित हैं जिन्हें राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) द्वारा किया गया।
- बस्ते हल्के होने चाहिए और उनमें दो पैड किये हुए और समायोजन करने वाली पट्टियां लगी होनी चाहिए जोकि बराबर से दोनों कंधों पर आ सके और कोई व्हील्ड कैरियर की अनुमति नहीं देनी चाहिए।
- नीति यहां तक अनुशंसा करती है कि प्रत्येक पाठ्यपुस्तक का वजन प्रकाशकों द्वारा उनपर प्रकाशित होना चाहिए।
- **नीति का कहना है कि प्री-प्राइमरी में कोई बस्ता नहीं होना चाहिए। कक्षा 1 और 2 के लिए, बस्ते का वजन 1.6 किग्रा. से लेकर 2.2 किग्रा. तक होना चाहिए। इसी तरह से यह 1.7 किग्रा. से 2.5 किग्रा., 2 किग्रा. से 3 किग्रा., 2.5 से 4 किग्रा., 2.5 किग्रा. से 4.5 किग्रा. और 3.5 किग्रा. से 5 किग्रा. क्रमशः कक्षा 3 से 5, कक्षा 6 से कक्षा 8 तक, कक्षा 9 और 10 और कक्षा 11 और 12।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- शिक्षा

स्रोत- द हिंदू

डाकपेः एक डिजीटल भुगतान एप

खबर में क्यों है?

- हाल में **केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** ने '**डाकपेः डिजीटल भुगतान अनुप्रयोग**' की शुरुआत की है।

डाकपे के बारे में

- यह **भारतीय डाक भुगतान बैंक (IPPB)** और **डाकतार विभाग** की **डिजीटल भुगतान सेवा** है।
- इस **एप की शुरुआत** करने का उद्देश्य पूरे भारत में अंतिम मील तक **डिजीटल वित्तीय समावेशन** को **उपलब्ध कराने के प्रयास का हिस्सा** है।

विशेषताएं

- यह **पैसे भेजने, व्यापारियों को भुगतानों के लिए क्यूआर कोड की स्कैनिंग डिजीटल** रूप से करती है जोकि **वर्चुअल डेबिट कार्ड** अथवा **UPI** के साथ हो सकती है। साथ ही सेवाओं, व्यापारियों को डिजीटल रूप में भुगतान करना।
- यह भारत में किसी भी बैंक के साथ ग्राहकों को अंतर-संचालित बैंकिंग सेवाओं को भी उपलब्ध कराएगा।
- ये सेवाएं **विश्वसनीय डाक नेटवर्क के द्वारा पूरे देश में उपलब्ध** कराई जाएंगी जिससे **समाज के विभिन्न वर्गों की वित्तीय जरूरतों** को पूरा किया जा सके।

डाकपे का महत्व

- यह सभी को **सरलीकृत भुगतान हल** उपलब्ध कराता है जिसके लिए यह सभी ग्राहकों को **बैंकिंग और भुगतानों उत्पादों और सेवाओं** तक पहुँच उपलब्ध कराई जाती है।
- यह **IPPB** की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और समग्र वित्तीय समावेशन को और भी गहरा करेगा जिससे 'वास्तविक समावेशी वित्तीय प्रणाली' की नई सुबह का उदय होगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-III- अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

डिजीटल स्वास्थ्य पासपोर्ट

खबर में क्यों है?

- हाल में एक **VST उद्यम** (VSTE), एक **ब्रिटिश कंपनी** जो **साइबर तकनीक** में विशेषज्ञ है, ने वायुयात्रा के लिए **विश्व के पहले वर्चुअल स्वास्थ्य पासपोर्ट** को जारी किया है।

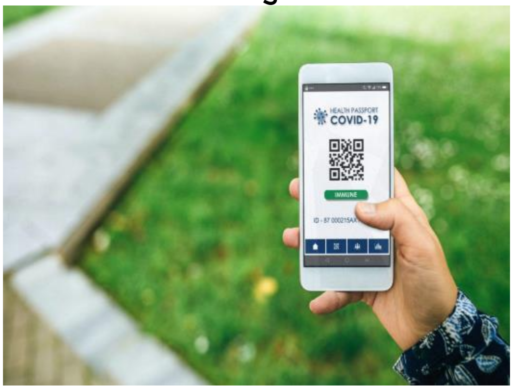

डिजीटल स्वास्थ्य पासपोर्ट के बारे में

- **'V-** स्वास्थ्य पासपोर्ट**' बार अथवा क्यूआर तकनीक का प्रयोग नहीं करता** है और इसके स्थान पर यह **क्लोज्ड लूप तकनीक, एंड टू एंड इंक्रिप्शन और 2.2 क्विंटिलियन संघट्ट मुक्य कॉम्बिनेशन कोडों को उपलब्ध कराने के लिए** V **कोड** पर निर्भर करती है।
- यह **दुनिया की पहली सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सुरक्षित डिजीटल स्वास्थ्य पासपोर्ट** है जिसके **लोग डाउनलोड कर सकते हैं** और **कोविड-19 परीक्षण और टीकाकरण के रूप में साथ में प्रयोग कर सकते** हैं।
- **सामान्य स्थान प्रणाली**, जिसको **विश्व आर्थिक मंच (WEF)** प्रोत्साहित करता है, ऐसे डिजाइन किया गया है कि यदि उन्हें कोरोनावायरस नहीं है तो **यात्रियों को प्रदर्शित करने के लिए सामान अंतरराष्ट्रीय मानक को सृजित** कर सके।

डिजीटल स्वास्थ्य पासपोर्ट का महत्व

- डिजीटल स्वास्थ्य पासपोर्ट का लक्ष्य **अगली पीढ़ी कोड आथेंटिकेशन तकनीक को उपलब्ध कराना** है।
- **वायु, भूमि अथवा समुद्र में यात्रा** करते वक्त इसे **सीमा के पार** प्रयोग किया जा सकता है।
- **V-स्वास्थ्य पासपोर्ट (TM)** में अपनी **अनूठी संपर्क ढूंढने वाली क्षमता '**ट्रू **कांटेक्ट'** भी है जिसे **तकनीक के अंदर ही निर्मित** किया गया है। इसे **यात्रा, खेलकूद स्टेडियमों, स्थलों, फैक्ट्रियों, कार्यालयों, और निर्माण स्थलों** के लिए डिजाइन किया गया है।
- यह **केवल स्वास्थ्य वालेट** है और विश्व में **सीमा प्लेटफॉर्म को लांघता** है जोकि **बहुआयामी और** GDPR **अनुपालन करने वाला** है।
- यह '**स्व-संप्रभु पहचान**' जैसे कार्य की अनुमति देता है जिसका अर्थ है **नागरिक के व्यक्तिगत आंकड़े सुरक्षित** हैं और वे यह चुनते हैं कि उन्हें **क्या साझा करना** है और किसके साथ वे **मेलजोल रखना चाहते हैं या प्राधिकृत करना** चाहते हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- स्वास्थ्य मामले

स्रोत- न्यूयॉर्क टाइम्स

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (HDI)

खबर में क्यों है?

- **राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना की समीक्षा** (जल शक्ति मंत्रालय की विश्व बैंक समर्थित पहल) हाल के दिनों में श्री रतन लाल कटारिया, **जलशक्ति मंत्री द्वारा** की गई।

राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना (NHP) के बारे में

- इस **परियोजना की शुरुआत 2016 में केंद्रीय क्षेत्र योजना** के रूप में की गई थी, जिसे **विश्व बैंक** द्वारा सहायता दी जाती है।
- इस परियोजना का लक्ष्य **जल संसाधनों की सूचना के दायरे, विश्वसनीयता** और **पहुँच में सुधार** करना है और देश में **लक्षित जल संसाधन प्रबंधन की क्षमता को मजबूत** करना है।
- यह **जल विज्ञान परियोजना I** और **जल विज्ञान परियोजना II** की **सफलता को और भी आगे ले जाना चाहता** है। जिसके लिए यह पूरे देश को आच्छादित करेगा, जिसमें **गंगा और ब्रह्मपुत्र बराक घाटी** के साथ वाले राज्य भी शामिल हैं।
- पूर्व में, **परियोजना I और परियोजना II** केवल **बड़ी नदी प्रणालियों** तक ही सीमित थीं अर्थात **कृष्णा और सतलुज-ब्यास।**
- इन्होंने **वास्तविक समय बाढ़ भविष्यवाणी प्रणाली** की स्थापना की थी जिससे **जलाशय के प्रबंधकों** को उनके क्षेत्रों में जल की स्थिति के बारे में **सटीक चित्र** दिया जा सके।

विषय- सामान्य अध्ययन III- अवसंरचना

स्रोत- PIB

ईसंजीवनी टेली चिकित्सा

खबर में क्यों है?

- हाल में **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय** ने घोषणा की कि **ईसंजीवनी टेलीचिकित्सा** ने **एक मिलियन टेली सलाहों** को पार कर लिया है, जोकि स्वास्थ्य सेवाओं को ऑनलाइन देने वाली **अपने प्रकार की पहली सेवा** है।

ईसंजीवनी के बारे में

- यह **चिकित्सक से चिकित्सक टेलीचिकित्सा प्रणाली** है जिसे **आयुष्यमान भारत स्वास्थ्य एवं वेलनेस केंद्र (AB-HWCs)** द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है।

- **AB-HWCs** की संकल्पना ऐसे **प्लेटफॉर्म** के रूप में की गई है जो समुदायों के करीब **प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं** की विस्तारित रेंज को प्रदान करते हैं।
- इसका उद्देश्य **दिसंबर 2022 तक हब एंड स्पोक मॉडल** का प्रयोग करके **सभी 1,50,000 HWCs** को आपस में जोड़ना है।

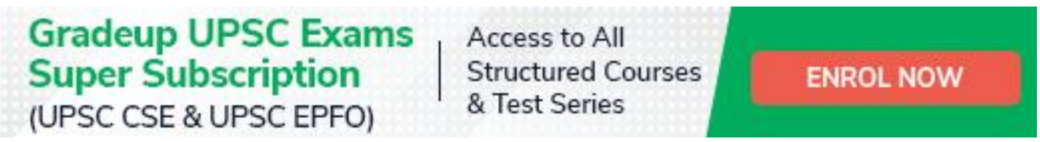

- मॉडल के अंतर्गत, **एक नेटवर्क की स्थापना की जाएगी** जिसमें **एक एंकर इस्टेब्लिसमेंट अथवा हब** होगा जो **समस्त सेवाओं को प्रदान** करेगा।
- यह **द्वितीयक संस्थानों का संपूरक** होगा, अथवा स्पोक्स, जोकि **सीमित सेवाएं प्रदान** करते हैं। यह ऐसे रोगियों को देखते हैं जिन्हें उपचार के लिए **हब तक ज्यादा सघन सेवाओं की जरूरत** होती है।

संबंधित सूचना

टेलीचिकित्सा के बारे में

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** के अनुसार, टेलीचिकित्सा **स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं** को प्रदान करना है **जहां दूरी एक महत्वपूर्ण कारक** होता है, जो **सूचना प्रौद्योगिकी (IT) का प्रयोग करके सभी स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों** द्वारा किया जाता है। इसमें **निदान, उपचार और रोगों और चोटों से बचाव, अनुसंधान और मूल्यांकन** इत्यादि किया जाता है। यह **सब व्यक्तियों के स्वास्थ्य और उनके समुदायों के हितों को बढ़ाने** के लिये किया जाता है।
- टेली-सलाह **टेली-चिकित्सा के अनुप्रयोगों में से एक** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य **मामले**

स्रोत- TOI

संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत को वापस मुद्रा हेरफेर वाचलिस्ट में डाला

खबर में क्यों है?

- हाल में, **संयुक्त राज्य अमेरिका** ने एक बार फिर से **भारत को ऐसे देशों की निगरानी सूची** में शामिल कर लिया है जहां कि **विदेशी विनिमय नीतियां संदेहास्पद हैं** और **मुद्रा की हेराफेरी होती** है।

मुद्रा हेरफेर के बारे में

- **संयुक्त राज्य अमेरिका का कोष विभाग मुद्रा हेरफेर** को ऐसे परिभाषित करता है कि जब **देश जानबूझकर अपनी मुद्रा और संयुक्त राज्य अमेरिका के डॉलर** के बीच में विनिमय को **प्रभावित** करते हैं जिससे **अंतरराष्ट्रीय व्यापार में गलत प्रतियोगी लाभ** लिया जा सके।

संयुक्त राज्य अमेरिका कोष ने सीमा के लिए तीन मानदंड स्थापित किये हैं

- पहला, संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ **काफी द्विपक्षीय व्यापार अधिशेष** है जो **कम से कम** $20 **अरब का हो।**

- दूसरा, **वर्तमान खाता अधिशेष** एक जोकि **सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 3%** हो।
- तीसरा, लगातार, **एक पक्षीय हस्तक्षेप** जो **विदेशी मुद्रा की लगातार निवल खरीद** में परिलक्षित होता है और एक वर्ष के दौरान कम से कम **अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद का 2%** हो।
- **कोष का लक्ष्य** उन देशों पर ध्यान देना है जिनका **द्विपक्षीय व्यापार अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण** है और जिनकी **नीतियां वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण** हैं।

नवीनतम निगरानी सूची में और कौन से देश हैं?

- **संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय मामले का कोष कार्यालय**, ने **संयुक्त राज्य कांग्रेस** की अपनी नवीनतम रिपोर्ट में, ने **भारत, ताइवान** और **थाईलैंड को अपनी निगरानी सूची** में शामिल किया है।
- नवीनतम सूची में शामिल अन्य देश हैं **चीन, जापान, कोरिया, जर्मनी, इटली, सिंगापुर, मलेशिया।**
- **भारत** को **अक्टूबर 2018 में मुद्रा वाचलिस्ट में आखिरी बार शामिल** किया गया था लेकिन मई **2019 में आई सूची में उसे हटा** दिया गया था।

परिणाम

- किसी देश के **मुद्रा हेराफेरी करने वाले देश** के रूप में **नामित होने** से **तुरंत कोई दंड नहीं लगता** है लेकिन इससे **वैश्विक वित्तीय बाजारों** में उस देश के बारे में **आत्मविश्वास** कम हो जाता है।
- एक बार देश के **मुद्रा हेराफेरी करने वाले देश के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा नामित** होने के बाद, **संयुक्त राज्य की सरकार द्वारा लिया गया अगला कदम हेराफेरी करने वाले देश की सरकार से बातचीत करने की कोशिश** करना है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थव्यवस्था

स्रोत- लाइवमिंट

भारत में तेंदुओं की स्थिति

खबर में क्यों है?

- हाल में, पर्यावरण मंत्रालय ने भारत में तेंदुओं की स्थिति 2018 रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट की मुख्य बातें

- तेंदुओं की जनसंख्या का अनुमान **कैमरा ट्रैपिंग विधि** का प्रयोग करके लगाया गया। 2018 तक भारत में 12,852 तेंदुएं थे , जो 2014 से 60% वृद्धि है।
- भारत में सबसे ज्यादा तेंदुएं एक अनुमान के अनुसार मध्य प्रदेश (3,421) में हैं, जिसके बाद कर्नाटक (1,783) और महाराष्ट्र (1,690) का स्थान है।
- हाल के **तेंदुएं की स्थिति और वितरण के मेटा विश्लेषण** बताता है कि अफ्रीका में 48-67% तक की प्रजाति की रेंज लॉस है जबकि एशिया में यह 83-87% है।
- भारत में, पिछले 120 से 200 वर्षों के दौरान मानव की वजह से **तेंदुओं की जनसंख्या में संभावित 75-90% तक की गिरावट आई** है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

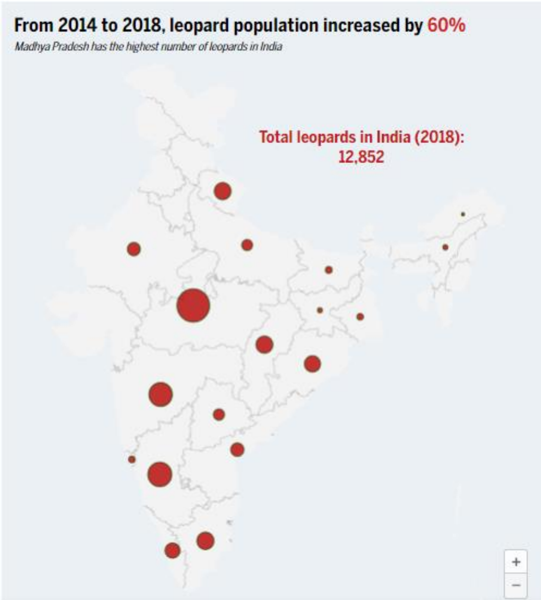

संबंधित सूचना

हिम तेंदुआ

- अंतरराष्ट्रीय हिम तेंदुआ दिवस **23 अक्टूबर** को मनाया गया। इसकी शुरुआत हिम तेंदुओं के संरक्षण पर 12 देशों द्वारा **विशकेक घोषणा** को अपना के की गई थी।

- इन 12 देशों में **भारत, नेपाल, भूटान, चीन, मंगोलिया, रूस, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, किर्गिजिस्तान, कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान** शामिल हैं। विशकेक घोषणा ने कम से कम 20 हिम तेंदुओं परिदृश्यों को संरक्षित करने के लक्ष्य को निर्धारित किया था जिससे **2020 तक हिम तेंदुओं की जनसंख्या** नजर आने लगे। इसकी वजह से **वैश्विक हिम तेंदुआ और पारितंत्र संरक्षण कार्यक्रम** (GSLEP) का निर्माण हुआ।

भारत और हिम तेंदुआ

- भारतीय सरकार ने हिम तेंदुओं को संरक्षित करने के लिए एक सामुदायिक वालंटियर कार्यक्रम "**हिमालसंरक्षक**" की शुरुआत की है।

भारत में वितरण

- हिम तेंदुआ हिमालय श्रृंखला के ऊपरी हिस्सों में पाया जाता है।

- ये कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में पाये जाते हैं।

भारत में हिम तेंदुआ संरक्षण

- भारत हिम तेंदुओं और उनके आवास का संरक्षण हिम तेंदुआ परियोजना **(PSL)** के द्वारा कर रहा है।
- **हिम तेंदुआ परियोजना की शुरुआत 2009** में की गई थी जिससे हिम तेंदुओं और उनके आवासों को संरक्षित करने के लिए एक समावेशी और भागीदारी वाले दृष्टिकोण को प्रोत्साहित किया जा सके।
- भारत **2013 से वैश्विक हिम तेंदुआ और पारितंत्र संरक्षण (GSLEP) कार्यक्रम का एक पक्ष है।**

संरक्षण के लिए, भारत ने तीन बड़े परिदृश्यों की पहचान की है, जिनके नाम हैं

a. हेमिस-स्पीति जो कि लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के पार है
b. नंदा देवी- उत्तराखंड में गंगोत्री
c. खांगचेंडजोंगा- तावांग के पार सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

भारतीय रिजर्व बैंक का पॉजिटिव भुगतान प्रणाली

खबर में क्यों है?

- हाल में, **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** ने **रु. 50,000 के ऊपर** के लेन-देन की चेकों के लिए '**पॉजिटिव भुगतान प्रणाली**' को लागू करने की घोषणा की। यह कदम **सुरक्षा को उन्नत करने और हेराफेरी समाप्त** करने के लिए की गई है।

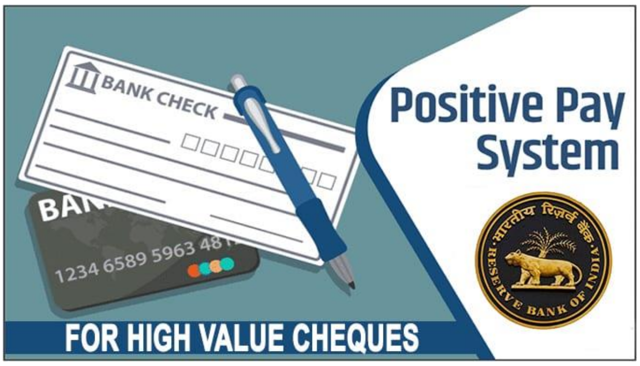

पॉजिटिव भुगतान प्रणाली के बारे में

- इस प्रक्रिया के अंतर्गत, चेक को जारी करने वाला इलेक्ट्रॉनिक तरीके से (एसएमएस, मोबाइल एप, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम जैसे चैनलों के द्वारा) उस चेक की विशेष न्यूनतम सूचना को अदाकर्ता बैंक को देता है, इस सूचना को **चेक ट्रंकेशन प्रणाली (CTS)** के द्वारा दी गई चेक के साथ क्रास जांच की जाती है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) CTS में पॉजिटिव भुगतान की सुविधा को विकसित करेगा और भागीदारी करने वाली बैंकों को उपलब्ध कराएगा।

- **पॉजिटिव भुगतान प्रणाली का क्रियान्वयन 1 जनवरी, 2021 से किया जाएगा।**
- पॉजिटिव भुगतान प्रणाली चेक भुगतानों में ग्राहक की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए है और चेक लीव्स में हेराफेरी करके होने वाली हेराफेरी को घटाएगा।

पॉजिटिव भुगतान प्रणाली के अंतर्गत चेक के प्रकार

- बैंकें नई प्रणाली को सभी खाता धारकों के लिए सक्षम बनाएंगी जोकि रु. 50,000 या उससे ऊपर के चेक दे रहे हैं।
- इस सुविधा को लेना खाता धारक के निर्णय पर निर्भर करेगा, बैंकें इसे रु. 5,00,000 अथवा ऊपर के चेकों में इसे आवश्यक करने के बारे में विचार कर सकती हैं।

चेकों के कुल लेनदेन में पॉजिटिव भुगतान प्रणाली की क्या साझेदारी होगी?

- नये उपाय मात्रा और मूल्य के संबंध में क्रमशः देश में कुल जारी की गई चेकों के लगभग 20 प्रतिशत और 80 प्रतिशत को आच्छादित करेंगे।
- चेक क्लीयरिंग के लिए **चेक ट्रंकेशन प्रणाली (CTS)** पूरे भारत में प्रचालित है। मात्रा और मूल्य के रूप में यह कुल खुदरा भुगतानों के **2 प्रतिशत और 15 प्रतिशत** को वर्तमान में आच्छादित करता है।
- वर्तमान में CTS में **क्लीयर होने वाली चेक का औसत वजन रु. 82,000** है।
- चेक लीव्स पर न्यूनतम सुरक्षा विशेषताएं दिखावने वाले **CTS-2010** मानक चेक की हेराफेरी को रोकते हैं। इसके विपरीत, चेक फार्मों पर फील्ड प्लेसमेंट का मानकीकरण स्ट्रेट थ्रू प्रसंस्करण को सक्षम बनाती है जिसमें ऑप्टिकल अथवा इमेज कैरेक्टर रिकॉग्निशन तकनीक का प्रयोग किया जाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र (बैंकिंग प्रणाली)

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

वर्षांत समीक्षा 2020- उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खबर में क्यों है?

- उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंक्षालय की वर्षांत समीक्षा 2020 का प्रकाशन किया गया, जिसने 2020 के दौरान उपभोक्ता मामले के विभाग की खास बातों का खुलासा किया।

खास बातें

उपभोक्ता संरक्षण

- **उपभोक्ता संरक्षण कानून, 2019** जिसने **उपभोक्ता संरक्षण कानून, 1986** को विस्थापित किया है, को **जुलाई 2020 में अधिसूचित** किया गया।
- **प्रासंगिक नियम और विनियमन** जिसमें **ई-कॉमर्स नियम** भी शामिल हैं, जो कि **विक्रेताओं और ई-कॉमर्स संस्थाओं के कर्तव्यों और दायित्वों** को बताते हैं, को भी अधिसूचित किया गया।
- **उपभोक्ता संरक्षण (उपभोक्ता विवाद निस्तारण आयोग) नियम, 2020** के नियम 8 के पालन के लिए एक **ऑनलाइन पोर्टल 'ईदाखिल'** की **राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निस्तारण आयोग** में उपभोक्ता मामलों की इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग के लिए शुरुआत की गई है।

कोविड 19 से संबंधित पहलें

आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत

- मास्क **(2 प्लाई और 3 प्लाई सर्जिकल मास्क, एन95 मास्क)** और **हैंड सेनेटाइजरों** को **आवश्यक वस्तु कानून** के अंतर्गत **आवश्यक वस्तुओं** की सूची में डाल दिया गया है जिससे उनकी उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा सके और **जमाखोरी/कम आपूर्ति** को रोका जा सके।
- **मास्कों, (2 प्लाई और 3 प्लाई) मेल्ट ब्लोन नॉन वोवेन फैब्रिक, और हैंड सेनेटाइजरों** के अधिकतम मूल्य निर्धारित कर दिये गये हैं जिससे उनकी **आसानी से उपलब्धता** हो सके।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना

- यह एक **अनूठा पैकेज** है जिसमें **NFSA लाभकर्ताओं के प्रति परिवार एक किग्रा. का प्रावधान** शामिल है। इसमें **दालें जैसे मूंग, तूर, चना और उड़द** को **अप्रैल से जून** तक तीन महीनों के लिए स्वीकृति दी गई है जिससे **गरीबों को पर्याप्त प्रोटीन की उपलब्धता सुनिश्चित** कराई जा सके।
- **PMGKAY पैकेज** को **3 महीने के प्रारंभिक अवधि से आगे बढ़ाकर नवंबर 2020 के अंत** तक कर दिया गया था।

आत्मनिर्भर भारत पैकेज

- **आत्मनिर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत**, प्रति **प्रवासी श्रमिक परिवार** को सरकार के **बफर स्टॉक से खड़ा चने** के **2 किग्रा. की आपूर्ति** करने का प्रावधान किया गया था। ये उनके लिये था जो **राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून** के अंतर्गत नहीं आते थे।

व्यवसाय करने की सुगमता

- **ऑनलाइल पंजीकरण** और **जौहरियों का नवीनीकरण** और **परख करने की क्रिया** और **हालमार्किंग केंद्रों की ऑनलाइन मान्यता** और नवीनीकरण की शुरुआत की गई थी।
- **BIS** ने **BIS विनिमयनों, योजनाओं और दिशा-निर्देशों** के प्रावधानों में **अस्थायी तौर पर छूट** दी। इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विनिर्माण क्षेत्र से **BIS** लाइसेंसधारकों के लिए **लगभग 54.38 करोड़ के विशेष लाभ उपलब्ध** कराये जाने हैं।

मूल्य स्थिरता कोष (**PSF**)

- **PSF** के अंतर्गत, दालों का बफर भंडार को **20 लाख मीट्रिक टन तक** स्वीकृति दी गई जिससे **प्रभावशाली बाजार हस्तक्षेप** किया जा सके। लगभग **8.5 किसानों** को **बफर के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दालों की खरीद** के द्वारा लाभ प्राप्त हुआ।
- बफर से दालों **का उपयोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली, माध्यान्ह भोजन योजना** और **एकीकृत बाल विकास योजना** के लिए किया गया।

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)

- **BIS** ने ई-**BIS** परियोजना के अंतर्गत **सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग/ऑनलाइन पोर्टल के विकास और क्रियान्वयन से अपनी गतिविधियों को संचालित करने की ओर सक्रिय रूप से प्रगति की है।**
- ई-**BIS की संकल्पना BIS गतिविधियों को शामिल करते हुए की गई और डाटा एनालिटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और प्रभावशाली निगरानी, उपयोग हितैषी इंटरफेस इत्यादि के लिए बेहतर** MIS **के उन्नत विशेषताओं** के साथ है।
- एक **मानक पोर्टल** को **स्टैंडर्ड्स फॉर्मूलेशन प्रक्रिया के डिजीटाइजेशन के लिए विकसित** किया गया है।
- **गुणवत्ता नियंत्रण आदेश** जोकि **हालमार्किंग और सोना आर्टिफैक्ट आदेश, 2020** की आवश्यक हालमार्किंग के लिए है। इसे देश में **सोने के आभूषण और आर्टीफैक्ट्स की हालमार्किंग को आवश्यक बनाने के लिए अधिसूचित** किया गया है जोकि **1 जून 2021 से प्रभावी** होगा।

राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र

- **राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र**, जोकि **विभिन्न इंजीनियरिंग चीजों और अंतिम उत्पादों के परीक्षण, मूल्यांकन और गुणवत्ता नियंत्रण** में कार्य करता है, ने अपने **क्षेत्रीय केंद्रों में उच्च तकनीक परीक्षण सुविधाओं का निर्माण** किया है।
- इसने **नये उपकरण** जैसे **पावर क्वालिटी एनालाइजर, सीमेंट आटोक्लेव, थर्मल इंड्योरेंस चैम्बर, डीसी हाई वोल्टेज इन्सुलेशन टेस्टर इत्यादि को हासिल** किया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- PIB

हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजना

खबर में क्यों है?

- हाल में, **विश्व बैंक और भारत सरकार** ने **हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजना** के लिए **$500 मिलियन के समझौते पर हस्ताक्षर** किये हैं।

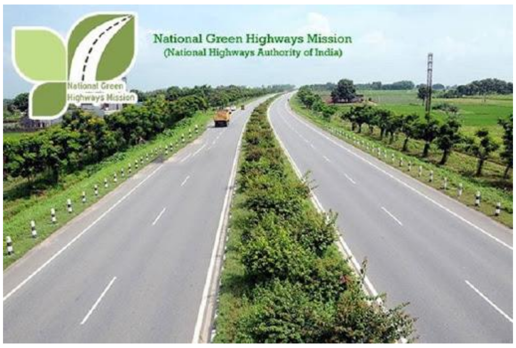

हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजना के बारे में

- इस **लक्ष्य राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश** और **आंध्र प्रदेश** में **सुरक्षित हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारों** का निर्माण करना है।

उद्देश्य

- **परिवहन अवसंरचना का सर्वोच्च उद्देश्य बिना बाधा वाली कनेक्टीविटी और लॉजिस्टिक्स लागतों को घटाना** है।
- यह **परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क** पर **माल की मात्रा और गति अनुक्रम के नक्शांकन** के लिए **एनालिटिक्स** को समर्थन देगी। साथ ही **बाधाओं को पहचानेगी** और **नवोन्मेषी लॉजिस्टिक्स हलों को उपलब्ध** कराएगी।

हरित राजमार्ग नीति

- **हरित राजमार्ग नीति** के अंतर्गत, **पेड़ लगाने के उद्देश्य** के लिए **प्रति वर्ष रु. 1,000 करोड़** उपलब्ध होंगे।
- पेड़ लगाने की प्रक्रिया की निगरानी **ISRO** की **BHUVAN** और **GAGAN उपग्रह प्रणालियां** करेंगी।

हरित राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजना का महत्व

- यह **सड़क परिवहन एवं राज्यमार्ग मंत्रालय (MoRTH)** को **सुरक्षित और हरित तकनीक डिजाइनों का एकीकरण** करके **विभिन्न भौगोलिक स्थानों** में **783 किमी. राजमार्ग के निर्माण** को समर्थन देगा।
- यह **परियोजना राजमार्गों के निर्माण और रखरखाव में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जनों को घटाने** में मदद देगी।
- यह परियोजना **सुरक्षा और हरित तकनीकों को सुव्यस्थित** करने में **MoRTH** की **क्षमता को उन्नत करेगी।**
- यह परियोजना **परिवहन क्षेत्र में लैंगिक संबंधित मामलों के गहरे विश्लेषण** के साथ मंत्रालय को समर्थन देगी। साथ ही **महिलाओं के लिए नौकरियां सृजित** करने में मदद भी देगी।
- यह परियोजना वर्तमान **संरचनाओं को मजबूत और विस्तृत करेगी; नये फुटपाथों, जलनिकासी सुविधाओं का निर्माण करेगी**; **जंक्शनों में सुधार करेगी**; **और सड़क सुरक्षा विशेषताओं** को लागू करेगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अवसंरचना

स्रोत- द हिंदू

"स्वच्छ अभियान": एक मोबाइल एप

खबर में क्यों है?

- **केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्री** ने **गैर-स्वच्छ शौचालयों और हाथ से मैला ढोने वालों की पहचान और जियोटैग** के लिए एक **मोबाइल अनुप्रयोग "स्वच्छता अभियान"** की शुरुआत की है।

मोबाइल अनुप्रयोग स्वच्छता अभियान के बारे में

- यह **संबंधित प्राधिकरणों** को किसी गैर-स्वच्छ शौचालय अथवा प्राधिकरण द्वारा **हाथ की नोटिस** की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराएगी।
- यह अनुप्रयोग सभी हाथ से मैला ढोने वालों के **पुनर्वास में** और **गैर-स्वच्छ शौचालयों को स्वच्छ के साथ विस्थापित** करने में मदद देगा।

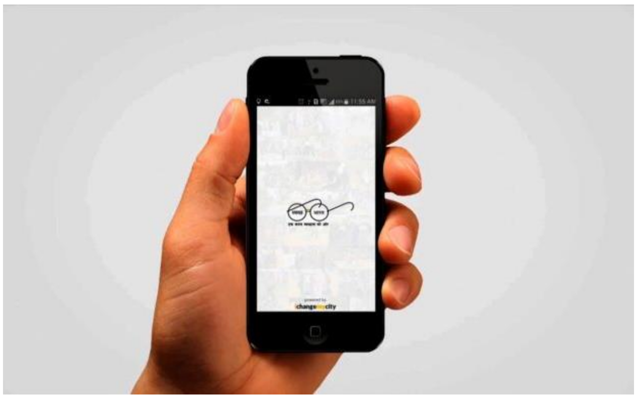

संबंधित सूचना

हाथ से मैला सफाईकार्य का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास कानून, 2013 के बारे में

- यह कानून **6 दिसंबर 2013** से प्रभावी हुआ है।
- इस कानून का उद्देश्य **गैर-स्वच्छ शौचालयों का उन्मूलन** करना और हाथ से मैला ढोने के कार्य का **प्रतिषेध करना** इत्यादि है।
- इस **कानून** में, **सफाई कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय आयोग (NCSK) कानून के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा** और इस **कानून के प्रावधानों के उल्लंघन के संबंध में शिकायतों की जांच** करेगा।
- इसके प्रावधान के अंतर्गत, **कोई भी व्यक्ति, स्थानीय प्राधिकरण अथवा एजेंसी सीवरों और सेप्टिक टैंकों की खतरनाक सफाई** के लिए लोगों से कार्य नहीं कराएगी।
- सेप्टिक टैंकों की **मशीनीकृत सफाई** निर्धारित मानदंड है।
- इसके **उल्लंघन पर दो साल का कारावास अथवा अर्थदंड अथवा दोनों ही दंड दिये जा सकते** हैं।

माननीय उच्चतम न्यायालय का आदेश

- **उच्चतम न्यायालय** ने **2014 में कई निर्देश जारी किये जिससे इस प्रथा को रोका व नियंत्रित किया जा सके एवं दोषी को सजा** दी जा सके।
- इसने **सरकार को यह भी निर्देश** दिया कि **1993** से **हाथ से मैला ढोने के कार्य में मरने वालों के पारिवारिक सदस्यों को 10 लाख रु. की क्षतिपूर्ति** दी जाए।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

फास्टैग

खबर में क्यों है?

- हाल में, **सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री** ने घोषणा की कि **1 जनवरी 2021** से देश में सभी वाहनों के लिए **फास्टैग आवश्यक होंगे।**

संबंधित सूचना

- **केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री** ने **नवबंर 2020** में एक अधिसूचना जारी की थी, जिसमें कहा गया कि **केंद्रीय मोटर वाहन नियम** (CMVR), 1989 में संशोधन के द्वारा **1 दिसंबर 2017** के पहले बेचे गए पुराने वाहनों में 1 जनवरी 2021 से फास्टैग जरूरी हो जाएगा।
- **केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989** के अनुसार **1 दिसंबर 2017** से, नए **चार पहिया वाहनों के सभी पंजीकरण के लिए फास्टैग को अनिवार्य** कर दिया गया है। इसे **वाहन निर्माणकर्ता अथवा उनके डीलरों द्वारा आपूर्ति** किया जा रहा है।

- यह भी **अनुदेशित** किया गया है कि **फिटनेस प्रमाणपत्र का पुनर्नवीनीकरण** केवल परिवहन वाहनों के लिए **फैस्टैग के फिटमेंट के बाद ही किया जाएगा।**
- **राष्ट्रीय परमिट वाहनों के लिए, फास्टैग का फिटमेंट को 1 अक्टूबर 2019 से अनुदेशित** किया गया है।
- यह अनुदेशित किया गया है कि एक **वैध फास्टैग** जरूरी है **फार्म 51 में संशोधन के द्वारा तीसरे पक्ष बीमा** को हासिल करते समय। इससे **फास्टैग ID** की जानकारी ले ली जाएगी।
- यह **1 अप्रैल 2021** से प्रभावी हो जाएगा।

फास्टैग कैसे कार्य करता है?

- यह उपकरण इससे जुड़े प्रीपेड अथवा बचत खाते से सीधे भुगतान के लिए **रेडियो आवृत्ति पहचान (RFID) तकनीक** का प्रयोग करता है।
- यह **विंडस्क्रीन** पर लगा होता है, जिससे **वाहन बिना टोल प्लाजा पर रुके हुए निकल** सकता है।
- यह **पांच वर्षों** के लिए वैध है और इसे **जरूरत होने पर किसी भी समय रिचार्ज किया** जा सकता है।
- इसकी भुगतान विधि **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रहण (NETC) कार्यक्रम** का एक हिस्सा है। **भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI)** भुगतान का संग्रहण करता है।

महत्व

- यह **सुनिश्चित करने का प्रमुख कदम** है कि **टोल प्लाजा पर 100% शुल्क का भुगतान** हो जिसके लिए केवल **इलेक्ट्रानिक तरीके** का ही सहारा लिया जाएगा। इसकी के साथ **वाहन** शुल्क प्लाजा के द्वारा **बिना बाधा** के निकल जाएं।
- **प्लाजाओं पर इंतजार करने की जरूरत** नहीं होगी और इससे ईंधन बचेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थव्यवस्था + विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

कोविड टीका बुद्धिमत्ता नेटवर्क (CoWIN) प्रणाली

खबर में क्यों है?

- हाल में, **स्वास्थ्य मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** के साथ मिलकर **कोविड टीका बुद्धिमत्ता नेटवर्क (CoWIN)** प्रणाली को मजबूत करने के लिए बड़ी चुनौती की शुरुआत की है।

CoWIN प्रणाली के बारे में

- यह एक **डिजीटलाइज्ड प्लेटफार्म** है जिसका प्रयोग राष्ट्रीय स्तर पर **कोविड टीका वितरण प्रणाली** के लिए **प्रभावी रूप से रोल आउट** करने और **तंत्र** को बड़ा करने में किया जाएगा।
- इसे MSH **(MeitY स्टार्टअप हब) पोर्टल** में जारी किया जाएगा, जोकि एक **सहयोगी प्लेटफार्म** है जिसे **MeitY के अंतर्गत विकसित** किया गया है जिससे **भारतीय तकनीक स्टार्टअप स्पेस** में **अर्थपूर्ण संमिलन का निर्माण** किया जा सके।

- इसकी **चुनौती प्रतिभाशाली और नवोन्मेषी स्टार्टअप्स** और **उभरते हुए तकनीकी विशेषज्ञों** से भागीदारी का आमंत्रण करना है जिससे **CoWIN** प्लेटफार्म का मजबूत और बढ़ाया जा सके।
- **MoHFW** ने तकनीकी विकास के **सात केंद्रीय क्षेत्रों की पहचान** की है जिससे **संपूर्ण और प्रभावशाली टीका वितरण प्रणाली (VDS)** और इसके **पूरे भारत में बाधारहित प्रशासन** के लिए आने वाली **जुड़ी सीमाओं को पूर्ण रूप से निपटाया** जा सके।

ये हैं:

- उच्च अनुपालन दर
- पूरे भारत में सुवाह्यता
- टीके का परिवहन
- क्यू प्रबंधन
- टीके के बाद खराब मामलों और विशेष रुचि वाले खराब मामलों की रिपोर्ट करना
- शिक्षण प्रबंधन प्रणाली
- संचालन प्रबंधन सूचना प्रणाली

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- सामाजिक मामले

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

शून्य कूपन बांड्स

खबर में क्यों है?

- सरकार ने **पंजाब एवं सिंध बैंक के पुनर्पूंजीकरण** के लिए **शून्य कूपन बांड्स** का प्रयोग किया है, जिसके लिए **ऋणदाता को रु. 5,500 करोड़ मूल्य** के **गैर-ब्याज वाले बांड्स** जारी किये गये हैं जिसका मूल्य इनके बराबर है।

शून्य कूपन बांड के बारे में

- **शून्य कूपन बांड** एक बांड हैं जो **कोई ब्याज नहीं अदा करते** हैं और **अपनी फेस मूल्य पर छूट पर व्यापार करते** हैं।
- इसका अर्थ है **निवेशक शून्य कूपन बांड लाभों को खरीद** रहा है जोकि **खरीदने और फेस मूल्य के बीच का अंतर** है, यह **सामान्य ब्याज आय के विपरीत** है।
- इसे **शुद्ध छूट बांड** अथवा **अत्यधिक छूट बांड** भी कहा जाता है।

- **शून्य कूपन बांड** को **केंद्र सरकार** द्वारा जारी किया जाता है, जोकि **किसी विशेष संस्थान** के लिए होता है।

परिपक्वता अवधि

- एक शून्य कूपन बांड **गैर-ऋण धारणीय, गैर-हस्तांतरणीय भारत सरकार की विशेष प्रतिभूतियां** होती हैं जिनकी **परिपक्वता 10-15 वर्षों** में होती है।

संबंधित सूचना

पारंपरिक शून्य कूपन बांड्स के बारे में

- यह **ऋण प्रतिभूतियां** हैं जोकि **ब्याज का भुगतान नहीं** करती हैं लेकिन इसके स्थान पर **काफी ज्यादा छूट** देती है, जिससे **परिपक्व होने पर लाभ** प्राप्त होता है, जब बांड का उसकी **पूरी फेस मूल्य** के लिए मोचन होता है।
- **शून्य कूपन बांड** के **खरीद मूल्य और बराबर मूल्य के बीच में अंतर निवेशकों के प्रतिफल** को इंगित करता है।

निजी फर्मों द्वारा जारी शून्य कूपन बांड्स

- **निजी कंपनियों** द्वारा जारी किये गए **शून्य कूपन बांड्स सामान्यतया छूट पर जारी किये जाते** हैं, लेकिन **सरकार के शून्य कूपन बांड्स** विशेष बांड्स होते हैं जिनका **व्यापार नहीं किया** जा सकता है क्योंकि इन्हें बराबर मूल्य में दिया जा सकता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र

स्रोत- द इकोनॉमिक्स टाइम्स

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर

खबर में क्यों है?

- हाल में, **प्रधानमंत्री** ने **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC)** के **व्यावसायिक प्रचालनों** के लिए **उत्तर प्रदेश** में **खुर्जा और भाऊपुर** के बीच में एक हिस्से का उद्घाटन किया।

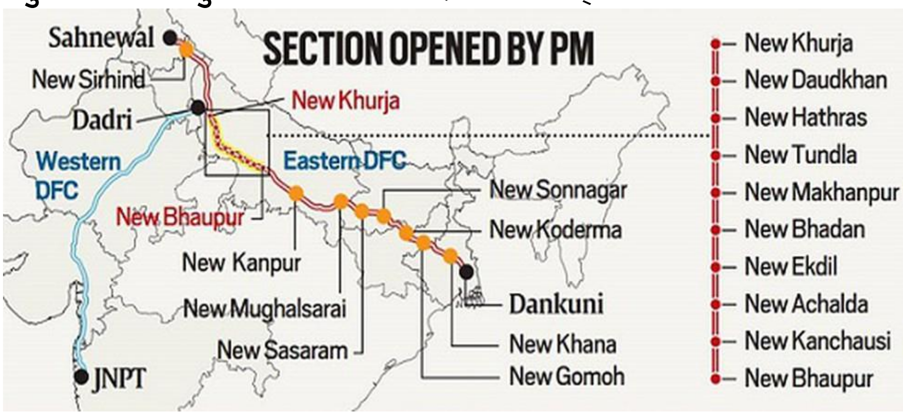

- **DFC** की दो भुजाएं हैं।

  a. **पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर**

     - यह 1,839 किमी. लंबी लाइन है जो **पंजाब में सहनेवाल (लुधियाना) से शुरू** होती है और **पश्चिम बंगाल में डंकुनी में समाप्त** होती है।

- इसका मुख्य रूप से **विश्व बैंक** द्वारा वित्त पोषण किया जा रहा है।

b. पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर

- यह लगभग **1,500 किमी. लंबी लाइन** है जो **उत्तर प्रदेश के दादरी से शुरू** होकर **मुंबई के JNPT तक जाती** है, अपने रास्ते में सभी मुख्य बंदरगाहों की छूती है।
- इसका मुख्य रूप से **जापान अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी** के द्वारा वित्त पोषण किया जा रहा है।

भारतीय डेडिकेटेड फ्रेंड कॉरिडोर निगम लिमिटेड (DFCCIL) के बारे में

- यह **सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम निगम** है जिसे **रेलवे मंत्रालय** के द्वारा संचालित किया जाता है। इसका उद्देश्य **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFC)** की **योजना, और वित्तीय संसाधनों और निर्माण के लिए इंतजाम करना, रखरखाव, और प्रचालन** करना।

क्यों डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर महत्वपूर्ण है?

- वर्तमान में **भारतीय रेलवे नेटवर्क** पर चलने वाली मालगाड़ी ट्रेनों के लगभग **70% को मालगाड़ी गलियारे** में **हस्तांतरित करने की योजना** है, जिससे ज्यादा यात्री ट्रेनों के लिए रास्ता खुल जाएगा।
- **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर** पर ट्रैक इस तरह से **डिजाइन किये** गये हैं कि वे अधिकांश भारतीय रेलवे से **ज्यादा वजन वहन कर सकते** हैं।
- **डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर** अपने **पितृ भारतीय रेलवे से ट्रैक एक्सेस चार्ज प्राप्त करेगा और अपने माल भाड़े व्यवसाय को स्वयं उत्पन्न** करेगा।

DFC के उद्देश्य हैं:

- **उन्नत तकनीक** के साथ **विश्वस्तरीय रेल अवसंरचना का निर्माण करना** और प्रति ट्रेन **ऊंची प्रवाह क्षमता के वहन** का ज्ञान पैदा करेगी।
- **संपूर्ण परिवहन सामर्थ्य में सुधार** करना।
- **ग्राहक को गारंटी देने वाले, तेज संक्रमण वाले, ऊर्जा सामर्थ्य वाले, पर्यावरण हितैषी परिवहन को प्रदान** करना।
- **कुल आपूर्ति चेन प्रबंधन को प्रोत्साहित** करना।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अवसंरचना

स्रोत- द हिंदू

विज्ञानं और तकनीकि

वृहद् मीटरवेव रेडियो दूरबीन

खबर में क्यों है?

- **वृहद् मीटरवेव रेडियो दूरबीन (GMRT)** ने हाल में **संयुक्त राज्य अमेरिका आधारित विद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स संस्थान (IEEE)** से प्रतिष्ठित '**माइल स्टोन**' **सुविधा** प्राप्त की है।

वृहद् मीटरवेव रेडियो दूरबीन के बारे में

- यह दुनिया की **सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा संवेदनशील निम्न आवृत्ति वाली रेडियो वेधशालाओं में से एक** है।
- इसका प्रचालन **राष्ट्रीय रेडियो खगोलभौतिकी केंद्र (NCRA)**, **पूणे** द्वारा किया जा रहा है जोकि **टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, मुंबई** का हिस्सा है।
- यह प्रत्येक **45 मीटर व्यास वाले 30 एंटीना के एर्री** से बना है, और **पूणे से 80 किमी. दूर 30 किमी. के क्षेत्र** में फैला हुआ है। इसके सभी एंटीना से **आंकड़ों के प्रसंस्करण के लिए उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटिंग यंत्र** लगे हुए हैं।

उद्देश्य

- हमारे **पास की सौरमंडल प्रणाली** से लेकर **पर्यवेक्षणीय ब्रह्मांड के कोने** तक **रेडियो खगोलभौतिक समस्याओं** के विभिन्न प्रकारों का जांच करना।

महत्व

- **NCRA** के अनुसार, यह किसी **भारतीय योगदान** के लिए **तीसरा ऐसी IEEE माइलस्टोन मान्यता** है।
- **पहले के दो भारतीय योगदान**, जिन्हें **दुनिया की सबसे बड़ी तकनीकी पेशेवर संगठन** ने मान्यता दी थी, वह 2012 में था, जिसे **1895 में रेडियो तरंगों की उत्पत्ति और ग्रहण** करने के लिए **सर जे सी बोस** ने प्रदर्शित किया था।
- दूसरा है 1928 में **सर सी वी रमन द्वारा रमन प्रभाव** जो कि प्रकाश के प्रकीर्णन पर आधारित है, की खोज के लिए जिसपर उन्हें **नोबेल पुरस्कार मिला** था।

संबंधित सूचना

वैद्युतीय और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स

- **वैद्युतीय** और **इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स संस्थान** दुनिया का सबसे बड़ा **तकनीकी पेशेवर संगठन** है जो वैद्युतीय और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग से संबंधित सभी क्षेत्रों में उन्नत तकनीक के लिए समर्पित है।
- **IEEE माइलस्टोन्स कार्यक्रम महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धियों और उत्कृष्टता को मानवता के लाभ** के लिए सम्मानित करता है। यह **अनूठे उत्पादों, सेवाओं, मौलिक पत्रों** और **पेटेंट** के लिए होता है जिसका वैश्विक अथवा क्षेत्रीय प्रभाव हो, और **IEEE के साथ सभी क्षेत्रों में संबंधित** हो।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- हिंदुस्तान टाइम्स

हायाबूसा 2 मिशन

खबर में क्यों है?

- हाल में, **जापान के हायाबूसा 2 मिशन के प्रक्षेपण के छह वर्षों** के बाद, यह अब **दिसंबर 6** को वापस पृथ्वी आने के लिए तैयार है। इसके पास **सूर्य के चक्कर** लगाने वाले **एक किमी. चौड़े रयूगू क्षुद्रग्रह** के नमूने होंगे।

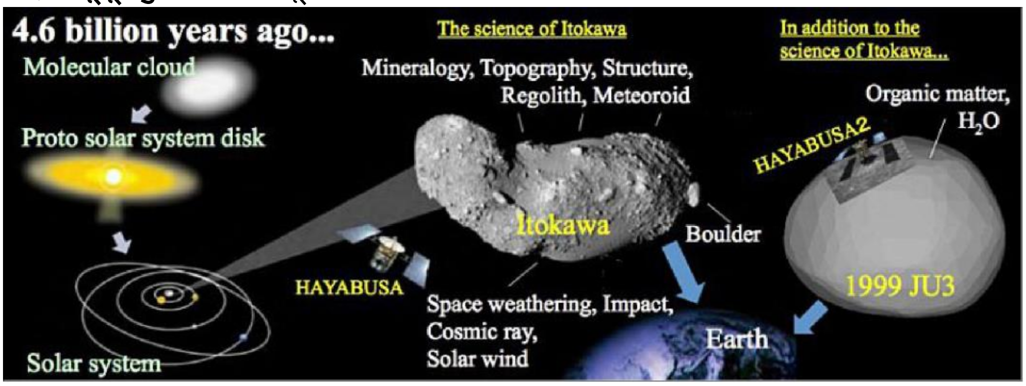

क्या हैं हायाबूसा 2 मिशन?

- **हायाबूसा 2 मिशन का प्रक्षेपण दिसंबर 2014** में किया गया जब इस **अंतरिक्षयान** को **क्षुद्रग्रह रयूगू** के अध्ययन के लिए **छह वर्ष लंबी यात्रा पर भेजा गया** था। इसके साथ इसको वहां से **नमूने भी इकठ्ठा** करने थे जोकि अब वह **पृथ्वी वापसे लेकर आ** रहा है।
- यह मिशन **NASA** के **OSIRIS-REX मिशन** के ही समान है जो **अक्टूबर 2020** के अंतिम हिस्से में **क्षुद्रग्रह बेन्नू** से नमूने लेकर वापस आया है।
- **जापानी एयरोस्पेस खोज एजेंसी (JAXA**) के अनुसार, यह **पहली बार** है कि एक **अंतरिक्षयान किसी आकाशीय पिंड पर पहुँचा** है जोकि **ब्यास में 100 मी. से कम** का है।
- **हायाबूसा 2 का पूर्ववर्ती, हायाबूसा मिशन 2010 में क्षुद्रग्रह इटोकावा** से नमूने लेकर वापस आया था।

क्षुद्रग्रह क्या है?

- क्षुद्रग्रह **पथरीले पिंड होते हैं जो सूर्य का चक्कर** लगाते हैं। ये **ग्रह से काफी छोटे** होते हैं। इन्हें **छोटे ग्रह भी कहा** जाता है।
- **NASA** के अनुसार, **कुल 994,393 ज्ञात क्षुद्रग्रह** हैं, जोकि **4.6 अरब वर्ष पूर्व सौर मंडल के निर्माण के बचे हुए अवशेष** हैं।

तीन वर्गों में वर्गीकरण

क्षुद्रग्रहों को तीन वर्गों में विभाजित किया जाता है।

- पहला, वे जो मुख्य **क्षुद्रग्रह पट्टिका में मंगल और बृहस्पति के मध्य** पाये जाते हैं। इस पट्टिका में **1.1-1.9 मिलियन के बीच में क्षुद्रग्रह होने का अनुमान** है।
- **दूसरा समूह ट्रॉजनों** का है, ये वे **क्षुद्रग्रह हैं जो बड़े ग्रह से साथ कक्षा को साझा** करते हैं। **NASA** की रिपोर्ट **बृहस्पति, नेपच्यून और मंगल ट्रॉजनों की उपस्थिति** की बात कहती है।
- 2011 में, उन्होंने **पृथ्वी ट्रॉजन** होने की बात भी कही थी।
- तीसरा वर्गीकरण **पृथ्वी के पास के क्षुद्रग्रहों (NEA)** का है, इनकी कक्षाएं पृथ्वी के पास से गुजरती हैं।
- वे जो **पृथ्वी की कक्षा को पार** करते हैं उन्हें **अर्थ क्रॉसर्स** कहा जाता है।
- **10,000 इस प्रकार के क्षुद्रग्रह** ज्ञात हैं, इनमें से **1400 से ज्यादा जोखिम भरी संभावना वाले क्षुद्रग्रह (PHAs)** के रूप में वर्गीकृत किये गए हैं।

रयूगू क्षुद्रग्रह के बारे में

- रयूगू को भी **जोखिम भरी संभावना वाले क्षुद्रग्रह (PHAs)** के रूप में वर्गीकृत किया गया है और इसकी **खोज 1999** में की गई थी।
- इसका नामकरण **2015 में माइनर प्लेनेट सेंटर** द्वारा किया गया था।
- यह पृथ्वी से **लगभग 300 मिलियन किमी. की दूरी** पर है और **हायाबूसा2 को इसपर पहुंचने में 42 महीने से ज्यादा का वक्त** लगा।

क्षुद्रग्रहों के अध्ययन के लाभ

- पुच्छल तारों की ही तरह से **क्षुद्रग्रह पुरातन पिंड** हैं जिन्हें **प्रारंभिक सौरमंडल** की **प्रारंभिक निर्माण सामग्री** के रूप में माना जा सकता है।
- वे **सौरमंडल के प्रारंभिक विकास और जन्म का रिकार्ड** रखते हैं।
- **पृथ्वी जैसे बड़े ग्रह ज्यादा जटिल विकास से गुजरे** हैं जिस दौरान **प्राचीन सामग्रियां पिघली और काफी ज्यादा परिवर्तित** हो गईं।
- इस परिवर्तन की वजह से, **बड़े ग्रहों पर पायी जाने वाली सामग्रियां** उनके **निर्माण की प्रारंभिक अवस्था** के बारे में **ज्यादा सूचना नहीं रखती** हैं।
- **पुच्छल तारे और क्षुद्रग्रह**, **सौरमंडल के विकास के प्रारंभ में निर्मित** हुए थे, यह रिकार्ड रखते हैं कि कब, कहां और किस अवस्था में उनका निर्माण हुआ था।
- **इन प्राचीन पिंडों की खोज सौरमंडल के निर्माण** में **अंतर्दृष्टि को पाने में जरूरी** है।

- यह उन क्षुद्रग्रहों पर नजर रखने में भी मदद देता है जो हमारी **पृथ्वी के लिए संभावित रूप से जोखिम भरे** हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

प्रयोगशाला में संवर्द्धित मांस

खबर में क्यों है?

- **सिंगापुर खाद्य एजेंसी (SFA)** ने हाल में एक **प्रयोगशाला में संवर्द्धित मांस उत्पाद** की **बिक्री को स्वीकृति** दे दी है।
- यह **पहली बार है कि संवर्द्धित मांस** को **दुनिया में कहीं बेचने की इजाजत दी गई** है।

प्रयोगशाला में संवर्द्धित मांस कैसे पादप आधारित मांस से भिन्न होता है?

- पादप आधारित मांस को **पौध स्रोतों जैसे सोया या फली प्रोटीन** से बनाया जाता है, जबकि **संवर्द्धित मांस को प्रयोगशाला में सीधे कोशिकाओं** से उगाया जाता है।
- दोनों का ही **उद्देश्य समान** होता है क्योंकि यह **पारंपरिक मांस उत्पादों को विकल्प प्रदान** करेगा जिसे **ज्यादा लोग खा सकेंगे**, जिससे **पशुजन्य बीमारियां होने का खतरा कम** हो जाएगा, और **मांस उपभोग का पर्यावरणीय प्रभाव कम** हो जाएगा।
- **कोशिका संरचना के रूप में, संवर्द्धित अथवा बनाया गया मांस** पारंपरिक मांस की ही तरह से है- केवल **इस बात को छोड़कर कि संवर्द्धित मांस** सीधे जानवर से नहीं आता है।

लाभ

- **बेहतर खाद्य संस्थान (GFIs) की 2019 की उद्योग की हालात रिपोर्ट** के अनुसार जो कि बनाये गए मांस पर है, **पारंपरिक बीफ की तुलना में बनाया गया बीफ भूमि** उपयोग को **95% से ज्यादा कम** कर सकता है, **मौसम परिवर्तन उत्सर्जनों को 74-87%** कम कर सकता है और पोषण **प्रदूषण को 94%** तक कम कर सकता है।
- क्योंकि **उत्पादित मांस** को **स्वच्छ सुविधाओं** में सृजित किया जाता है, **सूक्ष्मजीवों** जैसे **सालमोनेल्ला और ई. कोली** से होने वाले प्रदूषण का खतरा कम हो जाता है, जोकि **पारंपरिक**

बूचड़खानों और **मांस को पैक करने वाली फैक्ट्रियों** में उपस्थित हो सकता है। यह **काफी ज्यादा कम** हो जाता है।

- इसको **एंटीबायोटिकों की आवश्यकता** भी नहीं होती है, जैसे कि **मांस के लिए पाले गए पशुओं** को होती है। इसलिए **एंटीबायोटिक प्रतिरोधक क्षमता** के विकसित हो जाने का **सार्वजनिक स्वास्थ्य का खतरा भी कम** हो जाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

संयुक्त राष्ट्र ने निर्णय लिया गांजा एक खतरनाक मादक पदार्थ नहीं

खबर में क्यों है?

- हाल में, **मादक पदार्थों पर संयुक्त राष्ट्र (UN) आयोग** ने अपने **63वें सत्र** में **कई निर्णय लिये** हैं, जिससे जिस तरह से **अंतरराष्ट्रीय स्तर** पर **गांजा (मारीजुआना)** का जिस तरह से **विनियमन** होता है वह परिवर्तित हो गया है, इसमें इसके **मादक पदार्थों के सबसे ज्यादा खतरनाक श्रेणी** से बाहर करने का पुनः वर्गीकरण भी शामिल है।

संबंधित सूचना

- **विश्व स्वास्थ्य संगठन** (WHO) की **मारीजुआना और उसके व्युत्पन्नों** पर अनुशंसाएं **CND** इस निर्णय पर आधारित हो गईं कि **मादक औषधियों पर 1961 के एकल संधि की अनुसूची IV** से **गांजे को हटा दिया** जाए।
- अब, दोनों ही **गांजा और कैन्नाबिस रेजिन अनुसूची I** में रहेंगी, जिसमें **सबसे कम खतरनाक श्रेणी के पदार्थ** शामिल हैं।

हाल के विकास

- 2018 में **कनाडा की संसद ने गांजा कानून (अथवा विधेयक C-45)** पारित किया है। यह **ऐतिहासिक कानून गांजा देशव्यापी स्तर पर मारीजुआना (एक मनोसक्रियात्मक औषधि** जो गांजे के पौधे से प्राप्त होती है जिसका औषधीय अथवा मनोरंजनात्मक प्रयोग होता है) के **मनोरंजनात्मक प्रयोग** को कानूनी बनाता है।
- इस कानून ने **कनाडा को पहली जी7 देश बना** दिया है जिसने **मादक पदार्थ के मनोरंजनात्मक प्रयोग को कानूनी रूप** दिया है। इसके साथ ही **देशव्यापी स्तर पर कानूनी मारीजुआना बाजार** भी पैदा कर दिया। इसके पहले **उरुग्वे** में यह था (दिसंबर 2013 में इजाजत दी गई)।

मादक दवाओं पर आयोग (CND) के बारे में

- **CND संयुक्त राष्ट्र औषधि नियंत्रण प्रणाली** के लिए **केंद्रीय नीति निर्माता निकाय** है।
- इसमें **संयुक्त राष्ट्र के 53 देश शामिल** हैं जिन्हें **आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC)** द्वारा चुना जाता है।
- इसकी **स्थापना 1946 में की गई थी और इसका मुख्यालय विएना** में था।

कार्य

- यह किसी पदार्थ को **सारिणीबद्ध, गैर सारिणीबद्ध और पुन-सारिणीबद्ध** करने के लिए **विश्व स्वास्थ्य संगठन** द्वारा प्रस्तावों पर **अंतिम नीति निर्माता** है।
- यह आयोग **UNODC,** के **बजट और कार्ययोजना को भी स्वीकृत करता** है जिसपर यह **प्रशासनिक और तकनीकी समर्थन के लिए भी निर्भर** रहता है।

भारत और गांजा

- **भारत ने बहुमत के साथ** गांजा और कैन्नीबिस रेजिन को संधि में **सबसे खतरनाक पदार्थों की सूची** से हटाने के लिए मत दिया।

1985 का मादक दवा और मनोदैहिक पदार्थ कानून (**NDPS**)

- **भारत के 1985 के मादक दवा और मनोदैहिक पदार्थ कानून (NDPS)** के अंतर्गत **गांजे** का उत्पादन, निर्माण, अपने पास रखना, बिक्री, खरीदना, परिवहन और **प्रयोग एक दंडनीय अपराध है।**
- इस **कानून को 1985 में बनाया** गया था, जिसने **1930 के खतरनाक दवा कानून** का स्थान लिया था।
- **मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो** (**NCB**) को यह अधिकार दिया गया है कि वह **मादक पदार्थों के गैरकानूनी प्रयोग और आपूर्ति से संबंधित मामलों में लोगों को अभियुक्त** बनाएं।

गांजे के पौधे के बारे में

- **गांजे की अधिकांश प्रजातियां एकलिंगाश्रयी पौध** होती हैं जिन्हें **नर या मादा के रूप में पहचाना** जा सकता है।
- **गैरपरागीकृत मादा** पौधों को **हशीश** कहा जाता है।
- **गांजे का तेल** (हशीश का तेल) **कैन्नाबिनॉड्स का सांद्रण** होता है- वे यौगिक जो **संरचनात्मक रूप** से **THC के समान** होते हैं- जिन्हें कच्चा पौध पदार्थ अथवा **रेजिन के विलायक निष्कर्षण से प्राप्त किया जाता** है।
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन** (WHO) **के अनुसार, गांजा एक जेनेरिक शब्द है जिसका प्रयोग कैन्नाबिस सटिवा पौधे के मनोसक्रिय तैयारियों को निरुपित** करने के लिए किया जाता है।

- **गांजे में प्राथमिक मनोसक्रिय घटक डेल्टा-9 टेट्राहाइड्रोकैन्नाबानोल (THC)** होता है। मैक्सिकन नाम **मारीजुआना** को काफी बार **गांजे की पत्तियों के बारे में प्रयोग** किया जाता है अथवा कई देशों में **कच्चे पौध पदार्थ** के रूप में।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II+III- स्वास्थ्य मामला+ विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

दूसरा कैंसर जीनोम मानचित्र (TCGA)

खबर में क्यों है?

- **विज्ञान एवं तकनीक मंत्री** और **वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR)** के **उपाध्यक्ष** ने **नई दिल्ली** में **दूसरी TCGA 2020 सम्मेलन** का वर्चुएल तौर पर उद्घाटन किया।

कैंसर जीनोम मानचित्र 2020 (TCGA) के बारे में

- यह एक **महत्वपूर्ण कैसंर जीनोमिक्स कार्यक्रम** है जिसने **आणविक रूप से 20,000 से ज्यादा प्राथमिक कैंसर की विशेषताएं** बताई हैं और **33 कैंसर प्रकारों** के मानक नमूनों को सुमेलित किया है।

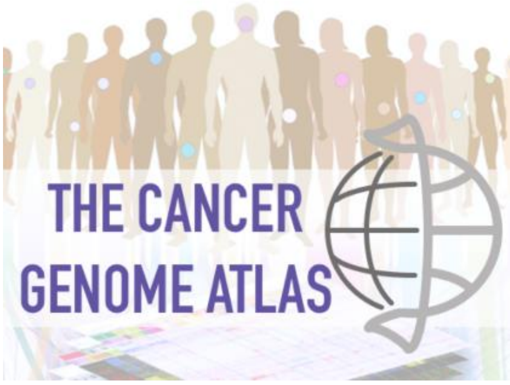

- यह **संयुक्त राज्य अमेरिका- राष्ट्रीय कैंसर संस्थान** और **राष्ट्रीय मानव जीनोम अनुसंधान संस्थान** के बीच में संयुक्त प्रयास है जो **2006** में शुरू हुआ था।
- **TCGA** ने **2.5 पेटाबाइट** से ज्यादा के **जीनोमिक, एपीजिनोमिक, ट्रांसक्रिप्टोमिक और प्रोटियोमिक आंकड़ों** का सृजन किया है।
- आंकड़े जिन्होंने कैंसर **के निदान, उपचार और रोकथाम की क्षमता में सुधार** कर दिया है, **अनुसंधान समुदाय** के **प्रयोग के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध** रहेगा।

नोटः

- **'भारतीय कैंसर जीनोमिक्स मानचित्र (ICGA)'** की शुरुआत **प्रमुख हितधारकों के एक कंसोर्टियम** द्वारा की गई थी (**CSIR** के नेतृत्व में)। यह **कैंसर जीनोम मानचित्र की भांति** था।

संबंधित सूचना

जीनोम भारत परियोजना के बारे में

- **जीनोम भारत परियोजना**, एक **20 संस्थानों का संगठन** है जिसमें **भारत विज्ञान संस्थान और कुछ IITs शामिल** हैं, यह **चिकित्साशास्त्र, कृषि और जीवन विज्ञानों** में नये सामर्थ्य को सक्षम बनाएगा।
- इस लक्ष्य **अंतोगत्वा भारतीय "रिफरेंस ग्रिड" का निर्माण** करना है, जिससे **रोगों के प्रकार और प्रकृति** को पूरी तरह से समझा जा सके और वे लक्षण जिससे मिलकर **विविध भारतीय जनसंख्या** बनी है।
- यह **विशाल परियोजना** आशा करती है कि एक ग्रिड का निर्माण होगा जिसके लिए **पूरे भारत से पहले चरण में 10,000 नमूनों को इकठ्ठा किया** जाएगा जिससे **प्रतिनिधि भारतीय जीनोम** तक पहुँचा जा सके।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

PM-WANI

खबर में क्यों है?

- केंद्रीय कैबिनेट ने हाल में पब्लिक डाटा ऑफिस एग्रीग्रेटर्स **(PDOAs)** के द्वारा सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्कों की स्थापना के लिए **DoT** के प्रस्ताव के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है।
- इसका लक्ष्य सार्वजनिक डाटा ऑफिसों (**PDOs)** के द्वारा सार्वजनिक वाई-फाई सेवा को उपलब्ध कराना है जोकि संपूर्ण देश में फैले हुए हैं। इससे देश में सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क के द्वारा ब्राडबैंड इंटरनंट सेवाओं के फैलने में तेजी आएगी।
- इन सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्कों के द्वारा ब्राडबैंड इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए कोई लाइसेंस फीस नहीं लगेगी।

मुख्य विशेषताएं

- यह सार्वजनिक वाई-फाई एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस **PM-WANI** कहलायेगा। **PM-WANI** इको-सिस्टम का प्रचालन विभिन्न लोगों द्वारा किया जाएगा जोकि नीचे दिया गया है:
    - **सार्वजनिक डाटा ऑफिस (PDO):** यह केवल **WANI** का अनुपालन करने वाई-फाई एक्सेस बिंदुओं की स्थापना, रखरखाव और प्रचालन करेगा और उपभोक्ताओं को ब्राडबैंड सेवाएं प्रदान करेगा।
    - **सार्वजनिक डाटा ऑफिस एग्रीगेट (PDOA):** यह PDOs का एग्रीगेटर होगा और प्राधिकरण देने और लेखांकन से संबंधित कार्यों को करेगा।
    - **एप प्रोवाइडरः** यह एक एप का विकास करेगा जोकि पंजीकृत प्रयोगकर्ताओं के लिए होगा और पास के क्षेत्रों में **WANI** का अनुपालन करने वाले वाई-फाई हॉटस्पाटों की खोज करेगा और इंटरनेट सेवा को एक्सेस करने के लिए एप में इसे दिखायेगा।

- **सेंट्रल रजिस्ट्रीः** यह एप प्रोवाइडरों, **PDOAs,** और **PDO** के विवरण का रखरखाव करेगा। शुरुआत में केंद्रीय रजिस्ट्री का रखरखाव **C-DoT** द्वारा किया जाएगा।

उद्देश्य

- जहां **PDOs** के लिए किसी पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी वहीं **PDOAs** और एप प्रोवाइडर स्वयं को ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल के द्वारा **DoT** के साथ पंजीकृत करा सकते हैं।
- यह प्रस्ताव देश में सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्कों की वृद्धि को प्रोत्साहित करेगा और साथ ही ब्राडबैंड इंटरनेट की वृद्धि, आय में वृद्धि और लोगों के रोजगार और सशक्तिकरण में मदद देगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन

खबर में क्यों है?

- हाल में, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन **(DRDO)** ने दो **DRDO** प्रयोगशालाओं के बीच में क्वांटम संचार के लिए क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन **(QKD)** के विकास के लिए परियोजना की शुरुआत की।

क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन के बारे में

- क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन क्वांटम यांत्रिकी प्रणाली के अनूठे गुणों का उपयोग करता है जिससे विशेष उद्देश्यीय तकनीक का प्रयोग करके क्रिप्टोग्राफिक कीइंग पदार्थ का सृजन और वितरण किया जाता है।
- क्वांटम क्रिप्टोग्राफी समान भौतिक सिद्धांतों और समान तकनीक का प्रयोग करती है जिससे एक समर्पित संचार लिंक के ऊपर संचार किया जाता है।
- प्रकाशित सिद्धांत सुझाव देते हैं कि भौतिकी **QKD** अथवा **QC** किसी छिप कर बातें सुनने वाले की उपस्थिति की पहचान की अनुमति देता है। यह एक विशेषता है जो मानक क्रिप्टोग्राफी में उपलब्ध नहीं है।
- **इस तकनीक का विकास कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स केंद्र (CAIR), बंगलुरु और DRDO युवा वैज्ञानिक प्रयोगशाला- क्वांटम तकनीक (DYSL-QT), मुंबई द्वारा किया गया है।**
- टाइम बिन क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन **(QKD)** योजना का प्रयोग करने वाले क्वांटम संचार का प्रदर्शन यथार्थवादी स्थितियों में किया गया।
- इस सेटअप ने संचार के ज्ञान को हासिल करने की कोशिश करने वाले किसी तीसरे पक्ष की पहचान की पुष्टि का भी प्रदर्शन किया।
- छिप कर सुनने वाले के विरुद्ध क्वांटम आधारित सुरक्षा की पुष्टि 12 किमी. परास में लगी हुई प्रणाली में हुई और फाइबर ऑप्टिक चैनल पर 10 डीबी क्षीणता पर हुई।

- क्वांटम क्रिप्टोग्राफी एक ऐसी तकनीक है जो क्वांटम भौतिकी का प्रयोग सिमेट्रिक इंक्रिप्शन कीज के डिस्ट्रीब्यूशन को सुनिश्चित करने के लिए करती है।

क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन का महत्व (QKD)

- क्वांटम आधारित संचार कीज को सुरक्षित साझा करने का सही हल प्रस्तुत करता है।
- **DRDO** में किये गए कार्य का प्रयोग क्वांटम सूचना तकनीकों के क्षेत्र में स्टार्टअप्स और **SMEs** को सक्षम बनाने में किया जाएगा।
- यह मानकों और क्रिप्टो नीतियों को परिभाषित करने का भी कार्य करेगा जो एक एकीकृत सिफर नीति समिति **(CPC)** ढांचे में **QKD** प्रणाली का फायदा लेने के लिए वर्तमान और भविष्य के सैन्य क्रिप्टोग्राफिक प्रणालियों के लिए यथार्थवादी की प्रबंधन करेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- PIB

रहस्यमयी बीमारी इलुरु के पीछे हो सकते हैं ऑर्गेनोक्लोरीन्स

खबर में क्यों है?

- एक रहस्यमयी बीमारी के पीछे संभावित कारणों में जिसने इलुरु, आंध्र प्रदेश में 450 रोगियों को उद्वेग, जी मिचलाना, सिर चकराना और सिरदर्द जैसे लक्षण हुए और एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई, सबसे संभावित कारण ऑर्गेनोक्लोरीन्स **(OCs)** की भूमिका हो सकती है।

ऑर्गेनोक्लोरीन्स क्या हैं?

- ऑर्गेनोक्लोरीन्स **(OC)** क्लोरीनेटेड यौगिकों का एक समूह है जो दृढ़ यौगिक प्रदूषकों **(POPs)** के वर्ग में शामिल है जिनकी पर्यावरण में उच्च दृढ़ता है।
- इन्हें वृहद तौर पर कीटनाशकों के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- **OC** कीटनाशक का पहले प्रयोग मलेरिया और टाइफाइड को नियंत्रित करने के लिए किया जाता था; बाद में उन्हें अधिकांश देशों में प्रतिबंधित कर दिया गया।
- वे तुलनात्मक रूप से सस्ते हैं; इसके फलस्वरूप, डाईक्लोरोडिफेनिलट्राईक्लोरोइथेन **(DDT)**, हेक्साक्लोरोसाइक्लोहेक्सेन **(HCH)**, एल्ड्रिन और डिलड्रिन एशिया के विकासशील देशों में कीटनाशकों के रूप में सबसे ज्यादा प्रयोग किये जाते हैं।

ये कीटनाशक कैसे मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं?

- छोटे काल के लिए ऑर्गेनोक्लोरीन कीटनाशकों से संसर्ग से ऐंठन, सिरदर्द, सर चकराना, जी मिचलाना, उल्टी होना, थरथरी पैदा होना, दिग्भ्रमित होना, मांसपेशियों की कमजोरी, अस्पष्ट वाणी, मुंह में थूक आना और पसीना आने की समस्या पैदा होती है।
- ऑर्गेनोक्लोरीन कीटनाशकों से लंबे समय तक संसर्ग से यकृत, किडनी, केंद्रीय स्नायु प्रणाली, थाइरॉयड और ब्लैडर क्षतिग्रस्त हो सकता है।
- इस तरह के कई कीटनाशकों को जानवरों में यकृत अथवा किडनी कैंसर के बढ़े हुए मामलों से जोड़ा जा रहा है।
- इस बात के भी प्रमाण हैं कि मानवों में भी ऑर्गेनोक्लोरीन कीटनाशक कैंसर पैदा कर सकते हैं।

संबंधित सूचना

दृढ़ यौगिक प्रदूषकों (POPs) के बारे में

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम **(UNEP) POPs** को ऐसे रासायनिक पदार्थों के रूप में परिभाषित करती है जो पर्यावरण में दृढ़ता से रहते हैं, खाद्य जाल के द्वारा जैविक रूप से इकठ्ठा होते हैं, और मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डालने का खतरा पैदा करते हैं।

POPs पर संधियां

POPs पर स्टाकहोम संधि

- यह **POPs** से मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षित करने की वैश्विक संधि है, जोकि पहचाने हुए रासायनिक पदार्थ हैं जो पर्यावरण में दढ़ता से रहते हैं, जीवों में जैविक रूप से इकठ्ठा हो जाते हैं, मानव स्वास्थ्य/पर्यावरण को बुरी तरह से प्रभावित करते हैं और लंबी दूरी के पर्यावरणीय परिवहन **(LRET)** के गुण होते हैं।
- **इसपर 2001 में हस्ताक्षर किये गए और 2004 से प्रभावी हुई।**
- इस संधि का लक्ष्य दृढ़ यौगिक प्रदूषकों **(POPs)** के उत्पादन और प्रयोग को समाप्त करना व रोकना है।
- यह **कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि** है जिसमें **संधि का अनुच्छेद 16** यह अपेक्षा करता है कि नियमित अंतराल पर संधि द्वारा अपनाये गए उपायों के प्रभावीपन को मापा जाए।

संधि ने तीन श्रेणियों में 12 अलग रसायनों का सूचीकरण किया हैः

- **कीटनाशकः** एल्ड्रिन, क्लोरडेन, **DDT,** डिलड्रिन, एन्ड्रिन, हेप्टाक्लोर, हेक्साक्लोरोबेंजीन, माइरेक्स, टोक्साफीन।
- **औद्योगिक रसायनः** हेक्साक्लोरोबेंजीन, पॉलीक्लोरीनेटेड बाइफिनाइल्स **(PCBs)**, और
- **सह-उत्पादः** हेक्साक्लोरोबेंजीन, पॉलीक्लोरीनेटेड डाइबेंजो-पी-डाइओक्सिन्स और पॉलीक्लोरीनेटेड डाईबेंजोफूरेंस (**PCDD/PCDF),** और **PCBs**।

POPs से संबंधित अन्य संधियां

- लंबी दूरी अंतरसीमा वायु प्रदूषक (**LRTAP)**
- दृढ़ यौगिक प्रदूषकों **(POPs)** पर प्रोटोकॉल।

भारत और स्टाकहोम संधि

- भारत ने 13 जनवरी, 2006 को स्टाकहोम संधि की पुष्टि कर दी थी जोकि अनुच्छेद 25**(4)** के अनुसार था। इससे भारत अपने आप को डिफाल्ट "ऑप्ट आउट" स्थिति में रखने में कामयाब रहा है। इससे उस पर संधि के विभिन्न अनुबंधों में संशोधन उस पर लागू नहीं होते हैं जबतक कि पुष्टीकरण/स्वीकार्यता/स्वीकृति के उपकरण को संयुक्त राष्ट्र डिपॉजिटरी के साथ प्रत्यक्ष रूप से जमा न कर दिया जाए।

हाल के विकास

- हाल में, केंद्रीय कैबिनेट ने दृढ़ यौगिक प्रदूषकों **(POPs)** पर स्टाकहोम संधि के अंतर्गत अधिसूचित सात और रसायनों की पुष्टि के लिए स्वीकृति दे दी है।

- यह विनियमन अन्य चीजों के अतिरिक्त, सात रसायनों के निर्माण, व्यापार, प्रयोग, निर्यात और आयात पर प्रतिबंध लगाता है जो हैं:
  i. क्लोरडेकोन
  ii. हेक्साब्रोमोबाइफिनाइल
  iii. हेक्साब्रोमोडाइफिनाइल ईथर और हेप्टाब्रोमोडाइफिनाइलईथर (व्यावसायिक ओक्टा- **BDE)**
  iv. टेट्राब्रोमोडाइफिनाइल ईथर और पेंटाब्रोमोडाइफिनाइल ईथर (व्यावसायिक पेंटा-**BDE)**
  v. पेंटाक्लोरोबेंजीन
  vi. हेक्साक्लोरोब्यूटाडीन

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

NB-IoT (नैरो बैंड- इंटरनेट ऑफ थिंग्स)

खबर में क्यों है?

- हाल में, **BSNL** ने **स्काईलोटेक इंडिया** के साथ भागीदारी में, **उपग्रह आधारित NB-IoT** (नैरो बैंड- इंटरनेट ऑफ थिंग्स) में एक सफलता की घोषणा की।

नैरो बैंड- इंटरनेट ऑफ थिंग्स

- यह **दुनिया का पहला उपग्रह आधारित नैरोबैंड IoT** है जो **भारत** में है जिसे **स्काईलो ने स्वदेशी तौर पर विकसित** किया है।

- यह **BSNL उपग्रह भूमि अवसंरचना** से जुड़ेगा और **भारतीय समुद्रों** सहित **संपूर्ण भारत में कवरेज** देगा।

महत्व

- इस **तकनीक** का **सफलतापूर्वक परीक्षण** किया जा चुका है जिसमें शामिल हैं **भारतीय रेलवे, मत्स्यन समुद्री जहाज** और पूरे भारत में **सक्षम बनाने वाले जुड़े वाहन**।
- यह तकनीक **टेलीकॉम विभाग** को और **भारत के केंद्रीय क्षेत्रों को स्वदेशी IoT कनेक्टीविटी** लाने के **नीति आयोग की योजना** का भी समर्थन करती है।
- एक छोटा, स्मार्ट, **अविश्वसनीय रूप से ऊबड़-खाबड़ बाक्स**, **स्काईलो का यूजर टर्मिनल** इंटरफेस है जिसमें सेंसर लगे हुए हैं और जो **स्काईलो के नेटवर्क** में आंकड़ों को संप्रेषित करता है साथ ही लोगों को प्रदान करता है।

- साथ का **डाटा प्लेटफॉर्म** मोबाइल अथवा डेस्कटॉप पर उद्योग **विशेष अनुप्रयोगों के लिए डूबने वाला, दृश्य, अनुभव प्रदान** करता है।
- यह प्रयोगकर्ताओं को **तुरंत और उपयुक्त कार्यवाही करने की क्षमता** प्रदान करता है चाहे वे कहीं पर हों।
- **नई डिजीटल मशीन कनेक्टीविटी** लेयर **स्मार्टफोन केंद्रित मोबाइल** और **वाई-फाई नेटवर्कों** के संपूरक के रूप में कार्य करेगा और **भारत के पूरे भूगोल** को व्याप्ति करता है जिससे **पहली बार ऑनलाइन नया अनुप्रयोग** मिलेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

बेरेशीट2

खबर में क्यों है?

- हाल में, **इजरायल** ने अपने **दूसरे अंतरिक्षयान** अर्थात **चंद्रमा को बेरेशीट2 भेजने की योजना की घोषणा** की है। यह कार्य **2019 में मौलिक बेरेशीट1** खोज अभियान की **क्रैश लैंडिंग** के बाद हो रहा है।

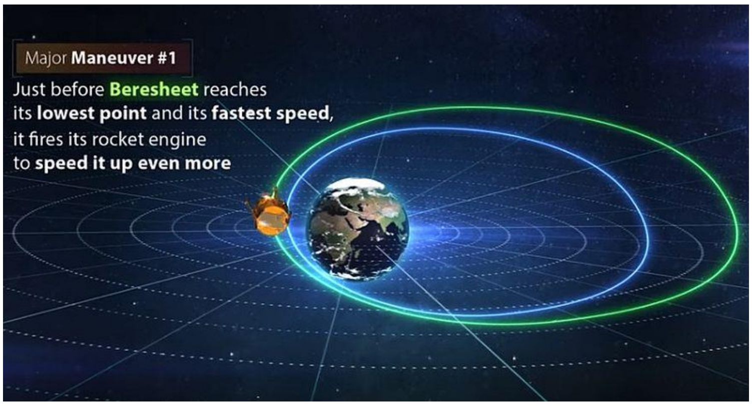

पृष्ठभूमि

- **बेरेशीट 1** का विकास **गूगल लूनर एक्स प्राइज प्रतियोगिता** के **प्रतियुत्तर** में किया गया था जिसने चंद्रमा पर किसी **गैर सरकारी समूह को अंतरिक्षयान में उतारने की चुनौती** दी थी।
- इसका निर्माण **इजरायली गैर सरकारी संगठन स्पेसलएल** और **राज्य स्वामित्व वाले इजरायली एयरोस्पेस उद्योगों** द्वारा किया गया है।
- **बेरेशीट इजरायल का पहला चंद्रमा अभियान** है किसी **निजी कंपनी द्वारा चंद्रमा पर उतरने का पहला प्रयास** है।

बेरेशीट1 के बारे में

- यह **इजरायली गैर लाभकारी संस्था स्पेसलएल**, **इजरायली एयरोस्पेस उद्योगों** और **इजरायली अंतरिक्ष एजेंसी** का **सहयोगात्मक प्रयास** है।
- इस **अभियान का प्रक्षेपण 2024** में किया जाएगा।

महत्व

- **सयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ** और **चीन** के बाद **इजरायल चंद्रमा पर अपना अंतरिक्षयान उतारने वाला चौथा देश** बन सकता है।

संबंधित सूचना

चंद्रमा को अन्य अभियान

- **भारत** ने एक **नये चंद्रमा अभियान चंद्रयान-3** की योजना बनाई है जिससे **2021 की शुरुआत में प्रक्षेपित** किया जाएगा।
- **संयुक्त अरब अमीरात (UAE)** ने **2024 में एक मानवरहित अंतरिक्षयान** को भेजने का निर्णय लिया है।
- **आर्टेमिस राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन (NASA)** का एक **मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम** है जिसका लक्ष्य **पहली महिला और अगले पुरुष** को चंद्रमा की धरती पर उतारना है, विशेष रूप से **2024 तक चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव क्षेत्र** में।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- फर्स्ट पोस्ट

मोलनुपिरेविर दवा

खबर में क्यों है?

- हाल में, एक नई दवा जिसे **मोलनुपिरेविर** कहते हैं, ने **24 घंटे के भीतर** SARS-CoV-2 **के संप्रेषण को रोक** दिया।

मोलनुपिरेविर दवा के बारे में

- मोलनुपिरेविर का **विकास फार्मास्युटिकल फर्म मर्क** के साथ सहयोग में **बायोटेक्नोलाजी फर्म रिजबैक बायोथेराप्यूटिक्स** द्वारा किया जा रहा है।
- यह एक **परीक्षणात्मक एंटीवायरल दवा** है जोकि **मौखिक रूप से सक्रिय** है और **इंफ्लूएंजा के उपचार** के लिए इसका विकास किया गया था।
- यह एक **मौखिक रूप से उपलब्ध दवा का पहला प्रदर्शन** है जोकि तेजी से **SARS-CoV-2 संप्रेषण को रोक** सकती है और यह **खेल को परिवर्तित** करने वाली हो सकती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

<u>प्लासमोडियम ओवेल</u>

खबर में क्यों है?

- हाल में, एक **नये प्रकार के मलेरिया परजीवी** को जिसे **प्लासमोडियम ओवेल** के नाम से जाना जाता है, की पहचान **केरल के एक सैनिक** में की गई है, यह भारत में **ज्यादा सामान्य प्रकार का मलेरिया** नहीं है।

मलेरिया के बारे में

- यह **मादा एनोफिलेज मच्छर के काटने से होता** है। यह तभी होता है जब **मच्छर भी मलेरिया परजीवी से संक्रमित** होता है।
- **पांच प्रकार के मलेरिया के परजीवी** होते हैं- प्लासमोडियम फाल्सीपेरम, **प्लासमोडियम विवेक्स** (सबसे सामान्य प्रकार), **प्लासमोडियम मलेरियाई, प्लासमोडियम ओवेल और प्लासमोडियम नोलेसी।**

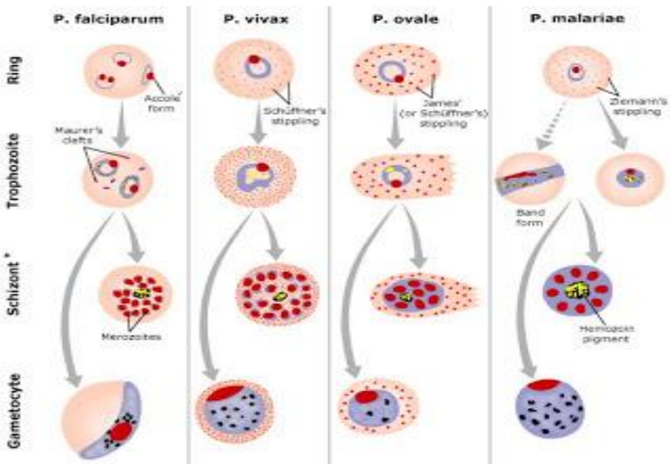

प्लासमोडियम ओवेल के बारे में

- **प्लासमोडियम ओवेल** काफी हद तक **प्लासमोडियम विवेक्स** की ही तरह से है, जोकि एक मारक रूप नहीं है।

लक्षण

- लक्षणों में **48 घंटे के लिए बुखार, सिरदर्द और जी मिचलाना** और इसका **उपचार का तरीका** जैसा कि **प्लासमोडियम विवेक्स** से **संक्रमित व्यक्ति** का उपचार किया जाता है।

नोटः

- **प्लासमोडियम ओवेल** मलेरिया **उष्णकटिबंधीय पश्चिमी अफ्रीका की स्थानिक बीमारी** है।

मलेरिया के खिलाफ भारत के प्रयास

- **1953 में, सरकार ने राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम की शुरुआत** की थी जिसका **मुख्य जोर डाईक्लोरोडाईफेनिलट्राईक्लोरोईथेन** (DDT) **का घरों में छिड़काव** करने पर था, जिसने **मलेरिया के वार्षिक मामलों को नाटकीय रूप से कम करने में मदद** दी।
- **राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम** को **1958 में** शुरू किया गया, जिसने **मलेरिया के मामलों को और भी कम कर दिया** और **रोग से होने वाली मौतों को भी कम** किया।

- **1967 के बाद, कीटनाशकों और एंटी मलेरिया दवाओं के प्रति मच्छरों में प्रतिरोधक क्षमता** विकसित होने से एक बार **फिर से पूरे देश में यह रोग फैला।**
- **देश के उच्च संप्रेषण क्षेत्रों** में **मलेरिया से निपटने** के लिए **उन्नत मलेरिया नियंत्रण परियोजना** की शुरुआत **1997 में विश्व बैंक की सहायता** से की गई।
- **2003 में, मलेरिया नियंत्रण** को अन्य **वेक्टर जनित रोगों के साथ राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम** (NVBDCP) **के अंतर्गत एकीकृत** कर दिया गया।
- **2005 में, सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (NRHM)** की शुरुआत **वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण** के लिए की जिसमें **मलेरिया** भी शामिल था।
- **2017 में**, भारत ने **5 वर्षीय राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017-2022**) की शुरुआत की जिसका उद्देश्य **मलेरिया का उन्मूलन** करना है। इसने **अपना जोर मलेरिया नियंत्रण से उन्मूलन की ओर कर दिया है** और भारत के कुल **678 जिलों में से 571 जिलों में मलेरिया के उन्मूलन का रोडमैप** तैयार किया है।
- **भारत सरकार** ने **मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय ढांचे (2016-2030) को भी तैयार** किया है।
- **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद** (**ICMR)** ने हाल में **'मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान गठबंधन-भारत** (MERA- India)' **की स्थापना** की है जोकि **मलेरिया नियंत्रण** पर कार्य कर रहे **साझीदारों का समूह** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र **II-** विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू**+ Worldbank.gov.in**

विज्ञान यात्रा

खबर में क्यों है?

- हाल में **इंडियन एसोसिएशन ऑफ द कल्टीवेशन ऑफ साइंस (IACS), कोलकाता** ने **विज्ञान यात्रा का वर्चुअल** रूप से आयोजन किया।

विज्ञान यात्रा के बारे में

- यह एक **प्रोत्साहन वाली गतिविधि** है जिसे **भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समारोह (IISF)** के हिस्से के रूप में किया जा रहा है।

- इसका **लक्ष्य वैज्ञानिक मस्तिष्क को प्रोत्साहित** करना और **लोगों में विज्ञान की संस्कृति को बढ़ावा** देना है
- यह **युवाओं के दिमाग को जगाने** में भी मदद करता है क्योंकि **विज्ञान प्रदर्शनी मोबाइल वैनों** को **सभी स्थानीय विद्यालय/विश्वविद्यालय** छात्रों द्वारा देखा जाता है जो कि **IISF के बारे में जागरुकता पैदा** करता है और **विज्ञान में रुचि उत्पन्न** करता है।

संबंधित सूचना

अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समारोह के बारे में

- इस **समारोह की शुरुआत 2015** में की गई थी जिसका उद्देश्य **विज्ञान एवं तकनीक** को प्रोत्साहन देना था और यह भी **प्रदर्शित करना था कि थोड़े ही समय में कैसे विज्ञान भारत को विकसित देश** बना सकता है।
- इस समारोह का आयोजन **प्रत्येक वर्ष विज्ञान एवं तकनीक मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विज्ञान भारती (VIBHA)** के साथ मिलकर किया जाता है।
- **अंतरराष्ट्रीय विज्ञान समारोह 2020** के लिए थीम है **आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान और वैश्विक कल्याण।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- PIB

E20 ईंधन

खबर में क्यों है?

- हाल में, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक प्रारूप अधिसूचना का प्रकाशन किया है और लोगों से विचार आमंत्रित किये है जिससे हरित ईंधन जैसे एथेनॉल को प्रोत्साहित करके **E20** ईंधन को अपनाया जा सके।

E20 ईंधन क्या है?

- यह गैसोलीन के साथ 20% इथेनॉल का मिश्रण है, जिससे इसका प्रयोग वाहन ईंधन के रूप में किया जा सके और इस ईंधन के लिए बहुतायत उत्सर्जन मानकों को अपनाया जा सके।

E20 ईंधन का महत्व

- यह एक मोटर वाहन ईंधन है जो कार्बन डाईऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन इत्यादि जैसे वाहन उत्सर्जनों को कम करने में सक्षम है।

- यह तेल आयात बिल को कम करने में मदद देगा, जिससे विदेशी मुद्रा बचेगी और ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

संबंधित सूचना

भारत में इथेनॉल मिश्रण नीति के बारे में

- इथेनॉल एक जैव ईंधन है और मक्का, गन्ना, भांग, आलू इत्यादि जैसे कृषीय चारा भंडार द्वारा छोड़े गये बायोमास का सह-उत्पाद है।
- सरकार ने 2022 तक पेट्रोल के 10 प्रतिशत बायोइथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य निर्धारित किया है और इसे 2030 तक 20 प्रतिशत तक बढ़ा दिया जाएगा।
- इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम से कार्बन उत्सर्जन को घटाने में मदद मिलेगी और भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता भी कम होगी।

जैव ईंधनों की पीढ़ियां

a. **प्रथम पीढ़ी के जैवईंधन**
    - ये खाद्य फसलों जिसमें शक्कर और स्टार्च शामिल होते हैं, से उत्पादित किये जाते हैं।
    - ये ईंधन बायोमास में संभावित उपलब्ध ऊर्जा के एक हिस्से का ही प्रयोग करते हैं।

b. **दूसरी पीढ़ी के जैव ईंधन**
    - इनका उत्पादन सीमांत फसल भूमियों से होती है जो खाद्य उत्पादन अथवा गैर खाद्य फसलों जैसे लकड़ी, कार्बनिक अपशिष्ट, खाद्य फसल अपशिष्ट और विशेष बायोमास फसलों के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं। उदाहरण के लिए- जैट्रोफा।
    - इसका एक अन्य लक्ष्य वर्तमान जीवाश्मीय ईंधनों के संबंध में किफायती होना है।

c. **तीसरी पीढ़ी के जैव ईंधन**
    - यह विशेष रूप से इंजीनियर किये हुए ऊर्जा फसलों जैसे शैवाल का प्रयोग करता है।
    - यह उस हर स्थान पर बनाया जा सकता है जहां कार्बन डाईऑक्साईड और जल पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं।
    - शैवाल के साथ सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह पूरी तरह से नवीकृत चारा फसल है।

d. **चौथी पीढ़ी के जैव ईंधन**
    - इनका लक्ष्य न केवल सतत ऊर्जा का उत्पादन है बल्कि कार्बन डाईऑक्साइड का पकड़ना और भंडारण करना भी है।
    - यह प्रक्रिया उत्पादन के सभी चरणों में दूसरी और तीसरी पीढ़ी के उत्पादन से अलग है क्योंकि कार्बन डाईऑक्साइड को एक समय ही पकड़ा जाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक में विकास

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

शनि और बृहस्पति का महान मिलन

खबर में क्यों है?

- हाल में, लगभग 400 वर्षों के बाद, शनि और बृहस्पति एक खगोलीय घटना के बाद रात्रि के आकाश में सबसे करीब आएंगे जिसे 'महान युति या मिलन' का नाम दिया जा रहा है और लोकप्रिय रूप से "क्रिसमस स्टार" कहा जा रहा है।

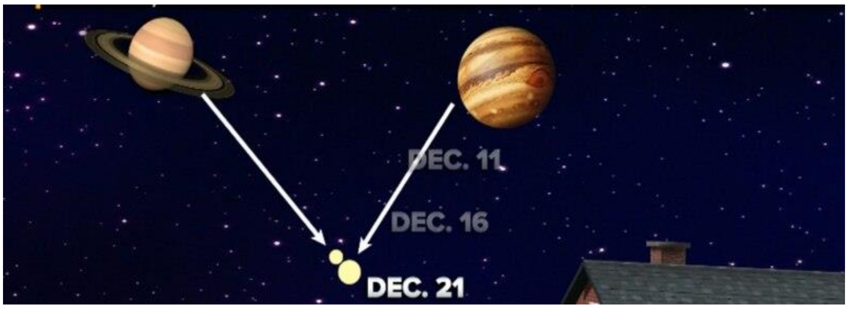

मिलन के बारे में

- यह किसी भी घटना को दिया गया नाम है जब ग्रह अथवा क्षुद्रग्रह धरती से देखने पर आकाश में काफी करीब नजर आते हैं।

महान मिलन

- खगोलविद् महान मिलन शब्द का प्रयोग सौरमंडल में दो सबसे भीमकाय दुनियाओं के मिलन की व्याख्या के लिए करते हैं, बृहस्पति और शनि।
- महान मिलन 20 वर्षों में एक बार होता है क्योंकि यह वह समय जितना ये ग्रह सूर्य का चक्कर लगाने में लेते हैं।

सूर्य के चक्कर लगाने में लिया गया समय

- बृहस्पति मोटे तौर पर 12 वर्ष सूर्य के एक चक्कर लगाने में लेता है और शनि 30 वर्ष।

नोटः

- उदाहरण के लिए जून 2005 में, शानदार मिलन की वजह से, बुध, शुक्र और शनि इतना ज्यादा आकाश में करीब दिखाई दिये कि अंगूठे का एक पैच भी आकाश के उस स्थान को ढंक सकते थे जितने में ये तीन ग्रह थे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

सोलरविंड्स हैक

खबर में क्यों है?

- हाल में, एक नया साइबर हमला जिसे 'सोलरविंड्स हैक' कहा गया, की खोज की गई जो संयुक्त राज्य अमेरिका में अमेरिकी सरकार के खिलाफ अभी तक के सबसे बड़े हमले में से एक है।

सोलरविंड्स हैक के बारे में

- यह बहुत ही उच्च श्रेणी का खतरा है जिसे राज्य प्रायोजित माना जा रहा है।

- एक राष्ट्र जिसपर उच्च स्तर आक्रमक क्षमताओं के साथ हमला हुआ और हमला करने वाले ने मूल रूप से कुछ सरकारी ग्राहकों से संबंधित सूचना को जानना चाहा।

- साइबर हमला, जिसे कैंपेन UNC2452 नाम दिया गया, केवल कंपनी तक ही सीमित नहीं था बल्कि पूरी दुनिया में विभिन्न सार्वजनिक और निजी संगठनों को भू निशाना बनाया।

सोर विंड्स हैक की प्रकृति

- इसे सप्लाई चेन हमला कहा जा रहा है क्योंकि संघीय सरकार पर सीधा हमला न करके अथवा किसी निजी संगठन नेटवर्क पर, हैकरों ने एक तीसरी पार्टी वेंडर को निशाना बनाया, जो उन्हें सॉफ्टवेयर की आपूर्ति करता है।
- फायरआई के अनुसार, हैकरों ने शिकार लोगों तक पहुँच ट्रॉजनाइज्ड अपडेट्स टू सोलरविंड्स ओरियन IT निगरानी और प्रबंधन सॉफ्टवेयर के बनाई।
- एक बार इन्स्टाल होने के बाद, मालवेयर ने हैकरों को पिछले दरवाजे से एंट्री दे दी जिससे वे सिस्टम में और सोलरविंड्स ग्राहकों के नेटवर्कों में घुस गये।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

शिगेला

खबर में क्यों है?

- केरल के कोझीकोड जिले के स्वास्थ्य अधिकारी ने आपातकालीन बैठकों का आयोजन किया है। पिछले सप्ताह उन्होंने निरोधात्मक उपायों की शुरुआत की क्योंकि इसके पहले शहरी निगम सीमाओं के अंदर शिगेला संक्रमण के छह मामलों की पहचान की थी।

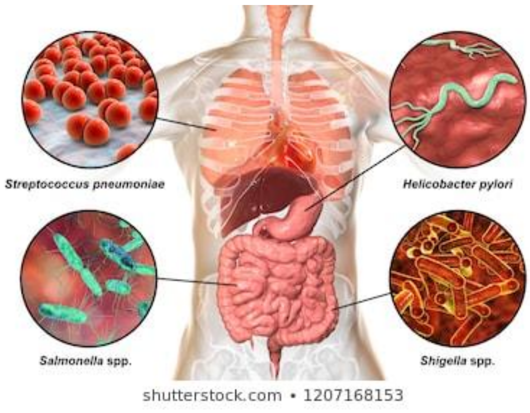

शिगेला संक्रमण क्या है?

- शिगेलोसिस अथवा शिगेला संक्रमण, एक संक्रामक आंतों का संक्रमण है जो बैक्टीरिया के वंश से होता है जिसे शिगेला कहा जाता है।

मुख्य रोगजनक

- बैक्टीरिया प्रमुख रोगजनकों में से एक है जो दस्त के लिए जिम्मेदार है, इसके लक्षण मध्यम से गंभीर के बीच में रहते हैं, विशेष रूप से अफ्रीकी और दक्षिण एशियाई क्षेत्रों में बच्चों में।

लक्षण

- सामान्य लक्षण हैं दस्त (अक्सर रक्त सहित और दर्दपूर्ण), पेट दर्द, बुखार, जी मिचलाना और उल्टी होना।
- ऐसे भी मामले हुए हैं जहां लोगों ने बैक्टीरिया के संक्रामण के कोई भी चिन्ह का अनुभव नहीं किया है।

यह कैसे फैलता है?

- यह संक्रमण व्यक्ति से व्यक्ति में फैलता है जब बैक्टीरिया को अनजाने में निगल लिया जाता है।
- यह रोग प्रदूषित भोजन और जल की वजह से फैलती है। यह दोनों चीजें पूरी दुनिया में इसके संप्रेषण का सबसे सामान्य रूप है।

बचाव

- साबुन से हाथ धोना जरूरी है, विशेष रूप से बच्चे के डाइपर को छूने के बाद और भोजन तैयार करते समय एवं भोजन खाते वक्त।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- द हिंदू

B.1.1.7 लीनियेज

खबर में क्यों है?

- **भारत ने दिसंबर 31 तक यूनाईटेड किंगडम से आने व जाने वाली सभी उड़ानें स्थगित** कर दी हैं, ऐसा इस चिंता के बीच में किया गया है कि वहां **SARS-CoV-2 का एक नया रूप तेजी से फैल व वृद्धि** कर रहा है।

नए रूप के बारे में

- **SARS-CoV-2 के नए रूप** को **VUI (जांच के अंतर्गत रूप) 202012/01** अथवा B.1.1.7 **लीनियेज** भी कहा जा रहा है। इस रूप को **कोविड-19 जीनोमिक्स यूनाईटेड किंगडम (COG-UK)** ने पहचाना था।
- नया रूप **कई उत्परिवर्तनों का परिणाम** है जिसका कारण **नोवेल कोरोनावायरस SARS-CoV-2 के स्पाइक प्रोटीन** में है। साथ ही इसका कारण **RNA वायरस के जीनोमिक क्षेत्रों में उत्परिवर्तनों** की वजह भी है।
- **प्रारंभिक विश्लेषणों** के अनुसार, उत्परिवर्तित रूप **पहले के प्रचलित रूप से ज्यादा संप्रेषणीय** है।

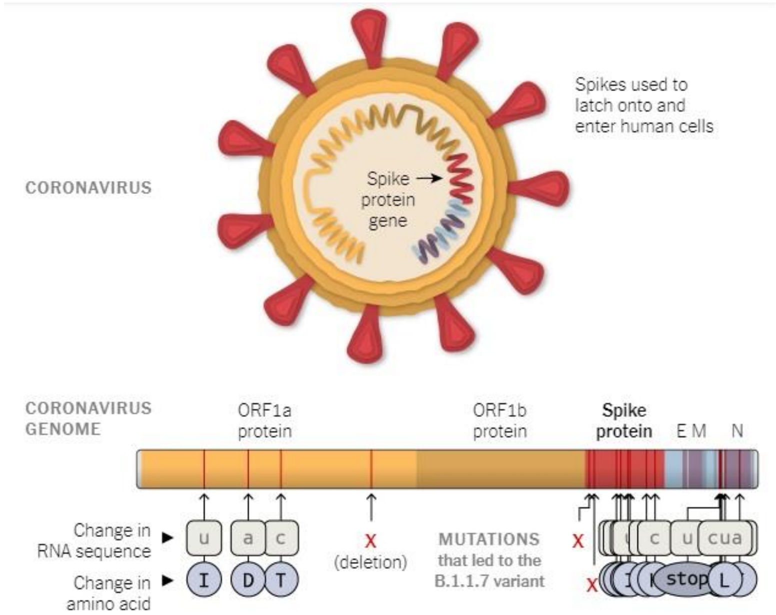

- **COG-UK** ने इस **उत्परिवर्तनों को "N501Y"** के रूप में **पहचाना** है।
- यह **स्पाइक प्रोटीन का एक क्षेत्र** है जहां **वायरस मानव कोशिका से बंध जाता** है।

संप्रेषणीयता और गंभीरता

- यह **नया रूप** अन्य स्ट्रेनों की अपेक्षा **ज्यादा तेजी से फैलता** है।
- नया रूप वायरस के **प्रजनन संख्या को संभावित रूप से 0.93 तक बढ़ा** सकता है।
- **स्पाइक प्रोटीन में उत्परिवर्तन परिवर्तित** कर सकता है कि कैसे **वायरस मानव कोशिकाओं से परस्पर क्रिया** करता है।
- यह इसलिए है क्योंकि **कोविड 19 मानव शरीर में** इन्हीं स्पाइक प्रोटीनों के सहारे प्रवेश करता है।

अन्य उत्परिवर्तन

D614G

- **D614G पहले कोविड 10 का प्रमुख स्ट्रेन** था क्योंकि यह अन्य स्ट्रेनों की अपेक्षा ज्यादा तेजी से फैला।

20A

- यह एक अन्य **लोकप्रिय स्ट्रेन है जोकि स्पेनी खेती श्रमिकों के मध्य जन्मा** था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

लेह में मौसम विज्ञान केंद्र का उद्घाटन

खबर में क्यों है?

- **केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान, विज्ञान** एवं **तकनीक और स्वास्थ्य** एवं **परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन** ने **नई दिल्ली, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** में एक समारोह में वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा **लेह (लद्दाख) में मौसम विज्ञान केंद्र** का उद्घाटन किया।

मौसम विज्ञान केंद्र के लिए लेह का चुनाव क्यों किया गया?

- लद्दाख क्षेत्र को अपने **विशिष्ट स्थलाकृति, संस्कृति, भोजन, मौसम** एवं **राष्ट्रीय सुरक्षा** के लिए **रणनीतिक महत्व** के वास्ते जाना जाता है।
- ऊंची ढलान के साथ **ऊंचे पहाड़ और कोई वनस्पति नहीं** और **काफी ढीली मिट्टी और मलबा** जो लद्दाख क्षेत्र को **विभिन्न खतरों के लिए संवेदनशील बनाता** है जैसे **2010 का बादल का फटना, अचानक बाढ़, बर्फीले तूफान और हिमनद झीलों का फटना** इत्यादि।
- भविष्य में ऐसे मौसमीय घटनाओं से होने वाले नुकसान से बचने के लिए, सरकार ने लेह में **अतिआधुनिक मौसम विज्ञान केंद्र (Met)** की स्थापना की जरूरत महसूस की।
- इसका लक्ष्य **लद्दाख में मौसम से संबंधित पूर्व चेतावनी प्रणाली** को मजबूत करना है।
- **सूक्ष्म जलवायुवीय भविष्यवाणियों** के लिए स्थानीयकृत मौसम सूचना **अत्यंत आवश्यक** है। इसमें **लद्दाख क्षेत्र** के **मौसमीय किस्म** का ध्यान रखना जरूरी है।

प्रमुख खास बातें

- मौसम विज्ञान केंद्र **ऊंचाई के मौसम विज्ञान के लिए एक विश्वस्तरीय सुविधा** होगी और लोगों एवं लद्दाख के प्रशासन के **विभिन्न प्रकार की मौसम एवं जलवायु जरूरतों** को पूरा करेगा।
- **3500 मी. की ऊंचाई के साथ लेह में केंद्र भारत में सबसे ऊंचाई वाला मौसम विज्ञान केंद्र** है।
- यह केंद्र **कई प्रकार की मौसम भविष्यवाणी सेवाओं** को प्रदान करेगाः
  - लघु (3 दिन)
  - मध्यम (12 दिन)
  - दीर्घ (1 महीना)
- यह दोनों ही जिलों (लेह और लद्दाख) के लिए दैनिक आधार पर अद्यतनीकरण उपलब्ध कराएगा।
- यह महत्वपूर्ण पर्यटन स्थानों जैसे **नुब्रा, चांगथांग, पैंगांग झील, जान्सकार, कारगिल, ड्रास, धा-बैमा (आर्यन घाटी), खाल्सी** इत्यादि के लिए भविष्यवाणी उपलब्ध कराएगा।

- कुछ महत्वपूर्ण उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं में शामिल हैं **राजमार्ग भविष्यवाणी, पर्वतारोहण के लिए भविष्यवाणी, ट्रेकिंग, कृषि, अचानक बाढ़ की चेतावनी,** और अन्य चीजों के अतिरिक्त **निम्न एवं उच्च तापमान।**

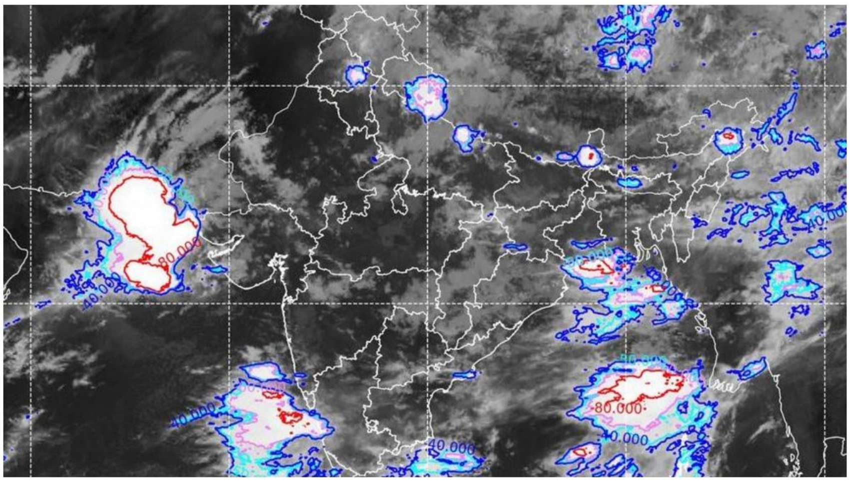

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III (राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन)

स्रोत- PIB

BARC, मुंबई में आंखों की देखभाल चिकित्सा

खबर में क्यों है?

- **डॉ. जीतेंद्र सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर-पूर्व क्षेत्र का विकास** (DoNER), **राज्यमंत्री प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष** ने **आंखों के कैंसर की चिकित्सा** विकसित करने के लिए हाल में **भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC)** की सराहना की है।

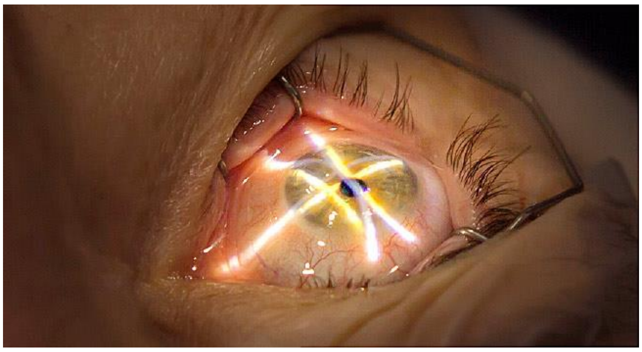

प्रमुख खास बातें

- यह चिकित्सा **प्रथम स्वदेशी नक्षरातु 106 फलक** के रूप में है जोकि **नेत्र ट्यूमरों** का इलाज है।
- सर्जन के लिए **फलक का संभालना काफी सुविधाजनक** है और इसे **अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप** ही माना गया है।
- **सितंबर 2020** में इसे **एक रोगी** जिसे **कोरॉयडल हेमांगिओमा** था, पर पहली बार प्रयोग किया गया और इसके **परिणाम काफी संतोषजनक** थे।

- **नेत्र कैंसर रोगियों के लिए फलक निकटोपचार** (ब्रैकी थेरेपी) **चिकित्सा प्रबंधन** के क्षेत्र में ऐसी नवीनतम पहलों में से एक है। इस उपचार ने रोगियों के लिए **सरलतम और किफायती विकल्प** उपलब्ध कराया है।

BARC के अन्य योगदान

- भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) सुरक्षा कर्मियों के लिए एक बुलेट प्रूफ जैकेट का विकास कर रही है।
- कृषीय क्षेत्र में, BARC सब्जियों और खाद्य उत्पादों के लंबे जीवन के लिए विकिरण तकनीक पर **कार्य कर रही है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II+III (विज्ञान एवं तकनीक+ स्वास्थ्य मामले)

स्रोत- PIB

डिजीटल ओशन

खबर में क्यों है?

- **केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री, डॉ. हर्ष वर्धन** ने हाल में एक **वेब आधारित अनुप्रयोग "डिजीटल ओशन" की शुरुआत** की है।

डिजीटल ओशन के बारे में

- यह **अपने प्रकार का पहला महासागर डाटा प्रबंधन के लिए डिजीटल प्लेटफॉर्म** है जिसे **भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS)** द्वारा विकसित किया गया है।
- इसे समुद्री आंकड़ों और भविष्यवाणी सेवाओं पर **सूचना साझा करने के लिए विकसित** किया गया है।
- यह **डाटा एकीकरण, 3डी और 4डी** (टाइम एनीमेशन के साथ स्पेस में 3डी) डाटा विजुअलाइजेशन, **महासागरीय विशेषताओं के विकास के आकलन** के लिए आंकड़े का

विश्लेषण, डाटा फ्यूशन और मल्टीपल डाटा से डिस्पेरेट डाटा का मल्टी फॉर्मेट डाउनलोड अर्थात, इन सिटू, रिमोट सेंसिंग और मॉडल डाटा, इन सभी को एक **भू-संदर्भित 3डी महासागर में बनाया** जाता है। यह एक **ऑनलाइन इंटेरेक्टिव वेब आधारित पर्यावरण को प्रोत्साहित** करता है।

- यह महासागर के बारे में **ज्ञान को साझा करने में सहायता** भी देगा जिसके **बहुत प्रयोगकर्ता होंगे** जिसमें **अनुसंधान संस्थान**, प्रचालन एजेंसियां, रणनीतिक प्रयोगकर्ता, अकादमिक समुदाय, **समुद्रीय उद्योग** और नीति निर्माता शामिल हैं।
- डिजीटल ओशन सामान्य लोगों को भी सूचना तक मुफ्त पहुँच उपलब्ध कराता है।

महत्व

- यह हमारे महासागरों के **सतत प्रबंधन में केंद्रीय भूमिका** अदा करेगा और हमारी **नीली अर्थव्यवस्था** पहलों को विस्तारित करेगा।
- इसके अतिरिक्त, **डिजीटल ओशन** सभी **हिंद महासागर रिम देशों** के लिए **महासागर आंकड़ा प्रबंधन पर क्षमता निर्माण के लिए प्लेटफार्म** के रूप में प्रोत्साहित किया जाएगा।

संबंधित सूचना

भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS)

- यह **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)** के अंतर्गत एक **स्वायत्त संगठन** है।
- यह **हैदराबाद** में है और इसकी **स्थापना 1999 में हुई** थी।
- यह **पृथ्वी प्रणाली विज्ञान संगठन (ESSO) की एक इकाई** है।

शासनादेश

- यह **विभिन्न हितधारकों को महासागर सूचना और परामर्शदात्री सेवाओं को उपलब्ध** कराता है जिसमें **महासागरीय अनुसंधान पर आधारित आंकड़े, परामर्शदात्री सेवाएं** जैसे **मत्स्यन क्षेत्र परामर्श, महासागर की स्थिति के बारे में भविष्यवाणी, ऊंची लहरों के बारे में सतर्कता, सुनामी पर पूर्व चेतावनी, तूफानों का उठना** और **तेल का रिसाव** इत्यादि शामिल हैं।

नोटः

- INCOIS UNESCO के **अंतरसरकारी महासागरीय आयोग के भारतीय प्रतिनिधिमंडल** का एक **स्थाई सदस्य** है और **हिंद महासागर वैश्विक महासागर पर्यवेक्षण प्रणाली (IOGOOS)** एवं **महासागर पर्यवेक्षण प्रणाली के लिए साझेदारी (POGO)** का **संस्थापक सदस्य** है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र III- विज्ञान एवं तकनीक

स्रोत- PIB

सुरक्षा सम्बन्धी मुद्दे

ऑपरेशन ट्राइडेंट

खबर में क्यों है?

- हाल में, **भारत** ने **4 दिसंबर को ऑपरेशन ट्राइडेंट** को स्मरण करने के लिए **नौसेना दिवस** के रूप में मनाया।

ऑपरेशन ट्राइडेंट के बारे में

- **ऑपरेशन ट्राइडेंट एक आक्रमक ऑपरेशन** था जिसे भारतीय नौसेना ने **पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची** पर किया था। यह **1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान** हुआ था।
- ऑपरेशन ट्राइडेंट के अंतर्गत, भारतीय नौसेना ने पाकिस्तानी **बंदरगाह शहर कराची के पास तीन समुद्री जहाजों को डुबो** दिया था।
- इस **मिशन के मुख्य सितारे उसी समय हासिल किये गए सोवियत ओसा मिसाइल नौकाएं** थीं जिसमें 4 **SS-N-2 (P-15) स्टाइक्स मिसाइलें** लगाई गई थीं।
- ऑपरेशन ट्राइडेंट में **पहली बार इस क्षेत्र में लड़ाई के दौरान एंटी शिप मिसाइलों का प्रयोग** देखा गया था। साथ ही **द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से** इस क्षेत्र में पहली बार **नौसैनिक जहाजों को डुबोया** भी गया था।

नोटः

- **नौसैना 2021** को **1971 के युद्ध में विजय की 50वीं वर्षगांठ** के समारोह को '**स्वर्णिम विजय वर्ष**' के रूप में मनायेगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- PIB

परियोजना 17A जहाज-'हिमगिरि'

खबर में क्यों है?

- हाल में, '**हिमगिरि**', **परियोजना** 17A **के तीन समुद्री जहाजों** का पहला जहाज जिसे **मेसर्स गार्डेन रीच शिपबिल्डर्स** और **इंजीनियर्स लिमिटेड** (GRSE), **कोलकाता** में निर्मित किया जा रहा है।

- इस समुद्री जहाज का नामकरण समुद्री जहाजों के **लिएंडर क्लास के दूसरे फ्रिगेट** के क्रेस्ट पर किया गया है, जिसे संयोग से 1970 में **50 वर्ष पूर्व समुद्र में उतारा गया** था।

परियोजना 17A कार्यक्रम के बारे में

- परियोजना 17A कार्यक्रम के अंतर्गत, **कुल सात समुद्री जहाज**, जिसमें से **चार मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड** (MDL) और **तीन समुद्री जहाजों का GRSE** में निर्माण किया जा रहा है।
- **P17A समुद्री जहाजों** की **स्वदेशी डिजाइन नौसेना डिजाइन महानिदेशालय (सरफेस शिप डिजाइन ग्रुप)** द्वारा की जा रही है।

समुद्री जहाजों की विशेषताएं

- **P17A** क्लास के फ्रिगेट्स का **निर्माण स्वदेशी विकसित इस्पात का प्रयोग** करके किया जा रहा है और इसमें **हथियार और संसूचक लगाये जा रहे** हैं, साथ ही इसमें एकीकृत **प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली** भी लगी है। इन जहाजों में **स्टील्थ फीचर्स** लगे हुए हैं।
- **P-17A शिप्स के मुख्य हथियार और संसूचक स्यूट ब्राह्मोस SSM, LRSAM** (फारवर्ड एंड एफ्ट कंफीगरेशन) है, साथ ही इसमें **MF STAR रडार**, **स्वदेशी निर्मित सोनार** और **ट्रिपल ट्यूब हैवी टारपीडो लांचर** लगे हुए हैं।
- **P17A** शिप्स **पहले गैस टर्बाइन प्रणोदक** और **सबसे बड़े लड़ाकू प्लेटफॉर्म** हैं जिन्हें **GRSE** ने **निर्मित किया** है।

संबंधित सूचना

रडार MFSTAR के बारे में

- **रडार MFSTAR (**मल्टी फंक्शन सर्विलांस ट्रैक एंड मिसाइल गाइडेंस रडार) **फ्रिगेट वर्जन** लंबी दूरी की **लक्ष्य पहचान और नजर रखने की क्षमता हवा व सतह के लक्ष्यों** दोनों में ही रखेगी।
- **MFSTAR** समय रहते हथियार कार्य और फ्लीट संसंधानों के अनुकूलतम उपयोग को हासिल करने के लिए **विरोधी लक्ष्यों के लक्ष्य नामांकन को करने की क्षमता** भी रखता है।
- **MFSTAR** की यह अनूठी **विशेषता एंटी मिसाइल प्रतिउपाय** (स्व-रक्षा की युक्ति के रूप में) को **काफी प्रभावी** बनाता है, विशेष रूप से समुद्री जहाजों को सी-स्किमिंग मिसाइल के खतरे से।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- द हिंदू

भारत- इंडोनेशिया समन्वित पेट्रोल का 35वां संस्करण

खबर में क्यों है?

- भारतीय नौसेना और इंडोनेशियाई नौसेना के बीच में भारत-इंडोनेशिया पेट्रोल का 35वां संस्करण (IND-INDO CORPAT) हाल में आयोजित किया गया।

भारत-इंडोनेशिया समन्वित पेट्रोल के बारे में

- यह अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) पर एक द्विवार्षिक समन्वित पेट्रोल अभ्यास है।
- इसमें भारत का प्रतिनिधित्व भारतीय नौसेना जहाज (INS) कुलिश द्वारा किया गया जोकि **P81** समुद्री पेट्रोल एयरक्राफ्ट (MPA) के साथ स्वदेशी निर्मित मिसाइल कोरवेट है।
- इंडोनेशियाई नौसेना का प्रतिनिधित्व इंडोनेशियाई नौसैनिक जहाज **KRI** कट न्याक डीन द्वारा किया गया, जोकि एक कापिटान पट्टीमुरा (पर्चिम **I)** क्लास कोरवेट है और इंडोनेशियाई नौसेना का एक MPA है।
- CORPAT ने दो नौसेनाओं के मध्य में अंतरसंक्रियता के सुधार में मदद की और नौसेना से नौसेना के मध्य सहयोग को मजबूत करने में योगदान दिया।

पृष्ठभूमि

- CORPAT भारतीय कूटनीतिक महत्वाकांक्षाओं के पक्ष में भारतीय नौसेना की एक रणनीतिक प्रक्रिया है ना कि कोई बहुदेशीय संधि।
- CORPAT को अभी तक बांग्लादेश, इंडोनेशिया और थाईलैंड के साथ आयोजित किया जा चुका है।
- यह एक नौसैनिक प्रक्रिया है जो भारत किसी अन्य देश के साथ करता है जोकि कूटनीतिक प्रयास के रूप में झंडे को दिखाने के एक प्रयास के प्रति इच्छुक है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- द हिंदू

भारतीय सैन्य बलों के लिए तीन नई प्रणालियां

खबर में क्यों है?

- रक्षा मंत्री ने हाल में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) भवन में आयोजित समारोह में थल, नौसेना और वायुसेना को तीन स्वदेशी रूप से विकसित प्रणालियों को सौंपा।

ये तीन नई प्रणालियां हैं-

a. सीमा निगरानी प्रणाली
b. भारतीय समुद्री स्थितिजन्य जागरुकता प्रणाली (IMSAS)
c. ASTRA मिसाइल

सीमा निगरानी प्रणाली के बारे में

- यह सभी मौसमों के लिए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली है जिसे देहरादून के उपकरण अनुसंधान एवं विकास संस्थान (IRDE) ने सफलतापूर्वक डिजाइन एवं विकसित किया है।
- यह दूरस्थ प्रचालन क्षमता के साथ दुर्गम ऊंचे स्थानों के शून्य से नीचे तापमान वाले क्षेत्रों में घुसपैठ की स्वचालित पहचान करने के लिए निगरानी को सुगम बनाता है।
- इसमें एक बैटलफील्ड निगरानी रडार (BFSR) और इलेक्ट्रो ऑप्टिक (EO) पेलोड लगा है जिसे पर्यवेक्षण टावर पर एक पैन टिल्ट इकाई पर लगाया गया है।
- इस प्रणाली को दिन और रात की निगरानी के लिए लद्दाख के सीमा क्षेत्र में तैनात किया गया है
- इस प्रणाली का भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (BEL) के द्वारा उत्पादन किया जा रहा है।

भारतीय समुद्री स्थितिजन्य जागरुरता प्रणाली (IMSAS) के बारे में

- यह अत्याधुनिक, पूरी तरह से स्वदेशी, एक उच्च प्रदर्शन वाला बुद्धिमान सॉफ्टवेयर प्रणाली है जो भारतीय नौसेना को वैश्विक समुद्री स्थितिजन्य चित्र, समुद्री योजना उपकरण और विश्लेषणात्मक क्षमताएं प्रदान करती है।
- यह प्रणाली नौसैनिक मुख्यालय से समुद्र में स्थित प्रत्येक जहाज को समुद्री प्रचालनात्मक चित्र प्रदान करती है जिससे नौसैनिक कमांड और नियंत्रण कार्य करता है।
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं रोबोटिक्स केंद्र (CAIR), बंगलुरु और भारतीय नौसेना ने संयुक्त रूप से BEL के साथ मिलकर उत्पाद की संकल्पना और विकास किया है।

ASTRA मिसाइल के बारे में

- यह स्वदेशी रूप से निर्मित पहली बियांड विज़ुअल रेंज (BVR) वायु से वायु में मार करने वाली मिसाइल है।
- इसे सुखोई-30, हल्के लड़ाकू एयरक्राफ्ट (LCA), मिग-29 और मिग-29K से प्रक्षेपित किया जा सकता है।
- इसका विकास रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (DRDL) और उत्पादन भारत डाइनामिक्स लिमिटेड (BDL), हैदराबाद द्वारा किया गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

सुपर हार्नेट लड़ाकू जेट

खबर में क्यों है?

- हाल में, **बोइंग** ने नौसेना के **लड़ाकू विमान हासिल करने की मुहिम** के रूप में **भारतीय नौसेना के एयरक्राफ्ट कैरियर के साथ** अपने **F/A सुपर हार्नेट लड़ाकू जेटों** के तदात्म्य के **सफलतापूर्वक प्रदर्शन** की घोषणा की।

सुपर हार्नेट लड़ाकू विमानों के बारे में

- यह दुनिया **का सबसे घातक, उन्नत, लड़ाकू सिद्ध, बहुभूमिका फ्रंटलाइन लड़ाकू जेट** है।
- **संयुक्त राज्य अमेरिका की एयरोस्पेस कंपनी**, बोइंग ने इसका विकास किया है।

विशेषताएं

- **कटिंग एज तकनीकः** उन्नत कम्प्यूटिंग एवं डाटा लिंक, उन्नत कॉकपिट प्रणाली, सिग्नेटर सुधार।
- **जीवनचक्र वहनीयताः** प्रति उड़ान घंटे सबसे कम लागत जो कि **उत्पादन में सभी संयुक्त राज्य अमेरिका के रणनीतिक** लड़ाकू विमानों की तुलना में है।
- **बहुभूमिका श्रेष्ठताः** रणनीतिक आक्रमण की क्षमता, **वायु निगरानी, वायु रक्षा और समुद्री भूमिकाएं।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- द हिंदू

मध्यम रेंज सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (MRSAM)

खबर में क्यों है?

- हाल में **रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन** (DRDO) ने **मध्यम रेंज सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल के सैन्य रूप** का प्रक्षेपण किया।

मध्यम रेंज सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल के बारे में

- MRSAM का **सैन्य रूप सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल** है जिसे संयुक्त रूप से भारत के **रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन** (DRDO) ने विकसित किया है। इस मामले में उनका सहयोग **भारतीय सेना** के प्रयोग के लिए **इजरायल एयरोस्पेस उद्योग (IAI)** के साथ है।

लड़ाकू क्षमता

- MRSAM **सेना हथियार प्रणाली** में **कमांड पोस्ट, बहु कार्य करने वाला रडार और मोबाइल लांचर प्रणाली** है। MRSAM मिसाइल एक **उन्नत सक्रिय रडार रेडियो फ्रीक्वेंसी (RF) सीकर,** उन्नत **रोटेटिंग फेस्ड एर्री रडार** और एक **बाइडायरेक्शनल डाटा लिंक** से लैस है।
- RF सीकर जो **मिसाइल के अग्र भाग** में स्थित है, का प्रयोग **सभी मौसम परिस्थितियों** में **गतिमान लक्ष्यों की पहचान** के प्रयोग में किया जाएगा।
- MRSAM **सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल** DRDO **द्वारा विकसित डुअल पल्स सॉलिड प्रोपल्शन प्रणाली** से प्रचालित होती है।
- **प्रोपल्शन प्रणाली, थ्रस्ट वेक्टर नियंत्रण प्रणाली के साथ मिलकर**, मिसाइल को **मैक 2 की अधिकतम गति** के साथ गतिमान होने की अनुमति देती है।
- यह हथियार **70 किमी. के परास** में एक साथ **कई लक्ष्यों से निपटने** में सक्षम है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- PIB

शाहीन-IX अभ्यास

खबर में क्यों है?

- हाल में, **चीन** ने **पाकिस्तान** के साथ चल रहे **संयुक्त वायु अभ्यास "शाहीन -IX"** को न्यायोचित ठहराया, यद्यपि **पिछले महीने** इसने **भारत के "मालाबार अभ्यास" पर डर** व्यक्त किया था।

शाहीन- IX के बारे में

- यह एक **द्विपक्षीय अभ्यास** है जो **पाकिस्तानी वायुसेना और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, वायुसेना के मध्य** हो रहा है।

- शाहीन-IX **संयुक्त वायु अभ्यास की श्रृंखला में नौवां** है जो प्रत्येक वर्ष **पाकिस्तान वायुसेना और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी वायुसेना के मध्य** आयोजित किया जाता है। यह **दोनों देशों में एक-एक वर्ष** में होता है।
- इस तरह का **पहला अभ्यास मार्च 2011 में पाकिस्तान** में हुआ था।

शाहीन-II

- **2019 में, पाकिस्तान** ने सफलतापूर्वक **अरब सागर** में **नाभिकीय सक्षम सतह से सतह तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल शाहीन- II** का **परीक्षण** किया था।

शाहीन-II के बारे में

- यह **भूमि आधारित सुपरसोनिक सतह से सतह तक मार करने वाली मध्यम रेंज की गाइडेड बैलिस्टिक मिसाइल** है।
- इसका **नामकरण बाज के नाम पर किया गया है जो पाकिस्तान की पहाड़ियों** में रहता है।
- ऐसा माना जाता है कि यह **चीनी M-18 बैलिस्टिक मिसाइल का ही एक रूप** है।
- यह **दो चरणों वाले ठोस ईंधन रॉकेट मोटर** का प्रयोग करती है। यह **नाभिकीय साथ ही पारंपरिक आयुधों को ले जाने में सक्षम** है।
- यह **1,500 किमी. तक की दूरी के लक्ष्यों को निशाना** बना सकती है (भारत के प्रमुख शहर इसके रेंज के दायरे में हैं)।

नोटः

- **भारत** ने हाल में **संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया** के साथ **मालाबार 2020 नौसेना अभ्यास** का आयोजन किया था।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- द हिंदू

इनर लाइन परमिट

खबर में क्यों है?

- हाल में, **केंद्रीय गृह मंत्री** ने कहा कि **इनर लाइन परमिट (ILP)** का **क्रियान्वयन करना केंद्र द्वारा मणिपुर को दिया गया सबसे बड़ा उपहार** है जबसे यह राज्य बना है।

संबंधित सूचना

पृष्ठभूमि

- **इनर लाइन परमिट बंगाल पूर्वी सीमांत विनियमन कानून 1873** का विस्तार है। **ब्रिटिश सरकार ने कानून बनाया** था जिसके तहत कई नामांकित क्षेत्रों में जाना वर्जित था।
- ऐसा कुछ राज्यों में **ब्रिटिश शासन के हितों को सुरक्षित** करने के लिए किया गया था जिससे **"ब्रिटिश प्रजा"** (**भारतीयों**) को **इन क्षेत्रों में व्यापार करने से रोका** जा सके।

इनर लाइन परमिट के बारे में

- यह एक **आधिकारिक यात्रा दस्तावेज** है जिसे **भारत सरकार** द्वारा जारी किया जाता है जिससे **सीमित समय** के लिए **संरक्षित क्षेत्र** में **भारतीय नागरिक** को यात्रा की अनुमति दी जा सके।

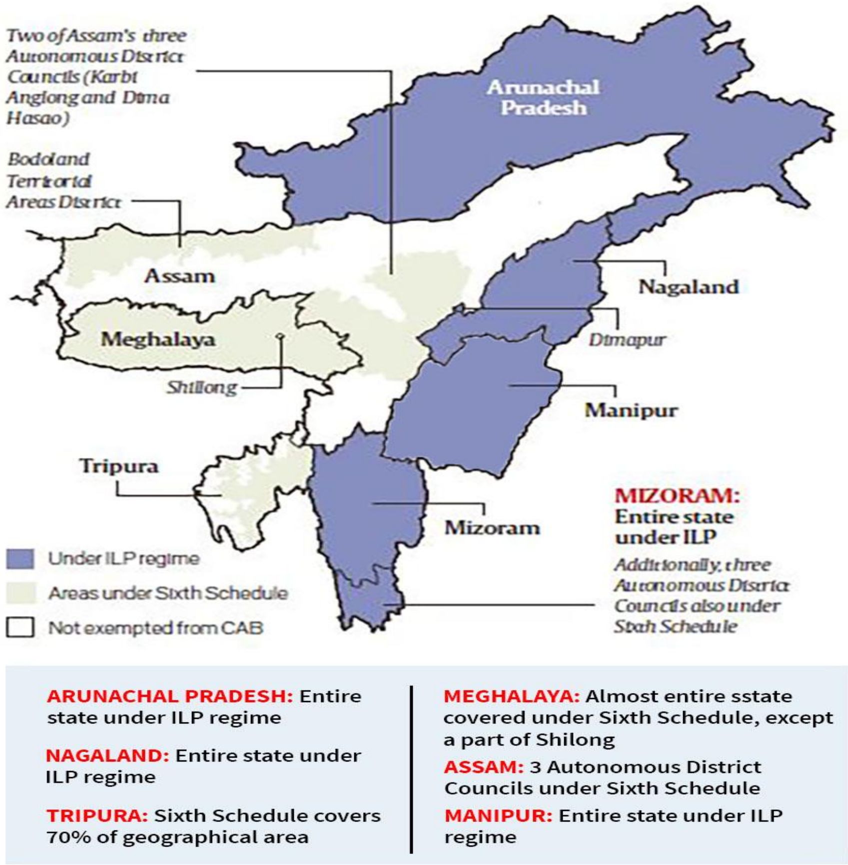

- यह **बाहर से आने वाले कुछ राज्यों** के **भारतीय नागरिकों के लिए जरूरी** है कि वे ऐसा परमिट हासिल करें।
- वर्तमान में, **चार उत्तर-पूर्वी राज्यों के इसके तहत कवर** किया जा रहा है। ये राज्य हैं- **अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मिजोरम** जोकि इनर लाइन परमिट से संरक्षित है और हाल में **मणिपुर** को इसमें जोड़ दिया गया।
- **इनर लाइन परमिट** दोनों ही निर्धारित करता है- **रुकने की अवधि एवं क्षेत्र और किसी गैर निवासी को पहुँचने की इजाजत** देता है।

- **संबंधित राज्य सरकार इनर लाइन परमिट जारी** करती है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- आंतरिक सुरक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

आकाश मिसाइल प्रणाली

खबर में क्यों है?

- **केंद्रीय कैबिनेट** ने हाल में **आकाश मिसाइल प्रणाली के निर्यात को स्वीकृति** दे दी है और **रक्षा निर्यातों के तेज स्वीकृति के लिए एक समिति** का गठन किया है।

आकाश मिसाइल प्रणाली के बारे में

- यह **सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल** है जिसकी **मारक क्षमता 25 किमी.** है।

- इस **मिसाइल** को **2014 में भारतीय वायुसेना में और 2015 में भारतीय थलसेना में शामिल** किया गया था।
- यह **देश की एक महत्वपूर्ण मिसाइल** है जिसका **96 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशीकरण** हो चुका है।

संबंधित सूचना

तीव्र स्वीकृति के लिए रक्षा निर्यात समिति के बारे में

- यह एक **समिति** है जिसमें **रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार** शामिल हैं जो निर्यात के लिए तीव्र स्वीकृति को प्रदान करने में मदद देती है।
- यह समिति विभिन्न देशों को प्रमुख **स्वदेशी प्लेटफार्मों के बाद में निर्यातों को प्राधिकृत** करेगी।
- यह **समिति विभिन्न उपलब्ध विकल्पों** को भी खोजेगी जिसमें **सरकार से सरकार मार्ग** भी शामिल है।

नोटः

- **भारत सरकार** का उद्देश्य **रक्षा निर्यात के 5 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य** को हासिल करने के लिए **उच्च मूल्य रक्षा प्लेटफार्मों के निर्यातों पर जोर देने** का है। साथ ही **मित्र विदेशी देशों के साथ रणनीतिक संबंधों में सुधार** भी करना है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- द हिंदू

SAHAYAK-NG

खबर में क्यों है?

- हाल में, **रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO)** ने **भारतीय नौसेना** के साथ मिलकर **'SAHAYAK-NG'** के **प्रथम परीक्षण को सफलतापूर्वक** अंजाम दिया।

SAHAYAK-NG के बारे में

- यह **भारत का पहला स्वदेशी डिजाइन** किया हुआ और **विकसित IL 38SD एयरक्राफ्ट (भारतीय नौसेना) से एयर ड्राप्ड कंटेनर** है।
- **SAHAYAK-NG, SAHAYAK MK1** का **उन्नत रूप** है।

- यह इसकी **प्रचालनीय लॉजिस्टिक्स क्षमताओं को उन्नत** करने में मदद देगा और समुद्री जहाजों को महत्वपूर्ण **इंजीनियरिंग भंडारों को उपलब्ध कराएगा** जोकि **तट से 2000 किमी. की दूरी** पर तैनात किये जाते हैं।
- यह **समुद्री जहाजों की तट के पास आकर स्पेयर और भंडारों को एकत्रित** करने की जरूरत कम कर देते हैं।
- **नया विकसित GPS** सहायता वाला **एयर ड्राप्ड कंटेनर** के पास ऐसे माल को ढोने की क्षमता है जिसका **वजन 50 किग्रा. तक** और इसे **किसी भारी एयरक्राफ्ट से गिराया** जा सकता है।
- इसमें एक **उपग्रह आधारित रिपोर्टिंग टर्मिनल (SBRT)** लगा हुआ है जो इसकी सटीक **GPS** स्थिति देता है जिससे संकट के वक्त **समुद्री जहाज जरूरी भंडारों को ले सकते** हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा

स्रोत- AIR

पर्यावरण सम्बन्धी मुद्दे

2015 पेरिस समझौते के क्रियान्वयन के लिए केंद्र ने समिति का गठन किया

खबर में क्यों है?

- **केंद्रीय सरकार** ने **पेरिस समझौते के क्रियान्वय के लिए सर्वोच्च समिति (AIPA)** का गठन किया है।

पेरिस समझौते के क्रियान्वयन के लिए समिति के बारे में

उद्देश्य

- **मौसम परिवर्तन मामलों** पर एक **समन्वित प्रतियुत्तर** सुनिश्चित करना जो देश के हितों को संरक्षित करता है और इस बात की प्रतिबद्धता व्यक्त करता है कि **पेरिस समझौते के अंतर्गत अपने मौसम परिवर्तन दायित्वों को पूरा करने के मार्ग की ओर अग्रसर है। भारत ने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों** (NDCs) **को सौंप दिया है।**

कार्य

- **समिति भारत के NDC लक्ष्यों** को हासिल करने के लिए **संबंधित मंत्रालयों की जिम्मेदारियों की व्याख्या** करने का कार्य करेगी और पेरिस समझौते की **जरूरतों को पूरा करने के लिए मौसम लक्ष्यों की निगरानी, समीक्षा और पुनर्वापसी सामयिक सूचना** अद्यतनों के द्वारा प्राप्त करेगी।
- **भारत की NDCs प्राथमिक रूप से 2030 तक हासिल हो जाएगी**
- **भारत** ने **2005 स्तर से 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद के 33-35% तक उत्सर्जन तीव्रता** को घटाने का वायदा किया है।
- भारत **2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों (मुख्य रूप से पुनर्नवीकृत जैसे पवन और सौर ऊर्जा)** से **लगभग 40% संचयी विद्युत ऊर्जा संस्थापित क्षमता** हासिल कर लेगा। इसे तकनीक के हस्तांतरण और **हरित मौसम कोष** सहित निम्न लागत अंतरराष्ट्रीय वित्त की सहायता से हासिल किया जाएगा।
- **भारत** ने **2.5 से 3 अरब टन के कार्बन डाईऑक्साइड** के समतुल्य एक **अतिरिक्त कार्बन सिंक** (वायुमंडल से कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित करने का माध्यम) का वायदा किया है जिसे **वर्ष 2030** तक **अतिरिक्त वन और वृक्ष आच्छादन** के द्वारा हासिल किया जाएगा।

- वह **नीतियों और कार्यक्रमों का विकास** भी करेगा यदि जरूरत पड़ी तो, जिससे **भारत की घरेलू मौसम कार्यवाहियां** उसके **अंतरराष्ट्रीय दायित्वों** का पालन करने वाली हो जाएं।

सदस्य

- **AIPA समिति में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष** और विभिन्न मंत्रालयों से 15 अन्य सदस्य शामिल हैं।
- **AIPA के सदस्य सचिव** समिति की **दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों के लिए जिम्मेदार** होंगे।
- **AIPA केंद्रीय सरकार को प्रत्येक छह महीने में कम से कम एक बार** अपनी गतिविधि की **रिपोर्ट प्रस्तुत** करेगी।

संबंधित सूचना

- **भारत मौसम परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र ढांचा सम्मेलन (UNFCCC)** का एक पक्ष है जिसका उद्देश्य ऐसे स्तर पर वायुमंडल में **ग्रीनहाउस गैस सांद्रता के स्थिरीकरण** को हासिल करना है जो मौसम प्रणाली के साथ **खतरनाक मानवजनित हस्तक्षेप** को रोकेगी।
- भारत ने **उत्तर 2020 अवधि में पेरिस समझौते** के क्रियान्वयन के लिए **2015 में राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान** (**NDC**) को सौंप दिया था।

पेरिस समझौते के बारे में

- इसे **पार्टी 21 का सम्मेलन अथवा COP21** के नाम से भी जाना जाता है, जोकि एक **ऐतिहासिक पर्यावरणीय समझौता** है जिसे **2015 में अपनाया** गया जिससे **मौसम परिवर्तन** और उसके **नकारात्मक प्रभावों से निपटा** जा सके।
- इसने **क्योटो प्रोटोकाल** का स्थान लिया है, जो **मौसम परिवर्तन से निपटने के लिए एक पूर्व का समझौता** था।

लक्ष्य

- औद्योगिकीकरण स्तरों से ऊपर **वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों** को घटाना जिससे **इस शताब्दी में वैश्विक तापमान की वृद्धि को 2**^{0}C **तक** सीमित रखा जा सके, जबकि **2100 तक वृद्धि को 1.5**^{0}C **तक सीमित** करने की कोशिश करना।

इसमें शामिल हैः

- **चरम मौसम जैसे मौसम प्रभावों** का सामना करने वाले **कमजोर देशों की वित्तीय हानियों** को सुलझाना।
- **धन इकठ्ठा** करना जिससे **विकासशील देश मौसम परिवर्तन से अनुकूलन** कर सकें और **स्वच्छ ऊर्जा की संक्रमण** कर सकें।
- समझौते का यह हिस्सा **विकसित देशों** पर **अकानूनी रूप से बाध्यकारी** किया गया है।
- सम्मेलन के शुरू होने के पूर्व, **180 से ज्यादा देशों** ने अपने **कार्बन उत्सर्जन की कटौती का वायदा** सौंपा था (उद्दिष्ट राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान अथवा **INDCs)**।

उद्दिष्ट राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान

- **पेरिस समझौता** सभी पक्षों से यह अपेक्षा रखता है कि वे **राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (NDCs)** के द्वारा अपने **सर्वश्रेष्ठ प्रयास को करें** और **आने वाले वर्षों में इन प्रयासों को मजबूत** करें।
- इसमें यह **जरूरतें शामिल हैं कि सभी पक्ष नियमित रूप** से अपने **उत्सर्जनों और उनके क्रियान्वयन प्रयासों** पर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।
- **यह कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है।**
- भारत ने **मौसम परिवर्तन से निपटने** के लिए **समझौते के अंतर्गत लक्ष्यों** को पूरा करने के लिए **उद्दिष्ट राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान प्रतिबद्धताओं** की पुष्टि की है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

जेब्राफिश

खबर में क्यों है?

- हाल में, पूणे आधारित **अगारकर अनुसंधान संस्थान** के **वैज्ञानिकों** ने **जेब्राफिश जींस की पहचान** की है जो **हृदय के पुनर्जीवन** को प्रोत्साहित कर सकती है।

जेब्राफिश के बारे में

- यह एक **छोटी ताजजल मछली** है जो कि **उष्णकटिबंधीय और उपउष्णकटिबंधीय क्षेत्रों** में पाई जाती है।

वितरण

- यह **दक्षिण एशिया के भारत-गांगेय मैदानों** में पाई जाती है जहां यह अधिकांशतः **धान के खेतों और यहां तक कि स्थिर जल और धाराओं** में भी पाई जाती है।

अनूठी विशेषताएं

- इसकी **अनूठी विशेषताएं** इसकी **पारदर्शिता** में है जब यह **भ्रूणीय अवस्था** में होती है, जब इसके **सभी अंगों को देखा** जा सकता है जिसकी वजह से इन जीवों को **मॉडल जीव** के रूप में प्रयोग किया जाता है।
- यह अपने **लगभग सभी अंगों का पुनर्जनन** कर सकता है, जिसमें **मस्तिष्क, हृदय, आंख, मेरुदंड** शामिल हैं। यह छोटे समय में ही हो सकता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू

मोर मुलायम खोल वाला कछुआ

खबर में क्यों है?

- हाल में, **मोर मुलायम खोल वाले कछुए** (संकटग्रस्त प्रजाति वाला कछुआ) को **असम के सिलचर से एक मछली बाजार** से बचाया गया है।

मोर मुलायम खोल वाले कछुए के बारे में

- मोर मुलायम खोल वाले कछुए का वैज्ञानिक नाम **निलस्सोनिया हुरुम** है।

वितरण

- यह प्रजाति **भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान** तक ही सीमित है।
- भारत में, यह **भारतीय उपमहाद्वीप** के **उत्तरी और केंद्रीय हिस्से** में **बहुतायत** में पाई जाती है।
- ये **नदियों, धाराओं, झीलों और तालाबों** में पाये जाते हैं जहां **कीचड़ अथवा बाली की तली** होती है।

संरक्षण दर्जाः

- इन्हें **वन्यजीव संरक्षण कानून, 1972** की **अनुसूची I** में अधिसूचित किया गया है।
- इन्हें **IUCN** की लाल सूची में **संकटग्रस्त** की सूची में रखा गया है।
- **CITES** के अंतर्गत इन्हें **अनुबंध I** में अधिसूचित किया गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

मलायान जायंट गिलहरी

खबर में क्यों है?

- हाल में, **भारतीय प्राणि सर्वेक्षण (ZSI)** ने अपने अध्ययन में अनुमान लगाया है कि **2050** तक भारत में **मलायान जायंट गिलहरी (रतुफा बाइकलर)** की संख्या **90 प्रतिशत तक घट सकती** है।

मलायान जायंट गिलहरी के बारे में

भारत में जायंट गिलहरियों की तीन प्रजातियां पाई जाती हैं।

- मलायान जायंट गिलहरी
- भारतीय जायंट गिलहरी
- ग्रिजल्ड जायंट गिलहरी

जायंट ब्लैक गिलहरी अथवा मलायान जायंट गिलहरियां **दुनिया की सबसे बड़ी गिलहरी प्रजातियों में से एक** है।

वितरण

- यह **उत्तरी बांग्लादेश, उत्तरपूर्व भारत, पूर्वी नेपाल, भूटान, दक्षिणी चीन, म्यांमार, लाओस, थाईलैंड, मलेशिया, कंबोडिया, वियतनाम और पश्चिमी इंडोनेशिया (जावा, सुमात्रा, बाली और पास के छोटे द्वीप)** में पाई जाती हैं।
- भारत में वर्तमान में वे **पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और नागालैंड के हिस्सों** में पाए जाते हैं।

जायंट गिलहरी का संरक्षण दर्जा

मलायान जायंट गिलहरी

- इस प्रजाति को IUCN की **लाल सूची** में **लगभग संकटग्रस्त** की सूची में डाला गया है।
- इसे **वन्यजीवन संरक्षण कानून**, 1972 के तहत संरक्षित किया गया है।

ग्रिजल्ड जायंट गिलहरी

- यह प्रजाति IUCN लाल सूजी में **लगभग संकटग्रस्त** की श्रेणी में डाली गई है।
- इसे CITES की **अनुसूची II** के अंतर्गत अधिसूचित किया गया है।
- इसे **वन्यजीवन संरक्षण कानून, 1972** की **अनुसूची I** के अंतर्गत संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची में रखा गया है।

भारतीय जायंट गिलहरी

- इस प्रजाति को IUCN लाल सूची द्वारा **कम संकटग्रस्त** के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

होउबारा बस्टर्ड

खबर में क्यों है?

- **पाकिस्तान** ने **सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान** को **2020-21 के शिकारी मौसम** के दौरान **अंतरराष्ट्रीय रूप से संरक्षित होउबारा बस्टर्ड** के शिकार का **विशेष परमिट जारी** किया है।

होउबारा बस्टर्ड के बारे में

- **बस्टर्ड बड़े, स्थलीय पक्षी** हैं जोकि **कई प्रजातियों** में शामिल हैं। इसमें कुछ **सबसे बड़े उड़ने वाले पक्षी** भी शामिल हैं।
- **अंतरराष्ट्रीय प्राकृतिक संरक्षण संघ (IUCN) दो विशिष्ट प्रजातियों** को मान्यता देता है जो पाए जाते हैं:
  - **a.** उत्तर अफ्रीका (चालमाइडोटिस अन्डूलेटा)
  - **b.** एशिया (चालमाइडोटिस मैक्वीनी)

वितरण

- **एशियाई होउबारा बस्टर्ड की जनसंख्या उत्तरपूर्व एशिया, केंद्रीय एशिया के आरपार, मध्य-पूर्व और अरब प्रायद्वीपर से सिनाई मरुस्थल (मिस्र)** तक पाई जाती है।
- बसंत में प्रजनन के बाद, **एशियाई बस्टर्ड** दक्षिण की ओर निष्क्रमण करके अपना वक्त **जाड़े में पाकिस्तान, अरब प्रायद्वीप** और **पास के दक्षिण-पश्चिमी एशिया** में बिताते हैं।

संरक्षण का दर्जा

- IUCN की **लाल सूची** में इन पक्षियों को **संकटग्रस्त** की सूची में रखा गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

केंद्रीय प्राणि उद्यान प्राधिकरण

खबर में क्यों है?

- हाल में, केंद्रीय प्राणि उद्यान प्राधिकरण की 37वीं सामान्य सभा बैठक जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्री ने की, में दो नए प्राणि उद्यानों नालंदा, बिहार में राजगिर जू सफारी और गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में शहीद अशफाकउल्ला खान प्राणि उद्यान को मान्यता प्रदान की गई।

Central Zoo Authority
केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण

राजगिर जू सफारी, नालंदा, बिहार के बारे में

- यह प्राणि उद्यान ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण नालंदा में स्थित है।
- राज्य के मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से प्राणि उद्यान की स्थापना की निगरानी की।
- यह प्राणि उद्यान प्राकृतिक रूप से सफारी इन्क्लोजर में जंगली जानवरों को प्रदर्शित करेगा और वन्यजीव संरक्षण में जागरूकता को प्रोत्साहित करेगा।

शहीद अशफाकउल्ला खान प्राणि उद्यान, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

- इसी के साथ, उत्तर प्रदेश राज्य में अब कुल 9 प्राणि उद्यान हैं।
- इस प्राणि उद्यान की स्थापना की निगरानी राज्य के मुख्यमंत्री द्वारा व्यक्तिगत रूप से की गई।
- यह प्राणि उद्यान गोरखपुर की आध्यात्मिक भूमि में स्थित है और यहां काफी दर्शक आते हैं।
- इस प्राणि उद्यान का उद्देश्य प्राकृतिक इन्क्लोजर के द्वारा जागरुरता पैदा करना है।

संबंधित सूचना

केंद्रीय प्राणि उद्यान प्राधिकरण के बारे में

- यह एक वैधानिक निकाय है जो पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत है जिसकी स्थापना वन्यजीव (संरक्षण) कानून, 1972 के अंतर्गत 1992 में की गई थी।

सदस्य

- इसकी अध्यक्षता पर्यावरण मंत्री द्वारा की जाती है और इसमें दस सदस्य और एक सदस्य सचिव होता है।

उद्देश्य

- प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य धनी जैवविविधता के संरक्षण में राष्ट्रीय प्रयास को मजबूत और पूरक करना है।

कार्यप्रणाली

- यह प्राधिकरण प्राणि उद्यानों को मान्यता प्रदान करता है और पूरे देश में प्राणि उद्यानों को विनियमित करने का दायित्व भी इसे के पास है।
- यह दिशा-निर्देश और नियमों को प्रदान करता है जिसके अंतर्गत निर्णय लिया जाता है कि किस जानवर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राणि उद्यानों को हस्तांतरित करना है।
- यह प्राणि उद्यानों के कर्मियों के क्षमता विकास, नियोजित प्रजनन कार्यक्रमों और एक्स सिटू अनुसंधान पर कार्यक्रमों को समन्वित और क्रियान्वित करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

हाथी गलियारे

खबर में क्यों है?

- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण **(NGT)** ने ओडिशा सरकार को 14 पहचाने गये हाथी गलियारों पर तीन महीने के अंदर एक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया है, जिससे राज्य में एक स्थान से दूसरे स्थान पर हाथियों का तनाव रहित निष्क्रमण हो सके।

हाथी गलियारों के बारे में

- हाथी गलियारे भूमि की संकीर्ण पट्टियां होती हैं जो कि हाथियों के दो बड़े आवासों को जोड़ती हैं।

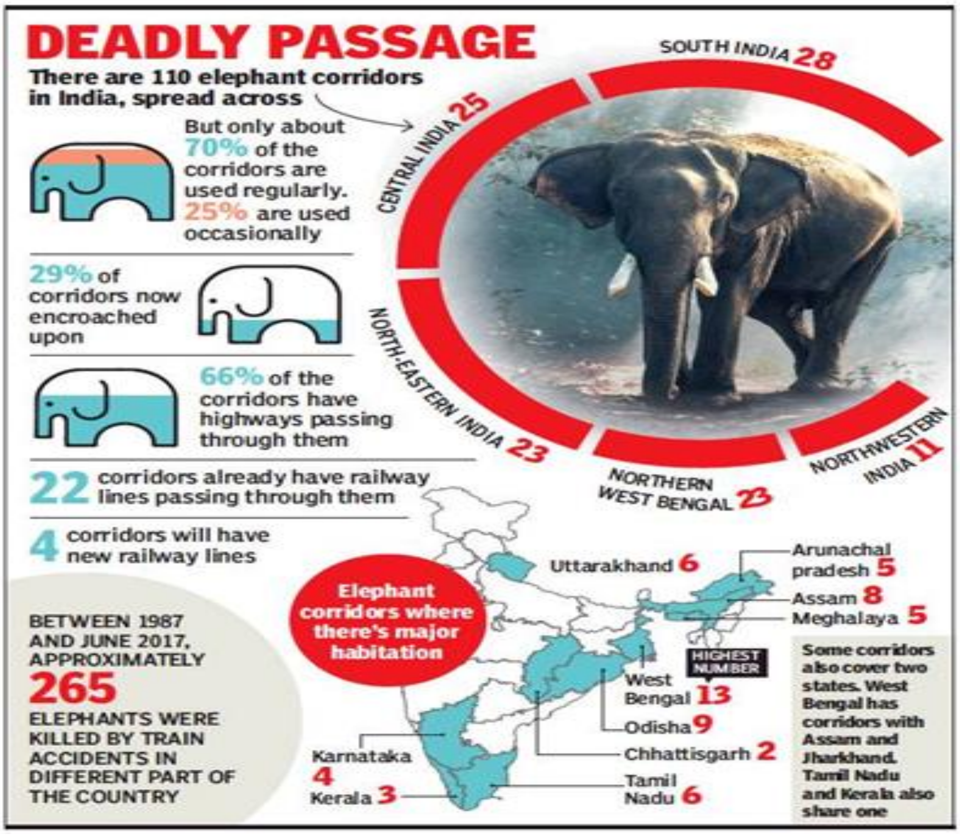

- हाथी गलियारे दुर्घटनाओं और अन्य कारणों से होने वाली जानवरों की मौतों को कम करने के लिए काफी अहम हैं।
- इसलिए वनों को विभाजित करना संक्रमणीय गलियारों को संरक्षित करने के लिए और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है।

संरक्षण दर्जा

- IUCN लाल सूची में अफ्रीकी हाथियों को '**असुरक्षित**' के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- IUCN लाल सूची में एशियाई हाथियों को '**संकटग्रस्त**' के रूप में अधिसूचित किया गया है।

CITES दर्जा

- **CITES** के **अनुबंध I** में एशियाई हाथियों को रखा गया है जबकि बोत्स्वाना, नाबीमिया, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे में अफ्रीकी हाथियों को **CITES** के अनुबंध **II** को रखा गया है।

<u>संरक्षण प्रयास</u>

हाथी परियोजना के बारे में

- हाथी परियोजना को भारत सरकार ने वर्ष **1992 में केंद्रीय प्रायोजित योजना** के रूप में शुरू किया था।
- यह जंगली एशियाई हाथियों की मुक्त घूमने वाली जनसंख्या के लिए राज्यों द्वारा वन्यजीव प्रबंधन प्रयासों को वित्तीय और तकनीकी समर्थन उपलब्ध कराता है।
- इस परियोजना का लक्ष्य हाथियों, उनके आवासों और संक्रमण गलियारों को संरक्षित करके उनके प्राकृतिक आवासों में हाथियों की जनसंख्या का दीर्घावधि बचाव सुनिश्चित करना है।

उद्देश्य

- हाथियों, उनके आवासों और गलियारों को संरक्षित करना।
- मानव-जानवर संघर्ष को सुलझाना।
- बंदी हाथियों का कल्याण।

विश्व हाथी दिवस

- यह अंतरराष्ट्रीय वार्षिक समारोह है जिसे 12 अगस्त को मनाया जाता है, इसे विश्व के हाथियों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए समर्पित किया गया है।

गज यात्रा

- यह राष्ट्रव्यापी जागरुकता अभियान है जिसका उद्देश्य हाथी की जरूरत को उजागर करना है।

MIKE कार्यक्रम

- हाथियों की गैरकानूनी हत्या की निगरानी **(MIKE)** कार्यक्रम, की शुरुआत 2003 में की गई थी।
- यह एक अंतरराष्ट्रीय सहयोग है जो अफ्रीका और एशिया में हाथियों की गैरकानूनी हत्याओं की सूचना से संबंधित रुझानों की निगरानी करता है। साथ ही यह कार्यक्रम क्षत्र संरक्षण प्रयासों के प्रभावीपन की भी निगरानी करता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- शासन

स्रोत- द हिंदू

<u>इको-नलिका अथवा इको-सेतु</u>

खबर में क्यों है?

- **नैनीताल जिला, उत्तराखंड में रामनगर वन विभाग** ने हाल में **सरीसृपों और छोटे स्तनपायियों के लिए अपने पहले इको-सेतु** का निर्माण किया है।

The new eco-bridge built for reptiles in Ramnagar, Uttarakhand

इको-सेतु के बारे में

- **इको-नलिकाएं** अथवा **इको-सेतु** का लक्ष्य **वन्यजीव जुड़ाव को उन्नत** करना है जोकि **राजमार्गों अथवा पेड़ कटान की वजह से बाधित** हो सकती है।

इको-सेतुओं के प्रकार

- इसमें शामिल हैं **छतरी सेतु** (सामान्यतया बंदरों, गिलहरियों और वृक्षों पर रहने वाली अन्य प्रजातियां के लिए)।
- इसमें कंक्रीट के **अंडरपास अथवा ओवरपास सुरंगें** अथवा वायाडक्ट (सामान्यतया बड़े जानवरों के लिए) और **उभयचारी सुरंगें अथवा पुलिया** शामिल हैं।
- सामान्यतया, ये सेतु पौधों से आच्छादित रहते हैं जिससे इनको **परिदृश्य के साथ सन्निहित** दृश्य प्राप्त हो सके।

महत्व

- इको-सेतु **जानवर और पादप जनसंख्याओं के मध्य जुड़ाव** बनाए रखने की **महत्वपूर्ण भूमिका** अदा करती है जोकि नहीं तो अलग-थलग हो जाएगी और स्थानीय स्तर पर इसके **लुप्त होने का बड़ा खतरा** पैदा हो जाएगा।

पूरी दुनिया में राजमार्गों पर वर्तमान वन्यजीव चौराहे अथवा जानवर ओवरपास

- बानफ्फ राष्ट्रीय अभ्यारण्य
- फ्लोरिडा में कोलियर और ली काउंटियां
- स्लेटी क्रीक वन्यजीव अंडरपास
- दक्षिणी कैलीफोर्निया में अंडरपास
- इको-नलिकाएं, नीदरलैंड्स

संबंधित सूचना

पशु सेतुओं के बारे में

- हाल में, **भारत के पहले पांच पशु सेतुओं** को **दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे** पर निर्मित करने की योजना बनाई गई है जिससे **रणथम्भौर वन्यजीव गलियारे** में अशांति को रोका जा सके। यह **मुकुंदरा और रणथम्भौर वन्यजीव अभ्यारण्यों** को जोड़ता है।

- **केंद्रीय वन्यजीव बोर्ड** ने **पशु सेतुओं की योजना** को स्वीकृति दी है।

लाभ

- **पशु सेतु प्राकृतिक लगने वाली संरचनाएं** होती है जोकि गलियारे के ऊपर होती हैं जोकि **वन्यजीव के लिए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध** कराता है।
- **योजना के अंतर्गत जानवर** प्रत्येक **500 मी. के अंतराल** पर रास्ता प्राप्त करेंगे।
- **जानवरों के रास्तों** को पेड़ों के साथ **वन गलियारे के हिस्से के रूप में विकसित** किया जाएगा।
- इसलिए, **जानवर गलियारे को प्राकृतिक ही पायेंगे**।
- **जानवर सेतु** से मानव-जानवर संघर्ष को **रोकने में मदद** मिलेगी और इससे **जानवरों और वाहनों के बीच में टक्कर** को भी रोका जा सकेगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- AIR

भारतीय बिजोन

खबर में क्यों है?

- हाल में भारतीय बिजोन पूणे में तनाव व थकावट की वजह से मर गया।

भारतीय बिजोन अथवा गौर (बोस गौर्स)

- गौर, जिसे भारतीय बिजोन भी कहा जाता है, दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया का रहने वाला है, जोकि जंगली मवेशियों की सबसे बड़ी प्रजाति है।

- भारत में, वे नागरहोल, बांदीपुर, मासिनागुड़ी राष्ट्रीय अभ्यारण्यों और बीएर हिल्स में पाए जाते हैं।
- मलेशिया में, इसे सेलाडांग और म्यांमार में प्यायुंग कहते हैं।
- गौर के पालतू रूप को गायल (बोस फ्रंटालिस) अथवा मिथुन कहा जाता है।

संरक्षण दर्जा

- 1986 से IUCN की लाल सूची में उन्हें **असुरक्षित** के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- इन्हें **वन्यजीव संरक्षण कानून, 1972** के **अनुसूची I** में शामिल किया गया है।

नोटः

- हाल में, भारतीय गौर (बिजोन) की पहली जनसंख्या अनुमान कार्य को तमिलनाडु के नीलगिरि वन विभाग में किया गया।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

इस्चेईममजनारथानमी

खबर में क्यों है?

- हाल में, भारतीय **मुरेनग्रासेज (वंश इस्चेईमम)** जिसे अपने **पारिस्थितिकीय और आर्थिक महत्व** के लिए जाना जाता है, जैसे कि चारा, की खोज **गोवा के पश्चिमी घाट** में वैज्ञानिकों द्वारा की गई है।

इस्चेईममजनारथानमी प्रजाति के बारे में

- प्रजाति का नामकरण इस्चेईममजनारथानमी, **गोवा विश्वविद्यालय के पादप विज्ञान के प्रोफेसर, प्रो. एम. के. जनारथनम** के नाम पर किया गया है। उन्हें **भारतीय घासों के वर्गीकरण और गोवा राज्य के फूलों की विविधता** के प्रलेखन के लिए जाना जाता है।
- इस्चेईममजनारथनमी गोवा के **भगवान महावीर राष्ट्रीय अभ्यारण्य** के बाहरी इलाके में **निम्न ऊंचाई के लंबवत पठारों** में उगती है।
- इस प्रजाति ने **विपरीत परिस्थितियों, निम्न पोषण उपलब्धता** में जिंदा रहना सीख लिया है और **प्रत्येक मानसून को यह फलती-फूलती** है।

नोटः

- **वैश्विक तौर** पर **इस्चेईमम की 85 ज्ञात प्रजातियां** हैं, जिनमें से **61 प्रजातियां केवल भारत में पाई** जाती हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन III- पर्यावरण

स्रोत- PIB

उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2020

खबर में क्यों है?

- हाल में **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)** ने अपनी **वार्षिक उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट 2020** जारी की।

रिपोर्ट की मुख्य बातें

- रिपोर्ट उच्च ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन
- **वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** में **2019 में लगातार तीसरे वर्ष** वृद्धि हुई है।
- **जीवाश्म कार्बन डाईऑक्साइड (CO_2) उत्सर्जन** (जीवाश्म ईंधनों और कार्बोनेट्स से) का कुल **ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में वर्चस्व** है जिसमें **भूमि प्रयोग परिवर्तन** (65 प्रतिशत) और फलस्वरूप ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों में वृद्धि हुई।
- ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OCED)** अर्थव्यवस्थाओं में घट रहा है और गैर **OCED** अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ रहा है।
- जी20 देश अधिकांश उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं
- पिछले दशक के दौरान, **चार सबसे बड़े उत्सर्जक (चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ 27+ यूनाईटेड किंगडम और भारत**) ने बिना **भूमि प्रयोग परिवर्तन (LUC)** के कुल ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में 55**%** का योगदान दिया है।
- **सात सबसे बड़े उत्सर्ज**कों (रूसी संघ, जापान और अंतरराष्ट्रीय परिवहन सहित) ने 65**%** का योगदान दिया है, जिसमें जी20 देशों का योगदान 78 प्रतिशत का है।
- वन अग्नि से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ रहा है| **2010 से बिना भूमि प्रयोग परिवर्तन के ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन औसत रूप से प्रतिवर्ष 1.3 प्रतिशत बढ़ा** है, जिसमें **प्राथमिक आंकड़े बताते हैं कि 2019 में 1.1 प्रतिशत की वृद्धि** हुई।

- 2019 के उत्सर्जन स्तरों की तुलना में 2020 में **CO_2** के उत्सर्जन 7 प्रतिशत तक कम हो सकते हैं
- **कोविड-19 की वजह से 2020 में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जनों** में कमी **2000 के दशक के अंतिम दौर में वैश्विक वित्तीय संकट** के दौरान **1.2 प्रतिशत की कटौती** से कही ज्यादा होने की संभावना है।
- यद्यपि **CO_2 उत्सर्जनों** के **2020 में कम होने की संभावना** है लेकिन **प्रमुख ग्रीनहाउस गैसों (कार्बन डाईऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड) के वायुमंडलीय सांद्रण 2019 और 2020 दोनों में बढ़ते** रहेंगे।
- सात देशों के निवल शून्य उत्सर्जन लक्ष्य
- **ज्यादा से ज्यादा देश** जो **मध्य शताब्दी के आसपास निवल शून्य उत्सर्जन लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध** हैं, काफी महत्वपूर्ण हैं और यह 2020 में **मौसम नीति का उजला पहलू** है।
- **126 देश जो वैश्विक ग्रीनहाउस गैसों के 51 प्रतिशत** उत्सर्जन को करते हैं, के **निवल शून्य लक्ष्य** है और उन्हें औपचारिक रूप से अपना लिया गया है।
- निम्नलिखित जी20 सदस्यों के निवल शून्य उत्सर्जन लक्ष्य हैं:
  - **फ्रांस और यूनाईटेड किंगडम**, जिन्होंने अपने 2050 निवल शून्य ग्रीनहाउस उत्सर्जन लक्ष्यों को कानूनी रूप दे दिया है।
  - **यूरोपीय संघ**, जिसका लक्ष्य 2050 तक निवल शून्य उत्सर्जन हासिल करने का है।
  - **चीन,** जिसने 2060 के पहले कार्बन तटस्थता हासिल करने की योजना की घोषणा की है।
  - **जापान,** जिसने 2050 तक निवल शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य की घोषणा की है।
  - **कोरिया गणराज्य** के राष्ट्रपति ने 2050 तक देश के कार्बन तटस्थ होने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।
  - **कनाडा,** जिसने 2050 तक निवल शून्य उत्सर्जनों के लक्ष्य को वैधानिक जामा पहनाने की इच्छा जाहिर की है (यद्यपि यह अस्पष्ट है कि यह केवल कार्बन डाईऑक्साइड के बारे में है अथवा ग्रीनहाउस गैसों के बारे में)।
  - **दक्षिण अफ्रीका,** जो 2050 तक निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करना चाहता है।
  - **अर्जेंटीना और मैक्सिको,** जो **UNFCCC** मौसम महात्वकांक्षा गठबंधन के हिस्से हैं, 2050 तक निवल शून्य उत्सर्जनों को हासिल करने के लिए कार्य कर रहे हैं।

संबंधित सूचना

उत्सर्जन अंतराल रिपोर्ट

- यह **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)** की **वार्षिक रिपोर्ट** है।
- **UNEP की वार्षिक रिपोर्ट 1.5^0** C के उद्देश्य को हासिल करने और **2^0**C **से काफी** नीचे के इस शताब्दी में उद्देश्य के लिए वैश्विक उष्णता को सीमित करने के पेरिस समझौते के

लक्ष्य के साथ तद्नुरूप स्तरों को हासिल करने के लिए और अनुमानित उत्सर्जनों के बीच अंतराल का मापन करती है।

- यह रिपोर्ट यदि देश अपने **मौसम शमन वायदों** को क्रियान्वित करें तो जिससे भविष्य के **वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जनों** का अनुमान हो सके और कम लागत पथ से वैश्विक उत्सर्जन स्तरों के बीच में अंतराल का आंकलन करती है। यह **पेरिस समझौते** के **तापमान लक्ष्यों को हासिल** करने के तद्नुरुप है।

भूमि प्रयोग परिवर्तन (LUC) के बारे में

- **भूमि प्रयोग, भूमि प्रयोग परिवर्तन** और **वानिकी (LULUCF)**, को **वानिकी और अन्य भूमि प्रयोग (FOLU)** भी कहा जाता है।
- इसे **संयुक्त राष्ट्र मौसम परिवर्तन सचिवालय** द्वारा व्याख्यायित किया जाता है कि यह **ग्रीनहाउस गैस इंवेंटरी क्षेत्र** है जो उत्सर्जनों और ग्रीनहाउस गैसों को कवर करता है जोकि मानव जनित भूमि प्रयोग के फलस्वरूप होते हैं। जैसे कि **बस्तियां और व्यावसायिक प्रयोग**, भूमि प्रयोग परिवर्तन, और वानिकी गतिविधियां।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

विदेशी वन्यजीव प्रजातियां

खबर में क्यों है?

- **पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय** ने हाल में एक बार की **स्वैच्छिक खुलासा योजना का परामर्श** जारी किया है जिसमें **विदेशी जीव प्रजातियों के स्वामियों** को जिन्होंने उन्हें **गैरकानूनी तौर पर रख रखा है अथवा बिना किसी दस्तावेज** के, वे सरकार को इसके बारे में घोषणा कर सकते हैं।

पृष्ठभूमि

- **22 नवंबर** को, **सर्वोच्च न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को उचित ठहराया** जिसमें कहा गया कि यदि जून और दिसंबर के बीच में विदेशी वन्यजीव प्रजातियों के स्वामित्व अथवा गैरकानूनी अधिग्रहण की घोषणा की जाती है तो उनके स्वामियों को **जांच और अभियोजन** से छूट दी जाएगी।
- यह केंद्र द्वारा घोषित की गई **नई छूट योजना** के अंतर्गत था।

- **उच्च न्यायालय** ने कहा था कि जो भी **विदेशी प्रजातियों के भंडार की घोषणा** करता है और आम माफी योजना के अंतर्गत पंजीकरण के लिए आवेदन करता है तो, "**विदेशी प्रजातियों के स्वैच्छिक घोषित भंडार के गैरकानूनी अधिग्रहण अथवा स्वामित्व के स्रोत में किसी जांच से छूट मिलेगी** "।
- इस योजना ने **विदेशी जीव प्रजातियों के स्वामियों** को जिन्हें **गैरकानूनी तरीके से अथवा बिना किसी दस्तावेज** के अधिग्रहण किया गया है, अनुमति दी है कि वे **जून और दिसंबर 2020** के बीच में सरकार को अपने भंडार की घोषणा कर दें।
- इस **खुलासे को MoEFCC** के **परिवेश पोर्टल** से **ऑनलाइन** करना है।

लक्ष्य

- इसका लक्ष्य **पशुजन्य बीमारियों की चुनौती से निपटना** है, **जंगली जीव एवं पादप की संकटग्रस्त प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार** (**CITES**) पर **संधि** और उनके निर्यात के विनियमन के अंतर्गत बेहतर अनुपालन के लिए **विदेशी जीव प्रजातियों की इन्वेंटरी** को विकसित करना है।

किस तरह के विदेशी वन्यजीवन को इसमें शामिल किया गया है?

- **परामर्श** ने **विदेशी जीव प्रजातियों को ऐसे जानवरों** के रूप में व्याख्यायित किया है जो **CITES के परिशिष्ट I, II** और **III** के अंतर्गत है।
- यह **वन्यजीवन (संरक्षण) कानून 1972** की अनुसूचियों की प्रजातियों को शामिल नहीं करता है।
- यह परामर्श **आम माफी योजना** के विदेशी पक्षियों को शामिल नहीं करता है।

CITES के बारे में

- **जंगली जीव एवं पादप की संकटग्रस्त प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार** (जिसे वाशिंगटन संधि भी कहते हैं) एक बहुपक्षीय संधि है जिसका उद्देश्य **संकटग्रस्त पौधों और जानवरों का संरक्षण** करना है।
- इसे **प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ** (**IUCN**) के सदस्यों की बैठक में **1963 में एक प्रस्ताव अपनाने** के फलस्वरूप लिखा गया था।
- **संधि को हस्ताक्षर के लिए 1973 में खोल** दिया गया और **CITES 1 जुलाई 1975** को अस्तित्व में आया।
- इसका लक्ष्य **जंगली जानवरों और पौधों की प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार** में यह सुनिश्चित करना है कि यह जंगलों में प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट न पैदा करे।
- **CITES** विभिन्न पक्षों के लिए कानूनी रूप से बाध्यकारी है; यह राष्ट्रीय कानूनों का स्थान नहीं लेता है।

CITES परिशिष्ट क्या हैं?

- कुल तीन परिशिष्ट हैः **I, II** और **III**, इसमें से प्रत्येक व्यापार से संरक्षण के विभिन्न स्तरों को निरुपित करता है।

परिशिष्ट **I**

- इसमें शामिल हैं वे प्रजातियां जोकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार की वजह से लुप्त होने के खतरे में हैं। निर्यात और आयात के लिए परमिटों की आवश्यकता होती है, और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए व्यापार निषेध है।
- व्यापार को अनुसंधान अथवा कानून प्रवर्तन उद्देश्यों के लिए अनुमति दी जा सकती है।

परिशिष्ट **II**

- इसमें वे प्रजातियां शामिल हैं जिनके ऊपर लुप्त होने का खतरा नहीं है लेकिन उनकी निगरानी की जरूरत है जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि व्यापार चिंता का विषय न बन जाए।
- निर्यात की इजाजत है यदि पौधे, जानवरों अथवा संबंधित उत्पादों को कानूनी तौर पर हासिल किया गया है और यह प्रजातियों के अस्तित्व का संकट नहीं पैदा करेगा।

परिशिष्ट **III**

- इसमें वे प्रजातियां शामिल हैं जो कम से कम एक देश में संरक्षित हैं जब वह देश अन्य को व्यापार के विनियमन में सहायता के लिए कहता है।
- इन प्रजातियों के विनियमन में अंतर है, लेकिन वह देश जिसने सूचीकरण का निवेदन किया है निर्यात परमिटों को जारी कर सकता है, और अन्य देशों से निर्यात में मूल देश के प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है।
- परिशिष्ट **III** में परिवर्तन एक विशेष प्रक्रिया का अनुपालन करता है जबकि परिशिष्ट **I** और **II** में ऐसा नहीं है।, क्योंकि इस मामले में प्रत्येक पक्ष एकपक्षीय संशोधनों को करने के लिए स्वतंत्र है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

मिरिस्टिका स्वैम्प ट्रीफ्रॉग

खबर में क्यों है?

- हाल में, **मिरिस्टिका स्वैम्प ट्रीफ्रॉग**, जो एक **विरल पेड़ों पर रहने वाली मेंढकों की पश्चिमी घाट** की **स्थानिक प्रजाति** है। इसे पहली बार **केरल के त्रिचूर जिले में वाझाचल रिजर्व वन में शेनकोट्टाह गैप के उत्तर में देखा** गया है।

मिरिस्टिका स्वैम्प ट्रीफ्रॉग के बारे में

- मिरिस्टिका ट्रीफ्रॉग का वैज्ञानिक नाम मरक्यूराना मिरिस्टिकापालुस्ट्रिस है।
- ये मेंढक **काफी विरल प्रजाति के और काफी कम दिखाई** देते हैं। इसका कारण ये है कि वे पेड़ों पर रहते हैं और अपने **प्रजनन काल** के दौरान कुछ सप्ताह के लिए ही **सक्रिय रहते** हैं।

अनूठा प्रजनन व्यवहार

- इसका प्रजनन काल, अन्य मेंढकों के विपरीत, मानसून पूर्व मौसम (मई) में शुरू हो जाता है और मानसून के पूर्व समाप्त हो जाता है और जून में पूर्णतया सक्रिय होता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

हिमालियाई सीरो

खबर में क्यों है?

- हाल में **हिमालियाई सीरो** को **पहली बार हिमालियाई ठंडे मरुस्थल** क्षेत्र में **देखा गया** है।

हिमालियाई सीरो के बारे में

- **हिमालियाई सीरो का वैज्ञानिक नाम कैप्रीकोर्निस सुमात्राएंसिस** है।
- यह एक **मध्यम आकार का स्तनपायी** है जिसका **सिर बड़ा, गर्दन मोटी, पैर छोटे, लंबे खच्चर की तरह के कान और काले बालों का एक कोट** होता है।

वितरण

- **सीरो की कई प्रजातियां** होती हैं, और ये **सभी एशिया में पाई जाती** हैं।
- यह **विशेष रूप से 2,000 मी. से लेकर 4,000 मी. तक की ऊंचाई पर पाये जाते** हैं **(6,500 से 13,000 फीट तक)।**
- वे **पूर्वी, केंद्रीय और पश्चिमी हिमालय में पाये जाने** के लिए जाने जाते हैं लेकिन ये **हिमालय पार के क्षेत्रों में नहीं पाये** जाते हैं।

संरक्षण की स्थिति

- वे **IUCN** की संकटग्रस्त प्रजातियों की लाल सूची में '**कमजोर**' के रूप में अधिसूचित हैं।
- **वन्यजीवन संरक्षण कानून, 1972 के अंतर्गत इसे अनुसूची I के अंतर्गत रखा गया है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

हिमालियाई ग्रिफन गिद्ध

खबर में क्यों है?

- हाल में हिमालियाई ग्रिफन गिद्ध जो कि हिमालय के एक विरल और सबसे बड़े निवासी पक्षी, को पहली बार तमिलनाडु के नागापट्टिनम जिले में वेदाराण्यम के निकट कालीमियर वन्यजीवन और पक्षी अभ्यारण्य के एक बिंदु पर पहली बार देखा गया है।

संबंधित सूचना

- **हाल में, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने पांच राज्यों में गिद्ध संरक्षण के लिए कार्ययोजना 2020-2025 को अपनी स्वीकृति प्रदान की है।**

गिद्ध संरक्षण कार्ययोजना के बारे में

- इस **कार्य योजना** को **पांच राज्यों** में **राष्ट्रीय वन्यजीवन बोर्ड (NBWL)** ने स्वीकृति दी थी।
- इसके पूर्व एक अन्य कार्ययोजना को 2006 में तीन वर्षों के लिए लागू किया गया था।

गिद्ध संरक्षण 2020-25 के लिए कार्य योजना की मुख्य बातें

- पांच राज्य हैं **उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु** जिनमें से **प्रत्येक को गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केंद्र प्राप्त** होगा।
- इस योजना ने यह **सुझाव भी दिया** है कि **नये पशुचिकित्सा गैर-स्टेरॉयडल एंटी इंफ्लेमेटरी दवाईयों (NSAIDS)** का परीक्षण भी गिद्धों में किया जाए उन्हें व्यावसायिक रूप छोड़ने के पूर्व।
- **NSAIDS** अक्सर **पशुओं को विषाक्त** कर देता **जिनके शवों को ये पक्षी खाते** हैं।
- **नई योजना** ने **गिद्धों की जनसंख्या विशेष रूप से तीन जिप्स प्रजातियों की घटती जनसंख्या को रोकने** के लिए **रणनीतियों और कार्यवाहियों** को जारी किया हैः
    - **a.** ओरिएंटल व्हाइट बैक्ड गिद्ध (जिप्स बंगालेन्सिस)
    - **b.** स्लेंडर बिल्ड गिद्ध (जिप्स टेनूरोसट्रिस)
    - **c.** लांग बिल्ड गिद्ध (जिप्स इंडिकस)
- इन **तीन गिद्ध प्रजातियों** को **IUCN** ने **2000 में गंभीर रूप से संकटग्रस्त की श्रेणी में रखा** था, जोकि **संकटग्रस्तता की सबसे ऊंची श्रेणी** है।
- इस कार्य को दोनों ही तरह से- **एक्स सिटू और इन-सिटू संरक्षण के द्वारा** किया जाएगा।
- **विषाक्त दवाई को हटाने के लिएः** एक प्रणाली जो पशुचिकित्सा प्रयोग से किसी **औषिध को स्वतः हटा देती है** यदि यह गिद्ध के लिए विषाक्त पाई जाती है, जिसे भारत के औषधि महानियंत्रक की सहायता से किया जाता है।

- **बचाव केंद्र: पंजोर (हरियाणा), भोपाल (मध्य प्रदेश), गुवाहाटी (असम) और हैदराबाद (तेलंगाना)** में चार बचाव केंद्रों की स्थापना।
- वर्तमान में गिद्धों के उपचार के लिए कोई **समर्पित बचाव केंद्र नहीं** है।
- **गिद्ध के लिए सुरक्षा क्षेत्रः लाल सिर वाले गिद्धों** और **इजिप्शियन गिद्धों** के **संरक्षण और प्रजनन और कम से कम गिद्ध के लिए एक सुरक्षा क्षेत्र** के प्रत्येक राज्य में स्थापना के लिए जिससे उस **राज्य में बची हुई जनसंख्या का संरक्षण किया जा सके**।
- **गिद्ध जनगणना के लिएः** संपूर्ण देश में गिद्धों की समन्वित गिनती जिसमें वन विभाग, **बांबे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी**, शोध संस्थान, **गैर लाभकारी और समाज के सदस्य** शामिल होंगे।
- इससे देश में गिद्ध जनसंख्या के आकार का अत्यंत सटीक आकलन प्राप्त हो जाएगा।
- **गिद्धों पर खतरे पर डाटाबेसः गिद्ध संरक्षण पर उभर रहे खतरे** पर डाटाबेस जिसमें टकराना और **बिजली लगना, अनजाने में दिया गया विष** शामिल हैं।

संबंधित सूचना

भारत में गिद्धों के बारे में

दुनिया में गिद्धों की 23 प्रजातियों में से भारत में नौ पाई जाती हैं। इनमें शामिल हैं:

प्रजातियां	IUCN दर्जा
व्हाइट रम्प्ड गिद्ध	गंभीर रूप से संकटग्रस्त
स्लेंडर बिल्ड गिद्ध	गंभीर रूप से संकटग्रस्त
लांग बिल्ड गिद्ध	गंभीर रूप से संकटग्रस्त
रेड हेडेड गिद्ध	गंभीर रूप से संकटग्रस्त
इजिप्शियन गिद्ध	संकटग्रस्त

हिमालियन ग्रिफन	लगभग संकटग्रस्त
सिनेरिसय गिद्ध	लगभग संकटग्रस्त
बियर्डेड गिद्ध	लगभग संकटग्रस्त
ग्रिफन गिद्ध (जिप्स फल्वस)	सबसे कम चिंता

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-III- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

12वीं गृह (एकीकृत आवास आकलन के लिए हरित रेटिंग) शिखर सम्मेलन

खबर में क्यों है?

- **भारत के उपराष्ट्रपति** ने **हैदराबाद से GRIHA परिषद** द्वारा आयोजित **12 गृह (एकीकृत आवास आकलन के लिए हरित रेटिंग)** का वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया।

संबंधित सूचना

एकीकृत आवास आकलन के लिए हरित रेटिंग (GRIHA) के बारे में

- यह **भारत की रेटिंग प्रणाली** है जिसे **TERI और भारत के नव्य एवं पुनर्नवीकृत ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से विकसित** किया गया है।
- यह **हरित इमारत डिजाइन मूल्यांकन प्रणाली** है जिसमें **इमारतों की त्रिस्तरीय प्रक्रिया में रेटिंग** की जाती है।
- **GRIHA रेटिंग प्रणाली** में **100 बिंदुओं के साथ 34 मूल्यांकन मानदंड** हैं।

इन मानदंडों को निम्नलिखित में श्रेणीबद्ध किया गया है-

- **स्थल योजना** जिसमें **संरक्षण और संसाधनों का सक्षम उपयोग** शामिल है।
- **भवन योजना और निर्माण के चरण** के दौरान **स्वास्थ्य और कल्याण**
- **जल संरक्षण**
- **ऊर्जा सामर्थ्य** जिसमें **ऊर्जा और निर्माण और नवीकृत ऊर्जा** शामिल हैं।

- **अपशिष्ट प्रबंधन** जिसमें **अपशिष्ट को कम से कम करना, अलग करना, भंडारण, निस्तारण और अपशिष्ट से ऊर्जा की प्राप्ति** शामिल हैं।
- **अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण** के लिए **पर्यावरण।**

नोटः भारतीय हरित भवन परिषद ने **LEED प्रणाली को अपनाया** है और **नये निर्माण की रेटिंग** के लिए **LEED इंडिया वर्जन की शुरुआत** की है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- PIB

गोल्डन पिकॉक पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार

खबर में क्यों है?

- हाल में, **भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (SAIL)** को इस्पात क्षेत्र में **वर्ष 2020 का प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार** प्रदान किया गया है।

गोल्डन पीकॉक पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार के बारे में

- गोल्डन पीकॉक पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार **प्रतिष्ठित मान्यता** है जिसे एक **संगठन पर्यावरण प्रबंधन के लिए जीतने का प्रयास** कर सकता है।
- इसे **1998 में विश्व आर्थिक मंच (WEF)** द्वारा **स्थापित किया गया** था। इसे **पर्यावरण प्रबंधन पर वार्षिक विश्व कांग्रेस में प्रदान किया** जाता है। यह उन **संगठनों** को दिया जाता है जो **पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियों** के लिए जाने जाते हों।

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के बारे में

- यह **भारत में इस्पात बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनियों** में से एक है और **देश के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों** के **महारत्नों** में से एक है।

संबंधित सूचना

विश्व आर्थिक मंच के बारे में

- इसकी **स्थापना 1971 में** एक **गैर लाभकारी फाउंडेशन** के रूप में की गई थी और इसका **मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड** में है।
- **विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक दावोस, स्विट्जरलैंड** में होती है।

- इसका उद्देश्य **विश्व की स्थिति में सुधार** करना है।

विश्व आर्थिक मंच द्वारा रिपोर्ट और सूचकांक

i. वैश्विक प्रतिद्वन्दिता रिपोर्ट
ii. वैश्विक सक्षम व्यापार रिपोर्ट
iii. वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक
iv. मानव पूंजी सूचकांक
v. समावेशी विकास सूचकांक

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- PIB

टेम्पल कछुआ

खबर में क्यों है?

- हाल में, **काजीरंगा राष्ट्रीय अभ्यारण्य** की एक **प्रमुख नमभूमि में ब्लैक सॉफ्टशेल कछुओं के 22 बच्चों** जिन्हें मंदिर में पाला गया था, को **छोड़ दिया** गया।

टेम्पल कछुओं के बारे में

- **पीले सिर वाले टेम्पल कछुएं** केवल **दक्षिण-पूर्व एशिया** में ही पाये जाते हैं, जहां वे **धीमे बहने वाली नदियों, नहरों, ताजाजल तालाबों और बाढ़ वाले मैदानों में निवास करते** हैं।
- यह **जियोमाइडिडेई परिवार** में **कछुओं की एक बड़ी प्रजाति** है।

वितरण

- इसका **थाईलैंड, कम्बोडिया, लाओस, वियतनाम** और **उत्तरी प्रायद्विपीय मलेशिया के हिस्सों** में बिखरा हुआ वितरण है।

संरक्षण की स्थिति

- इसे IUCN लाल सूची के संकटग्रस्त प्रजाति के अंतर्गत '**जंगल में लुप्त**' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ के अनुसार, **ताजाजल ब्लैक सॉफ्टशेल कछुआ (निलस्सोनिया निग्रीकैंस) जंगल में लुप्त** हो चुका है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

<u>मोनार्क तितलियां</u>

खबर में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने हाल में घोषणा की है कि मोनार्क तितलियां संकटग्रस्त प्रजाति कानून के अंतर्गत संघीय संरक्षण की हकदार हैं।

मोनार्क तितलियों के बारे में

- इन तितलियों का वैज्ञानिक नाम **डानाउस प्लेक्सीप्पस** है।

आवास

- मोनार्क तितलियां उत्तर और दक्षिण अमेरिका में पाई जाती हैं लेकिन वे अन्य गर्म स्थानों में भी फैली हुई हैं जहां मिल्कवीड उगती है।
- इन जनसंख्या हवाई, पुर्तगाल, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और ओसेनिया के अन्य स्थानों में भी पाई जाती है।
- इन तितलियों को उत्तर अमेरिका के पार हजारों मील तक निष्क्रमण के लिए जाना जाता है।

संरक्षण की स्थिति

- यह IUCN लाल सूची की संकटग्रस्त प्रजातियों के अंतर्गत "**मूल्यांकित नहीं**" की स्थिति में है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III-पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

<u>गैस्ट्रोडिया एग्नीसेलस</u>

खबर में क्यों है?

- हाल में, एक नया खोजा गया आर्किड जिसे गैस्ट्रोडिया एग्नीसेलस कहा जाता है, को दुनिया का सबसे बदसूरत आर्किड ठहराया गया है।

गैस्ट्रोडिया एग्नीसेलस के बारे में

- यह आर्किड मैगगास्कर के एक वन में पाया गया है।
- यह आर्किड अपने पोषण के लिए एक कवक पर निर्भर करता है और इसमें कोई पत्तियां और अन्य प्रकाश संश्लेषण ऊतक नहीं हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

हिमालियाई ट्रिल्लियम

खबर में क्यों है?

- **हिमालियाई ट्रिल्लियम** (ट्रिल्लियम गोवानियानम) **हिमालय की एक सामान्य जड़ी-बूटी है**, जिसे **अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) द्वारा 'संकटग्रस्त' घोषित** कर दिया गया है।

हिमालियाई ट्रिल्लियम के बारे में

- यह हिमालय की एक सामान्य जड़ी-बूटी है जिसे स्थानीय स्तर पर **नागचटरी** कहा जाता है।

वनस्पति

- यह समुद्री स्तर से **2,400-4,000 मी. की ऊंचाई** तक **हिमालय के शीतोष्ण और उप-अल्पाई क्षेत्र** में पाया जाता है।

प्रयोग

- इस जड़ी-बूटी का **पारंपरिक चिकित्सा में प्रयोग** किया जाता है जिसे **दस्त, घाव, त्वचा के फोड़े, सूजन, रक्त विषाक्तता और मासिक धर्म और यौन समस्याओं** के उपचार में प्रयोग किया जाता है।

वितरण

- **भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान** में यह प्रजाति पाई जाती है।
- **भारत में,** यह केवल चार राज्यों में ही पाई जाती है**- हिमाचल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, सिक्किम** और **उत्तराखंड।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

भारतीय सोन चिरैया

खबर में क्यों है?

- **पर्यावरण, वन एवं मौसम परिवर्तन मंत्रालय** (**MoEFCC**) ने **भारतीय वन्यजीव संरक्षण समिति (WCS)** के साथ मिलकर एक अनूठी पहल की है- ओवरहेड बिजली की लाइनों के लिए एक "**फायरफ्लाई बर्ड डाइवर्टर**" उन क्षेत्रों में जहां **भारतीय सोन चिरैया (GIB) की जनसंख्या** जंगलों में पाई जाती है।
- **फायरफ्लाई संसूचक** लगभग **6.5 किमी.** के **दो मार्गों में संस्थापित** किये गये हैं। यह स्थान **राजस्थान के पोखरण तहसील में चाचा से धोलिया के बीच** में है।

पृष्ठभूमि

- **मंत्रालय की 2019 की रिपोर्ट** में कहा गया कि **बिजली की लाइनें, विशेष रूप से उच्च वोल्ट वाली संप्रेषण लाइनें** जिनमें **बहु ओवरहेड तार** होते हैं, **थार क्षेत्र** में **भारतीय सोन चिरैया** के लिए वर्तमान में सबसे बड़ा खतरा हैं। ये असतत उच्च मृत्यु दर उत्पन्न कर रही हैं जो लगभग इनकी **जनसंख्या का 15%** है।

फायरफ्लाई बर्ड डाइवर्टर कैसे पक्षियों को मदद करते हैं?

- फायरफ्लाई बर्ड डाइवर्टर्स लोलक होते हैं जिन्हें बिजली की लाइनों में लगा देते हैं।
- पक्षी इन्हें 50 मी. की दूरी से देख सकते हैं और बिजली की लाइनों से टकराव रोकने के लिए अपनी उड़ान के पथ को परिवर्तित कर लेते हैं।
- डाइवर्टर्स को फायरफ्लाई कहते हैं क्योंकि वे दूर से जुगनू की तरह लगते हैं, रात में बिजली की लाइनों पर चमकते हैं।

भारतीय सोन चिरैया के बारे में

- यह **सबसे ज्यादा भारी उड़ने वाले पक्षियों** में से एक है जो **ऊंचाई में एक मी. तक पहुँच** सकती है।
- इसे **फ्लैगशिप घास के मैदान की प्रजाति** माना जाता है, जोकि **घास के मैदानों की पारिस्थितिकीयतंत्र के स्वास्थ्य** को निरुपित करती है।

संरक्षण की स्थिति

- **IUCN** की **लाल आंकड़ा सूची** के अंतर्गत इन्हें **गंभीर संकटग्रस्त के रूप में श्रेणीबद्ध** किया गया है।
- इन पक्षियों को **CITES परिशिष्ट के अंतर्गत संरक्षित** किया गया है।
- इन्हें **अनुसूची I वन्यजीवन संरक्षण कानून, 1972** के अंतर्गत संरक्षित किया गया है।

भारत में भारतीय सोन चिरैया के लिए संरक्षित क्षेत्र हैं-

- राजस्थान में **मरुस्थल राष्ट्रीय अभ्यारण्य**
- आंध्र प्रदेश में **रोल्लापाडु वन्यजीवन अभ्यारण्य**
- मध्य प्रदेश में **कारेरा वन्यजीवन अभ्यारण्य**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग

खबर में क्यों है?

- **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग** ने **गेल इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सरकार** के साथ **पाइप्ड प्राकृतिक गैस** की ओर **दिल्ली में प्रचालित हो रहे उद्योगों को बदलने** के लिए प्रगति पर समीक्षा की।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग के बारे में

- यह एक **वैधानिक प्राधिकरण** है जिसकी स्थापना **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR)** और आसपास के क्षेत्रों में **वायु गुणवत्ता के सुधार और वायु प्रदूषण से निपटने** के लिए की गई है।

संरचना

अध्यक्ष

- **आयोग का मुखिया एक पूर्णकालिक अध्यक्ष** है जोकि **भारत सरकार का सचिव** अथवा **किसी राज्य सरकार का मुख्य सचिव** रहा हो।
- **अध्यक्ष तीन वर्षों के लिए** अथवा जब तक वह **70 वर्ष का नहीं हो जाता** है, तब तक पद संभालेगा।

सदस्य

- इसके सदस्य **कई मंत्रालयों** से साथ ही इसके **प्रतिनिधि हितधारक राज्यों** से हैं।
- इसके **विशेषज्ञ CPCB, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** और **नागरिक समाज** के होंगे।

शक्तियां एवं कार्य

- आयोग को **वायु गुणवत्ता मानदंडों**, पर्यावरणीय प्रदूषक मानदंडों का पालन, कानून एवं व्यवस्था का उल्लंघन करने वाले परिसरों की जांच, कानून का पालन न करने वाले उद्योगों, संयंत्रों को बंद करने का आदेश देने की क्षमता प्रदान की गई है।
- आयोग सभी वर्तमान निकायों के अधिक्रमण का अधिकार होगा जैसे कि **CPCB** और यहां तक कि **हरियाणा, पंजाब, राजस्थान** और **उत्तर प्रदेश**।
- इसे राज्यों को निर्देश जारी करने का अधिकार होगा।
- **केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड** और **राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों** के बीच में **विवाद होने की स्थिति** में **आयोग के आदेश** ही माने जाएंगे।
- **असुरक्षित क्षेत्रों** में **उद्योगों की स्थापना** को **रोकने का इसको अधिकार** होगा और इसे **औद्योगिक इकाईयों की स्थल जांचों को करने का भी अधिकार** होगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

लद्दाख का त्सो कार नमभूमि परिसरः एक नया रामसर स्थल

खबर में क्यों है?

- **पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय** के अनुसार, भारत ने अपने **42वें रामसर स्थल के रूप** में **त्सो कार नमभूमि परिसर** को जोड़ा है। यह **लद्दाख के केंद्र शासित क्षेत्र (UT) का दूसरा इस तरह का स्थल** है।

लद्दाख के त्सो कार नमभूमि परिसर के बारे में

- **त्सो कार घाटी** एक **ऊंचाई वाला नमभूमि परिसर** है, जोकि **दो जुड़ी हुई झीलों** का प्रमुख उदाहरण है। ये दो झीलें हैं- **ताजाजल स्टार्टसापुक त्सो** और **अत्यधिक खारी त्सो कार**।

स्थान

- **स्टार्टसापुक त्सो**, एक **ताजाजल झील लगभग 438 हेक्टेयर दक्षिण** की ओर है, और **त्सो कार अपने आप में एक अति खारी झील** है, जो **1800 हेक्टेयर उत्तर** की ओर है। ये भारत के लद्दाख के **चांगथांग क्षेत्र में स्थित** हैं।

त्सो कार के बारे में

- इसे **त्सो कार** कहते हैं, जिसका अर्थ है **सफेद झील**, क्योंकि इसमें **अति खारे जल के वाष्पोत्सर्जन की वजह से सीमांतों** पर **सफेद लवणीय उत्फुल्लन** पाया जाता है।
- **त्सो कार घाटी पक्षी जीवन इंटरनेशनल के अनुसार A1 श्रेणी का महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र** है (IBA) और **केंद्रीय एशिया फ्लाईवे** में एक **प्रमुख स्टेजिंग स्थल** है।
- यह स्थल भारत में **काली गर्दन वाले सारसों** (ग्रुस निग्रीकोल्लिस) के **सबसे महत्वपूर्ण प्रजनन क्षेत्रों** में से एक है।

संबंधित सूचना

- हाल में, **काबरताल नमभूमि (बिहार)** और **आसन संरक्षण रिजर्व (उत्तराखंड)** को **क्रमशः 38वें व 39वें रामसर स्थलों** के रूप में नामित किया गया है।
- **कीथम** झील, जिसे **सुर सरोवर** भी कहते हैं और यह **आगरा, उत्तर प्रदेश** में स्थित है, को **भारत में 40वें रामसर स्थल के रूप में जोड़ा** गया है।

रामसर स्थल के बारे में

- **नमभूमियों पर समझौता** एक **अंतरसरकारी संधि** है जिसे **ईरानी शहर रामसर** में **2 फरवरी 1971** में अपनाया गया था। यह शहर **कैस्पियन सागर** के दक्षिणी तट पर स्थित है।
- वे **नमभूमि** जो **अंतरराष्ट्रीय महत्व** की हैं, को **रामसर स्थल** घोषित किया जाता है।
- **2 फरवरी** को **प्रत्येक वर्ष 'विश्व नमभूमि दिवस'** के रूप में मनाया जाता है।
- **समझौते का अभियान** है "पूरे विश्व में सतत विकास हासिल करने की ओर योगदान के रूप में स्थानीय एवं राष्ट्रीय कार्यों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के द्वारा सभी नमभूमियों का संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग करना"।

सचिवालय

- **रामसर समझौते का सचिवालय ग्लैंड, स्विट्जरलैंड** में स्थित है।

समझौते के निकाय

- **समझौता करने वाली पार्टियों** की सरकारी एजेंसी अर्थात राष्ट्रों को देशों के **'प्रशासनिक प्राधिकरण'** के रूप में जाना जाता है।
- वे रामसर **परियोजनाओं के राष्ट्रीय क्रियान्वयन** के समन्वय के लिए **राष्ट्रीय केंद्र बिंदु** की नियुक्ति करते हैं और **प्रतिदिन के केंद्र बिंदु** के रूप में कार्य करते हैं।
- प्रत्येक तीन वर्षों में, **पार्टियों, पार्टियों के सम्मेलन (CoP)** में मिलती हैं जिससे समझौते को प्रशासित किया जा सके।
- पार्टियों को जरूरी समर्थन देने के लिए **पांच अंतरराष्ट्रीय सांगठनिक साझीदार (IoPs)** होते हैं:

a. पक्षीजीवन इंटरनेशनल
b. प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ (IUCN)
c. अंतरराष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (IWMI)
d. नमभूमि इंटरनेशनल
e. प्रकृति के लिए विश्वव्यापी कोष (WWF)

रामसर समझौते में शामिल होने के लाभ

- नमभूमियों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए राष्ट्रीय स्तर की नीतियों और कार्यों के विकास को प्रोत्साहन।
- यह किसी देश के लिए यह अवसर उपलब्ध कराता है जिससे उसकी बात नमभूमियों के विवेकपूर्ण प्रयोग और संरक्षण पर मुख्य मंच पर सुनी जा सके।
- नमभूमियों के लिए प्रचार और सम्मान को बढ़ाता है।
- नमभूमियों पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाता है और नमभूमि की राष्ट्रीय एवं स्थल संबंधित समस्याओं, संरक्षण एवं प्रबंधन पर विशेषज्ञों की सलाह तक पहुँच बनाता है।
- समझौते के छोटे अनुदान कोष के द्वारा वित्तीय मदद तक पहुँच बनाता है।
- समझौते की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत मानकों के अनुप्रयोग पर सूचना और सलाह तक पहुँच बनाता है। इसमें नमभूमियों में विवेकपूर्ण संकल्पना के प्रयोग और प्रबंधक नियोजन के अनुप्रयोग पर दिशा-निर्देश शामिल हैं।

समझौते के अंतर्गत कर्तव्य

- **अंतरराष्ट्रीय महत्व के नमभूमियों की सूची** में शामिल होने के लिए स्थलों की संस्तुति।
- **नमभूमियों के विवेकपूर्ण प्रयोग** को सुनिश्चित करना।
- **रिजर्वों की स्थापना करना और नमभूमि शोध, प्रबंधन और वार्डेनिंग में प्रशिक्षण को प्रोत्साहित** करना।

मॉन्ट्रियू रिकार्ड के बारे में

- मॉन्ट्रियू रिकार्ड अंतरराष्ट्रीय **महत्व की नमभूमियों की सूची पर नमभूमि का रजिस्टर** है जहां **पारिस्थितिकीय चरित्र** में परिवर्तन हुआ है, हो रहा है अथवा **तकनीकी विकास, प्रदूषण** अथवा अन्य **मानव हस्तक्षेपों** की वजह से इसके होने की संभावना है।
- इसे **रामसर सूची** के हिस्से के रूप में रखा जाता है।
- वर्तमान में, **भारत के दो नमभूमि मॉन्ट्रियू रिकार्ड** में हैं: **केवलादेव राष्ट्रीय अभ्यारण्य (राजस्थान) और लोकतक (मणिपुर)।**
- **चिलिका झील (ओडीशा)** को भी रिकार्ड में डाला गया था लेकिन **बाद में उसे हटा दिया गया** था।

नोटः

- **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन** (UNESCO) समझौते के लिए **डिपॉजिचरी 1** के रूप में कार्य करता है, लेकिन **रामसर समझौता** पर्यावरणीय समझौतों के लिए **संयुक्त राष्ट्र** और UNESCO प्रणाली का हिस्सा नहीं है।

विषय- सामान्य अध्ययन III- पर्यावरण

स्रोत- दि हिंदू बिजीनेस लाइन

CO_2 उत्सर्जन घटाने के लिए कार्बन कैप्चर तकनीक सही रास्ते पर नहीं

खबर में क्यों है?

- **अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA)** की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2010-2020 के बीच में **कार्बन कैप्चर एवं भंडारण** (CCS) के **विकास** पर **वैश्विक प्रगति ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जनों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने** और **निवल शून्य उत्सर्जन** को हासिल करने का लक्ष्य जिससे **2050 तक वैश्विक उष्णता को 1.5^0 सेल्सियस से नीचे रखा** जा सके, **सही मार्ग पर नहीं** है।

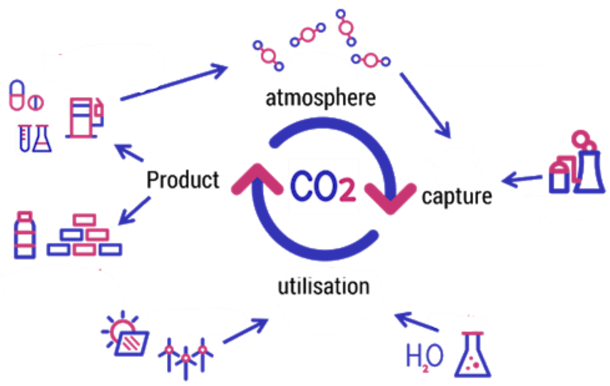

क्या है कार्बन कैप्चर उपयोग और भंडारण (CCUS)?

- CCUS तकनीक को जीवाश्मीय ईंधनों के ज्वलन से **कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जनों को कैप्चर** करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- यह वायुमंडल में मौजूद **85-95 प्रतिशत तक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जनों को अवशोषित** कर सकता है।
- यह प्रक्रिया **उत्पन्न कार्बन डाईऑक्साइड के कैप्चर** के साथ शुरू होती है जोकि संघनित तरल को निर्मित करने के लिए **संघनन प्रक्रिया** से गुजरता है।
- इससे **कैप्चर किये गये कार्बन डाईऑक्साइड के परिवहन और भंडारण** की समस्या सुलझ जाती है।
- **घने तरल को पाइपलाइनों के द्वारा परिवहन** किया जाता है और तब इसे **भूमिगत भंडारण सुविधा में डाल** दिया जाता है।
- **कैप्चर की गई कार्बन डाईऑक्साइड** का प्रयोग एक **कच्चे पदार्थ** के रूप में **बाइकार्बोनेट्स जैसी अन्य औद्योगिक प्रक्रियाओं** में भी किया जा सकता है।

CCS इतना जरूरी क्यों है?

IPCC रिपोर्ट

- **संयुक्त राष्ट्र अंतरसरकारी मौसम परिवर्तन पैनल** (IPCC) की **वैश्विक उष्णता पर विशेष रिपोर्ट 1.5 डिग्री सेल्सियस तक वैश्विक तापमान बढ़ोत्तरी को सीमित** करने के लिए चार परिदृश्यों को प्रस्तुत करती है।
- सभी में **कार्बन डाईऑक्साइड को हटाने** की बात कही गई है जबकि तीन में **CCS के बड़े प्रयोग की** बात कही गई है।

<u>निवल शून्य उत्सर्जनों तक संक्रमण को हासिल करने के लिए सहायता</u>

- **सीमेंट, आयरन** एवं **इस्पात और रासायन क्षेत्र** अपने **औद्योगिक प्रक्रियाओं** और **उच्च तापमान जरूरतों** की वजह से **कार्बन का उत्सर्जन** करते हैं।
- उनका **डिकार्बनीकरण करना काफी मुश्किल** कार्य है।
- **निवल CCS** निवल शून्य की ओर बढ़ते हुए स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को **सतत योगदान** करने के संदर्भ में उद्योगों को **सही संक्रमण की अनुमति** दे सकते हैं।

अल्प कार्बन हाइड्रोजन का उत्पादन

- यह **कोयले अथवा प्राकृतिक गैस से अल्प कार्बन हाइड्रोजन उत्पादित करने का किफायती तरीका** है।

CCS पर वैश्विक प्रगति

INDCs से अनुपस्थिति

- CCS अधिकांश देशों के **राष्ट्रीय स्तर पर उद्दिष्ट निर्धारित योगदान (INDCs)** से अनुपस्थित है।
- इस तरह से **राष्ट्रीय नीतियों ने CCS** को **आशावादी तकनीक के रूप में स्वीकार नहीं** किया है।

कम CCS सुविधाएं

- **वैश्विक CCS संस्थान** की **नवीनतम रिपोर्ट** के अनुसार, 2020 तक, केवल **26 प्रचालनीय सुविधाएं** थीं जोकि **प्रतिवर्ष 36-40 मिलियन टन कार्बन को कैप्चर** करता है।
- **विश्वव्यापी 26** CCS **सुविधाओं में से, 24 उद्योगों** में हैं, और **दो कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्र** हैं।
- **भंडारण और परिवहन की लागत CCS के क्रियान्वयन में प्रमुख रुकावटों** में से एक हैं।

भारत में CCS

- **भारत** में **CCS की व्यावसायिक उपलब्धता औद्योगीकृत देशों में तकनीक के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन पर निर्भर** करता है जोकि **वर्तमान में खराब स्थिति** में है।
- भारत में **कोयला आधारित ऊर्जा** के लिए **दीर्घावधि CCS रणनीति की सबसे महत्वपूर्ण जरूरत विश्वसनीय कार्बन डाईऑक्साइड भंडारण क्षमता आकलन** है।
- उद्योग, विशेष रूप से **इस्पात एवं सीमेंट** अपने **उत्सर्जन घटाने की महत्वाकांक्षा** के भाग के रूप में **सक्रिय रूप से CCS** का **अनुसरण** करने का प्रयास कर रहे हैं।

सरकारी पहल

CO_2 अनुसंधान पर राष्ट्रीय कार्यक्रम

- **भारत के विज्ञान एवं तकनीक विभाग** ने **कार्बन डाईऑक्साइड भंडारण अनुसंधान** पर एक राष्ट्रीय कार्यक्रम की स्थापना की है।

उद्योग का चार्टर

- **सितंबर 2020 में,** 2050 तक लगभग शून्य उत्सर्जनों के लिए **उद्योग के चार्टर** को **छह भारतीय कंपनियों** ने स्वीकार किया था जोकि **विभिन्न डिकार्बनीकरण उपायों** को खोजने का प्रयास करेंगी जिसमें **कार्बन अधिग्रहण** भी शामिल है।

ACT पहल

- यह **16 देशों की एक अंतरराष्ट्रीय पहल** है जिसका उद्देश्य **लक्षित नवाचार एवं अनुसंधान गतिविधियों** के द्वारा CCUS **तकनीक को तीव्र और परिपक्व** करके परियोजनाओं के **अंतरदेशीय वित्तीयन** के द्वारा **CCUS** के उभार को सुगम बनाना है।
- **अगस्त 2020** में, भारत ने **CCS अनुसंधान, विकास, पाइलट एवं प्रदर्शन परियोजनाओं को समर्थन** करने के प्रस्ताव के लिए एक आह्वान किया जोकि **CCS तकनीकों (ACT) पहल** को तीव्र करने का हिस्सा है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

बीबीएक्स 11 जीन

खबर में क्यों है?

- हाल में, **भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (IISER)** के अनुसंधानकर्ताओं ने एक **जीन BBX11 की पहचान** की है।

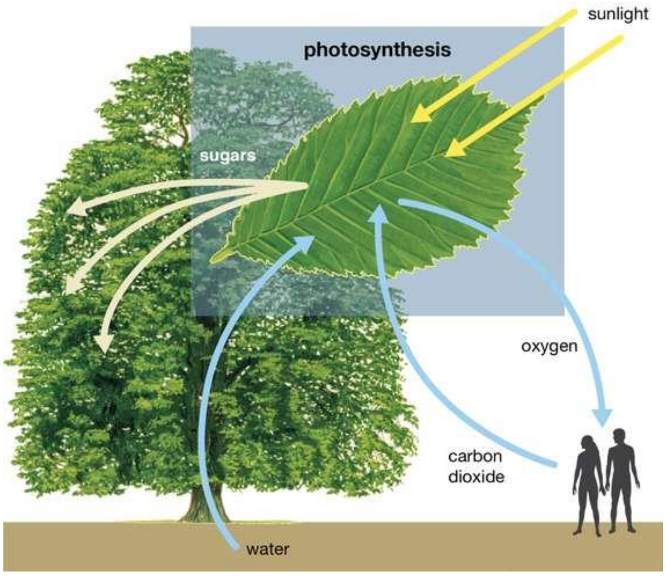

बीबीएक्स11 जीन के बारे में

- यह एक **जीन है** जो **प्रोटोक्लोरोफिलाइड स्तरों को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा** करके **पौधों के हरे होने को सुगम बनाता** है। **अनुवांशिक, आणविक** और **जैवरासायनिक तकनीकों** का प्रयोग करके, अनुसंधानकर्ताओं ने एक तंत्र की खोज की है जहां **दो प्रोटीन विपरीत रूप** से **BBX11 जीन को विनियमित करती** हैं जिससे **बीबीएक्स11 का अनुकूलतम स्तर** बना रहे।
- अध्ययन ने दिखलाया है कि **प्रोटोक्लोरोफिलाइड की संश्लेषित मात्रा** के **एंजाइमों की संख्या के समानुपातिक** होने की जरूरत होती है जोकि उन्हें **क्लोरोफिल में परिवर्तित** करने के लिए उपलब्ध होती हैं।

संबंधित सूचना

प्रोटोक्लोरोफिलाइड के बारे में

- यह **हरे पिगमेंट क्लोरोफिल** के **जैवसंश्लेषण में मध्यवर्ती की** भूमिका निभाता है।
- पौधे **क्लोरोफिल के अग्रदूत** को बनाते हैं जिसे '**प्रोटोक्लोरोफिलाइड**' कहते हैं। इसका निर्माण अंधेरे में होता जिससे **क्लोरोफिल के तीव्र संश्लेषण** को सुगम बनाया जा सके।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

कोलार लीफ नोस्ड चमगादड़

खबर में क्यों है?

- **भारतीय चमगादड़ संरक्षण न्यास**, जिसे एक **संरक्षण योजना बनाने की जिम्मेदारी दी गई है**, को चमगादड़ों की कोलार लीफ नोस्ड प्रजातियों के बारे में और **अनुसंधान करने के लिए अनुदान दिया गया** है।

कोलार लीफ नोस्ड चमगादड़ के बारे

- यह **हिप्पोसिडेरीडेई** परिवार में चमगादड़ की एक प्रजाति है।
- यह **भारत की स्थानिक** है और वर्तमान में **कर्नाटक के कोलार जिले में हनुमानहल्ली गांव में दो गुफाओं** में ही पाई जाती है।
- **हाल के अनुमानों** के अनुसार, इन गुफाओं में मात्र **150 कोलार लीफ नोस्ड चमगादड़** ही बचे हैं।

संरक्षण की स्थिति

- ये **IUCN** की **लाल सूची** में **गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में अधिसूचित** हैं।

संबंधित सूचना

भारतीय चमगादड़ संरक्षण न्यास के बारे में

- यह एक **गैर लाभकारी संगठन** है जिसकी **परिकल्पना आवासों के संरक्षण के द्वारा भारत में चमगादड़ प्रजातियों के संरक्षण** के लिए की गई थी।

अभियान

- पूरे भारत में **समुदायों, वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं, सरकार** और **संगठनों** के साथ साझीदारी के द्वारा इसके **आवासों और चमगादड़ों को संरक्षित और सुरक्षित** करना।

नोटः

- **चमगादड़शास्त्री** (चिरोपटेरोलॉजिस्ट) वे होते हैं जो **चमगादड़ों का अध्ययन** करते हैं (उड़ने वाले स्तनपायी)।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

शूलपनेश्वर वन्यजीवन अभ्यारण्य

खबर में क्यों है?

- हाल में, **आदिवासी समुदायों** ने **प्रधानमंत्री से आग्रह** किया है कि वे **नर्मदा जिले में शूलपनेश्वर वन्यजीवन अभ्यारण्य के चारों ओर 121 गांवों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत करने की केंद्र की अधिसूचना** को वापस ले लें।

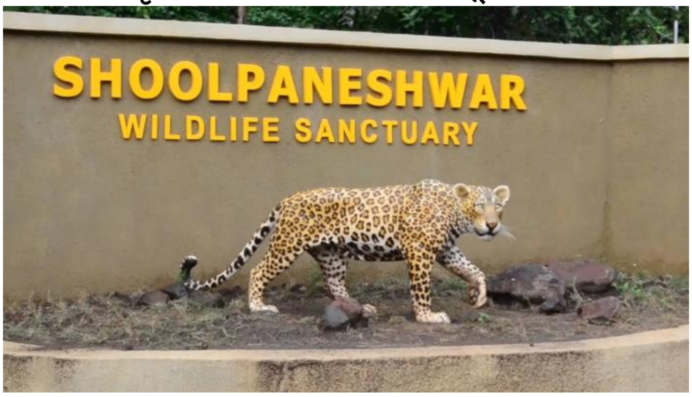

शूलपनेश्वर वन्यजीवन अभ्यारण्य के बारे में

- यह **गुजरात राज्य में एक संरक्षित क्षेत्र** है, जो **नर्मदा नदी के दक्षिण में पश्चिमी सतपुड़ा श्रृंखला में स्थित है।**
- यह **मध्य प्रदेश** और **महाराष्ट्र के साथ समान सीमा साझा** करता है।
- **जरवानी जल प्रपात इस अभ्यारण्य के काफी अंदर स्थित** है।

संबंधित सूचना

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र के बारे में

- **पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र अथवा पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से कमजोर क्षेत्र** वे क्षेत्र हैं जोकि **संरक्षित क्षेत्रों, राष्ट्रीय पार्कों** और **वन्यजीवन अभ्यारण्यों के चारों ओर 10 किमी. के दायरे** में होते हैं।
- इसकी अधिसूचना **पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC), भारत सरकार** द्वारा की जाती है। यह **पर्यावरण संरक्षण कानून 1986** के अंतर्गत आता है।
- **संवेदनशील गलियारों, कनेक्टीविटी और पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण क्षेत्रों**, जो कि परिदृश्य लिंकेज के लिए जरूरी हैं, यहां तक कि वे क्षेत्र जो **10 किमी. की चौड़ाई के बाहर** हैं, को भी **पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र** माना जा सकता है।
- इसका **प्राथमिक लक्ष्य राष्ट्रीय पार्कों और वन्यजीवन अभ्यारण्यों के चारों ओर कुछ गतिविधियों को विनियमित करना** है। जिससे **ऐसी गतिविधियों का नकारात्मक प्रभाव संरक्षित क्षेत्रों को आच्छादित करने वाले कमजोर पारितंत्र में न्यूनतम किया** जा सके।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

भूगोल सम्बन्धी मुद्दे

<u>**माउंट इली लेवोटोलोक**</u>

खबर में क्यों है?

- हाल में, **माउंट इली लेवोटोलोक,** जो **पूर्वी इंडोनेशिया में एक ज्वालामुखी है, फट** गया।

माउंट इली लेवोटोलोक के बारे में

- यह **इंडोनेशिया** में **पूर्व नुसा टेग्गारा प्रांत** में **लेम्बाता द्वीप** पर स्थित है।
- यह **पहाड़ इंडोनेशिया में फटने वाले तीन ज्वालामुखियों में से एक** है। इसके अतिरिक्त **जावा द्वीप में मेरापी** और **सुमात्रा द्वीप पर सीनाबंग** भी फट रहे हैं।

- **इंडोनेशिया में 120 से ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखी** हैं जोकि **भूकंपीय उथल-पुथल** वाले हैं क्योंकि वे **प्रशांत पर "रिंग ऑफ फायर"** पर स्थित हैं, यह प्रशांत महासागर के चारों ओर **ज्वालामुखियों और भ्रंश रेखाओं** का चाप है।
- **माउंट इली लेवोटोलोक अक्टूबर** 2017 से **फटता ही रहता** है।

संबंधित सूचना

प्रशांत रिंग ऑफ फायर के बारे में

- **रिंग ऑफ फायर** मोटे तौर पर ज्वालामुखियों और भूकंपीय रूप से सक्रिय स्थलों की **25,000 मील की श्रृंखला** है। यह **प्रशांत महासागर में स्थित** है।

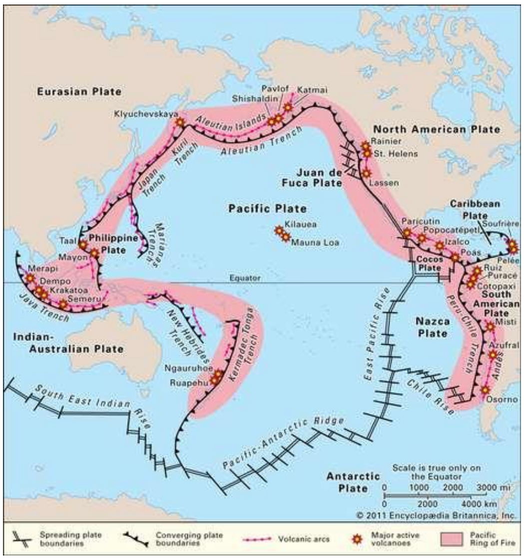

- इसे **सरकम-प्रशांत पट्टी** भी कहा जाता है।
- **रिंग ऑफ फायर एक प्रशांत क्षेत्र** है जहां **450 से ज्यादा ज्वालामुखी** जिसमें **दुनिया के चार सबसे ज्यादा सक्रिय ज्वालामुखियों में से 3 स्थित** हैं- **संयुक्त राज्य अमेरिका में माउंट सेंट हेलेन्स, जापान में माउंट फूजी और फिलीपींस में माउंट पिनाटुबो।**
- **दुनिया के लगभग 90% भूकंप रिंग ऑफ फायर** में ही आते हैं, और **दुनिया के सबसे बड़े भूकंप भी यहीं आते** हैं।
- **रिंग ऑफ फायर** कई **टेक्टोनिक प्लेटों के मिलन बिंदु** पर है जिसमें **यूरेशियाई, उत्तरी अमेरिकी, जुआन दि फुका, कोकोज, कैरेबियाई, नाज्का, अंटार्कटिक, भारतीय, आस्ट्रेलियाई, फिलीपींस** और अन्य छोटी प्लेटें शामिल हैं, जोकि **बड़ी प्रशांत प्लेट** को चारों ओर से घेरती हैं।

रिंग ऑफ फायर का निर्माण कैसे हुआ?

- **रिंग ऑफ फायर** हल्की महाद्वीपीय प्लेटों के नीचे **महासागरीय टेक्टोनिक प्लेटों के निम्नस्खलन** के फलस्वरूप उत्पन्न हुआ है।
- वह क्षेत्र जहां ये **टेक्टोनिक प्लेटें** मिलती हैं उसे **निम्नस्खलन क्षेत्र** कहा जाता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I-भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

बुरेवी चक्रवात

खबर में क्यों है?

- भारतीय मौसम विभाग **(IMD)** ने चक्रवात बुरेवी से तमिलनाडु और केरल में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है।

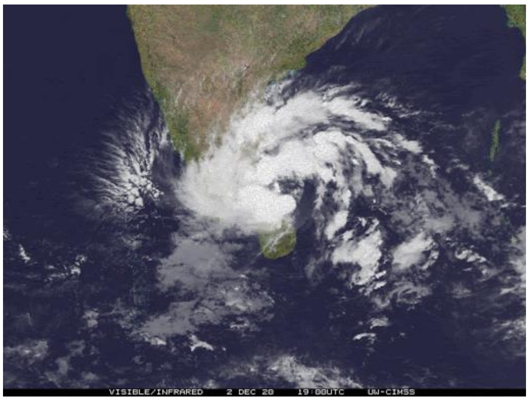

चक्रवात बुरेवी के बारे में

- बुरेवी नाम मालदीव ने दिया है।

संबंधित सूचना

चक्रवात का नाम कैसे रखा जाता है?

- **2000** में, विश्व मौसम संगठन **(WMO)** और एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग **(UNESCAP)** ने एक सुव्यवस्थित तरीके से बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में आने वाले उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का नामकरण करना स्वीकार किया।

- उत्तर हिंद महासागर के ऊपर उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का नामकरण सितंबर 2004 से शुरू हुआ।
- आठ सदस्यों द्वारा उपलब्ध कराए गए नामों से अर्थात बांग्लादेश, भारत, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड और बाद में ईरान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और यमन भी 2018 में इस पैनल में शामिल हो गए।
- इन सभी 13 सदस्यों में से प्रत्येक ने 13 नाम सुझाये जिससे कुल 169 नाम हो गए।
- नई सूची में, भारत ने गति, तेज, मुरासू, आग, व्योम, झार, प्रोभावो, नीर, प्राभंजन, घुरनी, अंबुद, जलाधि और वेग जैसे नाम सुझाये।
- सामान्य तौर पर, उष्णकटिबंधीय चक्रवातों को क्षेत्रीय स्तर पर नियमों के अनुसार नाम दिया जाता है।
- उत्तर हिंद महासागर बेसिन में, नाम देशवार अक्षरों के अनुसार और लिंगवार निष्क्रिय होते हैं।
- क्षेत्रीय विशेषीकृत मौसम केंद्र (**RSMC**) अर्थात भारतीय मौसम विभाग, बेसिन में नामों की सूची से चक्रवातों का नाम देता है।
- यदि एक चक्रवात विशेष रूप से मारक अथवा खर्चीला है, तो उसका नाम हटा दिया जाता है और किसी अन्य नाम से विस्थापित कर दिया जाता है।
- इस चक्रवात के लिए कई नाम सुझाये गए जैसे निसर्ग को बांग्लादेश द्वारा दिया गया जबकि भारत ने गति नाम सुझाया।

चक्रवातों का नामकरण क्यों किया जाता है?

- पूर्व में चक्रवातों की पहचान अक्षांश देशांतर संख्याओं का प्रयोग करके की जाती थी।
- यह विधि त्रुटियों से भरपूर थी और अक्सर भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी।
- इसलिए बाद में **WMO** ने चक्रवातों को छोटे व विशिष्ट नाम देना शुरू किया।
- विश्व मौसम संगठन (**WMO**) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, देशों को अपने क्षेत्र में चक्रवातों का नाम देना जरूरी है।

चक्रवातों का नामकरण

- चेतावनी संदेश में तूफान की जल्दी पहचान में मदद करता है।
- वृहद स्तर पर बिखरे हुए स्टेशनों, तट आधारों और समुद्र में जहाजों के बीच में विस्तृत तूफान की सूचना का विनिमय आसान हो जाता है।
- संख्याओं की अपेक्षा नाम याद रखना आसाना होता है।
- मीडिया के लिए उष्णकटिबंधीय चक्रवातों पर रिपोर्ट करना आसान हो जाता है, जोखिमों और सामुदायिक तैयारी में दिलचस्पी को बढ़ाता है।
- सरकार के लिए चक्रवात की पहचान आसान हो जाती है और इसके बारे में जागृति पैदा होती है।

कुछ चक्रवातों का नाम होगा

- **निसर्गः** बांग्लादेश द्वारा सुझाया गया
- **गतिः** भारत द्वारा सुझाया गया

- **निवारः** ईरान द्वारा सुझाया गया
- **बुरेवीः** म्यांमार द्वारा सुझाया गया
- **टाउकटेईः** म्यांमार द्वारा सुझाया गया
- **यासः** ओमान द्वारा सुझाया गया

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र **I-** भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस, **TOI**

भासन चार

खबर में क्यों है?

- भासन चार, वह स्थल है जहां बांग्लादेश ने कॉक्स बाजार के अत्यधिक भीड़भाड़ वाले कैम्पों से रोहिंग्या शरणार्थियों को भेजना शुरू कर दिया है। यह एक द्वीप है जिसका निर्माण तट के करीब तलछटीकरण से हुआ है (चार बंगाली में तलछट को कहते हैं)।

पृष्ठभूमि

- यह आकलन किया गया है कि 8 लाख से ज्यादा रोहिंग्या, जो 2016 में म्यांमार के राखिन प्रांत से सेना के अत्याचारों की वजह से भागे थे, कॉक्स बाजार के कैम्पों में अस्वास्थ्यकारी स्थितियों में रहते हैं।
- बांग्लादेश की योजना भासन चार में कुछ एक लाख शरणार्थियों को भेजने की है, जोकि मुख्यभूमि पर नोआखोली से 39 किमी. की दूरी पर है।
- इस योजना को 2017 से बनाया जा रहा है।

भासन चार के बारे में

- यह मेघना नदी के मुख पर स्थित है जहां से वह बहकर बंगाल की खाड़ी में पहुँचती है; भासन चार नदी द्वारा तलछट के जमा होने से केवल 2006 में ही उभर कर आई है।

- भासन चार एक द्वीप कम कीचड़ की समतल भूमि ज्यादा है, और ज्वार और बाढ़ से इसके जल के भीतर जाने की संभावना है।
- मानसून में इसका अधिकांश हिस्सा जलमग्न रहता है।
- **भासन चार केवल 40 वर्ग किमी. में है।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल

स्रोत- द हिंदू

किलुआ ज्वालामुखी

खबर में क्यों है?

- हाल में **हवाई के बिग द्वीप** पर किलुआ ज्वालामुखी फटा जिसके बाद एक भूकंप आया।

किलुआ ज्वालामुखी के बारे में

- किलुआ एक **सक्रिय शील्ड ज्वालामुखी** है जो **हवाई द्वीप** पर स्थित है।
- इसे **किलुआ पहाड़ी** भी कहा जाता है जोकि **संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई द्वीप** के **दक्षिण-पूर्वी भाग पर हवाई ज्वालामुखीय राष्ट्रीय पार्क** पर स्थित है।

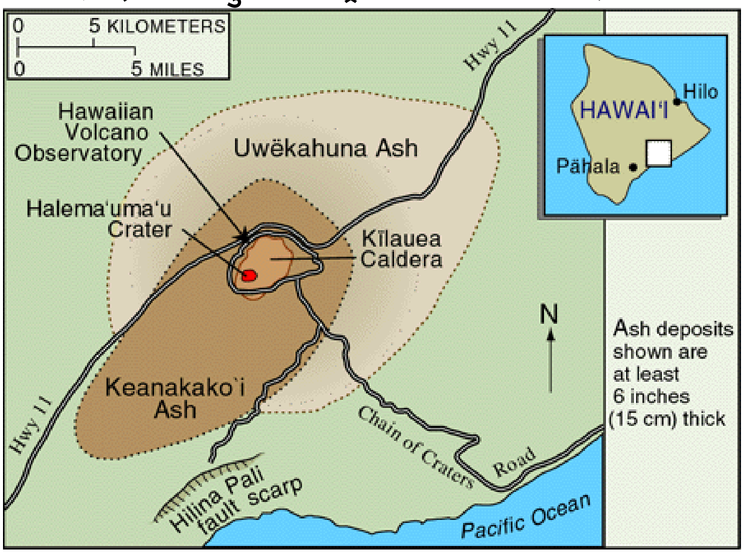

- यह **पांच ज्वालामुखियों में सबसे ज्यादा सक्रिय** है जो **हवाई द्वीप का निर्माण** करते हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- भूगोल, स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

योजनायें, रिपोर्ट एवं समितियां

मिशन कोविड सुरक्षा

खबर में क्यों है?

- **भारत सरकार (GOI)** ने **मिशन कोविड सुरक्षा के लिए तीसरे प्रोत्साहन पैकेज- भारतीय कोविड-19 वैक्सीन विकास मिशन** की घोषणा की है।
- यह अनुदान **भारतीय कोविड-19 वैक्सीनों के अनुसंधान और विकास** के लिए **जैवतकनीक विभाग (DBT)** को उपलब्ध कराया जाएगा।

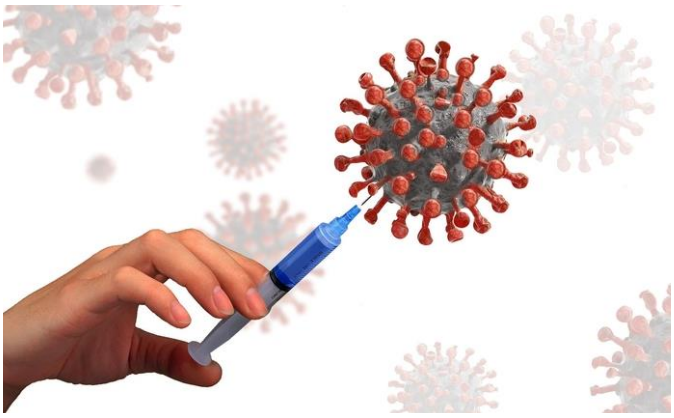

मिशन कोविड सुरक्षा के बारे में

उद्देश्य

- कोविड-19 वैक्सीन विकास के समर्थन के लिए वर्तमान **इम्युनोएस्से प्रयोगशालाओं, केंद्रीय प्रयोगशालाओं** और पशु अध्ययनों के लिए उपयुक्त सुविधाओं, उत्पादन सुविधाओं और अन्य परीक्षण सुविधाओं को मजबूत करके और **क्लीनिकल परीक्षण स्थलों की स्थापना** करके **प्रीक्लीनिकल और क्लीनिकल विकास** को तीव्र करना।
- अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य **मानक सामंजस्य वाले प्रोटोकॉलों**, प्रशिक्षण, आंकड़ा प्रबंधन प्रणालियों, विनियमन प्रस्तुतीकरण, आंतरिक और बाहय गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और प्रमाणन को समर्थन करना है।
- इसका लक्ष्य हमारे देश के लिए **स्वदेशी, वहनीय, पहुँच वाली वैक्सीन का विकास** करना है और यह **आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय मिशन का संपूरक** होगा।

क्रियान्वयन

- इस **मिशन का नेतृत्व जैवतकनीक विभाग** द्वारा किया जा रहा है और इसका क्रियान्वयन एक समर्पित **जैवतकनीक उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (BIRAC)** में **मिशन क्रियान्वय इकाई** द्वारा किया जा रहा है।

संबंधित सूचना

जैवतकनीक उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद के बारे में

- यह **गैर लाभकारी राज्य के स्वामित्व वाला उद्यम** है जो **जैवतकनीक विभाग** के अंतर्गत है। इसका उद्देश्य उभरते हुई **बायोटेक कंपनियों को रणनीतिक** रूप से सशक्त करना है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन (महत्वपूर्ण योजना)

स्रोत- PIB

ओरुनोदोई योजना

खबर में क्यों है?

- **असम सरकार** ने ओरुनोदोई **योजना** की शुरुआत की है जो एक वृहद् **लाभकारी योजना** है जिसके द्वारा **दिसंबर 1, 2020** से **पूरे राज्य के 22 लाख परिवारों को कवर** किया जाएगा।

ओरुनोदोई योजना के बारे में

- यह **स्वतंत्रोत्तर असम की सबसे बड़ी योजना** है क्योंकि यह योजना **महिलाओं की भूमिका को मजबूत** करेगी। इसके द्वारा परिवारों की महिलाओं के **बैंक खातों में धन को जमा** किया जाएगा।
- इस योजना की **घोषणा 2020-21 के राज्य बजट** में की गई थी।

प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) योजना

- यह **राज्य** की **नकद हस्तांतरण योजना** है जिसमें **लाभ प्राप्त करने वाला** अपने **बैंक खातों में प्रति महीने रु. 830 प्राप्त** करेगा।
- यह **मासिक सहायता** किसी परिवार को **रु. 400 प्रतिमाह की दवाओं**, **रु. 200 मूल्य की चार किलो दालों के लिए 50% सब्सिडी, शक्कर के लिए रु. 80** और **रु. 150 मूल्य के जरूरी सब्जियों और फलों** के लिए दी जाएगी।
- इस योजना को **29 जिलों में शुरू** किया जाएगा।

ओरुनोदोई योजना का महत्व

- यह **अपने प्रकार की पहली पहल** है क्योंकि **राज्य सरकार ने वृहद् नकद हस्तांतरण कार्यक्रम को लागू** किया है जोकि **प्रधानमंत्री सार्वभौमिक मूल आय पहल** के काफी करीब है।

- यह **अपने प्रकार की देश में पहली योजना** है क्योंकि किसी अन्य राज्य ने **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) योजना** के उच्च आच्छादन को नहीं किया था और ना ही कोई योजना इसके द्वारा किये जा रहे **नकद हस्तांतरण की लागत** की मुकाबला कर सकती है।
- यह **गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम** के प्रति दृष्टिकोण में मूलभूत परिवर्तन को परिलक्षित करता है जहां **गरीब परिवारों को अच्छा नकद हस्तांतरण** उन्हें **स्वास्थ्य और पोषण पर धन खर्च** करने के लिए **बुद्धिमानीपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम** बनाएगा।
- यह **महिला सशक्तिकरण** के लिए **राज्य सरकार द्वारा सबसे सघन कार्यक्रम** है क्योंकि वे **प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करने वाले** होंगे।
- **विधवा, गैरविवाहित अथवा तलाकशुदा महिलाएं** और **शारीरिक रूप से अशक्त** को सामान्य रूप से कई **परिवारों में बोझ** समझा जाता है, लेकिन यह सुनिश्चित करेगा कि वे **बोझ** नहीं हैं। **आज भी वे बहुमूल्य हैं और परिवार में उनकी स्थिति में सुधार** होगा।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन (महत्वपूर्ण योजना)

स्रोत- PIB

उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन विकास (MOVCD-NER)

खबर में क्यों है?

- **अरुणाचल प्रदेश देश में पहला** है जहां **उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन विकास (MOVCD-NER)** के अंतर्गत **किवी को ऑर्गेनिक प्रमाणन** दिया गया है।

अरुणाचल की किवी के बारे में

- यह **फल अरुणाचल प्रदेश की जिरो घाटी में खूब उगता** है।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन विकास (MOVCD-NER) के बारे में

- यह एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना** है, **सतत कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन (NMSA)** के अंतर्गत **उप-मिशन** है, जिसे **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** ने शुरू किया है।
- इसका **क्रियान्वयन अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा** में 12वीं योजना काल के दौरान किया गया। इस **योजना का लक्ष्य वैल्यू चेन मोड** में **प्रमाणीकृत आर्गेनिक उत्पादन** का विकास करना है जिससे **उत्पादनकर्ता उपभोक्ताओं से जुड़** जाएं और **पूरे वैल्यू चेन के विकास** का समर्थन करना भी है जिसमें **इनपुट, बीज,**

प्रमाणीकरण से लेकर संग्रहण, एकत्रीकरण, प्रसंस्करण, विपणन और ब्रांड निर्माण पहल तक शामिल हैं।

मिशन के उद्देश्य

- **फसल वस्तु विशेषीकृत ऑर्गेनिक वैल्यू चेन का विकास** करना और **ऑर्गेनिक फसल उत्पादन**, वनीय फसल खेती, ऑर्गेनिक पशु प्रबंधन और प्रसंस्करण संभालना और ऑर्गेनिक कृषीय उत्पादों के विपणन में **अंतरालों को सुलझाना** है, जिसके लिए किया जाएगाः
- जरूरी अवसंरचना, तकनीक और वित्तीय समर्थन के साथ फसल विशेषीकृत आर्गेनिक उत्पादन क्लस्टरों का विकास करना
- किसानों और आर्गेनिक व्यवसायों के बीच में साझीदारी को प्रोत्साहित करकेः स्थानीय उद्यम और किसान उत्पादक कंपनियां जो घरेलू और निर्यात बाजारों में बैक टू बैक दीर्घावधि व्यापार संबंधों पर आधारित हैं।
- परियोजना की पहल और विकास कार्यक्रमों के लिए सक्षम पर्यावरण उपलब्ध कराना। इसके लिए आर्गेनिक वैल्यू चेन विकास के वास्ते जरूरी समर्थन होगा और बाजार तक पहुँच बनाना।

ऑर्गेनिक प्रमाणीकरण के बारे में

- एक **कृषीय प्रथा/उत्पाद** उस समय आर्गेनिक माना जाता है जब उसकी **खेती की प्रक्रिया** में किसी **रासायनिक खादों या कीटनाशकों की कोई भूमिका** नहीं होती है।
- **भारत में ऐसे प्रमाणपत्रों** को **कृषीय और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण** (**APEDA**) जो कि एक विनियामक निकाय द्वारा **कड़े वैज्ञानिक आकलन के द्वारा** प्राप्त किया जा सकता है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II-शासन (महत्वपूर्ण योजना)

स्रोत-PIB

विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2020

खबर में क्यों है?

- विश्व स्वास्थ्य संगठन **(WHO)** द्वारा जारी की गई विश्व मलेरिया रिपोर्ट (**WMR)**, जो पूरी दुनिया में मलेरिया के अनुमानित मामलों को देता है, जो कि गणितीय अनुमानों पर आधारित हैं, इंगित करते हैं कि भारत ने अपने मलेरिया बोझ को कम करने में काफी प्रगति की है।

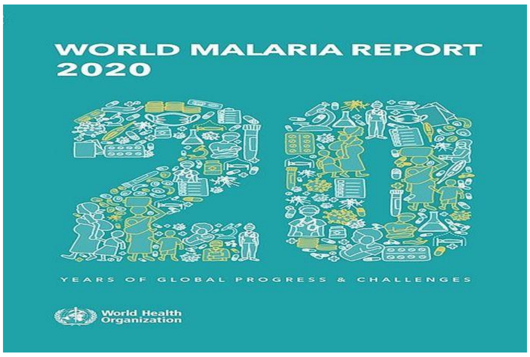

रिपोर्ट की खास बातें

- दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों ने काफी प्रगति की है, जिससे मामलों और मृत्यु में क्रमशः 73% और 74% की कमी हुई है।
- रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र में कुल वैश्विक मामलों के 3% मामले हैं।
- रिपोर्ट कहती है 11 सबसे ज्यादा मलेरिया प्रभावित देश- बुर्कीनो फासो, कैमरून, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, घाना, भारत, माली, मोजाम्बिक, नाइजर, नाइजीरिया, उगांडा और तंजानिया- में कुल वैश्विक मामलों के 70% मामले हैं और यहां कुल वैश्विक की 71% मौतें भी होती हैं।

भारत और रिपोर्ट

- भारत केवल उच्च स्थानिक देश है जिसने 2018 की तुलना में 17.6% गिरावट की रिपोर्ट 2019 में की है।
- वार्षिक पराजीवीय घटनाओं **(API)** में 2017 की तुलना में 2018 में 27.8% गिरावट आई जबकि 2018 की तुलना में 2019 में **18.4%** की गिरावट आई।
- भारत ने वर्ष 2012 से एक से कम **API** को बरकरार रखा है।
- भारत ने क्षेत्रवार मामलों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की है, यह 20 मिलियन से गिरकर 6 मिलियन तक पहुँच गई है।
- मलेरिया मामलों में प्रतिशत गिरावट 71.8% थी और 2000 से 2019 के मध्य मृत्यु प्रतिशत 73.9% था।
- ओडीशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, मेघालय और मध्य प्रदेश राज्यों में 45-47 के आसपास मलेरिया मामले है और 2019 में 70.54 प्रतिशत फाल्सीपेरम मलेरिया के मामले थे। इन राज्यों से 64% मलेरिया से मौतें भी हुई हैं।

भारत के मलेरिया उन्मूलन के प्रयास

मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय ढांचा

- 2016 में, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने अपनी पहली मलेरिया उन्मूलन राष्ट्रीय ढांचे (2016-2030) को लागू किया।

मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017-22)

- इसे जुलाई 2017 में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा लागू किया गया था जिसने अगले पांच वर्षों के लिए रणनीतियों का अनावरण किया था।

भारत के साथ WHO की पहल

- **WHO** ने **ऊंचे भार से ऊंचा प्रभाव पहल** **(HBHI)** की शुरुआत की है जोकि भारत सहित 11 उच्च मलेरिया भार वाले देशों में है।
- **HBHI** पहल का क्रियान्वय चार राज्यों में किया जा चुका है अर्थात पश्चिम बंगाल और झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में जुलाई 2019 में।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- स्वास्थ्य मामले (महत्वपूर्ण रिपोर्ट)

स्रोत- DD NEWs

मौसम परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (CCPI) 2021

खबर में क्यों है?

- हाल में, भारत ने मौसम परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक **(CCPI)** के नवीनतम संस्करण में यूरोपीय संघ और यूनाईटेड किंगडम के साथ ऊंची रैंकिंग हासिल की है।

सूचकांक की खास बातें

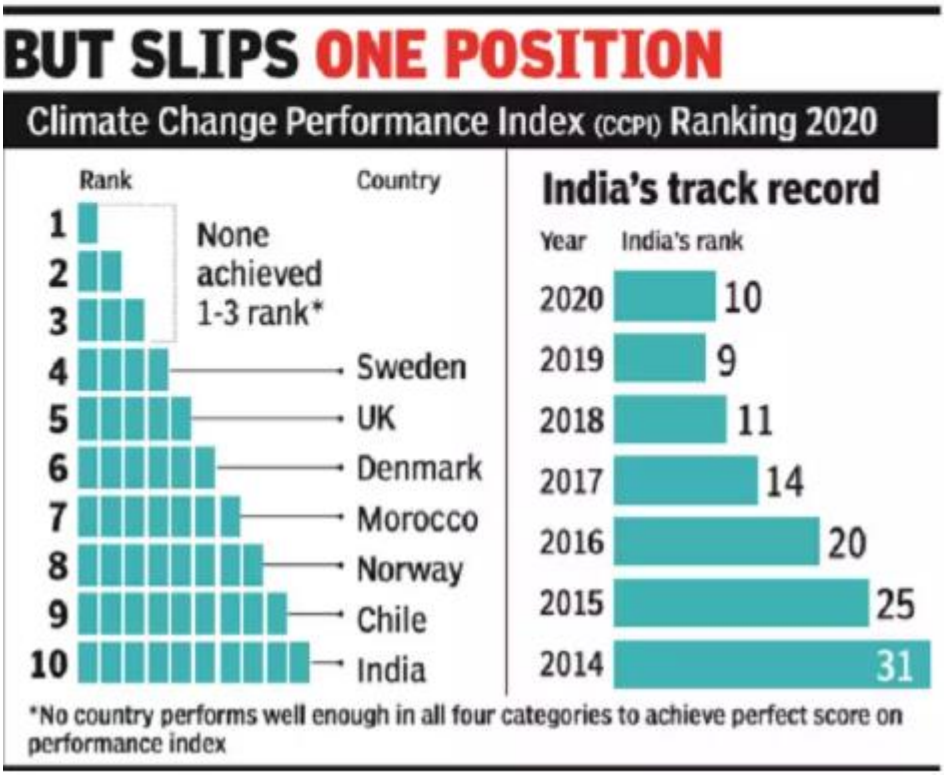

- सूचकांक के अनुसार, कोई भी देश **2015 के पेरिस समझौते** के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पर्याप्त कार्य नहीं कर रहा है। ग्रीनहाउस गैसों का वर्तमान सबसे बड़ा उत्सर्जक **चीन का स्थान इस सूची में 33वां** है।
- केवल दो जी20 देश- **यूनाईटेड किंगडम और भारत उच्च रैंक वाले देशों** में शामिल हैं जबकि छह अन्य- संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और रूस (52वां स्थान)- सूचकांक के निचले हिस्से में हैं।
- **61 की रैंक के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका, का प्रदर्शन सबसे खराब था।**

भारत और CPI

- भारत लगातार दूसरी बार, पहले दस देशों में शामिल है।
- **देश ने 100 में 63.98 बिंदु हासिल किये।**
- पिछले वर्ष, भारत को **नौवां स्थान** प्राप्त हुआ था, जब उसका कुल स्कोर 66.02 था।
- उसने सभी CCPI संसूचकों पर ऊंची रेटिंग हासिल की सिवाय '**पुनर्नवीकृत ऊर्जा**' के, जहां उसे **मध्यम प्रदर्शन** में श्रेणीबद्ध किया गया है।

मौसम परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक के बारे में

- **CCPI** एक स्वतंत्र निगरानी उपकरण है जिससे देशों के मौसम संरक्षण प्रदर्शन पर निगाह रखी जाती है।
- इसका प्रकाशन 2005 से वार्षिक रूप से किया जा रहा है।
- CCPI का विकास गैरलाभकारी संगठनों जर्मनवाच और न्यूक्लाइमेट इंस्टीट्यूट (जर्मनी) साथ में मौसम कार्यवाही नेटवर्क (CAN इंटरनेशनल) द्वारा किया जा रहा है।
- यह अंतरराष्ट्रीय मौसम राजनीति में पारदर्शिता को उन्नत करने के लिए जरूरी उपकरण है और व्यक्तिगत देशों द्वारा मौसम संरक्षण प्रयासों और की गई प्रगति की तुलना को सक्षम बनाता है।
- वर्तमान में CCPI 57 देशों और यूरोपीय संघ (EU) के मौसम संरक्षण प्रदर्शन का आकलन और तुलना करता है, जोकि आपस में मिलकर वैश्विक ग्रीनहाउस गैस के 90% उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं।
- CCPI 2020 में अंतिम देश जो जोड़ा गया वह चिली था।
- CCPI चार श्रेणियों में देशों के प्रदर्शन को आकलित करता हैः
    - **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (**कुल स्कोर का 40%)
    - **पुनर्नवीकृत ऊर्जा (**कुल स्कोर का 20%**)**
    - **ऊर्जा प्रयोग** (कुल स्कोर का 20%) और
    - **मौसम नीति (**कुल स्कोर का 20%)

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

शहरी शासन सूचकांक 2020

खबर में क्यों है?

- हाल में **प्रजा फाउंडेशन**, एक **मुंबई आधारित थिंक टैंक** द्वारा **शहरी शासन सूचकांक 2020** को जारी किया गया।

खास बातें

- **सूचकांक** में **ओडिशा** को **प्रथम स्थान** दिया गया जिसके बाद **महाराष्ट्र, केरल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़** का स्थान है।
- **झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर और नागालैंड** का स्थान **सूचकांक में सबसे नीचे** था।
- **दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCT)** को **13वां** स्थान दिया गया।

शहरी शासन सूचकांक 2020 के बारे में

- सूचकांक राज्यों को इस तरह से रैंक देता है जिससे यह इंगित होता है कि वे **जमीनी लोकतंत्र और स्थानीय स्व-शासन के वास्तविक सशक्तिकरण** के संदर्भ में कहां खड़े हैं।

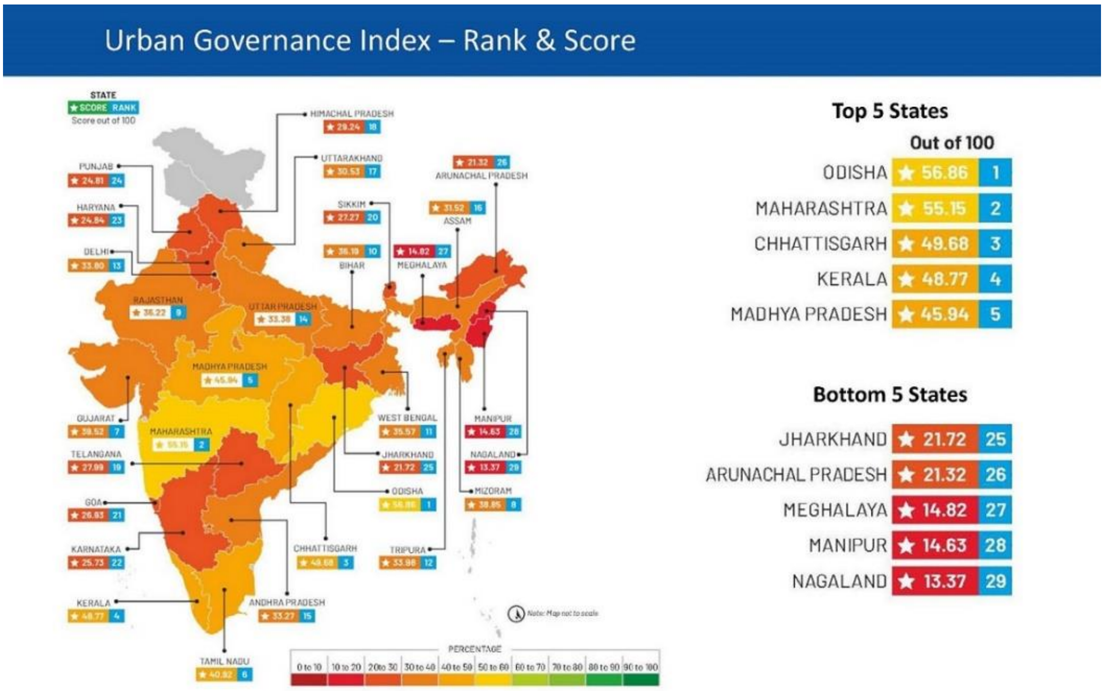

थीम

- **रैंकिंग इन मुख्य थीमों पर आधारित हैं,**
    - चुने हुए शहरी प्रतिनिधि और विधायिका संरचनाएं कितनी सशक्त हैं**?**
    - राज्य का शहरी प्रशासन कितना सशक्त है**?**
    - नागरिक कितने सशक्त हैं और अंत में, राज्य का वित्तीय सशक्तिकरण और वित्तीय स्वायत्तता**?**
- **शहरी शासन सूचकांक 2020** ने **28 राज्यों में 40 शहरों** साथ ही **दिल्ली के NCT** में **तीन वर्षों** (2017-2020) तक कार्य किया।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

<u>**पूंजीगत खर्च योजना के लिए राज्यों को विशेष सहायता**</u>

खबर में क्यों है?

- हाल में, **तमिलनाडु** को छोड़कर **सभी राज्यों** ने **नई घोषित योजना "पूंजीगत खर्च के लिए राज्यों को विशेष सहायता" के लिए लाभों को प्राप्त** कर लिया है।

पृष्ठभूमि

- **वित्त मंत्री** ने **12 अक्टूबर 2020** को इस योजना की घोषणा की थी जोकि **आत्मनिर्भर भारत के पैकेज** का हिस्सा है।
- **केंद्रीय सरकार** ने यह निर्णय लिया है कि **वित्तीय वर्ष 2020-21 में पूंजीगत खर्च** के सापेक्ष **राज्य सरकारों** को **विशेष सहायता** दी जाए।

पूंजीगत खर्च योजना के लिए राज्यों को विशेष सहायता के बारे में

इस योजना के तीन हिस्से हैं

- ✓ **योजना का भाग-1 उत्तर-पूर्व राज्यों को कवर करता है**
  - इस भाग के अंतर्गत, **7 उत्तर-पूर्व के राज्यों (अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा) को रु. 200 करोड़ आवंटित किये गये हैं।**
  - ज्यादा जनसंख्या और भौगोलिक क्षेत्रफल की वजह से, असम को योजना के अंतर्गत रु. 450 करोड़ दिये गये हैं।
- ✓ **योजना का भाग** ।।-:
  - इसमें वे राज्य शामिल हैं जो भाग-1 में शामिल नहीं किये गये हैं।
  - इन राज्यों को आवंटित की गई राशि वर्ष 2020-21 वर्ष के लिए 15वें वित्त आयोग द्वारा दिये गए अंतरिम अवार्ड के अनुसार केंद्रीय कर में उनके साझेदारी के अनुपात में है।
- ✓ **योजना का भाग-III:**
  - इसका लक्ष्य राज्यों में विभिन्न नागरिक केंद्रित सुधारों को लागू करना है।
  - इस भाग के अंतर्गत, रु. 2000 करोड़ की एक राशि को रखा गया है।
  - यह राशि केवल उनके राज्यों को ही उपलब्ध होगी जो सुधार से जुड़े अतिरिक्त उधार अनुमतियों से संबंधित 17 मई 2020 को संबोधित पत्र में वित्त मंत्रालय द्वारा चार विशेषीकृत सुधारों में कम से कम 3 को लागू कर रहे हैं।
  - ये चार सुधार हैं-
    - एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड,
    - व्यवसाय करने की सुगमता सुधार,
    - शहरी स्थानीय निकाय/उपयोगिता सुधार और
    - ऊर्जा क्षेत्र सुधार।

लाभ

- इस योजना का उद्देश्य **राज्यों सरकारों** द्वारा **पूंजीगत खर्च को बढ़ावा** देना है जो इस वर्ष **चुनौतीपूर्ण आर्थिक पर्यावरण** का सामना कर रहे हैं जिसका कारण महामारी कोविड 19 से उत्पन्न **कर राजस्व में गिरावट** है।
- **पूंजीगत खर्च** का **ऊंचा गुणक प्रभाव** है, जिससे **अर्थव्यवस्था की उत्पादक क्षमता में भविष्य में उन्नति होगी** और इसके परिणामस्वरूप **आर्थिक वृद्धि दर ऊंची** होगी।
- **पूंजीगत खर्च परियोजनाओं** को **अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में स्वीकृत** किया गया है जैसे कि **स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, जल आपूर्ति, सिंचाई, ऊर्जा, परिवहन, शिक्षा, शहरी विकास।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थव्यवस्था

स्रोत- PIB

स्वच्छता रेटिंग लेखा परीक्षा एजेंसियों की मान्यता योजना

खबर में क्यों है?

- हाल में, **भारतीय गुणवत्ता परिषद** ने देश में मान्यता प्राप्त **स्वच्छता रेटिंग लेखा परीक्षा एजेंसियों की संख्या को बढ़ाकर** स्वच्छता रेटिंग को स्केल अप करके **स्वच्छता रेटिंग लेखा परीक्षा एजेंसियों की स्वीकृति** के लिए एक योजना को जारी किया है।

स्वच्छता रेटिंग लेखा परीक्षा एजेंसियों के लिए मान्यता योजना के बारे में

- इस **योजना का लक्ष्य** फूड आउटलेट के संबंध में **उपभोक्ताओं को सूचनापूर्ण चुनाव/निर्णयों को करने के लिए अनुमति** देना है, जहां वे खाते हैं। इसके लिए **खाद्य व्यवसायों** को अपनी **स्वच्छता और सुरक्षा मानकों** में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

ये कैसे कार्य करता है?

- **खाद्य संस्थानों** को लेखा परीक्षा के समय देखे गई **खाद्य स्वच्छता और सुरक्षा स्थितियों** के आधार पर रेटिंग दी जाएगी।
- **स्वच्छता रेटिंग स्माइलीज के रूप में होगी (1 से 5 तक),** और प्रमाणपत्र को विशेष रूप से **उपभोक्ता की तरफ वाले क्षेत्र** में **प्रदर्शित किया जाना** चाहिए।
- **मान्यता प्राप्त स्वच्छता रेटिंग लेखा परीक्षा एजेंसियां FSSAI** द्वारा जारी किये गये खाद्य **स्वच्छता और सुरक्षा प्रक्रियाओं** के साथ **अनुपालन की पुष्टि** करने के लिए जिम्मेदार होंगी।

- वर्तमान में, यह **योजना भोजन सेवा संस्थानों** (जैसे कि होटलों, रेस्ट्रांरेंटों, कैफेटेरिया, भाभा इत्यादि), **मिठाई की दुकानों, बेकरियों और खुदरा मांस के स्टोरों** में ही लागू है।

लाभ

- **स्वच्छता रेटिंग योजना उपभोक्ताओं के मध्य जागरुकता पैदा करने में सहायक** सिद्ध हो सकती है और **खाद्य व्यवसाय प्रचालकों** के मध्य **स्व-अनुपालन की संस्कृति को विकसित** कर सकती है।
- यह **खाद्य आपूर्ति की गुणवत्ता** में सुधार करेगी और साथ ही में **मांग को भी बढ़ायेगी।** यह मूलभूत स्वच्छता और **भोजन की गुणवत्ता** में **भारतीय उपभोक्ताओं** और खाद्य सेवा प्रचालकों के **आत्मविश्वास में भी वृद्धि** करेगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- PIB

मानव विकास सूचकांक (HDI)

खबर में क्यों है?

- **2019** के **मानव विकास सूचकांक (HDI)** में **189 देशों की सूची में भारत का स्थान 131** है। भारत पूर्व वर्ष की अपेक्षा दो स्थान नीचे फिसला है। यह **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)** द्वारा जारी की गई **मानव विकास रिपोर्ट 2020 (HDR)** के अनुसार है।

Miles to go

Though India improved its absolute value of the Human Development Index (0.645 in 2019 from 0.642 the previous year), it dropped a place in the overall ranking

Country	HDI rank (2019)	Change from 2018
Russia	52	-3
Sri Lanka	72	1
Brazil	84	0
China	85	2
South Africa	114	1
India	**131**	**-2**
Bangladesh	133	1
Nepal	142	1
Pakistan	154	0

सूचकांक की मुख्य बातें

- **नार्वे सूचकांक में पहले स्थान पर है,** जिसके बाद **आयरलैंड** और **स्विट्जरलैंड** का स्थान है।
- **हांगकांग** और **आइसलैंड** भी **पहले पांच** में शामिल हैं।

एशिया के उच्च मानव विकास देश

- **श्रीलंका** (72), **थाईलैंड** (79), **चीन** (85) और **इंडोनेशिया** और **फिलीपींस** (दोनों ही 107) और **वियतनाम** (117), जैसे देश "**उच्च मानव विकास**" वाले देशों में शामिल हैं।

मध्यम मानव विकास वाले देश

- **भारत, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, कम्बोडिया, केन्या** और **पाकिस्तान** को **मध्यम मानव विकास** वाले देशों की श्रेणी में रखा गया है जिनका स्थान **189 देशों के मध्य 120 से 156** के मध्य है।
- **ब्रिक्स देशों के समूह** में, **रूस** मानव विकास सूचकांक में 52वें स्थान पर है, ब्राजील 84वें और चीन 85वें स्थान पर है।

भारत और मानव विकास सूचकांक

- **भारत का 2019 में मानव विकास सूचकांक मान 0.645** है, जोकि देश को **मध्यम मानव विकास श्रेणी** में रखता है, इसका स्थान **189 देशों और क्षेत्रों में 131वां** है।
- **1990 और 2019 के मध्य, भारत की मानव विकास सूचकांक मान 0.429 से बढ़कर 0.645** हो गया, जोकि **50.3% की वृद्धि** है।
- **भारत की प्रतिव्यक्ति सकल निवल आय** में **1990 से 2019 के मध्य में लगभग 273.9%** की वृद्धि हुई।

जीवन प्रत्याशा

- **जन्म के समय भारतीयों की आयु प्रत्याशा 2019 में 69.7 वर्ष** थी, जोकि **69.9 वर्ष के दक्षिण एशियाई औसत से कुछ कम** है, लेकिन **मध्यम मानव विकास सूचकांक समूह** के देशों के **69.3 वर्ष से कुछ ज्यादा** है।

भारत की हरित ऊर्जा पहल

- **भारत में सौर क्षमता मार्च 2014 के 2.6 गीगावाट से बढ़कर जुलाई 2019 में 30 गीगावाट** हो गई, इससे इसने समय से चार वर्ष पूर्व **20 गीगावाट के लक्ष्य** को हासिल कर लिया।
- **2019 में,** संस्थापित **सौर क्षमता के अनुसार पांचवें स्थान** पर था।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक

- **सबसे हाल में किये गए सर्वेक्षण आंकड़े** जो सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, वे **भारत के** MPI **(बहुआयामी गरीबी सूचकांक) अनुमान के संबंध** में हैं।
- **भारत में** जनसंख्या का **27.9% बहुआयामीय तौर पर गरीब** है, जबकि अतिरिक्त **19.3% को ऐसे रूप में वर्गीकृत** किया गया है कि वे **बहुआयामी गरीबी** के शिकार हो सकते हैं।

मानव विकास सूचकांक के बारे में

- यह एक **सांख्यिकीय उपकरण** है जिसका प्रयोग किसी **देश के सामाजिक और आर्थिक आयामों** में **सर्वांगीण उपलब्धियों के मापन** में किया जाता है। इसका प्रकाशन **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)** द्वारा किया जाता है।
- यह मानव विकास रिपोर्ट का हिस्सा है।
- **HDI मानव विकास के तीन मूलभूत आयामों** में एक **देश की औसत उपलब्धि** का मापन करता हैः
  - एक लंबी और स्वस्थ जीवन।
  - ज्ञान तक पहुँच।

- जीवन का अच्छा स्तर।

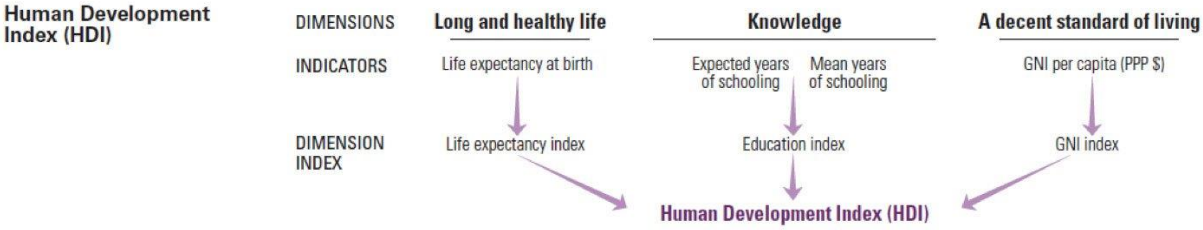

पृष्ठभूमि

- **HDI** को **भारतीय अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन** और **पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक** ने विकसित किया था, जिसका और भी **प्रयोग संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम** (**UNDP**) **द्वारा देश के विकास के मापन** में किया जाता है।
- **2010 की मानव विकास रिपोर्ट** ने **असमानता समयोजित मानव विकास सूचकांक** (**IHDI**) की शुरुआत की।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- द हिंदू

किसान कल्याण मिशन

खबर में क्यों है?

- **उत्तर प्रदेश सरकार** ने किसानों की आय को दुगुना करने के लिए '**किसान कल्याण मिशन**' की शुरुआत करने का निर्णय लिया है।

किसान कल्याण मिशन के बारे में

- यह किसानों की आय दुगुना करने का **विशेष कार्यक्रम** है जोकि **राज्य की सभी विधानसभा क्षेत्रों को आच्छादित** करेगा।
- किसान कल्याण मिशन के अंतर्गत, **पूरे राज्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन** किया जाएगा।

- **कृषि और सहयोगी क्षेत्रों की प्रदर्शनी** का आयोजन किया जाएगा, जिसमें **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम** (MSME) **इकाईयां और जीवनयापन मिशन के उत्पादों को** शामिल किया जाएगा।

- किसान कल्याण मिशन के अंतर्गत, **राज्य सरकार के कई विभाग** जैसे **कृषि विपणन मंडी परिषद, बागवानी, पशु पालन, मत्स्यन, गन्ना, खाद्य एवं आपूर्ति और पंचायती राज** मिल कर कार्य करेंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन

स्रोत- AIR

मानव स्वतंत्रता सूचकांक 2020

खबर में क्यों है?

- हाल में, संयुक्त राज्य अमेरिका में काटो संस्थान और कनाडा में फ्रेशर संस्थान ने **मानव स्वतंत्रता सूचकांक 2020** को जारी किया।

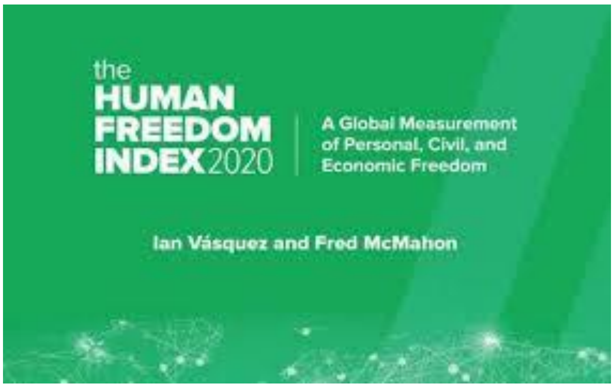

सूचकांक की खास बातें

- मानव स्वतंत्रता सूचकांक 2020 जो 2008 से 2018 तक आंकड़ों का प्रयोग करता है, ने 2008 से वैश्विक स्तर पर व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं में ह्रास की बात कही है।
- यह छठवां वार्षिक सूचकांक निम्नलिखित क्षेत्रों में व्यक्तिगत और आर्थिक स्वतंत्रताओं के 76 अलग संसूचकों का प्रयोग करता हैः
    - कानून का शासन
    - सुरक्षा
    - आवागमन
    - धर्म
    - संघ, सभा और नागरिक समाज
    - अभिव्यक्ति और सूचना
    - पहचान और संबंध
    - सरकार का आकार
    - कानूनी प्रणाली और संपत्ति अधिकार
    - अच्छे पैसे तक पहुँच
    - अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापार की स्वतंत्रता
    - ऋण, श्रम और व्यवसाय का विनियमन

- यह **0 से 10 के स्केल पर मानव रेटिंग** उपलब्ध कराता है, जहां 10 ज्यादा स्वतंत्रता को निरुपित करता है, 2018 में 162 देशों के लिए औसत मानव स्वतंत्रता रेटिंग 6.93 थी।

वैश्विक प्रदर्शन

- **सूचकांक में पहले स्थान पर न्यूज़ीलैंड था**, जिसके बाद स्विट्ज़रलैंड और हांगकांग का स्थान था।
- **चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के हांगकांग में 2019 और 2020 में अप्रत्याशित हस्तक्षेप** की वजह से **चीन को सूचकांक में 129वें स्थान** पर रखा गया है।
- इस सूचकांक में बांग्लादेश का स्थान 139वां और पाकिस्तान का 140वां स्थान है।
- घटते हुए क्रम में **तीन सबसे कम स्वतंत्र देश हैं- वेनेज़ुएला, सूडान और सीरिया।**
- रिपोर्ट का कहना है कि 10 क्षेत्रों में से, **सबसे ज्यादा ऊंचे स्तर की स्वतंत्रता वाले देश** उत्तरी अमेरिका, (कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका), सब-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया के हैं।
- **महिलाओं से संबंधित स्वतंत्रताएं** सबसे ज्यादा उत्तर अमेरिका, पश्चिमी यूरोप और पूर्वी एशिया में मजबूत हैं और मध्य-पूर्व और उत्तर अफ्रीका, सब-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में सबसे कम सुरक्षित हैं।

भारत का मानव स्वतंत्रता सूचकांक 2020 में प्रदर्शन

- कुल 162 देशों में से भारत का स्थान 111वां है जहां तक व्यक्तिगत, नागरिक और आर्थिक स्वतंत्रता का संबंध है।
- भारत का व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संदर्भ में 110वें स्थान पर और आर्थिक स्वतंत्रता के संदर्भ में 105वें स्थान पर रखा गया है, और उसके संपूर्ण स्कोर **10 में से 6.43** है।
- भारत अपने पड़ोसियों पाकिस्तान (140), बांग्लादेश (139) और चीन (129) से रैंकिंग में ऊपर है लेकिन भूटान (108), श्रीलंका (94) और नेपाल (92) से नीचे है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ll- सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के मामले

स्रोत- द हिंदू

अनुसूचित जाति के छात्रों को मैट्रिक उपरांत छात्रवृत्तियां (PMS-SC)

खबर में क्यों है?

- **केंद्रीय कैबिनेट** ने हाल में '**अनुसूचित जाति से आने वाले छात्रों की मैट्रिक उपरांत छात्रवृत्ति**' **(PMS-SC)** में **प्रमुख परिवर्तनों को स्वीकृति** दे दी है। इससे अगले पांच वर्षों में 4 करोड़ से अधिक अनुसूचित जाति के छात्रों को लाभ होगा।

अनुसूचित जाति से आने वाले छात्रों को मैट्रिक उपरांत छात्रवृत्ति के बारे में

- यह एक **केंद्र प्रायोजित योजना** है।

उद्देश्य

- इस योजना का उद्देश्य अपनी शिक्षा समाप्त करने के लिए **मैट्रिकुलेशन उपरांत अथवा सेकेंडरी चरण के बाद अध्ययन** कर रहे **अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता उपलब्ध** कराना है।
- यह योजना **ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर चलेगी** जिसके मजबूत **साइबर सुरक्षा उपाय** होंगे जोकि **पारदर्शिता को सुनिश्चित करेंगे और सहायता** को उचित समय पर देंगे।
- राज्य **पात्रता, जाति दर्जा, आधार पहचान और बैंक खाते की जानकारियां** के बारे में ऑनलाइन पोर्टल पर **विश्वसनीय जांच** करेंगे।
- इस योजना के अंतर्गत **छात्रों को वित्तीय सहायता का हस्तांतरण DBT तरीके** होगा, इसके लिए **आधार सक्षम भुगतान प्रणाली** को वरीयता दी जाएगी।
- 2021-22 से शुरू करके, **योजना में केंद्र की साझेदारी** (60%) **DBT तरीके से जारी की जाएगी** जोकि सीधे **छात्रों के बैंक खाते** में जाएगी।

निगरानी तंत्र

- **निगरानी तंत्र सामाजिक ऑडिटों, वार्षिक तीसरे पक्ष के मूल्यांकन** और प्रत्येक संस्थान से **अर्ध वार्षिक स्व-आडिट रिपोर्ट के द्वारा और भी मजबूत** किया जाएगा।
- **रू. 1110 करोड़ की वार्षिक केंद्रीय सहायता** जो **2017-18 से 2019-20** तक प्रदान की गई, को **2020-21 से 2025-26 तक वार्षिक तौर पर लगभग रु. 6000 करोड़** तक किया जाएगा जो **पांच गुना बढ़ोत्तरी** होगी।

सकल नामांकन अनुपात में बढ़ोत्तरी

- **सकल नामांकन अनुपात (उच्च शिक्षा) अनुसूचित जातियों के मध्य 2002-03 के छह प्रतिशत** से **बढ़कर 2018-19 में 23 प्रतिशत** हो गई।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- शिक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

कला और संस्कृति

हॉर्नबिल उत्सव का 21वां संस्करण

खबर में क्यों है?

- इस वर्ष, **कोरोनावायरस महामारी के मध्य, नागालैंड में हॉर्नबिल उत्सव के 21वें संस्करण** का आयोजन **दिसंबर 1 से 5, 2020** तक वर्चुअल प्लेटफॉर्म के द्वारा किया जाएगा।

हॉर्नबिल उत्सव के बारे में

- यह **दिसंबर के पहले सप्ताह** में **नागालैंड के राज्य पर्यटन और कला एवं संस्कृति विभागों द्वारा आयोजित** किया जा रहा है।

- पहली बार यह उत्सव **वर्ष 2000** में हुआ था। इसे '**उत्सवों का उत्सव**' कहा जाता है।
- इस उत्सव का नामकरण एक **पक्षी हॉर्नबिल** के आधार पर किया गया है जोकि **नागाओं के लिए सबसे सम्मानीय और प्रशंसनीय पक्षी** है।
- इसका **लक्ष्य अंतर-जनजाति मिलन** और **नागालैंड की सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित** करना है।

राज्य पक्षी

- **ग्रेट हॉर्नबिल** म्यांमार के **चिन राज्य और भारत में केरल व अरुणाचल प्रदेश** का **राजकीय पक्षी** है।
- **नागालैंड का राजकीय पक्षी ब्लाइथ्स ट्रैगोपैन** है।

हॉर्नबिल के बारे में

- **भारत** में **हॉर्नबिल की नौ प्रजातियां** हैं, जिनमें से दो स्थानिक हैं।
- इसे '**वन इंजीनियर**' अथवा '**वन का किसान**' कहा जाता है क्योंकि ये **उष्णकटिबंधीय पेड़ों** में **बीजों के बिखराव में मुख्य भूमिका** अदा करते हैं।
- **ग्रेट हॉर्नबिल उत्तर, उत्तर-पूर्व और दक्षिण भारत** में पाई जाती है, इसके अतिरिक्त यह **नेपाल, भूटान और बांग्लादेश** में भी पाई जाती है।

हॉर्नबिल का संरक्षण दर्जा

- **रुफस गर्दन वाली हॉर्नबिल** को **IUCN द्वारा संकटग्रस्त** के रूप में अधिसूचित किया गया है।
- **ग्रेट हॉर्नबिल, ब्राउन हार्नबिल** और **मालाबार पाइड हॉर्नबिल** को **IUCN** द्वारा **लगभग संकटग्रस्त के अंतर्गत अधिसूचित** किया गया है।
- **भारत में अन्य हॉर्नबिल प्रजातियों** को '**कम चिंता**' वाली सूची में डाला गया है।
- **हॉर्नबिल की छह प्रजातियां भारतीय वन्यजीवन संरक्षण कानून 1972 की अनुसूची I में डाला गया है।**
- यह **छह प्रजातियां हैं- द ग्रेट हॉर्नबिल, रुफस गले वाला हॉर्नबिल, रिथेड हॉर्नबिल, नार्कोंडैम हॉर्नबिल, ओरिएंटल पाइड हॉर्नबिल और ब्राउन हॉर्नबिल।**

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- कला एवं संस्कृति+ पर्यावरण

स्रोत- PIB

<u>थारू जनजाति</u>

खबर में क्यों है?

- हाल में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक योजना जिसका नाम '**होमस्टे स्कीम**' को शुरू किया है जिससे पूरी दुनिया में जातीय थारू जनजाति की विशिष्ट संस्कृति को पहुँचाया जा सके।

थारू लोगों के बारे में

- ऐसा विश्वास किया जाता है कि शब्द थारू की उत्पत्ति स्थाविर से हुई है, जिसका अर्थ है थेरावाद बौद्ध धर्म के पालन करने वाले।
- यह समुदाय तराई निम्नभूमि की रहने वाली है, जोकि शिवालिक के मध्य में अथवा निम्न हिमालय में मौजूद है।
- इनमें से अधिकांश वनवासी है जबकि कुछ कृषि कार्य भी करते हैं।

भाषा

- वे थारू की विभिन्न बोलियों को बोलते हैं, जोकि इंडो-आर्य उपसमूह की भाषा है और हिंदी, उर्दू और अवधी की प्रकार है।

- केंद्रीय नेपाल में, वे भोजपुरी के एक प्रकार की बात करते हैं, जबकि पूर्वी नेपाल में वे मैथिली के एक प्रकार की बात करते हैं।

पूजा

- थारू भगवान शिव की महादेव के रूप में पूजा करते हैं और अपने सर्वशक्तिमान को "नारायण" कहते हैं, जिनके बारे में इनका विश्वास है कि वे सूर्य की रोशनी, वर्षा और खेती को प्रदान करने वाले हैं। थारू महिलाओं को मुख्य धारा की उत्तर भारतीय हिंदू महिलाओं की तुलना में ज्यादा संपत्ति के अधिकार हासिल हैं।

वितरण

- थारू भारत और नेपाल दोनों जगह रहते हैं।
- भारतीय तराई में, वे मुख्यतया उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार में रहते हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 11 लाख से ज्यादा है; अब एक आकलन के अनुसार यह संख्या 20 लाख को पार कर चुकी है।

संबंधित सूचना

होमस्टे योजना के बारे में

- इस योजना में, राज्य सरकार बलरामपुर, लखीमपुर और नेपाल से लगे पीलीभीत जिलों में थारू गांवों को जोड़ने के लिए कार्य कर रही है। विचार यह है कि पर्यटकों को प्राकृतिक थारू आवास में रहने का अनुभव दिया जा सके। ये घर पारंपरिक झोपड़ियां होती है जिन्हें मुख्य रूप से जंगलों से प्राप्त घास से बनाया जाता है।

लाभ

- थारू गृहस्वामी रहने और घर में बने खाने के लिए पर्यटकों से सीधे धन प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति

स्रोत- AIR

UNESCO ने ग्वालियर और ओरछा को विश्व विरासत स्थल की सूची में शामिल किया

खबर में क्यों है?

- हाल में, **मध्य प्रदेश में ग्वालियर और ओरछा के ऐतिहासिक किला शहरों** को UNESCO के **विश्व विरासत शहरों की सूची** में शामिल किया गया है। यह कार्य **शहरी परिदृश्य शहर कार्यक्रम** के अंतर्गत किया गया है।

ओरछा के बारे में

- यह **मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड प्रक्षेत्र** में है।
- **ओरछा** अपने **मंदिरों और महलों** के लिए प्रसिद्ध है और **16वीं शताब्दी** में **बुंदेल राज्य** की राजधानी थी।
- शहर में **विख्यात स्थल** हैं **राज महल, जहांगीर महल, रामराजा मंदिर, राय प्रवीण महल और लक्ष्मीनारायण मंदिर।**

ग्वालियर के बारे में

- **ग्वालियर शहर गुर्जर प्रतिहार, तोमर, बघेल कच्छवाह और सिंधिया राजवंश** की राजधानी रह चुका है।
- उनके द्वारा **छोड़े गये पुराने चिन्ह स्मारकों, किलों, महलों के रूप में** पाए जाएंगे।

संबंधित सूचना

UNESCO विश्व विरासत स्थल के बारे में

- ये **स्थल वे स्थान** हैं जिसे **संयुक्त राष्ट्र** की **विशेषीकृत एजेंसी UNESCO द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता** दी गई है। यह प्राकृतिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्व पर आधारित है।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन के बारे में

- यह **संयुक्त राष्ट्र की विशेषीकृत एजेंसी** है जिसका **उद्देश्य शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक सुधारों के द्वारा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करके शांति और सुरक्षा** में योगदान देना है।
- यह **पेरिस, फ्रांस** में स्थित है। **विश्व विरासत स्थलों की सूची** का रखरखाव **विश्व विरासत कार्यक्रम** द्वारा किया जाता है जिससे **UNESCO विश्व विरासत समिति** प्रशासित करती है।

UNESCO विश्व विरासत समिति के बारे में

- यह **21 UNESCO सदस्य देशों** से मिलकर बनी है जिन्हें **संयुक्त राष्ट्र आमसभा द्वारा चुना** जाता है।
- ये **सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत के महत्व** के क्षेत्र हैं जिनका विवरण **UNESCO विश्व विरासत संधि, 1972** में दिया गया है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति

स्रोत- AIR

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार 2020

खबर में क्यों है?

- हाल में, **गैर सरकारी संगठन हेल्पएज इंडिया** ने **वंचित वर्ग के वृद्धि व्यक्तियों** और उनके कारण के लिए जागरुकता बढ़ाने के लिए उसके योगदान के लिए **संस्थागत श्रेणी** में '**2020 संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार**' प्राप्त किया है।

- **भूटान की महारानी मदर ग्यालयुम सांगे चोडेन वांगचुक** को **यौन स्वास्थ्य और लिंग हिंसा पर उनके कार्य के लिए व्यक्तिगत श्रेणी** में **संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार 2020** प्रदान किया गया।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार के बारे में

- इस पुरस्कार की **स्थापना 1981 में संयुक्त राष्ट्र आमसभा (UNGA)** द्वारा की गई थी।
- इसे **पहली बार 1983 में प्रदान** किया गया था।
- **संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार के लिए समिति जनसंख्या और प्रजनन स्वास्थ्य सवालों** और उनके हलों के प्रति **असाधारण योगदानों** को मान्यता देने के लिए किसी व्यक्ति और अथवा संस्था को सम्मानित करती है।
- इस पुरस्कार में एक **स्वर्ण पदक**, एक **डिप्लोमा** और एक **मौद्रिक पुरस्कार** दिया जाता है।

सदस्य

- **संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार** के लिए समिति में **10 संयुक्त राष्ट्र सदस्य** देश शामिल होते हैं जिसमें **संयुक्त राष्ट्र के महासचिव** और **पदेन सदस्य** के रूप में **UNFPA** के **कार्यकारी निदेशक** शामिल होते हैं।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति

स्रोत- UN

UNESCO सृजनात्मक अर्थव्यवस्था पुरस्कार

खबर में क्यों है?

- **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO)** ने हाल में **बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान** के नाम पर '**सृजनात्मक अर्थव्यवस्था**' के क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार को शुरू करने का निर्णय लिया है।

UNESCO सृजनात्मक अर्थव्यवस्था पुरस्कार के बारे में

- इस पुरस्कार की शुरुआत **नवंबर 2021** में होगी।
- यह पुरस्कार प्रत्येक **दो वर्षों में** एक बार युवाओं को **वैश्विक आर्थिक पहलों के लिए** दिया जाएगा।

- यह पुरस्कार **सृजनात्मक अर्थव्यवस्था** के विकास में सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं और संगठनों द्वारा की गई आसाधारण **पहलों को पहचान** देगा।

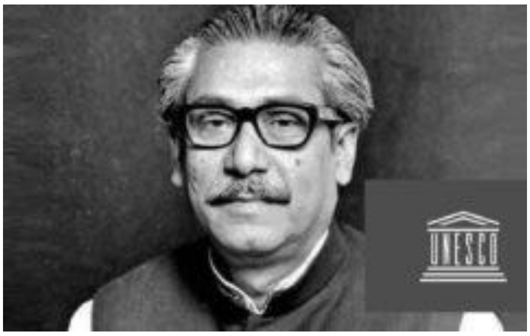

संबंधित सूचना

बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के बारे में

- शेख मुजीबुर रहमान एक **बांग्लादेशी राजनीतिज्ञ और राजनेता** थे। उन्हें बांग्लादेश में **"राष्ट्रपिता"** कहा जाता है।
- उन्होंने **बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति** के रूप में कार्य किया और बाद में **17 अप्रैल 1971 से लेकर 15 अगस्त 1975 को अपनी हत्या तक उन्होंने प्रधानमंत्री का पद** संभाला।
- उन्हें **बांग्लादेश की आजादी के पीछे संचालक शक्ति** माना जाता है।
- उन्हें **बंगबंधु** (इसका अर्थ "बंगाल का मित्र" है) की लोकप्रिय उपाधि बांग्लादेश के लोगों द्वारा दी गई है।

नोटः

- **UNESCO** ने 2021 को **"सतत विकास के लिए सृजनात्मक अर्थव्यवस्था का अंतरराष्ट्रीय वर्ष" घोषित** किया है।

विषय- सामान्य अध्यनन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति

स्रोत-AIR

स्वदेशी खेल

खबर में क्यों है?

- खेलकूद मंत्रालय ने हाल में हरियाणा में होने वाले खेलो भारत युवा खेलकूद 2021 के हिस्से के रूप में चार स्वदेशी खेलों को शामिल करने को स्वीकृति दे दी है।
- इन खेलों में शामिल हैं गटका, कलारीपयाट्टू, थांग-टा और मल्लखंब।

इन स्वदेशी खेलों के बारे में

कलालीपयाट्टू

- इसका जन्म केरल में हुआ है और इसके खेलने वाले पूरी दुनिया में हैं।

मल्लखंब

- इसकी पहचान पूरे भारत में है।
- यह मुख्य रूप से मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में खेला जाता है।

गटका

- इसका जन्म पंजाब राज्य में हुआ है, और निहंग सिख लड़ाकों की यह पारंपरिक लड़ाई शैली का प्रयोग स्व-रक्षा और खेलकूद दोनों के रूप में किया जाता है।

थांग-टा

- यह मणिपुर की मार्शल कला है और खेलो भारत युवा खेलकूद 2021 की मदद के साथ इसे राष्ट्रीय मान्यता हासिल होगी।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रशनपत्र I- कला एवं संस्कृति

स्रोत- PIB

'लीजन ऑफ मेरिट' पुरस्कार

खबर में क्यों है?

- संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रतिष्ठित लीजन ऑफ मेरिट पुरस्कार प्रदान किया। यह पुरस्कार उन्हें दोनों देशों की रणनीतिक भागीदारी को उन्नत करने और भारत के वैश्विक शक्ति के रूप में उदय के लिए दिया गया।

लीजन ऑफ मेरिट पुरस्कार के बारे में

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन्य बलों का एक सैन्य पुरस्कार है जोकि अभूतपूर्व सेवाओं और उपलब्धियों को हासिल करने के लिए विशेष सराहनीय आचरण के लिए दिया जाता है।
- यह उच्च श्रेणी का लीजन ऑफ मेरिट का मुख्य कमांडर है जोकि केवल राज्याध्यक्षों अथवा सरकारों को प्रदान किया जाता है।

अन्य लोग जिन्हें लीजन ऑफ मेरिट पुरस्कार प्रदान किया गया

- संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने लीजन ऑफ मेरिट ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन और पूर्व जापानी प्रधानमंत्री शिंजो अबे को भी प्रदान किया।
- उनके राजदूतों ने यह पुरस्कार वाशिंगटन डी सी में लिया।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र ।- कला एवं संस्कृति

स्रोत- AIR

जोमीः मणिपुर का एक जातीय समूह

खबर में क्यों है?

- हाल में, **मणिपुर के जोमी जातीय समूह** ने संविधान के **छठवीं अनुसूची के अंतर्गत जोलैंड क्षेत्रीय परिषद (ZTC)** के निर्माण की **मांग को फिर से उठाया** है। यह मांग **असम में बोडोलैंड क्षेत्रीय परिषद के आधार पर एक स्व-प्रशासित क्षेत्र** के लिए है।

जोमी के बारे में

- ये **स्थानीय समुदाय** हैं जो **भारत और म्यांमार की सीमा में निवास** करते हैं।
- ये **जो लोगों के उप-समूह** हैं (मिजो-कुकी-चिन)।
- **भारत** में वे **पेटे और सिम्ते लोगों** की आदतों और **समान भाषा के साथ जीते** हैं।
- **भारत में, जोऊ को मणिपुर राज्य में 33 स्थानीय लोगों** में से एक के रूप में **आधिकारिक रूप से मान्यता** दी गई है। वे **अनुसूचित जनजातियों** में से एक हैं।
- जोऊस को भारत व विश्व के विभिन्न **भागों में पाया जा सकता** है।
- **2001 की जनगणना** के अनुसार, **मणिपुर में जोऊ जनसंख्या** लगभग 20,000 के आसपास है, जोकि **3% से भी कम जनसंख्या** है।
- यह समुदाय **मणिपुर के चूराचंदपुर और चंदेल जिलों** में केंद्रित है।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

मोन्पा हस्तनिर्मित कागज

खबर में क्यों है?

- हाल में **1000 वर्ष पुरानी विरासत कला- अरुणाचल प्रदेश का मोन्पा हस्तनिर्मित कागज-** जो कि **विलुप्त** होने की ओर अग्रसर था, **एक बार फिर से पुनर्जीवित** हो गया है, जिसका श्रेय **खादी और ग्राम उद्योग आयोग (KVIC)** को है।

मोन्पा हस्तनिर्मित कागज के बारे में

- यह एक **बेहतरीन बनावट वाला हस्तनिर्मित कागज** है जिसे स्थानीय बोली में **मॉन शुगु** कहा जाता है, जोकि **तवांग, अरुणाचल प्रदेश** की स्थानीय जनजातियों की **जीवंत संस्कृति के लिए अविभाज्य** है।

- **मोन्पा हस्तनिर्मित कागज** को **शुगु शेंग कहे जाने वाले स्थानीय पेड़ की छाल** से बनाया जाएगा, जिसके **औषधीय गुण** भी हैं।

ऐतिहासिक महत्व

- कागज का काफी ज्यादा **ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व** है क्योंकि यह वह कागज है जिसका प्रयोग **विहारों में बौद्ध ग्रंथों और श्लोकों को लिखने** में किया जाता था।
- इन कागजों की बिक्री **तिब्बत, भूटान, थाईलैंड** और **जापान** जैसे देशों में होती थी क्योंकि इन देशों में **कोई भी कागज बनाने वाला उद्योग नहीं** था।
- लेकिन, **धीरे-धीरे स्थानीय क्षेत्र की अवनति** होती गई और **स्वदेशी हस्तनिर्मित कागज** का स्थान **घटिया चीनी कागज** ने ले लिया।

विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र I- कला एवं संस्कृति

स्रोत- PIB